Haryana Vidhan Sabha Secretariat
LIBRARY
Chandigarh

हरियाणा विधान सभा
की
कार्यवाही

04 नवम्बर, 2014

खण्ड-1, अंक-2

अधिकृत विवरण

विषय सूची

मंगलवार, 04 नवम्बर, 2014

	पृष्ठ संख्या
सदस्य द्वारा शपथ या प्रतिज्ञान	(2) 1
राज्यपाल का अभिभाषण	(2) 1
(सदन की मेज पर रखी गई प्रति)	(2) 1
अध्यक्ष द्वारा सदन की मेज पर रखा गया कागज-पत्र घोषणाएँ-	(2) 6
(क) अध्यक्ष द्वारा- चेयरपर्सन्ज के नामों की सूची	(2) 7
(ख) प्रधान सचिव द्वारा- राष्ट्रपति/राज्यपाल द्वारा अनुमति दिए गए बिलों सम्बन्धी	(2) 7
शोक प्रस्ताव	(2) 7
नियम 121 के अधीन प्रस्ताव	(2) 14
नियम 10 के निलम्बन के लिए नियम 121 के अधीन प्रस्ताव	(2) 16
सदन की मेज पर रखे गए/पुनः रखे गए कागज-पत्र	(2) 16

	पृष्ठ संख्या
राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर चर्चा तथा धन्यवाद प्रस्ताव पर मतदान	(2) 17
अति विशिष्ट व्यक्ति का अभिनन्दन	(2) 32
बैठक का समय बढ़ाना	(2) 32
राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर चर्चा तथा धन्यवाद प्रस्ताव पर मतदान (पुनरारम्भण)	(2) 33
बैठक का समय बढ़ाना	(2) 77
राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर चर्चा तथा धन्यवाद प्रस्ताव पर मतदान (पुनरारम्भण)	
बैठक का समय बढ़ाना	
राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर चर्चा तथा धन्यवाद प्रस्ताव पर मतदान (पुनरारम्भण)	
बैठक का समय बढ़ाना	(2) 94
राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर चर्चा तथा धन्यवाद प्रस्ताव पर मतदान (पुनरारम्भण)	
वाक आउट	
राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर चर्चा तथा धन्यवाद प्रस्ताव पर मतदान (पुनरारम्भण)	(2) 112
वर्ष 2014-15 के लिए अनुपूरक अनुमान (पहली किस्त) प्रस्तुत करना	(2) 115
वर्ष 2014-15 के लिए अनुपूरक अनुमानों की मांगों (पहली किस्त) पर चर्चा तथा मतदान	(2) 117

हरियाणा विधान सभा

मंगलवार, 04 नवम्बर, 2014

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर-1, चण्डीगढ़ में अप्र-मध्याह्न 11.23 बजे हुई। अध्यक्ष (श्री कंवरपाल) ने अध्यक्षता की ।

सदस्य द्वारा शपथ या प्रतिज्ञान

श्री अध्यक्ष : अब माननीय सदस्य शपथ लेंगे। प्रधान सचिव द्वारा सदस्य का नाम शपथ या प्रतिज्ञान के लिए बुलाया जाएगा।

श्री जगबीर सिंह मलिक, गोहाना

राज्यपाल का अभिभाषण

श्री अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, हरियाणा विधान सभा के प्रक्रिया एवं कार्य संचालन सम्बंधी नियमों के नियम 18 के मुताबिक मुझे यह सूचना देनी है कि संविधान के अनुच्छेद 176 (1) के अधीन राज्यपाल महोदय ने आज दिनांक 4-11-2014 को प्रातः 10.30 बजे हरियाणा विधान सभा को सम्बोधित करने की कृपा की थी। उनके अभिभाषण की एक प्रति सदन की मेज पर रखी जाती है।

अभिभाषण की एक प्रति सदन की मेज पर रखी गयी।

सम्मानित अध्यक्ष महोदय तथा माननीय सभासदो !

नवगठित हरियाणा विधान सभा के प्रथम सत्र को सम्बोधित करते हुए मुझे बड़े हर्ष का अनुभव हो रहा है । प्रदेश के राज्यपाल के रूप में अपना प्रथम अभिभाषण देते हुए मुझे बड़ा गर्व हो रहा है। मैं आप सबको शुभकामनाएं देता हूं तथा इस सम्मानित सदन के सदस्य बनने पर आपका हार्दिक अभिन्दन करता हूं। हरियाणा के लोगों ने हाल ही की चुनाव प्रक्रिया में बढ़-चढ़ कर भाग लिया तथा आप लोगों में अटूट विश्वास व्यक्त किया है मुझे विश्वास है कि एक विधायक के रूप में आप अपने विभिन्न उत्तरदायित्वों का निवर्हन पूरे समर्पण भाव से करेंगे, जिसे लोगों की आशाएं और आकांक्षाए फलीभूत होंगी।

2. माननीय सभासदो, मेरी सरकार को हाल ही में हुए चुनावों में एक निर्णायक जनादेश मिला है। यह लोगों, विशेषकर युवाओं की एक ऐसी विकास-प्रक्रिया की अभिलाषा की अभिव्यक्ति है, जोकि कि भ्रष्टाचार-मुक्त और पारदर्शी हो। इससे इस बात को भी बल मिलता है कि लोग एक ऐसा वातावरण चाहते हैं जिसमें कानून-व्यवस्था का सख्ती से पालन हो।

3. इसलिए, मेरी सरकार "एक भारत, श्रेष्ठ भारत" की राष्ट्रीय परिकल्पना के संदर्भ में सुशासन के माध्यम से "सबका साथ, सबका विकास" के अभीष्ट लक्ष्य को प्राप्त करने के लिये प्रतिबद्ध है। इसका उद्देश्य बिना किसी जाति, पंथ और क्षेत्र के भेदभाव के सभी हरियाणावासियों में अपनेपन की भावना पैदा करना है। मेरी सरकार "वसुधैव कुटुम्बकम्" अर्थात् "पूरा विश्व एक परिवार" की अवधारणा में विश्वास रखती है। मेरी सरकार लोगों से की गई वचनबद्धता को समयबद्ध ढंग से पूरा करने के प्रति पूरी तरह से सचेत है।

4. माननीय सभासदो, यह भारी और स्पष्ट जनादेश पिछली व्यवस्था के प्रति लोगों के असंतोष को दर्शाता है, परन्तु इसके साथ-साथ यह मेरी सरकार की भावी नीतियों और कार्यक्रमों में उनकी निष्ठा की भी अभिव्यक्ति है। मुझे विश्वास है कि आपके सहयोग से मेरी सरकार हरियाणा के सभी क्षेत्रों के सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए एक अनुकूल परिवेश उपलब्ध करवाने में सफल रहेगी। मेरी सरकार महिलाओं और कमजोर वर्गों समेत युवाओं को उचित ढंग से दक्ष बनाकर उनके लिए लाभप्रद रोजगार सृजित करेगी। प्रशासनिक तंत्र को चुस्त-दुरुस्त बनाकर इसे और अधिक उत्तरदायी बनाने पर विशेष बल दिया जाएगा।

5. मेरी सरकार विरासत में मिली अपारदर्शी निर्णय-प्रक्रिया तथा संसाधनों के भेदभावपूर्ण बंटवारे से दक्षता से निपटेगी। यह विशेष तौर पर सत्य है भूमि उपयोग तथा अधिग्रहण सम्बन्धी निर्णयों के मामले इसके उदाहरण हैं। इसलिए, "सरकार कम से कम, सुशासन अधिकतम" मेरी सरकार की कार्यप्रणाली का मूलमंत्र होगा।

6. मेरी सरकार सार्वजनिक सेवाओं की प्रदायगी में बाधाओं का निराकरण करके प्रदेश के चहुंमुखी विकास का विशाल कार्य करेगी। इनमें सर्वप्रथम और सर्वोपरि हैं, राज्य की मुख्य आधारभूत सेवाएं जैसेकि बिजली, पानी आपूर्ति, सड़क तंत्र तथा आवास। यहा, ऊपर वर्णित समस्याओं समेत क्षेत्रों, गतिविधियों तथा सेवाओं में अन्तिम छोर की संयोजिता में कमियों को दूर करना प्रमुख मुद्दा रहेगा। ग्रामीण तथा शहरी क्षेत्रों, दोनों में उद्यमशीलता, रोजगार सृजन तथा कौशल विकास के लिए अवसरों का पूरा दोहन किया जाएगा।

7. मेरी सरकार अकुशल वित्तीय प्रबंधन, जिसके कारण खजाने की दुर्दशा हुई है, की समीक्षा करने तथा इसे युक्तिसंगत बनाने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। हम विगत की "यथार्थवाद" की कीमत पर "लोकलुभावनवाद" की परम्परा को बदलेंगे । मेरी सरकार दीर्घावधि सतत् विकास के लिए संसाधनों का समान वितरण सुनिश्चित करके राज्य की अर्थव्यवस्था का कायाकल्प करने के लिए योजनाएं बनाएगी। आम आदमी पर भार डाले बिना संसाधन जुटाने के प्रयास किए जाएंगे।

8. मेरी सरकार फिजूल तथा अनुत्पादक खर्च पर अंकुश लगाने में कोई कोर-कसर बाकी नहीं छोड़ेगी। मेरी सरकार सार्वजनिक क्षेत्रों के उपक्रमों, बोर्डों व निगमों और आयोगों तथा विनियामकों को तर्कसंगत बनाने के प्रयास करेगी। संसाधन जुटाने तथा पूंजीगत व्यय बढ़ाने के हर सम्भव प्रयास किए जाएंगे। इससे राज्य के सभी नागरिकों के लिए एक बेहतर तथा अति समृद्ध आर्थिक भविष्य सुनिश्चित होगा।

9. हरियाणा राज्य की अधिकतर जनसंख्या आजीविका के लिए कृषि पर निर्भर है। इसलिए मेरी सरकार द्वारा इस क्षेत्र में विकास दर बढ़ाने हेतु नए अवसरों का दोहन करने के लिए सतत् प्रयास किए जाएंगे। मेरी सरकार कृषि, विशेषकर कृषि अवसंरचना में सार्वजनिक तथा निजी, दोनों क्षेत्रों द्वारा निवेश बढ़ाने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाएगी। वैज्ञानिक पद्धतियों तथा कृषि प्रौद्योगिकी के माध्यम से कृषि को लाभप्रद उद्यम में परिवर्तित करने के लिए समयबद्ध कदम उठाए जाएंगे।

10. मेरी सरकार कृषि की गुणवत्ता तथा उत्पादकता बढ़ाने के लिए सॉयल हैल्थ कार्ड योजना प्रारम्भ करेगी। इस के लिए लघु तथा सीमांत किसानों के लिए सस्ते कृषि आदानों, ऋण तथा अधिक पैदावार देने वाले बीजों की उपलब्धता जैसे उपाय किए जाएंगे। मेरी सरकार परम्परागत कृषि के साथ-

साथ फलों, सब्जियों, फूलों, और औषधीय पौधों की खेती को बढ़ावा देने का प्रयास करेगी। मेरी सरकार राज्य के किसानों के लिए कृषि पैदावार के मूल्य तथा खरीद,फसल बीमा तथा कटाई उपरान्त प्रबन्धन के मुद्दों का भी समाधान करेगी।

11. मेरी सरकार भंडारण सुविधाओं तथा कोल्ड स्टोरेज के माध्यम से कृषि की वृद्धि के लिए आवश्यक अतिरिक्त अवसंरचना उपलब्ध करवाने का संकल्प करती है। सार्थक सार्वजनिक-निजी भागीदारी के माध्यम से मण्डियों का आधुनिकीकरण करना सरकार का लक्ष्य रहेगा। सरकार खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों की स्थापना को प्रोत्साहित करेगी।

12. इसके अतिरिक्त, सहकारिता की भावना में बाधक विसंगतियों तथा कमियों का पता लगाकर उन्हें दूर करने की ओर विशेष ध्यान दिया जाएगा। "स्वयं सहायता समूह" आंदोलन पश्चिमी और दक्षिणी भारत के राज्यों में जमीनी स्तर पर अत्यन्त सफल रहा है। मेरी सरकार इस आंदोलन की अच्छी पद्धतियों को अपनाएगी। इसके अलावा मेरी सरकार एक पारदर्शी भूमि अधिग्रहण तथा प्रबन्धन नीति बनाने के प्रयास करेगी। सरकार प्रदेश की गैर-कृषि योग्य भूमि की वैज्ञानिक ढंग से पहचान करने तथा इसके समुचित विकास के लिए एक भूमि उपयोग नीति भी बनाएगी।

13. गौरक्षा मेरी सरकार की वचनबद्धता है। मेरी सरकार पशुपालन व डेरी विकास क्षेत्रों को प्रोत्साहित करने के लिए गोवर्धन केन्द्रित योजनाएं बनाएगी । मेरी सरकार वित्तीय रूप से व्यावहारिक योजनाओं के माध्यम से देसी नस्ल की गायों की उत्पादकता बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। इससे छोटे और सीमान्त किसानों की आजीविका सुनिश्चित होगी और वे राज्य की अर्थव्यवस्था के विकास में अपना योगदान दे सकेंगे।

14. माननीय सभासदो, मेरी सरकार जल सुरक्षा को उच्च प्राथमिकता देने के लिए प्रतिबद्ध है। बाढ़ तथा सूखे की पुनरावृत्ति को रोकने के लिए हमारे जल संसाधनों का सर्वोत्तम उपयोग सुनिश्चित करने की आवश्यकता है। मेरी सरकार वर्षा जल संरक्षण तथा भू-जल पुनर्भरण को बढावा देगी। मेरी सरकार हरियाणा के सभी गांवों और कस्बों, विशेषकर कमजोर वर्गों के घरों में समुचित पेयजल भी उपलब्ध करवाएगी।

15. मेरी सरकार नदी जल हिस्से में राज्य के न्यायसंगत अधिकारों के संरक्षण के लिए अथक प्रयास करेगी। राज्य में कृषि की जीवन-रेखा सतलुज-यमुना लिंक नहर को शीघ्रता से पूरा करवाने के लिए हरसम्भव प्रयास किये जाएंगे। इसी प्रकार, हांसी-बुटाना लिंक नहर को शीघ्रता से चालू करवाने में आने वाली सभी कानूनी बाधाओं को दूर करवाने के लिए नए सिरे से प्रयास किये जाएंगे। मेरी सरकार सभी पड़ोसी राज्यों के साथ लम्बित अन्तर्राज्यीय मुद्दों समेत हरियाणा के अन्य वैधानिक अधिकारों की रक्षा के लिए सौहार्दपूर्ण ढंग से सभी आवश्यक कदम उठाएगी।

16. मेरी सरकार कृषि, उद्योग तथा घरेलू उपभोक्ताओं के लिए बिजली की कमी के प्रति पूरी तरह से सचेत है। इसलिए, पारम्परिक तथा गैर-पारम्परिक संसाधनों के विवेकपूर्ण सम्मिश्रण से बिजली उत्पादन क्षमता में पर्याप्त संवर्धन करना सरकार का लक्ष्य रहेगा। सकल तकनीकी तथा वाणिज्यिक हानियों को भी कम करने का लक्ष्य है । मेरी सरकार राज्य में बिजली निगमों की कार्यप्रणाली को भी मजबूत करेगी और सम्प्रेषण तथा वितरण के दौरान बिजली की हानि को न्यूनतम करने के भी प्रयास करेगी। लोगों को उनके बिजली के बिलों का भुगतान करने हेतु प्रेरित और प्रोत्साहित करने के लिए प्रभावी कदम उठाए जाएंगे। मेरी सरकार सभी उपभोक्ताओं को उनकी आवश्यकता के अनुसार मांग पर बिजली आपूर्ति का लक्ष्य हासिल करने का प्रयास करेगी।

17. हरियाणा राज्य में औद्योगिकीकरण की अपार संभावनाएं हैं। राष्ट्रीय स्तर पर शुरू किये गए "श्रमेव जयते कार्यक्रम" के अनुरूप औद्योगिक उत्पादन, रोजगार तथा अवसर बढ़ाकर इनका दोहन करने की आवश्यकता है। मेरी सरकार राज्य में व्यवसाय की सहुलियत बढ़ाने के लिए आवश्यक कदम उठाएगी। मेरी सरकार राज्य में आधारभूत परियोजनाओं में विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (एफ०डी०आई०) समेत निवेश को प्रोत्साहित करने की नीति का अनुसरण करेगी।

18. मेरी सरकार औद्योगिक क्षेत्र में तेजी से रोजगार के अवसर पैदा करने के लिए मेक इन इंडिया की राष्ट्रीय नीति के अनुरूप श्रम सघन विनिर्माण को बढ़ावा देगी। पर्यटन और कृषि आधारित उद्योगों को बढ़ावा देकर रोजगार के अवसर भी बढ़ाए जाएंगे। सरकार सभी श्रेणियों के श्रमिकों के लिए पेंशन और स्वास्थ्य बीमा सुरक्षा तंत्र को सुदृढ़ करेगी तथा उन्हें आधुनिक वित्तीय सेवाएं उपलब्ध करवाएगी।

19. मेरी सरकार औद्योगिक स्वीकृतियों के लिए एकल खिड़की प्रणाली अपनाएगी। सरकार का लक्ष्य कार्य सम्पादन के समय और लागत को कम करने के लिए भारी-भरकम कागजी कार्यवाही को न्यूनतम करने का है। तकनीकी, विपणन और निवेश सहायता बढ़ाकर छोटे स्तर के उद्योगों और हस्तशिल्प क्षेत्रों का पुनरुद्धार किया जाएगा। कौशल विकास और रोजगार कार्यालयों को परामर्श के लिए कैरियर केन्द्रों में परिवर्तित करने के लिए कदम उठाए जाएंगे। इससे ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के हमारे युवा, औद्योगिक क्षेत्र, विशेषकर सूक्ष्म लघु और माध्यम उद्यमों में रोजगार के लिए सक्षम होंगे।

20. माननीय सभासदो, स्वास्थ्य देखभाल सहित शिक्षा एक और प्राथमिकता का क्षेत्र है, जिसकी ओर किसी भी कल्याणकारी राज्य द्वारा सबसे अधिक ध्यान दिया जाना चाहिए। मेरी सरकार का यह दृढ़ मत है कि हमें जनांकिकीय लाभांश के अवसरों का लाभ उठाने के लिए अपने युवाओं, विशेषकर महिलाओं को अच्छी शिक्षा देनी चाहिए तथा उनका कौशल विकास करना चाहिए। शिक्षण संस्थानों में गुणवत्ता, अनुसंधान और नवाचार की कमी से उत्पन्न चुनौतियों से निपटना मेरी सरकार का लक्ष्य रहेगा। मेरी सरकार की शिक्षा के क्षेत्र में सबसे महत्वपूर्ण पहल राष्ट्रीय चरित्र निर्माण तथा परम्पराओं के सम्मान पर केन्द्रित मूल्य आधारित शिक्षा प्रदान करने की होगी।

21. मेरी सरकार प्राथमिक तथा माध्यमिक विद्यालयों में शौचालय (विशेषकर लड़कियों के लिए), ब्लैक बोर्ड, पर्याप्त भवन, खेल के मैदान आदि जैसी आधारभूत सुविधाएं प्रदान करके शिक्षा का कायाकल्प करेगी। मेरी सरकार ऑनलाइन पाठ्यक्रम और वर्चुअल क्लासरूम शुरू करने का प्रयास करेगी। अध्यापकों और विद्यार्थियों को सशक्त बनाने के लिए ई-पुस्तकालय स्थापित करने का मेरी सरकार का प्रस्ताव है।

22. मेरी सरकार औपचारिक शिक्षा और कौशल विकास के बीच की बाधाओं को दूर करने के लिए प्रतिबद्ध है। मेरी सरकार का राज्य के विश्वविद्यालयों को उत्कृष्टता केन्द्रों के रूप में विकसित करने का प्रस्ताव है, जिनमें विभिन्न संकायों में विश्वस्तरीय शिक्षा प्रदान की जाएगी। खेलों को विद्यालय पाठ्यक्रम का अभिन्न अंग बनाकर लोकप्रिय बनाया जाएगा।

23. मेरी सरकार हरियाणा को देश का स्पोर्ट्स हब बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। मेरी सरकार प्राथमिक विद्यालयों में कम आयु की होनहार प्रतिभाओं की पहचान करने तथा उन्हें विशेष प्रशिक्षण प्रदान करने का प्रयास करेगी। मेरी सरकार राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय खेल प्रतिस्पर्धाओं में हरियाणा की महान उपलब्धियों से परिचित है। इसे आगे बढ़ाते हुए, राष्ट्र को और ख्याति दिलाने के लिए चयनित संकायों के अलावा भी खेल संभावनाओं के और अधिक विकास तथा विस्तार का कार्य करेगी।

24. माननीय सभासदो, हमारे राज्य को एक ऐसी समग्र स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली की जरूरत है, जोकि सर्वसुलभ, सस्ती और प्रभावी हो। मेरी सरकार कुपोषण से निपटने के लिए प्रभावी कदम उठाएगी। वर्तमान स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली का कायाकल्प किया जाएगा। योग और चिकित्सा की वैकल्पिक पद्धतियों को उचित प्राथमिकता दी जाएगी। मेरी सरकार स्वास्थ्य देखभाल विशेषज्ञों, स्वास्थ्य शिक्षा और प्रशिक्षण की कमी को दूर करने की ओर विशेष ध्यान देगी। इसकी शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों में विशेष रूप से आवश्यकता है।

25. मेरी सरकार स्वच्छता, अपशिष्ट प्रबंधन और बेहतर सफाई सुनिश्चित करने के प्रयास करेगी। मेरी सरकार सामाजिक व गैर-सरकारी संगठनों के सहयोग से राष्ट्रीय स्तर पर शुरू किए गये स्वच्छ भारत मिशन में लोगों की सहभागिता बढ़ाने पर विशेष बल देगी। मेरी सरकार ने वर्ष 2019 तक महात्मा गांधी के स्वच्छ भारत के सपने को साकार करने के लिए स्लम बस्तियों की स्वच्छता पर ध्यान केन्द्रित करते हुए "स्वच्छ हरियाणा-स्वच्छ भारत अभियान" पहले से ही शुरू किया हुआ है।

26. मेरी सरकार पण्डित दीनदयाल उपाध्याय के "अन्त्योदय" सिद्धान्त का अनुकरण करने के लिए प्रतिबद्ध है, जिसमें निचले पायदान पर बैठे व्यक्ति की रोटी, कपड़ा और मकान की मूलभूत आवश्यकताएं पूरी करने पर बल दिया गया है। मेरी सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि अनुसूचित जातियों, अल्पसंख्यकों, महिलाओं और समाज के अन्य कमजोर वर्गों के लोग प्रगति और विकास के उभरते अवसरों का लाभ उठाने में सक्षम हों। विकलांग लोगों का कल्याण और पुनर्वास मेरी सरकार के न्यायोचित और संवेदनशील समाज के विजन का एक अभिन्न अंग है।

27. मेरी सरकार राज्य में असंतुलित लिंगानुपात में सुधार लाने के लिए लोगों के सहयोग से एक बहुआयामी नीति बनाएगी। मेरी सरकार महिलाओं के विरुद्ध अपराधों को कतई सहन नहीं करेगी। मेरी सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि महिलाओं का सशक्तिकरण हो, जिससे कि वे समान अवसरों के माध्यम से जीवन के हर क्षेत्र में भागीदार बनें और आगे बढ़ें। मेरी सरकार ऐसा सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करेगी जिसमें महिलाएं अपनी पूर्ण क्षमता प्राप्त करने में सशक्त हों।

28. राज्य में जवाबदेह, पारदर्शी और भागीदार शासन प्रदान करने का मेरी सरकार का आधार 'डिजिटल इंडिया' की राष्ट्रीय नीति के अनुरूप 'डिजिटल हरियाणा' होगा। सेवा प्रदायगी और उत्तरदायी कार्यक्रम क्रियान्वयन की सरकारी प्रक्रिया में सुधार के लिए सूचना प्रौद्योगिकी का प्रयोग किया जाएगा। मेरी सरकार सूचना प्रौद्योगिकी आधारित नागरिक सेवाएं सृजित करके सरकारी खर्च में पारदर्शिता सुनिश्चित करेगी।

29. मेरी सरकार का सभी ग्राम पंचायतों को बॉडबैंड हाइवे से जोड़ने का इरादा है और सरकार सभी स्कूलों को चरणबद्ध तरीके से ई-सक्षम बनाने का प्रयास करेगी। नीति बनाने और प्रशासन से लोगों को सीधे रूप से जोड़ने के लिए सोशल मीडिया जैसी उभरती प्रौद्योगिकियों का उपयोग किया जाएगा। पहुंच और पारदर्शिता में सुधार के लिए सरकारी रिकॉर्ड का डिजिटाइजेशन किया जाएगा।

30. मेरी सरकार अति सक्रिय और प्रभावी सरकार होगी जोकि अपने नागरिकों तक पहुंच बनाएगी। मेरी सरकार निचले स्तर पर प्रशासन को और अधिक विकेन्द्रित, जवाबदेह और उत्तरदायी बनाने के लिए शिकायत निवारण तंत्र को सुदृढ़ बनाएगी। मेरी सरकार समयबद्ध प्रदर्शन आकलन के माध्यम से तथा प्रोत्साहन और निरुत्साहन की प्रणाली स्थापित करके प्रशासन की दक्षता में सुधार के लिए भी कदम उठाएगी।

31. हरियाणा में तीर्थ पर्यटन की अपार क्षमता है, जोकि राज्य की सामाजिक-आर्थिक प्रगति में विशेष भूमिका निभा सकता है। मेरी सरकार का सभी धर्मों के तीर्थ स्थलों पर सुविधाओं के विकास और सौंदर्यकरण गतिविधियां शुरू करने का प्रस्ताव है ताकि वे घरेलू तथा विदेशी पर्यटकों को आकर्षित कर सकें।

32. मेरी सरकार केवल गरीबी उपशमन से सन्तुष्ट नहीं होगी अपीतु राज्य में गरीबी उन्मूलन के लक्ष्य को हासिल करने के लिए प्रतिबद्ध है। मेरी सरकार हरियाणा के सभी नागरिकों को "प्रधानमंत्री जन धन योजना" के अन्तर्गत बीमा कवर सहित बैंक खाते की सुविधा के साथ जोड़ने का प्रयास करेगी। मेरी सरकार महात्मा गांधी ग्रामीण रोजगार गारण्टी अधिनियम के क्रियान्वयन में जवाबदेही लाने तथा धनराशि की अनियमिताओं को नियन्त्रित करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाएगी। मेरी सरकार अनिवार्य वस्तुओं की आपूर्ति में अपेक्षित सब्सिडी को गरीब व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए सार्वजनिक वितरण प्रणाली में सुधार के भी प्रयास करेगी। उपरोक्त सन्दर्भ में, मेरी सरकार भारत सरकार द्वारा शुरू की गई सभी योजनाओं, कार्यक्रमों और परियोजनाओं के अन्तर्गत संसाधनों का प्रभावी उपयोग करने की कोशिश करेगी।

33. मेरी सरकार शहरी-ग्रामीण भेद को समाप्त करने के लिए "सुविधाएं शहर की-आत्मा गांव की (Rurban)" की परिकल्पना से निर्देशित होगी। मेरी सरकार हरियाणा के गांवों के लोकाचार का संरक्षण करते हुए ग्रामीण क्षेत्रों में शहरी सुविधाएं उपलब्ध करवाएगी। आधुनिक सुविधाओं तथा आधारभूत ढांचे के साथ स्मार्ट शहर विकसित करना मेरी सरकार का लक्ष्य रहेगा। मेरी सरकार "सांसद आदर्श ग्राम योजना" के अन्तर्गत आदर्श गांवों के विकास के लिए भी प्रतिबद्ध है। पंचायती राज संस्थानों तथा शहरी स्थानीय निकायों को अनूठी स्थानीय विकास पहलों के संवर्धन में प्रमुख भूमिका निभाने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा।

34. मेरी सरकार स्वतंत्रता सेनानियों तथा भूतपूर्व सैनिकों द्वारा राष्ट्र को दी गई सेवाओं का सम्मान करते हुए उनके कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। मेरी सरकार सैनिकों की सेवानिवृत्ति के पश्चात उनके पुनर्वास के लिए सभी जरूरी कदम उठाएगी।

35. माननीय सभासदो, यह समय विश्वसनीय सरकार-नागरिक सम्बंध विकसित करने का है। यह निरर्थक और सुस्त प्रदायगी प्रणाली से भी छुटकारा पाने का समय है ताकि हरियाणा एक बार फिर से जीवंत, गतिशील और प्रगतिशील बने। मेरी सरकार तीन "डी" अर्थात डेमोक्रेसी, डेमोग्राफी और डिमांड के साथ जन-आकांक्षाए पूरी करने के लिए प्रतिबद्ध है। मैंने जिन मुद्‌दों को रेखांकित किया है, उन पर आपके द्वारा जो रचनात्मक विचार मंथन होगा उससे राज्य की चहुंमुखी प्रगति और विकास में सहायता मिलेगी।

36. मैं एक बार पुन : प्रथम सत्र के अवसर पर आप सबको हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं।

जय हिन्द !

अध्यक्ष द्वारा सदन की मेज पर रखा गया कागज-पत्र

श्री अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, मैं लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 73 के अधीन जारी की गई भारत के निर्वाचन आयोग की अधिसूचना संख्या 308/एच०एन०-एल०ए०/2014, दिनांक 21 अक्तूबर, 2014 की प्रति सदन के पटल पर रखता हूं।

घोषणाएं-

(क) अध्यक्ष द्वारा-

श्री अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, चैयरपर्सन्ज के नामों की सूची हरियाणा विधान सभा के प्रक्रिया एवं कार्य संचालन संम्बंधी नियमों के नियम 13-(i) के अधीन मैं निम्नलिखित सदस्यों को सभापतियों की सूची में सभापति के रूप में कार्य करने के लिए नामांकित करता हूं :-

1. श्री कृष्ण लाल पंवार, विधायक
2. श्रीमती संतोष यादव, विधायक
3. श्री आनंद सिंह डांगी, विधायक
4. श्री जाकिर हुसैन, विधायक

(ख) प्रधान सचिव द्वारा

प्रधान सचिव : महोदय, मैं उन विधेयकों को दर्शाने वाला विवरण जो हरियाणा विधान सभा ने अपने सितम्बर, 2006 तथा जुलाई, 2014 में हुए सत्रों में पारित किए थे तथा जिन पर *राष्ट्रपति/ राज्यपाल महोदय ने अनुमति दे दी है, सादर सदन की मेज पर रखता हूं :-

सितम्बर, सत्र, 2006

* हरियाणा लोक परिसर और भूमि (बेदखली तथा किराया वसूली) संशोधन विधेयक, 2006 जुलाई सत्र, 2006

1. राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय हरियाणा (संशोधन) विधेयक, 2014
2. हरियाणा निजी विश्वविद्यालय, (द्वितीय संशोधन) विधेयक, 2014
3. चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय, जीन्द विधेयक, 2014
4. चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय, भिवानी विधेयक, 2014
5. हरियाणा पुलिस (संशोधन) विधेयक, 2014
6. राज्य प्रदर्शन और दृश्य कला विश्वविद्यालय, रोहतक विधेयक, 2014

शोक प्रस्ताव

श्री अध्यक्ष : माननीय मुख्यमंत्री महोदय शोक प्रस्ताव रखेंगे।

मुख्यमन्त्री (श्री मनोहर लाल): माननीय अध्यक्ष महोदय और सम्मानित सदस्यगण, पहले सत्र और इस सत्र के अर्से के बीच कुछ महानुभाव स्वर्ग सिधार गए हैं। मैं उनके लिए औबिचुअरी रेजोल्यूशन पेश करता हूं।

श्री जयपाल सिंह आर्य, हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य

यह सदन हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य श्री जयपाल सिंह आर्य के 24 अगस्त, 2014 को हुए दुःखद निधन पर गहरा शोक प्रकट करता है।

उनका जन्म 2 जनवरी, 1931 को हुआ। वे 1991 में हरियाणा विधान सभा के सदस्य चुने गये। वे एक निष्ठावान सामाजिक कार्यकर्ता थे।

श्री जयपाल सिंह आर्य एक योग्य विधायक रहे, उनकी सेवाओं से राज्य वंचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के शोक--संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

श्री रामजी लाल, हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य

यह सदन हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य श्री रामजी लाल के 8 सितम्बर, 2014 को हुए दुःखद निधन पर गहरा शोक प्रकट करता है।

उनका जन्म 18 जुलाई, 1947 को हुआ। वे 1996 में हरियाणा विधान सभा के सदस्य चुने गये। वे 1999–2000 के दौरान हरियाणा हरिजन कल्याण निगम के चेयरमैन भी रहे। वे समाज के कमजोर एवं गरीब वर्ग के लोगों के कल्याण एवं उत्थान के लिए सदैव समर्पित रहे।

श्री रामजी लाल एक योग्य विधायक रहे, उनकी सेवाओं से राज्य वंचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के शोक--संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

हरियाणा के स्वतन्त्रता सेनानी

यह सदन उन श्रद्धेय स्वतन्त्रता सेनानियों के निधन पर गहरा शोक प्रकट करता है, जिन्होंने हमारे देश की आज़ादी के संघर्ष में अपना बहुमूल्य योगदान दिया।

इन महान स्वतन्त्रता सेनानियों के नाम इस प्रकार हैं :

1. श्री श्याम सिंह, गांव बराड़ा, जिला अम्बाला।
2. श्री अजमेर सिंह, गांव खेड़ी दबदलान, जिला कुरुक्षेत्र।
3. श्री देवा सिंह, गांव हरिपुर, जिला कुरुक्षेत्र।
4. श्री हरनाथ, गांव बडराई, जिला भिवानी।
5. राव ताराचंद, गांव रामसिंह की ढाणी, जिला गुड़गांव।
6. श्री झुंडाराम, गांव लडायन, जिला झज्जर।

यह सदन इन महान स्वतन्त्रता सेनानियों को शत–शत नमन करता है और इनके शोक–संतप्त परिवारों के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

हरियाणा के शहीद

यह सदन उन वीर सैनिकों को अपना अश्रुपूर्ण नमन करता है, जिन्होंने मातृभूमि की एकता और अखण्डता की रक्षा के लिए अदम्य साहस और वीरता का परिचय देते हुए अपने जीवन का सर्वोच्च बलिदान दिया।

इन महान वीर सैनिकों के नाम इस प्रकार हैं :

1. कैप्टन निमित आर्य, यमुनानगर।
2. नायब सूबेदार रोहताश यादव, गांव बसीरपुर, जिला महेन्द्रगढ़।

3. जूनियर वारंट ऑफिसर अजय शर्मा, भिवानी।
4. हवलदार सुरेश कुमार, गांव गोद बलाहा, जिला महेन्द्रगढ़।
5. हवलदार महेन्द्र सिंह, गांव बेरी, जिला महेन्द्रगढ़।
6. हवलदार सुरेन्द्र सिंह, गांव भापड़ौदा, जिला झज्जर।
7. लांस दफादार प्रदीप कुमार, गांव राजियाकी, जिला रेवाड़ी।
8. नायक जोगिन्द्र पाल, गांव पिरथी का माजरा, जिला यमुनानगर।
9. लांस नायक हरलाभ सिंह, गांव बड़ा गुढ़ा, जिला सिरसा।
10. मार्को विरेंद्र, झज्जर।
11. राईफल मैन रामनिवास, गांव बोबुआ, जिला हिसार।
12. सिपाही भीम सिंह, गांव बुढवाल, जिला महेन्द्रगढ़।
13. सिपाही राकेश कुमार, गांव गोंदर, जिला करनाल।
14. सिपाही धीरज कुमार, गांव टींट, जिला रेवाड़ी।
15. सिपाही संदीप यादव, गांव भड़ंगी, जिला रेवाड़ी।
16. सिपाही रामनिवास, गांव सिहमा, जिला महेन्द्रगढ़।
17. सिपाही कर्मबीर सिंह, गांव कोन्द्रावली, जिला झज्जर।
18. सिपाही दिलबाग सिंह, गांव बरहाना, जिला झज्जर।

यह सदन इन महान वीरों की शहादत पर उन्हें शत–शत नमन करता है और इनके शोक–संतप्त परिवारों के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

जम्मू–कश्मीर प्राकृतिक आपदा

यह सदन सितम्बर, 2014 में जम्मू–कश्मीर में आई आकस्मिक बाढ़ के कारण हुए लोगों के दु:खद एवं असामयिक निधन पर गहरा शोक प्रकट करता है।

इस प्राकृतिक आपदा से जान–माल का भारी नुकसान हुआ, हजारों लोग बेघर हो गये तथा अनेक लापता हो गये। इस आपदा से लोगों के जीवन पर जो कहर टूटा, उसका शब्दों में वर्णन नहीं किया जा सकता।

यह सदन दिवंगतों के शोक–संतप्त परिवारों के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

यह सदन

वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु के ससुर, **श्री हरि सिंह ढाका;** विधायक श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला के चाचा, **श्री बलवंत सिंह सुरजेवाला;** पूर्व सांसद श्री एस.सी.मोहंता की पत्नी, **श्रीमती ऊषा मोहंता;** पूर्व विधायक चौधरी लहरी सिंह के बेटे, **श्री दिनकर मेहरा** व भाई **श्री वेद सिंह;** तथा पूर्व विधायक श्री धर्म सिंह छोक्कर के भाई, श्री कबूल सिंह; के दु:खद निधन पर गहरा शोक प्रकट करता है।

यह सदन दिवंगतों के शोक–संतप्त परिवारों के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

अभय सिंह चौटाला (ऐलनाबाद) : अध्यक्ष महोदय, पिछले सत्र और इस सत्र के बीच में हमारे कुछ साथी जो इस विधान सभा के सदस्य रहे या इस देश के स्वतंत्रता सेनानी रहे जिन्होंने देश की आजादी में अहम भूमिका निभाई वे अब हमारे बीच नहीं रहे, मैं ऐसे वीर सैनिक जिन्होंने सीमाओं पर प्रहरी बनकर इस देश की रक्षा की है और हमारे सदन के कुछ सदस्य हैं उनके परिवार से जुड़े हुए कुछ लोग परमात्मा को प्यारे हुए हैं। जिस प्रकार से सदन के नेता ने अपने शोक प्रस्ताव में इन सबको अपनी और अपने दल की तरफ से श्रद्धांजलि दी है। मैं भी अपनी ओर से और अपनी पार्टी की तरफ से इन सभी दिवंगत आत्माओं को श्रद्धांजलि देता हूं। जो हमारे भूतपूर्व विधायक रहे हैं श्री जयपाल सिंह आर्य जी और रामजी लाल जी ये दोनों विधायक बड़े ही सामाजिक व्यक्ति थे और इन दोनों ने विधायक के रूप में अपने-अपने समाज को ऊपर उठाने के लिए अहम भूमिका निभाने का काम किया। आज वे लोग हमारे बीच में नहीं हैं उनकी वजह से खासकर के उनके अपने समाज को बड़ी हानि हुई है। मैं अपनी और अपने दल की तरफ से उन दोनों के शोक संतप्त परिवारों को हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं। इसके साथ-साथ हमारे जो स्वतंत्रता सेनानी थे जिन्होंने हमारे देश की आजादी के लिए एक लम्बी लड़ाई लड़नी पड़ी। श्री श्याम सिंह जी, गांव बराड़ा, जिला अम्बाला, श्री अजमेर सिंह, गांव खेड़ी दबलान, जिला कुरूक्षेत्र, श्री देवा सिंह, गांव हरिपुर, जिला कुरूक्षेत्र, श्री हरनाथ, गांव बड़राई, जिला भिवानी, राव तारा चन्द, गांव रामसिंह की ढ़ाणी, जिला गुड़गांव, और श्री झुंडाराम, गांव लडायन, जिला झज्जर। मैं अपनी और अपनी पार्टी की तरफ से इन महान स्वतंत्रता सेनानियों को शत्-शत् नमन करता हूं और इनके शोक संतप्त परिवारों के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं। इसी तरह से हमारे वीर सैनिक जो इस देश की रक्षा करते हैं कैप्टन निमित आर्य, यमुनानगर, नायब सूबेदार रोहताश यादव, गांव बसीरपुर, जिला महेन्द्रगढ़, जूनियर वारंट ऑफिसर अजय शर्मा, भिवानी, हवलदार सुरेश कुमार, गांव गोद बलाहा, जिला महेन्द्रगढ़, हवलदार महेन्द्र सिंह, गांव बेरी, जिला महेन्द्रगढ़, हवलदार सुरेन्द्र सिंह, गांव भापड़ौदा, जिला झज्जर, लांस दफादार प्रदीप कुमार, गांव राजियाकी, जिला रेवाड़ी, नायक जोगिन्द्र पाल, गांव पिरथी का माजरा, जिला यमुनानगर, लांस नायक हरलाभ सिंह, गांव बड़ा गुढ़ा, जिला सिरसा, मार्को विरेन्द्र, झज्जर, राईफल मैन रामनिवास, गांव बोबुआ, जिला हिसार, सिपाही भीम सिंह, गांव बुढ़बाल, जिला महेन्द्रगढ़, सिपाही राकेश कुमार, गांव गोंदर, जिला करनाल, सिपाही धीरज कुमार, गांव टींट, जिला रेवाड़ी, सिपाही संदीप यादव, गांव भड़ंगी, जिला रेवाड़ी, सिपाही रामनिवास, गांव सिहमा, जिला महेन्द्रगढ़, सिपाही कर्मबीर सिंह, गांव कोन्द्रावली, जिला झज्जर और सिपाही दिलबाग सिंह, गांव बरहाना, जिला झज्जर। मैं इन सब वीर सैनिकों को जिन्होंने अपने देश की रक्षा के लिए अपने प्राणों को गंवाने का काम किया। उनकी शहादत पर उन्हें मैं शत्-शत् नमन करता हूं और इनके शोक-संतप्त परिवारों के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं। इसी तरह से जम्मू कश्मीर में एक प्राकृतिक आपदा आई थी जिसकी वजह से जम्मू कश्मीर में एक बहुत बड़ी तबाही हुई थी और उस तबाही का असर केवल जम्मू कश्मीर पर ही नहीं पूरे देश पर पड़ा है क्योंकि वह एक पर्यटन के हिसाब से बहुत ही अच्छी जगह थी जिसकी वजह से पूरे देश का नाम है। कहीं भी चर्चा होती है तो सुन्दरता के हिसाब से जम्मू कश्मीर का नाम जरूर लिया जाता है। वहां पर अचानक बाढ़ की वजह से अनेक लोग बेघर हो गये, अनेक लोग मर गये। मै अपनी और अपनी पार्टी की तरफ से उनके प्रति तथा उनके परिवारों के प्रति भी गहरी संवेदना

प्रकट करता हूं। इसके साथ-साथ मैं पूरे हाउस से एक आग्रह करना चाहूंगा कि चूंकि यह बहुत बड़ी त्रासदी थी इसलिए इस भयंकर त्रासदी के क्षणों में यदि हम इस सदन के सभी सदस्य अपनी पहली तनख्वाह जो हमें विधान सभा से प्राप्त होगी, उस तनख्वाह को स्पीकर महोदय के माध्यम से जम्मू कश्मीर के चीफ मिनिस्टर रिलीफ फंड में जमा करवाते हैं तो यह एक बहुत ही अच्छा कदम होगा। हमारी तरफ से यदि ऐसा कदम उठाया जाता है तो मैं समझता हूं कि इससे देश के लोगों में नेक काम करने का जज्बा पैदा होगा और वे भी इसी तरह से अपनी तनख्वाह का पैसा देकर इस त्रासदी से ग्रसित जम्मू और कश्मीर के लोगों की सहायता कर सकते हैं। मैं उम्मीद करता हूं कि इस हाउस के सभी माननीय सदस्य मेरी बात से सहमत होंगे। इसके साथ ही साथ मैं प्रदेश के वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु के ससुर श्री हरि सिंह ढाका, विधायक श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला के चाचा श्री बलवंत सिंह सुरजेवाला, पूर्व सांसद श्री एस०पी० मोहंता की पत्नी श्रीमती ऊषा मोहंता, पूर्व विधायक चौधरी लहरी सिंह के बेटे श्री दिनकर मेहरा व भाई श्री वेद सिंह तथा पूर्व विधायक श्री धर्म सिंह छोक्कर के भाई श्री कबूल सिंह के दुखद निधन पर गहरा शोक प्रकट करता हूं और उनके परिवार के प्रति हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं।

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा (गढ़ी सांपला किलोई): अध्यक्ष महोदय, पिछले सत्र और इस सत्र के बीच में हमारे बहुत से साथी जो विधान सभा के सदस्य रहे, हमारे शहीद स्वतंत्रता सेनानी और बहुत सारे महान व्यक्ति हमें छोड़कर चले गये हैं और जिनके बारे में अभी सदन के नेता ने जो शोक प्रस्ताव रखा है उसके समर्थन में मैं यहां पर खड़ा हुआ हूं। यह सर्वविदित है कि जो इस संसार में आता है उसको एक न एक दिन जाना ही होता है लेकिन कई दफा जब समय से पहले हमारा कोई प्रिय चला जाता है तो बहुत तकलीफ होती है। बहुत सारे ऐसे साथी जिनको अभी देश के हित में बहुत सा कार्य करना था वे इस संसार को छोड़कर चले गये हैं जिनमें हमारे दो पूर्व विधायक श्री जयपाल सिंह जी आर्य व श्री राम जी लाल का नाम भुलाये नहीं भूलता। इन्होंने अपना पूरा जीवन समाज सेवा में लगाया। इसके अलावा जो हमारे स्वतंत्रता सेनानी हैं वे भी एक-एक करके इस संसार को छोड़कर जा रहे हैं। अब इन स्वतंत्रता सेनानियों की बहुत कम तादाद ही शेष बची है। कोई भी समाज या देश तब तक प्रगति नहीं कर सकता जब तक हम अपने स्वतंत्रता सेनानियों का सम्मान न करें। इन स्वतंत्रता सेनानियों में से भी श्री श्याम सिंह जी गांव बराड़ा, जिला अम्बाला, श्री अजमेर सिंह, गांव खेड़ी दबलान, जिला कुरुक्षेत्र, श्री देवा सिंह, गांव हरीपुर, जिला कुरुक्षेत्र, श्री हरनाथ, गांव बडराईं, जिला भिवानी, राव ताराचंद, गांव रामसिंह की ढ़ाणी, जिला गुड़गांव तथा श्री झुंडाराम, गांव लडायन, जिला झज्जर इस संसार को छोड़कर चले गये हैं। हम इन महान स्वतंत्रता सेनानियों को शत्-शत् नमन भी करते हैं और मैं अपनी ओर से तथा अपनी पार्टी की ओर से इनके प्रति हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं। इसी प्रकार से हमारे जो वीर सैनिक देश की रक्षा में शहीद हुए हैं उनके प्रति भी गहरी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं। हम अपने घरों में चैन की नींद सो पाते हैं तो केवल इसलिए कि हमारे वीर सैनिक दिन-रात देश में पहरा दे रहे हैं। स्वतंत्रता सेनानियों ने देश को आजाद कराने का काम किया लेकिन उस आजादी को कायम रखने के लिए हमारे बहादुर जवान अपनी जान की बाजी लगा देते हैं और शहीद होकर भी देश की रक्षा करते हैं। देश का हर दसवां फौजी हरियाणा प्रदेश से संबंध रखता है जो हरियाणा प्रदेश के लिए गौरव की बात है। देश की रक्षा करने के क्षेत्र में हरियाणा प्रदेश का बहुत बड़ा कंट्रीब्यूशन रहा है। हमारे जो महान वीर सैनिक जिन्होंने सर्वोच्च बलिदान दिया जिनमें कैप्टन

[श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा]

निमित सिंह आर्य, यमुनानगर, नायब सूबेदार, रोहताश यादव, गांव बसीरपुर, जिला महेन्द्रगढ़, जूनियर वारंट ऑफिसर अजय शर्मा, भिवानी, हवलदार सुरेश कुमार, गांव गोद बलाहा, जिला महेन्द्रगढ़, हवलदार महेन्द्र सिंह, गांव बेरी, जिला महेन्द्रगढ़, हवलदार सुरेन्द्र सिंह, गांव भापड़ौदा, जिला झज्जर, लांस दफादार प्रदीप कुमार, गांव राजियाकी, जिला रिवाड़ी, नायक जोगिन्द्र पाल, गांव पिरथी का भाजरा, जिला यमुनानगर, लांस नायक हरलाभ सिंह, गांव बड़ा गुढ़ा, जिला सिरसा, मार्को विरेंद्र, झज्जर, राईफल मैन रामनिवास, गांव बोबुआ, जिला हिसार, सिपाही भीम सिंह, गांव बुद्धवाल, जिला महेन्द्रगढ़, सिपाही राकेश कुमार, गांव गौंदर, जिला करनाल सिपाही धीरज कुमार, गांव टींट, जिला रिवाड़ी, सिपाही संदीप यादव, गांव भड़ंगी, जिला रिवाड़ी, सिपाही रामनिवास, गांव सिहमा, जिला महेन्द्रगढ़, सिपाही कर्मबीर सिंह, गांव कोन्द्रावली, जिला झज्जर तथा सिपाही दिलबाग सिंह, गांव बरहाना, जिला झज्जर शामिल है। मैं अपनी और अपनी पार्टी की ओर से इन महान वीरों की शहादत पर उन्हें शत्-शत् नमन करता हूं और इनके शोक-संतप्त परिवारों के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं। अध्यक्ष महोदय, जम्मू-कश्मीर में भयंकर प्राकृतिक आपदा आई, ऐसी प्राकृतिक आपदा पहले कभी न सुनने में आई और न ही देखने को मिली। जम्मू-कश्मीर में अभी भी बहुत से लोग लापता है, उनका कहीं कोई पता नहीं कि उनके घर और परिवार के लोग कहां बह गये हैं? यहां के लोगों के जीवन पर कहर टूटा है, उनका वर्णन शब्दों द्वारा नहीं किया जा सकता है। मैं दिवंगतों के शोक-संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं। जैसा कि विपक्ष के नेता ने सुझाव दिये हैं। मैं सदन को बताना चाहता हूं कि पिछली हरियाणा सरकार ने प्राकृतिक आपदा के लिए 10 करोड़ रुपये रिलीफ फंड में जमा किये हैं। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री ने हमें पत्र लिखकर आर्थिक सहायता भी मांगी थी। अध्यक्ष महोदय, आपके पास भी यह पत्र आया होगा। मैं चाहता हूं कि हमारी सरकार की तरफ से सहायता की जाये, क्योंकि यह इन्सानियत पर बड़ा भारी कहर टूटा है। इसकी भरपाई तो हम नहीं कर सकते हैं। अध्यक्ष महोदय, इसी प्रकार से जो हमारे सदस्य हैं या पूर्व सदस्य हैं उनके परिवार-जन या रिश्तेदार-जन आज हमारे बीच में नहीं रहे हैं। उनके नाम मैं सदन के समक्ष प्रस्तुत करता हूं। वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु के ससुर श्री हरि सिंह ढाका, विधायक रणदीप सिंह सुरजेवाला के चाचा श्री बलवंत सिंह सुरजेवाला, पूर्व सांसद श्री एस०सी० मोहंता की पत्नी श्रीमती ऊषा मोहंता, पूर्व विधायक चौधरी लहरी सिंह के बेटे श्री दिनकर मेहरा व भाई श्री वेद सिंह तथा पूर्व विधायक श्री धर्म सिंह छोक्कर के भाई श्री कबूल सिंह, इन सबके असामयिक निधन पर मैं अपनी तथा अपनी पार्टी की तरफ से गहरा दु :ख प्रकट करता हूं और सभी दिवंगतों के शोक-संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं।

शिक्षा मंत्री (प्रो० रामबिलास शर्मा) : अध्यक्ष महोदय, माननीय मुख्यमंत्री जी ने शोक प्रस्ताव रखा है। मैं भी श्री जयपाल सिंह आर्य और श्री रामजी लाल के शोक संतप्त परिवारों के साथ अपनी संवेदना प्रकट करता हूं। अभी श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा जी ने ठीक कहा है कि जिन स्वतन्त्रता सेनानियों के कारण हमें आजादी मिली और उन वीर सैनिकों के शहीद होने पर गहरा दु:ख है, जिन्होंने हमारे देश की आजादी के संघर्ष में अपना बहुमूल्य योगदान दिया। इन महान स्वतंत्रता सेनानियों के नाम इस प्रकार हैं श्री श्याम सिंह, गांव बराड़ा, जिला अम्बाला, श्री अजमेर सिंह, गांव खेड़ी दबलान, जिला कुरुक्षेत्र, श्री देवा सिंह, गांव हरिपुर, जिला कुरुक्षेत्र, श्री हरनाथ, गांव बडराई, जिला भिवानी, राव ताराचन्द, गांव रामसिंह की ढाणी, जिला गुड़गांव, श्री झुंडाराम, गांव लड़ायन, जिला झज्जर में

इन महान स्वतंत्रता सेनानियों को शत्-शत् नमन और इनके शोक-संतप्त परिवारों के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं। अध्यक्ष महोदय, मैं उन वीर सैनिकों को भी अपना अश्रुपूर्ण नमन करता हूं जिन्होंने मातृभूमि की एकता और अखण्डता की रक्षा के लिए अदम्य साहस और वीरता का परिचय देते हुए अपने जीवन का सर्वोच्च बलिदान दिया। इन महान वीर सैनिकों के नाम इस प्रकार हैं कैप्टन निमित आर्य, यमुनानगर, नायब सूबेदार रोहतास यादव, गांव बसीरपुर, जिला महेन्द्रगढ़ जूनियर वारंट ऑफिसर अजय शर्मा, भिवानी, हवलदार सुरेश कुमार, गांव गोद बलाहा, जिला महेन्द्रगढ़, हवलदार महेन्द्र सिंह, गांव बेरी, जिला महेन्द्रगढ़, हवलदार सुरेन्द्र सिंह, गांव भापड़ौदा, जिला झज्जर, लांस दफादार प्रदीप कुमार, गांव राजियाकी, जिला रिवाड़ी, नायक जोगिन्द्र पाल, गांव पिरथी का माजरा, जिला यमुनानगर, लांस नायक हरलाभ सिह, गांव बड़ा गुढ़ा, जिला सिरसा, मार्को विरेंद्र, झज्जर, राईफल मैन रामनिवास, गांव बोबुआ, जिला हिसार, सिपाही भीम सिंह, गांव बुढ़बाल, जिला महेन्द्रगढ़, सिपाही राकेश कुमार, गांव गौंदर, जिला करनाल, सिपाही धीरज कुमार, गांव टींट, जिला रिवाड़ी, सिपाही संदीप यादव, गांव भड़ंगी भाड़ावासर जिला रिवाड़ी, सिपाही रामनिवास, गांव सिहमा, जिला महेन्द्रगढ़, सिपाही कर्मबीर सिंह, गांव कोन्हावली, जिला झज्जर और सिपाही दिलबाग सिंह, गांव बरहाना, जिला झज्जर, मैं इन सभी वीर सैनिकों के शहीद होने पर शत्-शत् प्रणाम करता हूं । अध्यक्ष महोदय, हरिद्वार में एक तूफान आया था। जब आदमी प्रकृति के साथ छेड़ छाड़ करता है तो प्रकृति उसका जवाब देती है। जम्मू कश्मीर में एक भंयकर बाढ़ आई उसमें सैंकड़ों लोग मारे गए और बेघर भी हो गये। मैं उन महान दिवंगत आत्माओं को भी नमन करता हूं। विल मंत्री कैप्टन अभिमन्यु के ससुर श्री हरि सिंह ढाका और विधायिका श्रीमती मेना सिंह चौटाला के सगे मामा के निधन पर भी मैं गहरा शोक प्रकट करता हूं। विधायक श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला के चाचा श्री बलवंत सिंह सुरजेवाला के निधन पर मैं शोक प्रकट करता हूं। पूर्व सांसद श्री एस0सी0 मोहंता की पत्नी श्रीमती ऊषा मोहंता, पूर्व विधायक चौधरी लहरी सिंह के बेटे श्री दिनकर भेहरा व भाई श्री वेद सिंह तथा पूर्व विधायक श्री धर्म सिंह छोक्कर के भाई श्री कबूल सिंह के दु:खद निधन पर भी मैं गहरा शोक प्रकट करता हूं। माननीय सदस्य अभय सिंह चौटाला जी ने शोक प्रस्ताव पर बोलते हुए जम्मू कश्मीर में बाढ़ के कारण आई तबाही के बारे में कहा है तथा उन्होंने इस सदन के सभी सदस्यों को बाढ़ पीड़ितों के राहत के लिए कोई ना कोई राशि देने के बारे में आग्रह किया है। अध्यक्ष महोदय, मैं भी इस प्रस्ताव का समर्थन करता हूं। इन्हीं शब्दों के साथ मैं इस शोक प्रस्ताव का भी समर्थन करता हूं। धन्यवाद।

मुख्यमंत्री (श्री मनोहर लाल) : अध्यक्ष महोदय, सभी नवनिर्वाचित विधायक अपने पहले वेतन में से सिर्फ एक रुपया अपने पास रखकर शेष राशि जम्मू कश्मीर के बाढ़ पीड़ितों के राहत कार्य के लिए दान दे दें तो यह बहुत सराहनीय कदम होगा।

(इस समय मेजें थपथपाई गईं)

श्री अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, माननीय मुख्यमंत्री महोदय ने सदन में जो शोक प्रस्ताव रखा है और उन पर विभिन्न पार्टियों के सदस्यों ने जो अपनी सांत्वना प्रकट की है मैं भी अपने आपको उनकी भावनाओं के साथ सम्मिलित करता हूं। श्री जयपाल सिंह आर्य और श्री रामजी लाल दोनों ही हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य थे। उनके निधन पर मुझे गहरा शोक है। श्री जयपाल सिंह जी सन् 1991 में हरियाणा विधानसभा के सदस्य चुने गये थे। वह एक योग्य विधायक थे। श्री जयपाल सिंह आर्य जी समाज की सेवा में हमेशा तत्पर रहते थे। श्री रामजी लाल सन् 1996 में हरियाणा विधानसभा के सदस्य चुने गये थे। वे उसके बाद कुछ समय के लिए हरियाणा हरिजन कल्याण निगम के चेयरमैन भी

[श्री अध्यक्ष]
रहे। समाज के कमजोर तबके की भलाई के लिए वे अनथक कार्य करते थे। मुझे स्वतन्त्रता सेनानियों के निधन पर तथा उन सभी वीर सैनिकों के शहीद होने पर गहरा दु:ख है, जिन्होंने देश की आजादी और रक्षा के लिए अपना सब कुछ कुर्बान कर दिया। स्वतंत्रता सेनानियों और वीर सैनिकों के दिल में हमेशा देश भक्ति की भावना कूट-कूट कर भरी होती है। वे अपनी मातृ भूमि की रक्षा के लिए हंसते-हंसते अपने प्राण दे देते हैं। इन महान आत्माओं के बलिदान से हम सबको शिक्षा लेनी चाहिए ताकि आगे चलकर हमारा देश पूरी तरह से सुरक्षित रहे। जम्मू कश्मीर में आई बाढ़ के कारण जो भी जान माल का नुकसान हुआ वह कभी भी पूरा नहीं हो सकता है। हम सबको इन बाढ़ पीडित परिवारों की हर सम्भव मदद करनी चाहिए। इस बाढ़ में जिन लोगों की जानें गई उसका मुझे गहरा दु:ख है। वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु के ससुर श्री हरि सिंह ढाका के निधन पर मुझे गहरा दु:ख है। वह एक कर्मठ समाज सेवी थे जोकि तन-मन-धन से समाज की सेवा के शुभ कार्यों में अपना योगदान देने से कभी भी पीछे नहीं हटते थे। मुझे विधायक श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला के चाचा श्री बलवंत सिंह सुरजेवाला, पूर्व सांसद श्री एस0सी0 मोहंता की पत्नी श्रीमती ऊषा मोहंता, पूर्व विधायक चौधरी लहरी सिंह के बेटे श्री दिनकर मेहरा व भाई श्री वेद सिंह तथा पूर्व विधायक श्री धर्म सिंह छोक्कर के भाई श्री कबूल सिंह के असामयिक निधन पर गहरा दु :ख है। मैं परमपिता परमात्मा से प्रार्थना करता हूं कि इन सभी दिवंगत आत्माओ को अपने चरणों में स्थान दें और उनकी आत्माओं को शांति दें। मैं हाउस की भावनाएं उनके परिजनों तक पहुंचा दूंगा। अब मैं हाउस से विनती करूंगा कि इन महान आत्माओं की शांति के लिए खड़े होकर दो मिनट का मौन धारण करें।

(इस समय सदन ने सभी दिवगंत आत्माओं की शांति के लिए खड़े होकर दो मिनट का मौन धारण किया)

नियम 121 के अधीन प्रस्ताव

श्री अध्यक्ष : अब संसदीय कार्यमंत्री नियम 121 के अधीन प्रस्ताव पेश करेंगे।

शिक्षा मंत्री (प्रो० राम बिलास शर्मा) : स्पीकर सर, मैं प्रस्ताव करता हूं—

कि हरियाणा विधान सभा के प्रक्रिया तथा कार्य संचालन संबंधी नियमों के नियम 231,233,235 तथा 266 के उपबंध जहां तक कि वे—

(i) लोक लेखा समिति;

(ii) प्राक्कलन समिति;

(iii) लोक उपक्रमों संबंधी समिति; तथा

(iv) अनुसूचित जातियों, जनजातियों तथा पिछड़े वर्गों के कल्याण के लिए समिति के गठन से संबंधित हैं, को वर्ष 2014-2015 की शेष अवधि के लिए निलंबित किया जाए।

मैं यह भी प्रस्ताव पेश करता हूं—

कि यह सदन अध्यक्ष, हरियाणा विधान सभा को अधिकृत करता है कि वह सदन में विभिन्न दलों/ग्रुपों की आनुपातिक संख्या को ध्यान में रखते हुए वर्ष 2014-2015 की शेष अवधि के लिए पूर्वोक्त समितियों के सदस्यों को नामित करें।

श्री कुलदीप शर्मा (गन्नौर) : अध्यक्ष जी, इस प्रस्ताव से मुझे पूर्ण सहमति है। परंतु मेरा एक सुझाव है कि इन समितियों में जिन सदस्यों को आप नामित करें, कृपया राजनैतिक दलों से उनके नाम लें और जो नाम राजनैतिक दल दें उन नामों को इन समितियों में जगह दें। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : आप सभी अपनी-अपनी सीटों पर कृपया बैठ जाएं । (शोर एवं व्यवधान)

स्वास्थ्य मंत्री (श्री अनिल विज) : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्य से पूछना चाहता हूं कि कुलदीप शर्मा जी क्या आपने हमारी कोई बात मानी थी? हमने तो फिर भी आपकी बात मानी है। कोई और कहता तो ठीक था लेकिन आपका कहना शोभा नहीं देता। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : विज साहब, हमारे मुख्यमंत्री महोदय ने भी एक नयी परम्परा की शुरूआत की है। हम भी एक नयी परम्परा की शुरूआत करेंगे।

श्री पवन सैनी (लाडवा) : अध्यक्ष महोदय, आप इतनी बड़ी बात कह रहे हैं। आपके कहने से ये बात अच्छी लग रही है किन्तु श्री कुलदीप शर्मा जी के मुंह से यह बात अच्छी नहीं लग रही है।

श्री अध्यक्ष : आपकी बात ठीक है लेकिन कहीं न कहीं से यह शुरूआत करनी ही पड़ेगी।

श्री कर्ण सिंह दलाल : विज साहब, क्या आपने यह सुझाव दिया था?

श्री अनिल विज: दलाल साहब, आप तो पिछली बार फेल हो गए थे इसलिए आपको इस बारे में मालूम नहीं है। मैंने इस बारे में कई बार सुझाव दिया था। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : प्रस्ताव पेश हुआ:-

कि हरियाणा विधान सभा के प्रक्रिया तथा कार्य संचालन संबंधी नियमों के नियम 231,233,235 तथा 266 के उपबंध जहां तक कि वे—

(i) लोक लेखा समिति;

(ii) प्राक्कलन समिति;

(iii) लोक उपक्रमों संबंधी समिति; तथा

(iv) अनुसूचित जातियों, जनजातियों तथा पिछड़े वर्गों के कल्याण के लिए समिति के गठन से संबंधित हैं, को वर्ष 2014-2015 की शेष अवधि के लिए निलंबित किया जाए।

मैं यह भी प्रस्ताव पेश करता हूं—

कि यह सदन अध्यक्ष, हरियाणा विधान सभा को अधिकृत करता है कि वह सदन में विभिन्न दलों/ग्रुपों की आनुपातिक संख्या को ध्यान में रखते हुए वर्ष 2014-2015 की शेष अवधि के लिए पूर्वोक्त समितियों के सदस्यों को नामित करें।

श्री अध्यक्ष : प्रश्न है—

कि हरियाणा विधान सभा के प्रक्रिया तथा कार्य संचालन संबंधी नियमों के नियम 231,233,235 तथा 266 के उपबंध जहां तक कि वे—

(i) लोक लेखा समिति;

(ii) प्राक्कलन समिति;

[श्री अध्यक्ष]

(iii) लोक उपक्रमों संबंधी समिति; तथा

(iv) अनुसूचित जातियों, जनजातियों तथा पिछड़े वर्गों के कल्याण के लिए समिति के गठन से संबंधित हैं, को वर्ष 2014-2015 की शेष अवधि के लिए निलंबित किया जाए।

मैं यह भी प्रस्ताव पेश करता हूं-

कि यह सदन अध्यक्ष, हरियाणा विधान सभा को अधिकृत करता है कि वह सदन में विभिन्न दलों/ग्रुपों की आनुपातिक संख्या को ध्यान में रखते हुए वर्ष 2014-2015 शेष अवधि के लिए पूर्वोक्त समितियों के सदस्यों को नामित करें।

(प्रस्ताव पारित हुआ।)

नियम 10 के निलम्बन के लिए नियम 121 के अधीन प्रस्ताव

श्री अध्यक्ष : अब संसदीय कार्य मंत्री रूल 121 के तहत रूल 10 को सस्पैंड करने के लिए प्रस्ताव पेश करेंगे।

शिक्षा मंत्री (प्रो० राम बिलास शर्मा) : अध्यक्ष महोदय, मैं प्रस्ताव करता हूं—

कि हरियाणा विधान सभा के प्रक्रिया तथा कार्य संचालन समिति के रूल 121 के नियम 10 के प्रावधान जो उपाध्यक्ष के निर्वाचन से संबंधित हैं, को सस्पैंड किया जाए।

श्री अध्यक्ष : प्रस्ताव पेश हुआ—

कि हरियाणा विधान सभा के प्रक्रिया तथा कार्य संचालन संबंधी नियमों के नियम 10 के प्रावधान जो उपाध्यक्ष के निर्वाचन से संबंधित हैं, को निरस्त किया जाए।

श्री अध्यक्ष : प्रश्न है—

कि हरियाणा विधान सभा के प्रक्रिया तथा कार्य संचालन संबंधी नियमों के नियम 10 के प्रावधान जो उपाध्यक्ष के निर्वाचन से संबंधित हैं, को निरस्त किया जाए।

(प्रस्ताव पारित हुआ।)

सदन की मेज पर रखे गए/पुन : रखे गए कागज-पत्र

श्री अध्यक्ष : अब संसदीय कार्य मंत्री सदन के पटल पर कागज-पत्र रखेंगे/पुन: रखेंगे।

शिक्षा मंत्री (प्रो० राम बिलास शर्मा) : अध्यक्ष महोदय, मैं सदन के पटल पर निम्नलिखित कागज- पत्र पुन: रखता हूं—

हरियाणा विद्यालय शिक्षा अधिनियम, 1995 की धारा 24 (3) के अधीन की गई अपेक्षा के अनुसार हरियाणा विद्यालय शिक्षा नियमावली, 2013 में संशोधन के संबंध में विद्यालय शिक्षा विभाग अधिसूचना सं० 8/43/2012 पी०एस० (2), दिनांकित 19 जून, 2013.

हरियाणा विद्यालय शिक्षा अधिनियम, 1995 की धारा 24 (3) के अधीन की गई अपेक्षा के अनुसार हरियाणा विद्यालय शिक्षा नियमावली, 2013 में संशोधन के संबंध में विद्यालय शिक्षा विभाग अधिसूचना सं0 8/27-2013 पी०एस० (2), दिनांकित 28 जून, 2014 पर पुन : रखेंगे।

सर, अब मैं सदन के पटल पर कागज-पत्र रखता हूं:-

भारत के संविधान के अनुच्छेद 320 (5) के अधीन की गई अपेक्षा के अनुसार हरियाणा लोक सेवा आयोग (कृत्यों का परिसीमन) विनियमावली, 1973 में संशोधन के संबंध में कार्मिक विभाग अधिसूचना संख्या जी०एस०आर० 38/कांस्ट/आर्ट0320/2014, दिनांकित 9 सितम्बर, 2014.

भारत के संविधान के अनुच्छेद 323 (2) के अधीन की गई अपेक्षा के अनुसार हरियाणा लोक सेवा आयोग कृत्यों से संबंधित 1-4-2005 से 31-3-2006 तक की अवधि के लिए वार्षिक रिपोर्ट।

जल (प्रदूषण निवारण एवं नियन्त्रण) अधिनियम, 1974 की धारा 39/(2) के अधीन की गई अपेक्षा के अनुसार वर्ष 2013-2014 के लिए हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की वार्षिक रिपोर्ट।

हरियाणा लोकायुक्त अधिनियम, 2002 की धारा 17 (4) के अधीन की गई अपेक्षा के अनुसार वर्ष 2010-2011 के लिए लोकायुक्त की वार्षिक रिपोर्ट।

कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 619-क (3) (ख) के अधीन की गई अपेक्षा के अनुसार वर्ष 2010-2011 के लिए हरियाणा पर्यटन निगम लिमिटिड कि 37वीं वार्षिक रिपोर्ट।

राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर चर्चा तथा धन्यवाद प्रस्ताव पर मतदान

श्री अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, अब राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर चर्चा होगी। डॉ० कमल गुप्ता राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर चर्चा का प्रस्ताव पेश करेंगे।

डॉ० कमल गुप्ता (हिसार) : वंदे मातरम। आदरणीय अध्यक्ष महोदय, मैं प्रस्ताव करता हूं

"कि राज्यपाल महोदय को एक समावेदन निम्नलिखित शब्दों में पेश किया जाए :-"

"कि इस सत्र में इकट्ठे हुए हरियाणा विधान सभा के सदस्य उस अभिभाषण के लिए राज्यपाल महोदय के अत्यंत कृतज्ञ हैं जो उन्होंने 4 नवंबर, 2014 को 10.30 बजे प्रात : सदन में देने की कृपा की है।"

अध्यक्ष महोदय, आज इस नई विधान सभा के गठन के पश्चात सबसे पहले तो मैं पूरे सदन को आदरणीय अध्यक्ष जी, नेता सदन, प्रति-पक्ष के नेता एवं सभी विधायकों को सलाम करता हूं। आप सभी सदस्य बहुत ही शूरवीर और ऊर्जावान हैं जिनको जनता ने एक वोट के साथ चुनकर इस सदन में भेजा है। इसके साथ ही मैं आप सभी की मां को सलाम करता हूं जिस जननी ने आप जैसे शूरवीरों को पैदा किया है। जननी जने तो भक्त जने, या दाता या शूर, नहीं तो जननी न जने क्यों गवाए फिर नूर। आदरणीय बन्धुओं, यह सरकार जो बनी है यह धर्म प्रेमी सरकार बनी है। देश की आजादी के 67 सालों के बाद अगर मैं यह कहूं कि यह धर्म प्रेमी सरकार बनी है तो कोई गलत बात नहीं है। सबसे पहले इस सरकार ने जो महत्व दिया है वह गौ सेवा को दिया है। भाइयों और बहनों, हमारे इस देश

[डॉ0 कमल गुप्ता]

में चार माताएं हैं। एक तो वह मां जिसने हमें जन्म दिया, दूसरी भारत माता है, तीसरी गंगा माता और चौथी है गऊमाता। भारत माता तो बेचारी जब से यह देश आजाद हुआ है तभी से मुंह बाएं खड़ी हैं कि किस तरह से उसके अंग काट-काट कर इस भारतवर्ष को आजाद किया गया। गंगा मईया, राम तेरी गंगा मैली हो गई, पापियों के पाप धोते धोते। मैं समझता हूं कि अब मोदी जी आये हैं और मोदी जी उस गंगा की गन्दगी को साफ करने का काम करेंगे। हरियाणा सरकार ने गऊ के प्रति रक्षा का जो अपना वचन दोहराया है वह सराहनीय है और बहुत अच्छा है। गऊ पिछले कई सालों से और आज तक बेसहारा है और सड़कों पर घूमती हैं और समाज में कटती है । गऊ के प्रति पिछली सरकार ने जो 15 रुपये प्रति दिन प्रति गऊ के हिसाब से देने की बात कही थी उसके लिए बड़े दुर्भाग्य की बात है कि पिछली सरकार द्वारा गऊओं के विरोध में फैसला लिया गया और जब गऊ प्रेमी इस बात को लेकर हाईकोर्ट में चले गये। हाईकोर्ट में जीत गये तो सरकार ने हाई कोर्ट के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अपील दायर कर दी। मैं समझता हूं कि वर्तमान सरकार सबसे पहला फैसला गऊओं की रक्षा के लिए करे और गऊओं के फायदे के लिए करे। गऊओं से तीन चीज निकलती हैं पहला गो मूत्र, दूसरा गोबर और तीसरा दूध। गऊ का दूध तो अमृत के समान होता हैं और गोमूत्र और गोबर अनेक प्रकार की औषधियों में काम आता है जोकि हमारे स्वास्थ्य के लिए बड़ा अच्छा है। गऊ की सेवा अगर हम करेंगे तो उससे तीन चीजों का लाभ होगा। एक तो मां की सेवा होगी, दूसरा स्वच्छता अभियान में भी मदद मिलेगी और तीसरा जो सड़कों पर आवारा पशु घूमते रहते हैं, कई लोग गऊओं का दूध दोह कर उनको सड़को पर छोड़ देते हैं जो कि ज्यादातर एक्सीडैंट का कारण बनती हैं। अगर हम गऊओं की सेवा करेंगे और उनकी सुरक्षा करेंगे तो मैं समझता हूं कि स्वच्छता भी आयेगी और पूरा समाज स्वस्थ होगा और एक्सीडैंट्स में भी कमी आने से हमें फायदा होगा यानी कि ट्रिपल बैनीफिट होगा। वर्ष 1928 में कांग्रेस के अधिवेशन में माननीय मदनमोहन मालवीय जी ने कहा था कि गऊमाता भारत वर्ष का प्राण है। यह बात उन्होंने वर्ष 1928 में कही थी। उसकी हत्या धर्म प्राण भारत वर्ष में सहन नहीं की जा सकती। सूर्यवंश में एक राजा श्री दलीप सिंह हुए उनके कोई संतान नहीं थी। मुनि वशिष्ठ जी के कहने से उन्होंने गौ सेवा की और गौ सेवा करने पर उनके एक पुत्र हुआ जिनका नाम रघु रखा गया जिनके नाम से यह कहावत प्रचलित हैं कि रघु कुल रीत सदा चली आई, प्राण जाए पर वचन न जाई। इसी प्रकार कृष्ण जी गौ सेवा के बारे में यह कहते हैं कि यदि मुझे प्राप्त करना चाहते हो तो गौ सेवा करो। गोबिन्दाय : नमस्तसम :, गोपालाय : नमो :नम :। मेरे कहने का मतलब यह है कि जो गौ संवर्द्धन है, गौ सेवा है यह सेवा सबसे अधिक लाभदायक है। इससे पूरे समाज को, पूरे हरियाणा को हर तरह से साईंटिफिक तरीके से बहुत लाभ होगा। गऊ रक्षा का प्वायंट जो हमारे सरकार ने लिया है इसके लिए मैं हरियाणा सरकार को बधाई देता हूं और आशा करता हूं कि आप सभी भी इसके समर्थक होंगे। इसके लिए मेरा एक और भी सुझाव है कि हमारे हरियाणा में अनन्त गऊशालाएं हैं हमें उन अनन्त गऊशालाओं को भी अच्छी तरह से समृद्ध बनाना चाहिए। उन गऊशालाओं की पानी की समस्या, बिजली की समस्या या कोई और समस्या है तो उसको दूर करना चाहिए। इसके बाद महामहिम राज्यपाल महोदय जी ने अपने अभिभाषण में अनेक बातों का जिक्र किया है। एक श्रेष्ठ भारत की कल्पना, सबका साथ सबका विकास तथा एक बात और इसमें कही गई कि सरकार अधिक से अधिक सेवा करे। हमारे प्रधानमंत्री जी ने भी कहा था कि मैं प्रधानमंत्री नहीं प्रधान सेवक का काम करूंगा। हमारी सरकार भी सेवक बनकर जनता की सेवा करेगी तो बहुत अच्छी बात होगी। अभिभाषण में मूलभूत सुविधाओं का भी वर्णन किया गया है। सड़कों के गड्ढे, सड़कों के मेनहॉल, बिजली, पानी

सीवरेज और आवास की समस्याएं दूर होनी चाहिएं। मैं समझता हूं कि मूलभूत सुविधाएं गरीब आदमी के पास होनी चाहिएं। गरीब आदमी को कुछ नहीं चाहिए उसको तो इज्जत की रोटी, कपड़ा और मकान चाहिए। अध्यक्ष महोदय, मैं समझता हूं कि हमारी सरकार ये मूलभूत सुविधाएं प्रदान करने के काम को प्राथमिकता देगी तथा फिजूल के खर्चों पर अंकुश लगाएगी। हमने अखबारों में पढ़ा था, हमारे मुख्यमंत्री मनोहर लाल जी ने कहा था कि मंत्रियों के लिए नई कारें नहीं खरीदी जाएंगी। फिजूल के खर्चे करने का हमारा जो स्वभाव रहता है यह नहीं होना चाहिए, यह भी हमारी सरकार ने अपने अभिभाषण में दर्शाया है। हमारी सरकार द्वारा राज्यपाल महोदय के अभिभाषण में गांवों की बात कही गई है और फसल बीमा की बात कही गई है। प्रधानमंत्री जन धन योजना की बात भी इस अभिभाषण में कही गई है जिससे पूरे भारतवर्ष में 5 करोड़ से अधिक गरीब लोगों के बैंक अकाउंट्स खोले गए हैं। बैंक अकाउंट्स खुलने से उन लोगों का एक लाख का बीमा हुआ है जोकि बहुत अच्छी बात है। गांवों के विकास के लिए उत्तम बीज की बात कही गई है ताकि अच्छे फल और सब्जियां पैदा हो सकें। राज्यपाल के अभिभाषण में कोल्ड स्टोरेज की बात कही गई है। अध्यक्ष महोदय, राज्यपाल के अभिभाषण में जल सुरक्षा की बात कही गई है जिसके तहत गांव-गांव और घर-घर में वाटर सप्लाई का पानी पहुंचे और इसका प्रयास करना हमारी सरकार की प्राथमिकता रहेगी। अभी कल हमारे भाई बड़े चिन्तित थे कि 67 साल देश की आजादी को हो गए लेकिन सतलुज यमुना लिंक नहर का पानी हरियाणा को नहीं मिला। कल जब स्पीकर के चुनाव पर धन्यवाद हो रहा था तो इस विषय पर हमारे कुछ भाइयों ने बड़ी चिंता जताई। 67 सालों से तो उनको इस पानी की याद नहीं आई लेकिन कल इनको याद आया कि एस0वाई0एल0 कैनाल का पानी हरियाणा में लाया जाए। जब हरियाणा में, पंजाब में और देश में उनकी सरकार थी उस समय तो इन्होंने इस पानी का जिक्र नहीं किया लेकिन आज इनको उस पानी की याद आई और वह भी एक दिन में ही उनको वह पानी चाहिए। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्यों से कहना चाहूंगा कि ये चिन्तित न हों हम ये काम जरूर करेंगे। अध्यक्ष महोदय, बिजली को घर-घर में पहुंचाने का काम हमारी सरकार करेगी और लघु उद्योग और बड़े उद्योग भी सरकार लगाएगी। राज्यपाल महोदय के अभिभाषण में मेड इन इंडिया की बात कही गई है। माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने कहा कि हमारे यहां बहुत सी चीजें मेड इन चाइना की होती हैं इसलिए हम ऐसी पोलिसी बनाएंगें कि हिन्दुस्तान में जो चीज बनेगी उस पर सबसिडी देनी पड़ी तो उसके बारे में सोचा जाएगा। अध्यक्ष महोदय, एकल खिड़की की बात इस अभिभाषण में कही गई है क्योंकि लोगों को अपने काम के लिए कभी इधर जाना पड़ता है तो कभी उधर जाना पड़ता है तो कभी तीसरी जगह जाना पड़ता है इससे उनका समय खराब होता है। एकल खिड़की की योजना की व्यवस्था हमारी सरकार बना रही है, मैं समझता हूं कि इससे लोगों को काफी लाभ मिलेगा। अध्यक्ष महोदय, शिक्षा के बारे में भी हमारी सरकार काफी कुछ सोच रही है। हमारी संस्कृति के अनुरूप टोपिक शिक्षा में लाए जाएं।

अध्यक्ष महोदय, इस तरह की चीजें शिक्षा में लाई जाएं जिससे हमारा जो गरीब आदमी है वह काम कर सके। अंग्रेजों द्वारा दी गई ऐसी शिक्षा जिसमें क्लर्की की भावना आए उसको हमें हटाना चाहिए। ऐसी शिक्षा होनी चाहिए जिसमें हमें हमारी संस्कृति की और हमें हमारी पहचान का पता लगे और हमें पता रहे कि हमारे पूर्वज कौन थे। हमें हमारे पूर्वजों पर गर्व होना चाहिए। (विघ्न)

श्री आनन्द सिंह दांगी : अध्यक्ष महोदय, हमें क्या अपने पूर्वजों का भी नहीं पता ।

डॉ० कमल गुप्ता : अध्यक्ष महोदय, इन लोगों की सरकार ने जो शिक्षा प्रणाली दी है उसमें हमारे जो पूर्वज और महान लोग हैं उनको लुटेरा बताया गया है जोकि बड़े शर्म की बात है। अध्यक्ष महोदय, राज्यपाल महोदय के अभिभाषण में लड़कियों के लिए शौचालय बनाने की भी बात कही गई है।

श्री आनन्द सिंह दांगी : अध्यक्ष महोदय, माननीय साथी ने सदन में एक लुटेरे शब्द का इस्तेमाल किया है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : इन्होंने पाठय पुस्तक में लुटेरा शब्द इस्तेमाल होने की बात कही है।

श्री आनन्द सिंह दांगी : अध्यक्ष महोदय, जिन लोगों को अपने पूर्वजों का ज्ञान नहीं है कि कौन पूर्वज रहे हैं या किस टाईप के पूर्वज रहे हैं इस तरह की शिक्षा कौन सी किताब में है हमें जानकारी नहीं है। यह जानकारी भी कृपा हमें दी जाये। (विघ्न)

डॉ० कमल गुप्ता : अध्यक्ष महोदय, सी०बी०एस०ई० की किताबों में इस तरह की शिक्षा पढ़ाई जाती है। (विघ्न) अगर माननीय साथी कहेंगे तो कल मैं प्रमाण के साथ इन्हें पूरी जानकारी दे दूंगा। (विघ्न)

श्री आनन्द सिंह दांगी : अध्यक्ष महोदय, माननीय साथी ने जो लुटेरा शब्द कहा है पहले उसको क्लीयर करें, उसके बाद सदन की कार्यवाही आगे बढ़ाई जाये। (विघ्न)

श्रीमती गीता भुक्कल : अध्यक्ष महोदय, गवर्नर एड्रैस पर चर्चा चल रही है। यदि माननीय साथी इधर-उधर की बात न करके गवर्नर एड्रैस में क्या कहा गया है और सरकार का क्या विजन है उस पर बोलें तो अच्छा रहेगा? (विघ्न)

डॉ० कमल गुप्ता : अध्यक्ष महोदय, मैं गवर्नर एड्रैस पर ही बोल रहा हूं।

कृषि मंत्री (श्री ओम प्रकाश धनखड़) : अध्यक्ष महोदय, माननीय साथी ने लुटेरा शब्द सी०बी०एस०ई० की किताबों में लिखा हुआ है उसके बारे में जिक्र किया है। यह लुटेरा शब्द हटवाने के लिए हुड्डा साहब ने भी लेटर लिखा था इसमें माननीय साथी ने गलत क्या कहा है? (विघ्न)

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा : अध्यक्ष महोदय, मैं बीच में नही बोलना चाहता था लेकिन माननीय मंत्री जी ने मेरा नाम लिया है। मैं क्लीयर करना चाहता हूं कि वह शब्द किसी इतिहासकार ने लिखा था और अब वह शब्द हट चुका है फिर हम इस बात को क्यों दोहरा रहे हैं। यदि चर्चा करना भी चाहते हैं तो इस बात पर चर्चा बाद में हो जायेगी। अब गवर्नर एड्रैस पर बोलते हुए इस बात को यहां कहने का क्या औचित्य है? हमने इस पर आब्जेक्शन किया और यह शब्द रिमूव हो गया है इसलिए इसका आज यहां जिक्र करने का क्या औचित्य है? मैं तो यही कहना चाहूंगा कि सदन में सभ्य भाषा का प्रयोग होना चाहिए।

वित्त मंत्री (कैप्टन अभिमन्यु) : अध्यक्ष महोदय, हमारे साथी डॉ० कमल गुप्ता जी जिस प्रकार की शिक्षा हमारे बच्चों को दी जा रही थी उसके बारे में जानकारी दे रहे थे और विपक्ष के साथियों ने स्वीकार भी किया है कि इस प्रकार की शब्दावली का प्रयोग कुछ समाज और जाति वर्ग के प्रति पिछले 50 वर्षों से किया जा रहा था। श्री अटल बिहारी वाजपयी जी के शासन काल में जिसका दुरूस्तीकरण किया गया था । डाक्टर साहब ने यह कहा कि इस प्रकार की शिक्षा दी जा रही थी, यदि इसी तरह के और कार्य दोष शिक्षा प्रणाली में हैं तो उन दोषों में सुधार करने के भाव सदन में राज्यपाल महोदय के अभिभाषण में अभिव्यक्त हुये हैं। जिनका माननीय डाक्टर साहब समर्थन कर रहे हैं।

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा : अध्यक्ष महोदय, मैं नहीं चाहता कि यह चर्चा का विषय बने। मैं कैप्टन साहब को कहना चाहूंगा कि पांच साल तक दिल्ली में श्री अटल बिहारी वाजपयी जी के नेतृत्व में बी०जे०पी० की सरकार रही थी। उस समय इन लोगों ने यह मुद्दा नहीं उठाया और जब हमने यह मुद्दा उठाया तो काम हो गया । अब इस पर क्यों चर्चा की जा रही है?

कैप्टन अभिमन्यु : अध्यक्ष महोदय, यह रिकार्ड की बात है माननीय साथी की जानकारी के लिए बताना चाहूंगा कि जब भारत सरकार में हमारे एच०आर०डी०मन्त्री डॉ० मुरली मनोहर जोशी जी होते थे उस समय आजादी के बाद पहली बार इस प्रकार का दुरूस्तीकरण किया गया था । उससे पहले अन्य किसी दल और व्यक्ति ने इस मुद्दे को नहीं उठाया। (इस समय मेजें थप-थपाई गई।)

श्री आनन्द सिंह दांगी : अगर रिकार्ड में दुरूस्तीकरणा हो गया है तो अब सदन की कार्यवाही से इस शब्द को निकाल दिया जाये। (विघ्न)

श्री अभय सिंह चौटाला : अध्यक्ष महोदय, लुटेरा शब्द को लेकर कुछ लोगों को बहुत तकलीफ हुई है और कहते हैं कि यह शब्द सदन की कार्यवाही से निकाल दिया जाये। अध्यक्ष महोदय, आज तो इनको तकलीफ हो रही है कि लुटेरा शब्द हटाया जाये और यदि पिछले पांच साल के दौरान इन लोगों द्वारा जो शब्द सदन में उपयोग किए गए हैं उनको भी रिकार्ड पर लाकर देखा जाये कि किस प्रकार की भाषा का प्रयोग यहां किया जाता था। उस पर यदि हमारी तरफ से कोई एतराज किया जाता था तो हमें सदन से नेम करके बाहर कर दिया जाता था और अपना भाषण देते रहते थे। इसलिए मेरे साथी पहले अपनी गिरेबां में झांक लें फिर आगे की बात करें। (इस समय मेजें थप-थपाई गई।) (विघ्न)

श्री जसविन्द्र सिंह संधू : अध्यक्ष महोदय, जो गलतियां मौजूदा सरकार करेगी उनके बारे में भी हम बोलेंगे और जो कुकृतियां पिछले दस साल के दौरान कांग्रेस सरकार के इन लोगों ने की हैं उनके बारे में भी हम सदन को जानकारी देंगे। (विघ्न)

कैप्टन अभिमन्यु : अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने जिस शब्द को हटवाने की यहां मांग की है वह पिछले 50 सालों से पढ़ाया जाता रहा है लेकिन उस समय इस शब्द को हटवाने की मांग नहीं की गई। आज केवल संदर्भ में यह शब्द रखा गया है कि इस प्रकार की शिक्षा दी जाती रही थी और उत्थाह के साथ में यह शब्द है इसलिए इस शब्द को हटाने की कोई आवश्यकता हम नहीं समझते । (शोर एवं व्यवधान)

श्री आनन्द सिंह दांगी : अध्यक्ष महोदय, मैं सत्ता पक्ष के साथियों से यह निवेदन करूंगा कि कोई भी शब्द बोलने से पहले ये जो विधान सभा में जो बोर्ड अध्यक्ष महोदय ने सभी सदस्यों के पढ़ने के लिए लिखवाया गया है कृपया करके उसे अवश्य पढ़ लें। (शोर एवं व्यवधान) उसके बाद सदन की कार्यवाही को अमल में लाया जाये। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अभय सिंह चौटाला : अध्यक्ष महोदय, इनके समय में भी इस बोर्ड को पढ़ने की बात हुआ करती थी और हम इस बोर्ड को अच्छी प्रकार से पढ़ते थे लेकिन हमारे कहने के बावजूद भी उस समय ये लोग इस बोर्ड को नहीं पढ़ते थे क्योंकि उस समय इनकी आखों पर पर्दा पड़ा हुआ था और ये लोग सत्ता के नशे में चूर थे। इन्होंने यह कभी सोचा भी नहीं होगा कि कभी इन्हें विपक्ष में भी बैठना पड़ेगा। इनको सुनने की कैपेसिटी रखनी चाहिए जो हम कहते हैं वह इनको सुनना ही पड़ेगा।

स्वास्थ्य मंत्री श्री अनिल विज : अध्यक्ष महोदय, कांग्रेस पार्टी के विपक्ष में बैठने की और भारतीय जनता पार्टी के सत्ता में आने की भविष्यवाणी मैंने पिछली विधान सभा के अंतिम सत्रों में कर दी थी और वह सच साबित हो गई।

शिक्षा मंत्री (श्री राम बिलास शर्मा): अध्यक्ष महोदय, अभी महामहिम राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर चर्चा हमारे बड़े ही प्रतिभावान साथी डॉ० कमल गुप्ता जी ने शुरू की है। मैं यह कहना

[श्री राम बिलास शर्मा]
चाहूंगा कि यह तो प्रभु की एक लीला है इसमें जो ईश्वर की इच्छा होती है वही होता है। मैंने यह कल भी कहा था कि आबादी के हिसाब से हमारा हरियाणा प्रदेश चाहे छोटा हो लेकिन यहां की जनता बड़ी महान है। भगवान श्री कृष्ण जी को भी जब पाप और पुण्य का फैसला करना पड़ा था तो वे भी कुरुक्षेत्र की पावन भूमि पर आकर खड़े हो गये थे क्योंकि धर्म और अधर्म के बीच में जो अन्तर है हरियाणा प्रदेश की जनता जनार्दन उसको अच्छी तरह से जानती है। अध्यक्ष महोदय, यह विषय यहां से चला कि हमें आजाद हुए 68 साल हो गए और मैं उस मौके का चश्मदीद गवाह हूं जब मैं 1996 में हरियाणा प्रदेश का शिक्षा मंत्री था और डॉ० मुरली मनोहर जोशी जो कि बहुत बड़े विद्वान व्यक्ति हैं उस समय भारत सरकार में एच०आर०डी० मिनिस्टर थे उन्होंने और माननीय प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपयी जी ने पाठय पुस्तकों में सिख गुरूओं के बारे में, जाटों के बारे में और जैन संतों के बारे में जो बड़ी बेहुदा टिप्पणियां की हुई थी विज्ञान भवन में सारे देश के शिक्षा मंत्रियों के सम्मेलन में ऐसी टिप्पणियों को हटवाने का सफल प्रयास किया था। इस सम्मेलन में पंजाब सरकार के तत्कालीन शिक्षा मंत्री श्री तोता सिंह जी भी थे। जो डॉ0 कमल गुप्ता जी कह रहे हैं ये अपने मन की पीड़ा कह रहे हैं। उस समय श्री अर्जुन सिंह द्वारा यह कहा गया था कि डॉ० मुरली मनोहर जोशी जी ने शिक्षा का भगवाकरण कर दिया है। मैं यह भी बताना चाहूंगा कि जब सूर्य उदय होता है तो उसकी पहली किरण का रंग भी भगवा होता है। साधू के कपड़ों का रंग भगवा होता है, भारत की आजादी की श्रद्धा का रंग भगवा है, भगवा तो शाश्वत है। अध्यक्ष महोदय, मेरे मित्र ने यह कहा था कि इन्होंने जो शिक्षा में परिवर्तन किया है, पाठय पुस्तकों में जो विसंगतियां थी हिन्दुस्तान की श्रद्धा को ठेस पहुंचाने वाली बातें थी उनको निकाला है और यह सब ऑन रिकार्ड है। हुड्डा साहब को भी मैं बधाई देता हूं कि उस समय जाटों के बारे में पत्र लिख कर इन्होंने भी हमारा धन्यवाद किया था। आज इनको उस बात की तकलीफ क्यों होती है? इसलिए जो सच है उसको स्वीकार करना चाहिए।

श्री घनश्याम दास अरोड़ा : अध्यक्ष महोदय, मैं केवल एक पंक्ति में अपनी बात को खत्म करूंगा। माननीय श्री आनन्द सिंह दांगी जी ने हरियाणा में चहुंमुखी विकास की बात कही है। मैं केवल इतना कहना चाहूंगा कि हरियाणा का चहुंमुखी विकास नहीं हुआ। केवल और केवल रोहतक लोकसभा का चहुंमुखी विकास हुआ है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : अगर रोहतक का विकास हुआ होता तो श्री मनीष कुमार ग्रोवर कैसे जीत पाते । इसलिए यह बात ठीक नहीं है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अनिल विज : अध्यक्ष महोदय, मैं सभी सदस्यगण को कहना चाहता हूं कि विकास केवल हुड्डा साहब का हुआ है और किसी का नहीं हुआ है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री घनश्याम दास अरोड़ा : अध्यक्ष महोदय, रोहतक में 1082 विकास के कार्य हुये हैं जिसके बारे में आर०टी०आई० से मांगी गई सूचना के आधार पर पता चलता है। इसके विपरीत यमुनानगर जिले में मात्र 27 विकास के कार्य हुये हैं। इससे स्पष्ट पता चलता है कि यह विकास कहां पर हो रहा है और कितना हो रहा है। (शोर एवं व्यवधान)

डॉ० कमल गुप्ता : अध्यक्ष महोदय, इसी प्रकार से राज्यपाल महोदय ने अपने अभिभाषण में कहा है कि सभी गांवों को ब्रॉड-बैंड से जोड़ा जायेगा यानि कि सभी गांवों का विकास किया जायेगा। इसी प्रकार से शहरों में पर्यटन को बढ़ावा दिया जायेगा। कुरुक्षेत्र को पर्यटन के तौर पर विकसित किया

जायेगा। पर्यटन का विकास करना हमारी सरकार का मुख्य उद्देश्य रहेगा। इसी प्रकार से स्मार्ट शहरों और आदर्श गांवों के रूप में गांवों और शहरों का हर तरह से विकास होगा। स्वतंत्रता सेनानियों के बारे में तथा भूतपूर्व सैनिकों के बारे में जो पुनर्वास की बात कही गई है वह मैं समझता हूं कि बहुत अच्छी बात कही गई है। इस अभिभाषण में बहुत अच्छी बातें कही गई हैं इसलिए मैं राज्यपाल महोदय के अभिभाषण का समर्थन करता हूं। मैं आखिर में वेदों की इन ऋचनाओं के माध्यम से सभी सदस्यों के लिए भगवान से प्रार्थना करता हूं कि :-

जीवेम श्रद्धेय शतम, पश्येम श्रद्धेय शतम,
श्राणुयाम श्रद्धेय शतम, पब्रवाम् श्रद्धेय शतम,
आदिनेय् श्रद्धेय शतम।

वह आप सभी शूरवीरों को जो कि सभी पार्टियों के हैं, आदरणीय स्पीकर साहब को और माननीय मुख्यमंत्री जी को भी दीर्घायु प्रदान करें। आप सभी स्वस्थ आंखों से देखें, स्वस्थ वाणी से बोलें और स्वस्थ कानों से सुनें और एक भी क्षण किसी और पर आधीन हो कर न जियें। ऐसी शुभ कामना के साथ मैं अपना स्थान ग्रहण करता हूं।

श्री अध्यक्ष : अब विधायक श्रीमती लतिका शर्मा इस प्रस्ताव को सैकिंड करेंगी।

श्रीमती लतिका शर्मा (कालका) : अध्यक्ष महोदय, सबसे पहले तो मैं इस सम्मानित सदन का हार्दिक अभिनन्दन करती हूं। डॉ० कमल गुप्ता द्वारा महामहिम राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर जो प्रस्ताव प्रस्तुत किया है मैं उसको सैकिंड करती हूं। इस अभिभाषण में जो महिला सशक्तिकरण का जिक्र किया गया है उसके लिए मैं सरकार को बधाई देती हूं कि उसको अधिक सशक्त बनाया है। महिलाओं को शैक्षणिक, आर्थिक और सामाजिक स्तर पर पहुंचाने के लिए सभी क्षेत्रों को विस्तृत रूप में लिया गया है। यत्र नारियस्तु पूज्यंते रमंते तत्र देवता को चरितार्थ करने का काम किया गया है। एक तरफ तत्र देवता को चरितार्थ करने का काम किया गया है। एक तरफ जहां हम कन्या पूजन करते हैं वहीं कन्या भ्रुण हत्या हरियाणा में सबसे बड़ा मुद्दा है। राज्यपाल महोदय ने कहा है कि राज्य में असंतुलित लिंगानुपात में सुधार लाने के लिए लोगों के सहयोग से एक बहुआयामी नीति बनायेंगे, मैं इसके लिए सरकार का धन्यवाद करती हूं। अध्यक्ष महोदय, यह भी प्रशंसनीय वक्तव्य है कि महिलाओं के विरुद्ध अपराधों को कतई बर्दास्त नहीं किया जायेगा। अध्यक्ष महोदय, मैं बताना चाहूंगी कि पिछले 10 वर्षों में महिलाओं और बच्चियों के उत्पीड़न और अत्याचारों में हरियाणा नं० 1 पर रहा है। जैसे रोहतक में अपना घर कांड, छछरौली में बालकुंज तथा भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय खानपुर में लड़की के द्वारा आत्महत्या, हिसार में हरिजन महिला के साथ बलात्कार हुआ, नरवाना में दलित महिला ने आत्मदाह किया और जींद में भी लड़की ने आत्मदाह किया जिसके कारण हरियाणा शर्मसार हुआ तथा पूरे देश-विदेश में सुर्खियों में छाया रहा। राज्यपाल महोदय के अभिभाषण में स्वास्थ्य देखभाल सहित विशेषकर महिलाओं के लिए अच्छी शिक्षा देने के लिए हमारी सरकार प्राथमिक और माध्यमिक विद्यालयों में शौचालयों का निर्माण करवायेगी विशेषकर लड़कियों के लिए मूलभूत सुविधाएं प्रदान करके लाभप्रद रोजगार सृजित करके सबको कृतार्थ करेंगी। आज के दिन प्राईवेट कॉलेजों की भरमार है और सभी कॉलेज अपनी मनमानी करते हैं लेकिन लड़कियों को सस्ती व उच्च शिक्षा नहीं मिलती । ऐसे में शिक्षा का उच्च स्तर बढ़ाने के लिए धन्यवाद क्योंकि अगर एक लड़का पढ़ता है तो एक

[श्रीमती लतिका शर्मा]

परिवार शिक्षित होता है और एक लड़की पढ़ती है तो दो परिवार शिक्षित होते हैं। अध्यक्ष महोदय, मैं हमारे भाई प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी का, माननीय राज्यपाल महोदय जी का और मुख्यमंत्री जी का धन्यवाद करती हूं जिन्होंने महिलाओं का मान-सम्मान बढ़ाने का काम किया है। धन्यवाद।

श्री अध्यक्ष : प्रस्ताव प्रस्तुत हुआ-

"कि राज्यपाल महोदय को एक समावेदन निम्नलिखित शब्दों में पेश किया जाए—

कि इस सत्र में इकट्ठे हुए हरियाणा विधान सभा के सदस्य उस अभिभाषण के लिए राज्यपाल महोदय के अत्यंत कृतज्ञ हैं जो उन्होंने आज 4 नवम्बर 2014 को प्रात: 10.30 बजे इस सदन में देने की कृपा की है।"

श्री अभय सिंह चौटाला (ऐलनाबाद) : अध्यक्ष महोदय, प्रस्ताव आने के बाद विपक्ष के सदस्यों की जिम्मेवारी बनती है कि उस पर चर्चा करें। आप अगर इस प्रस्ताव पर बोलने का मौका हमें दें तो ज्यादा बेहतर है।

श्री अध्यक्ष : ठीक है, आपको बोलने की इजाजत है।

श्री अभय सिंह चौटाला: अध्यक्ष महोदय, मैं आपका आभारी हूं कि आपने मुझे महामहिम राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर बोलने का मौका दिया। अध्यक्ष महोदय, मैं सबसे पहले तो नये सदन के गठन पर सभी माननीय सदस्यों को बधाई देता हूं। अध्यक्ष महोदय, हरियाणा प्रदेश एक कृषि प्रधान प्रदेश है और महामहिम के अभिभाषण में भी कृषि पर चर्चा हुई है। आज हरियाणा प्रदेश के हालात इस किस्म के हैं कि हरियाणा के किसान की 70 प्रतिशत के करीब फसल सूखे की चपेट के कारण खराब हो जाती है। हरियाणा प्रदेश में कुछ इलाके ऐसे भी हैं जहां पर बेमौसमी बारिश के कारण नरमा कपास की फसल भी खराब हुई है। उसके साथ-साथ आज किसान की फसल के जो मूल्य दिए जा रहे हैं उसमें और पिछले साल किसानों को जो मूल्य दिए जाते थे उन मूल्यों में भी काफी फर्क है। अबकी बार फसल का दाम भी पहले से कम है और किसान के खेत में पिछले साल से फसल भी कम है। उसके दो कारण हैं एक तो जो बेमौसमी बारिश हुई उसकी वजह से फसलें खराब हुई और दूसरा पहले सूखा पड़ा जिसके कारण किसान के खेत की जीरी सूख गई। अध्यक्ष महोदय, आप भी किसान परिवार से हैं और आपके इलाके में भी जीरी की खेती बहुत होती है। आप भी इस बारे में भली भांति जानते हैं। केन्द्र सरकार की तरफ से 50 रुपये गेहूं के मूल्य में बढ़ोत्तरी की गई। आज मैंने हमारे कृषिमंत्री जी का ब्यान पढ़ा था जिसमें इन्होंने कहा है कि हम स्वामीनाथन रिपोर्ट को लागू करवाने का काम करेंगे। उसके लिए मैं आपको बधाई देता हूं। क्योंकि अगर आप इस रिपोर्ट को लागू करेंगे तो देश के किसानों को उससे 100 फीसदी लाभ पहुंचेगा। लेकिन उस रिपोर्ट को आपने जल्दी लागू करना चाहिए ताकि किसान को उसकी फसल की लागत का उचित भाव मिल सके जिस प्रकार से उस रिपोर्ट में लिखा गया है कि किसान को उसकी लागत के मूल्य से 50% अतिरिक्त मूल्य मिलना चाहिए ताकि किसान अपनी अगली फसल के लिए तैयारी कर सके। मैं उम्मीद करूंगा कि इसके लिए भी आप केन्द्र सरकार को इस बारे में एक प्रस्ताव भेज दें कि स्वामीनाथन रिपोर्ट को जल्दी लागू किया जाए ताकि देश के किसान को इसका लाभ मिल सके। इसके साथ-साथ मैं सदन के नेता जो अभी यहां मौजूद नहीं

हैं। मैं श्री रामबिलास शर्मा जी से और कैप्टन साहब जो इस समय सदन में बैठे हुए हैं उनसे आग्रह करूंगा कि आप भी किसान परिवार से जुड़े हुए हैं वे इस बारें में सरकार का ध्यान अवश्य आकर्षित करेंगे। किसानों को अपनी फसल के बहुत कम भाव मिल रहे हैं, इसके साथ-साथ सरकार ने जो रेट बढ़ाए हैं वे भी बहुत कम है। कांग्रेस पार्टी की यह पुरानी परम्परा रही है हर साल फसल के भाव में 50 रुपये बढ़ाकर ऊंट के मुंह में जीरा वाली बात करते थे। कांग्रेस सरकार अपने आप को किसान की हितैषी कहती है लेकिन कांग्रेस के शासन काल में फसलों के रेट कभी नहीं बढ़े। सन् 1977 में एमरजेन्सी के समय भी गेहूं के मूल्य में एक रूपये की बढ़ोत्तरी की गई थी। कांग्रेस की सरकार के समय में ऐसे हालात रहे हैं। इसलिए मैं आपके माध्यम से सदन के नेता से और दूसरे साथी मंत्रियों से आग्रह करूंगा कि कम से कम जब तक केन्द्र की सरकार की तरफ से स्वामीनाथन आयोग की रिपोर्ट लागू न की जाये और जब तक भाव न बढ़े तब तक बोनस के रूप में किसान को राहत देनी चाहिए ताकि किसान कम से कम अपने पैरों पर तो खड़ा हो सके। आजकल केन्द्र में भी नई-नई सरकार बनी है और केन्द्र के साथ साथ हरियाणा प्रदेश में भी आपकी नई-नई सरकार बनी है। हरियाणा प्रदेश का एक बड़ा पुराना इश्यु था। हमने उस इश्यु को इस विधान सभा में बहुत जोरदार तरीके से उठाया था और उसमें हमारा साथ देने में माननीय मंत्री श्रीमती कविता जैन जी, आदरणीय अनिल विज जी, श्री घनश्याम सर्राफ जी तथा श्री कृष्ण पाल गुर्जर जी जो अब केन्द्र में मंत्री बनकर चले गये हैं ने अहम रोल अदा किया था। इन लोगों ने हमारे साथ खड़ा होकर पूरे जोर से उस मुद्दे को उठाने का काम किया था लेकिन उस समय हालात इस तरह के हुआ करते थे कि हम लोग चाह कर भी अपनी बात को हाउस में कह नहीं पाते थे। उस समय श्री कुलदीप शर्मा जी विधान सभा के स्पीकर हुआ करते थे। शर्मा जी मेरे मित्र भी हैं। जब सरकार कोई गलत काम करती थी या जब प्रदेश के हित की बात होती थी और हम यदि उस मुद्दे पर अपनी आवाज उठाने चाहते थे तो हमारी आवाज को दबा दिया जाता था। यदि हम अपनी सीट पर भी बैठे होते थे तो भी हमें नेम कर दिया जाता था। जब हम स्पीकर साहब से कहते थे कि हम तो अपनी सीट पर बैठे थे आपने हमें नेम कैसे कर दिया तो स्पीकर महोदय का जबाब होता था कि ठीक है मैं अपनी गलती सुधार लेता हूं लेकिन अगर दोबारा से कोई आवाज उठाने का काम किया तो आपको नेम कर दिया जाएगा। सदन में स्कूल जैसा उस प्रकार का वातावरण तैयार कर दिया गया था जैसे क्लास में कोई टीचर किसी बच्चे को कह देता है कि बच्चे अपनी गलती सुधार कर लाओ। इस किस्म के हालात उस समय हुआ करते थे। जिस ढंग से कुलदीप शर्मा जी ने अभी कहा कि जब नई कमेटियों का गठन हो तो आप उन कमेटियों के जो मैंबर बनाये वह सभी दलों से पूछकर बनाये जायें मुझे उम्मीद है कि आप इस तरफ अवश्य ध्यान देंगे। स्पीकर सर, आज भी हमें तथा भाजपा के उस समय के सदस्यों को यह बात पीड़ा देती रहती है कि इनके समय में हमारी आवाज को सुना नहीं जाता था। हमारी कोई सुनने वाला नहीं था लेकिन जैसाकि आपने कहा कि हम नई परंपरा बनायेंगे तो उसके लिए मैं आपका बहुत-बहुत धन्यवाद करता हूं। इस तरह की चीजों से निसंदेह बड़ा फायदा होगा। कुछ कमेटियां बहुत महत्वपूर्ण होती हैं। वैसे तो सारी कमेटियां ही महत्वपूर्ण होती हैं लेकिन कुछ ऐसी महत्वपूर्ण होती हैं कि अगर उनमें हमारे सीनियर साथी होंगे तो निश्चित रूप से उससे सरकार को भी लाभ मिलेगा और महत्वपूर्ण विषयों पर विधान सभा में और विधान सभा के बाहर डिसकश हो सकती है। अब मैं पुनः विषय पर आता हूं। स्काई लाईट हॉसपिटेलिटी के नाम से एक कंपनी है जिसके मालिक श्री रॉबर्ट वाड्रा जी हैं विज साहब, यदि मैं गलत हों तो आप मुझे टोक सकते हैं। क्यों विज साहब स्काई लाईट हॉसपिटेलिटी कंपनी के मालिक राबर्ट वाड्रा ही है ना? (विघ्न)

स्वास्थ्य मंत्री (श्री अनिल विज) : अभय जी, आप बिल्कुल ठीक फरमा रहे हैं।

श्री अभय सिंह चौटाला : स्पीकर सर, श्री राबर्ट वाड्रा जी स्काई लाईट हॉस्पिटेलिटी नामक कंपनी के मालिक थे और हमारी पिछली सरकार ने उन्हें लाभ पहुंचाने के लिए डी०एल०एफ० के साथ मिलकर एक ऐसी जमीन दे दी जिस जमीन में कहीं से कोई रास्ता नहीं था लेकिन उस जमीन के रातों रात रद्दोबदल कर दिये गये। यह इश्यु जब सामने आया तो हमने इस पर चर्चा करनी चाही तो बड़ी हैरानी की बात कि हमें इस पर चर्चा नहीं करने दी गई। स्पीकर सर, आज मैं आपके माध्यम से सदन के नेता से कहना चाहूंगा कि जहां कैग की रिपोर्ट ने भी इस बात पर मुहर लगाई है कि एक आदमी को गलत तरीके से 44 करोड़ रुपये का लाभ पहुंचाया गया है, उस पैसे को वसूला जाये। स्पीकर सर, मैं आपके माध्यम से सदन के नेता से आग्रह करूंगा कि क्या वे इस सारे इश्यु की इन्कवॉयरी करवायेंगे और करवायेंगे तो कब तक करवायेंगे तथा किस एजेंसी से करवायेंगे? मुझे शिक्षा मंत्री जी द्वारा पिछले दिनों दिये गये एक ब्यान से बड़ी खुशी हुई। सीनियर मंत्री श्री रामबिलास शर्मा जी ने कहा था कि पिछली सरकार की जो भी कमियां या खामियां हैं या जो भी अनियमिततायें हैं या फिर जो भी गलत काम किये गए हैं हम उन सबके लिए एक सीटिंग जज से इन्कवॉयरी करवायेंगे ताकि पूरे हरियाणा प्रदेश की जनता इस बात को भलीभांति जान सकें क्योंकि आज पूरे प्रदेश की नजर इस बात पर है कि किस तरह से केन्द्र की और हरियाणा की कांग्रेस की सरकार ने प्रदेश की जनता को लूटने और बर्बाद करने का काम किया । अध्यक्ष महोदय, अभी मेरे साथी लुटेरा शब्द को लेकर चर्चा कर रहे थे कि लुटेरा शब्द हटाया जाए। अध्यक्ष महोदय, हरियाणा प्रदेश की हालत यह थी (शोर एवं व्यवधान) दलाल साहब प्वायंट ऑफ आर्डर पर कैसे बोल सकते हैं?

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर है।

श्री कुलदीप शर्मा : अध्यक्ष महोदय, दलाल जी का प्वायंट ऑफ आर्डर है।

He can speak on a point of order.

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर है।

श्री अभय सिंह चौटाला : अध्यक्ष महोदय, दलाल साहब का प्वायंट ऑफ आर्डर किस बात के लिए है। क्या यह बात दलाल साहब से जुड़ी हुई है? क्योंकि जब यह काम हुआ उस समय दलाल साहब इस सदन के सदस्य ही नहीं थे।

श्री अध्यक्ष : दलाल जी, आप बैठ जाईये। आपको भी बोलने का मौका दिया जायेगा।

श्री कुलदीप शर्मा : अध्यक्ष महोदय,प्वायंट ऑफ आर्डर तो किसी बात के मौके पर ही उठाया जाता है।

श्री अभय सिंह चौटाला : अध्यक्ष महोदय, प्वायंट ऑफ आर्डर पर तो हुड्डा जी बोल सकते हैं क्योंकि उस समय उस महकमे का कार्यभार हुड्डा जी के पास था ।

श्री कुलदीप शर्मा : अध्यक्ष महोदय, यह बात हमारी पार्टी से जुड़ी हुई है।

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर है।

श्री अध्यक्ष : प्लीज, आप बैठ जाईये। आपको भी बोलने का मौका दिया जायेगा। इस मामले में आपका नाम ही नहीं है।

श्री अभय सिंह चौटाला : अध्यक्ष महोदय, प्वायंट ऑफ आर्डर तो हुड्डा साहब को लेना चाहिए क्योंकि उस समय ये हरियाणा प्रदेश के मुख्यमंत्री थे। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : दलाल जी, आपको भी बोलने का मौका दिया जायेगा। प्लीज आप बैठ जाईये। आपका इस मामले में कोई जिक्र नहीं आया है।

श्री अभय सिंह चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मेरे काबिल साथी केवल इस लिए बीच में खड़े होकर टीका टिप्पणी करते हैं कि मैं जो बात सदन के सामने रखना चाहता हूं, उससे भटक जाऊं और उस ट्रैक से हट जाऊं इस बात से श्री कर्ण सिंह दलाल का कोई सम्बन्ध नहीं हैं। ये सिर्फ मुझे ट्रैक से हटाने का प्रयास करते हैं। ये पिछले पांच वर्ष से विधान सभा के सदस्य भी नहीं थे । (शोर एवं व्यवधान)

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय,.....

श्री अध्यक्ष : दलाल जी, प्लीज आप बैठ जाईये।

श्री अभय सिंह चौटाला : अध्यक्ष महोदय, पहले इनको बोलने का मौका दे दीजिए नहीं तो बीच में ही टोका टिप्पणी करते रहेंगे।

श्री अध्यक्ष : ठीक है, आप बोलिए

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर यह है कि श्री अभय सिंह चौटाला जी ने जिस बात का जिक्र किया है। जब हरियाणा प्रदेश में चौटाला साहब की सरकार थी तो इन्होंने पंजाब के माननीय मुख्यमंत्री (सरदार प्रकाश सिंह बादल) और उनके बेटे श्री सुखबीर सिंह बादल को ओरबिट रिजोर्टस के नाम से गुड़गांव में एच०एस०आई०आई०डी०सी० की बेशकीमती जमीन को देने का काम किया था। इस बारे में माननीय सदस्य सदन को बता दें की वह जमीन दी थी या नहीं। अगर वह जमीन दी थी तो इन पर क्या कार्यवाही होनी चाहिए सदन में इस विषय पर भी चर्चा होनी चाहिए। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अभय सिंह चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्य को बताना चाहता हूं कि अगर हमने गुड़गांव में एच०एस०आई०आई०डी०सी० की जमीन बादल साहब की कम्पनी को दी तो हरियाणा प्रदेश में पिछले 10 सालों से कांग्रेस पार्टी ने राज किया, अगर ऐसी कोई बात होती तो कांग्रेस पार्टी ने बादल साहब की कम्पनी की जांच और कार्यवाही क्यों नहीं करवाई? अगर उसमें कहीं कोई खामी होती तो इनकी सरकार के समय में ये 100 फीसदी जांच करवा सकते थे। क्योंकि उस दौरान ये तो काम ही यही करते थे कि हमारे खिलाफ इनको कोई कागज मिल जाए। अध्यक्ष महोदय, मैं बता देना चाहता हूं कि इन्होंने 10 साल तक हमारी सरकार (इंडियन नेशनल लोकदल) के काम-काज की समीक्षा ही की है, इनका 24 घन्टे ही यह धंधा था की इंडियन नेशनल लोकदल के नाम से हरियाणा प्रदेश में प्रोपर्टी मिल जाये और उसमें कहीं न कहीं छोटी-मोटी नुक्ताचीनी मिल जाये, फिर हम दफा 4-6 के नोटिस देकर किसी तरीके से उस प्रोपर्टी को काबू कर लें। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से बताना चाहता हूं कि लुटेरा शब्द का इस्तेमाल क्यों किया गया, इस शब्द से कांग्रेस पार्टी को

[श्री अभय सिंह चौटाला]

बड़ी तकलीफ हुई । यह शब्द इसलिए कहा गया कि वर्ष 2009 के चुनाव में कांग्रेस पार्टी के पास केवल 40 सदस्य ही थे और कांग्रेस पार्टी की सरकार पूर्ण बहुमत की सरकार नहीं थी, इसलिए इन्होंने दूसरी पार्टी के पांच सदस्य खरीदे थे। अध्यक्ष महोदय, अब ये लोग यह भी कहेंगे कि वे सदस्य कांग्रेस पार्टी में शामिल हुए थे। लेकिन पिछली सरकार ने पांच वर्ष तक स्पीकर के पद कि गरिमा को भी कम करने का काम किया है और उन सदस्यों का कांग्रेस पार्टी में विलय का केस स्पीकर महोदय की कोर्ट में चलता रहा और उस केस का कोई फैसला नहीं किया, वर्ष 2009 से लेकर वर्ष 2014 तक यह मामला कोर्ट में भी चला आखिर में कोर्ट ने मजबूर होकर पांचों विधायकों के खिलाफ फैसला सुनाया और अपने फैसले में कोर्ट ने यह कहा कि इन विधायकों को गलत तरीके से कांग्रेस पार्टी में ज्वाईन कराया गया है। अध्यक्ष महोदय, इन्होंने पांचों सदस्यों को गलत तरीके से कांग्रेस पार्टी में ज्वाईन करवाया और पांच वर्ष तक हरियाणा प्रदेश की जनता को दोनों हाथों से लूटने का काम किया। पिछली कांग्रेस पार्टी की सरकार को 'अली बाबा चालीस चोर' की फौज थी, लुटेरों की फौज नहीं थी ये तो सारा दिन लूटने का काम करते थे आप लुटेरों की बात करते हो। अध्यक्ष महोदय, हमने इनके कार्यकाल में पांच सीडी भी प्रोवाईड करवायी थी, और इन पांचों सी०डीज० में इनके एम०एल०ए०, सी०पी०एस० और मिनिस्टर भी शामिल थे। कांग्रेस के शासनकाल के दौरान कांग्रेस के विधायक, मंत्रीगण और मुख्य संसदीय सचिव सी०एल०यू० के नाम पर सरेआम लोगों से 5 करोड़ रुपये या 50 करोड़ रुपये रिश्वत के नाम पर यह कहकर मांगते थे कि आप हमें पैसे दें तो हम मुख्यमंत्री (चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा) से सिफारिश करके आपको सी०एल०यू० दिलाने का काम करवायेंगे और इस तरह से हमारी जेबों में भी पैसा आ जायेगा। अध्यक्ष महोदय, जब हमने ये सी०डीज० लोकायुक्त को पेश की तथा इस सदन में कहा कि इस मामले पर चर्चा होनी चाहिए, उस समय भी हुड्डा साहब इस सदन में बैठे थे। हमने उस समय विपक्ष के सदस्यों ने सरकार से कहा था की सी०डीज० के इस मुद्दे पर सदन में चर्चा होनी चाहिए और बाकायदा डिस्कशन भी होनी चाहिए। अध्यक्ष महोदय, डिस्कशन और चर्चा करने के बजाय यह कह कर हमें नेम कर दिया गया कि हम लोग हाउस को नहीं चलने दे रहे हैं। जब हम सदन से बाहर चले गये तो सरकार ने हमारे पीछे से अपने आप एक फैसला ले लिया कि पूर्व विधायक श्री रामकिशन फौजी के बारे में जो सी०डी० हमने लोकायुक्त को दी थी उस सी०डी० की जांच लोकायुक्त से कराई जायेगी। जब वह सी०डी० लोकायुक्त को जांच के लिए भेज दी और जब उस सी०डी० की जांच हुई तो लोकायुक्त की जांच में यह बाकायदा साबित हो गया था कि पूर्व विधायक श्री रामकिशन फौजी ने सी०एल०यू० के नाम पर रिश्वत के पैसे मांगे है। लोकायुक्त ने अपनी तरह से सरकार को आदेश जारी किया कि जांच किसी सीनियर अधिकारी से करायें तथा भ्रष्टाचार की धाराओं के तहत श्री रामकिशन फौजी के खिलाफ मुकद्मा दर्ज करायें। अध्यक्ष महोदय, कांग्रेस सरकार ने न तो उनके खिलाफ कोई मुकद्मा दर्ज करवाया और न ही कोई जांच करवाई। अध्यक्ष महोदय, इसके बाद हमने पांच और सी०डी० लोकायुक्त को पेश की।

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, चौधरी अभय सिंह चौटाला राज्यपाल महोदय के अभिभाषण के कौन से मुद्दे पर बोल रहे हैं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अभय सिंह चौटाला : अध्यक्ष महोदय, अभिभाषण में भ्रष्टाचार भी एक मुद्दा है, मैं उसी पर ही बोल रहा हूं।

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, जो मामल हाईकोर्ट में विचाराधीन है रूल्स के मुताबिक उस मामले के बारे सदन में डिस्कशन नहीं हो सकता है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अभय सिंह चौटाला : अध्यक्ष महोदय, पिछली सरकार के समय में रूल्स के मुताबिक यदि मैं चौटाला साहब का नाम लेता था तो कांग्रेस पार्टी के सदस्य सदन की मेजों पर खड़े हो जाते थे। चौटाला साहब के नाम से कांग्रेस के सदस्यों की नींद भी उड़ जाती थी । (शोर एवं व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, हमने पांच सी०डीज० और लोकायुक्त को पेश की और उन पांच सी०डीज० पर भी लोकायुक्त ने अपना आदेश दिया । अत: मैं सदन के नेता से निवेदन करना चाहता हूं कि जिस प्रकार से लोकायुक्त ने उन पांच सदस्यों को तीन महीने का समय दिया है। उसी प्रकार से श्री रामकिशन फौजी के मामले में भी जो सी०डी० हमने दी है उसकी इन्क्वायरी करवाई जाए और लोकायुक्त के आदेशानुसार भ्रष्टाचार के तहत मुकद्मा दर्ज कराया जाये। श्री रामबिलास शर्मा जी, मैं आप लोगों से उम्मीद करूंगा कि आप सौ फीसदी उस सी०डी० पर कार्रवाई करेंगे तथा जब सदन के नेता इस बारे में अपना जवाब दें तो वे सदन को इस बारे में आश्वस्त भी करेंगे। अध्यक्ष महोदय, जमीन से जुड़े हुए घोटालों के बारे में मेरे पास पूरी डिटेल है, जिसकी एक कॉपी हमने राज्यपाल महोदय को भी दी थी। मैं आप लोगों को भी इसकी एक कॉपी दे दूंगा। आप लोग उसको पढ़कर देखना और इस बारे में हमने माननीय राज्यपाल महोदय को भी लिखा है। मैं उम्मीद भी करूंगा कि आप उसके ऊपर कार्यवाई करते हुए दोषी लोगों को कटघरे में खड़ा भी करेंगे। जमीन से जुड़ा एक और बड़ा घोटाला आपके माध्यम से सदन को बताना चाहता हूं कि पिछली सरकार के समय में एच०एस०आई०आई०डी०सी० के लिए 276 एकड़ भूमि अधिग्रहण की गई थी और उसी जमीन के साथ 76 एकड़ और जमीन अधिग्रहण की गई थी लेकिन जिस उदेश्य के लिए यह जमीन अधिग्रहण की गई थी उसकी बजाय इस जमीन को पिछली सरकार ने डी०एल०एफ० कम्पनी को दिया। हम विपक्ष के साथी इस मुद्दे पर चर्चा चाहते थे। कांग्रेस पार्टी का बहुमत होने के कारण जब हम चर्चा चाहते थे तो मेरे ख्याल से सबसे ऊंची आवाज विज साहब की होती थी। विज साहब अकेले ही अपनी सीट से खड़े होकर बहुत ऊंची आवाज में इस मुद्दे को उठाते थे। प्रैस गैलरी में मीडिया, दर्शक गैलरी में बैठे लोग तथा पूरा सदन विज की बातों को सुना करते थे, लेकिन सरकार के कानों पर जूं तक नहीं रेंगती थी।

अध्यक्ष जी, हमारी बात को भी नहीं सुना जाता था। हमें कुछ कहने या बोलने का मौका ही नहीं दिया जाता था। यह जमीन भी इन्होंने सिर्फ और सिर्फ एक कम्पनी को लाभ पहुंचाने के लिए ली। इन्होंने इस जमीन को भी सारे कानून-कायदों को ताक पर रखकर देने का काम किया। इस जमीन के बारे में कैग ने भी अपनी तरफ से आलोचना की, टिप्पणी की और उसके बाद पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट ने इस जमीन को रद्द करने का काम किया। जिस जमीन की खरीद को हाईकोर्ट ने रद्द किया, कैग ने अपनी टिप्पणी दी है तो मैं चाहूंगा कि आप उसके बारे में भी इस बात कि इन्क्वायरी कराएं कि यह सब काम कौन कर रहा था? इसके पीछे किस व्यक्ति का हाथ था? कौन किसको लाभ पहुंचा रहा था? ताकि प्रदेश के लोगों को इन सारी बातों की जानकारी मिल सके। मैं उम्मीद करूंगा कि आप इसकी इन्क्वायरी कराएंगे जब धन्यवाद प्रस्ताव इस सदन में आप पेश करेंगे तो पूरे हाउस को इस बारे में आश्वस्त भी करेंगे।

श्री अध्यक्ष : अभय जी, आप थोड़ा शॉर्ट कर लो।

श्री अभय सिंह चौटाला : अध्यक्ष महोदय, इनके इतने कारनामे हैं कि मैं तो बहुत थोड़ा-सा ही लिखकर लाया हूं।

श्री अध्यक्ष : अभय जी, आप जल्दी कंक्लूड कर लेंगे तो जो सभी नये मेंबर्स आए हैं उनको भी बोलने का मौका मिल जाएगा।

श्री अभय सिंह चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मैं इसलिए आपसे प्रार्थना कर रहा था कि आप सदन का समय अगर और बढ़ा देते तो फिर सारे साथी बोल लेंगे और इनकी पोल भी सारी की सारी आपके सामने और सारे हाउस के सामने खुल जायेगी। इन अधिकारियों को भी पता लग जाता, इन प्रैस के लोगों को भी इस बात की जानकारी मिल जाती कि पिछली सरकार के समय में विपक्ष को किस लिए नेम करते थे और इसका कारण क्या होता था? इसी तरह से एसईजैड के नाम से पिछली सरकार ने रिलायंस को जो बेशकीमती जमीन दी थी उस 1383 एकड़ जमीन को चौटाला साहब की सरकार के समय में वर्ष 2005 से पहले तीनों गांवों की जमीन को इसलिए एक्वायर किया गया था ताकि गुड़गांव के इंडस्ट्रियल एरिया मानेसर के अंदर जो मजदूर वहां पर काम करते थे उनके लिए वहां पर फ्लैट्स बना करके दिए जाएं ताकि ये लोग अपने परिवार के साथ वहां पर रह सकें। इस जमीन को एक्वायर करने के लिए दफा 4 और 6 के नोटिस हो गए। उसके बाद चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा जी के नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी की सरकार बन गई। अध्यक्ष महोदय, आपको सुन कर बड़ी हैरानी होगी कि उस जमीन का अवार्ड सुनाने की बजाये इन्होंने तीन अलग-अलग कम्पनियों को जिन्होंने इस जमीन को पिछली डेट में खरीद लिया था उस जमीन को इन्होंने उन कम्पनियों को रिलीज कर दिया। इस प्रकार से उन बिल्डर्स को सीधा-सीधा लाभ पहुंचा दिया गया। मैं सरकार से उम्मीद करूंगा कि इस बारे में आप पूर्ण रूप से इस केस की इन्कवायरी कराएंगे। इससे सारी चीजें सामने आ जायेंगी की पिछली सरकार ने किस-किस तरीके से प्रदेश को लूटने का काम किया था। (विघ्न)

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर है।

श्री अभय सिंह चौटाला : अध्यक्ष महोदय, अब इसको इस बात की बड़ी तकलीफ है कि मैं सही बात बताने लग रहा हूं और ये माननीय सदस्य बीच में ही खड़े हो जाते हैं।

श्री अध्यक्ष : दलाल साहब, आपका क्या प्वायंट ऑफ आर्डर है?

श्री अभय सिंह चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मैं जिस जमीन की बात कर रहा हूं वह जमीन एक्वायर नहीं की गई थी क्या? मैं माननीय सदस्य से पूछ रहा हूं कि क्या ये जमीन एक्वायर नहीं की गई थी?

श्री कर्ण सिंह दलाल: अध्यक्ष महोदय, मेरा छोटा सा प्वायंट ऑफ आर्डर है।

श्री अभय सिंह चौटाला : अध्यक्ष महोदय, आप अपने अधिकारियों से पूछिए कि क्या ये जमीन एक्वायर नहीं की गई थी?

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी इजाजत से ही बोलूंगा। मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर है। अध्यक्ष महोदय, जिस तरह की बातें अभय सिंह चौटाला जी कह रहे हैं। उन्हें इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि वे नेता विपक्ष हैं, उन्हें राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर सुझाव देने चाहिएं। जो आरोप ये लगा रहे हैं ये आरोप इनके ऊपर पहले से ही लगे हैं। अदालत के अन्दर भारतीय जनता पार्टी की सरकार होते हुए सीबीआई का प्रोब हुआ और कोर्ट ने इनके खिलाफ लगे आरोपों को सही माना। गुड़गांव में मेडिसिटी सैन्टर है उस जैसी बेशकीमती जमीनों को चौटाला साहब की सरकार के समय में नियमों को ताक पर रखकर डॉ० त्रिहेन को दे दिया। आज उस जमीन पर गरीबों का इलाज होता जबकि आज मेडिसिटी इनका खुद का हिस्सा है। वहां पर गरीबों का इलाज नहीं हो पा रहा है (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : दलाल साहब, आप बैठ जाइये, आपको बोलने का पूरा मौका दिया जायेगा।

श्री अनिल विज : अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य, प्वायंट ऑफ आर्डर पर यहां पूरा भाषण थोड़े ही दे सकते हैं।

श्री अभय सिंह चौटाला : अध्यक्ष महोदय, इसके अलावा मानेसर के अंदर वर्ष 2004 में 912 एकड़ जमीन ऐक्वायर हुई थी वह तीन गांवों की जमीन थी उस जमीन को भी इन्होंने तीन ऐसी कंपनीज यूनीटैक, ओमैक्स अंसल और मैट्रोपोलैक्स इन तीनों कंपनियों का अवार्ड के साथ लगा हुआ समय था। उस जमीन को उस वक्त रिलीज कर दिया। वह जमीन भी इन्होंने ले ली और कहा कि इस जमीन को हम आपके लिए छोड़ रहे हैं। इनके समय में सिर्फ यह सोचा गया कि बिल्डर्स को कैसे फायदा मिले? किसान की कीमती जमीन कौड़ियों के भाव कैसे ली जाए। आप मानेसर वाली जमीन का भी पता कराओ। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, आप बार बार इधर की तरफ देख रहे हैं इसलिए मैं समय का ध्यान रख रहा हूं ताकि सभी सदस्य को बोलने का समय मिल सके। बहुत से इशूज ऐसे हैं जिन पर सारे साथी चर्चा करना चाहेंगे। इसी तरह से सोनीपत के कुण्डली के अन्दर औद्योगिक कर्मचारियों के लिए (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : अभय चौटाला जी, मेरा आपसे अनुरोध है कि आप वाइंड अप करें। मैंने अन्य सदस्यों को भी समय देना है।

प्रो० राम विलास शर्मा : अध्यक्ष महोदय, ये गुड़गांव, धाड़ौली और महरमपुर इस प्रकार गुड़गांव के चारों तरफ की जो जमीन है इनका खसरा और खतौनी नंबर या तो हुड्डा साहब के पास है या चौटाला साहब के पास है । इनकी जितनी भी जमाबंदी है गिरदावरी है वह इनके पास ही है। जो इन्होंने कहा कि जो एस०ई०जैड० का मामला है उसमें धाड़ौली और महरमपुर का है। मानेसर के बारे में आप हमें थोड़ा साथ साथ इन्लाइटन कर दीजिए।

श्री अभय सिंह चौटाला: शर्मा जी, एक तरफ तो आप कह रहे हैं कि आपको इस जमीन के बारे में पता नहीं है दूसरी तरफ आप धाड़ोली और महरमपुर के बारे में बता भी रहे हैं। इसका मतलब आपको इसके बारे में पता है।

प्रो० राम विलास शर्मा : हमने इस बारे में आरोप पत्र तैयार किया था इसलिए पता है (विघ्न)

श्री अभय सिंह चौटाला : अध्यक्ष महोदय, सोनीपत के अंदर 885 एकड़ जमीन का अधिग्रहण हुआ और जो मजदूर वहां फैक्ट्री में काम करते हैं उन लोगों के लिए वहां रिहायशी मकान वन बैड रूम फ्लैट बनाकर दिये जाने थे ताकि वे लोग अपने परिवार के सदस्यों के साथ अच्छी तरह से वहां रह सकें लेकिन इन्होंने उस जमीन को भी अधिग्रहण करके बिल्डर्स को रिलीज करने का काम किया। 13.00 बजे बिल्डर्ज ने उस जमीन को खरीद लिया और इन्होंने उस जमीन को रिलीज कर दिया जिससे बिल्डर्ज को फायदा पहुंचाया गया। बिल्डर्ज को इससे कितना फायदा हुआ इसके बारे में हुड्डा जी बता देंगे। इसी प्रकार से गुड़गांव के सैक्टर 29 में किंगडम ऑफ ड्रीम नाम का क्लब बना हुआ है और उस जगह पर हरियाणा सरकार ने एक ओपन आडिटोरियम बनाना था। उस आडिटोरियम को बनाने के लिए सरकार ने नौ करोड़ रूपये खर्च कर दिये थे ताकि गुड़गांव के आम लोगों को सुविधाएं मिल सकें। लेकिन केवल और केवल अपने किसी खास साथी को फायदा पहुंचाने के लिए पिछली सरकार ने उस जगह को भी एक नौटंकी कम्पनी को लीज पर दे दिया। उस नौटंकी कम्पनी का नाम था ग्रेट इण्डिया नोटंकी कम्पनी। पहले उस कम्पनी को बुलाया और यह कहा गया कि क्योंकि सरकार

[श्री अभय सिंह चौटाला]

तो इस जगह का कुछ नहीं कर सकती अब आप ही बतायें कि इस जगह का प्रयोग कैसे हो सकता है। तब नौटंकी वालों ने पिछली सरकार को यह सुझाव दिया कि सरकार हमारी कम्पनी को यह जगह 15 साल के लिए लीज पर दे दे जबकि उस जमीन पर सरकार पहले ही नौ करोड़ रूपये खर्च कर चुकी थी। फिर भी पिछली सरकार ने सैक्टर 29, गुड़गांव की वह जमीन उस नौटंकी वालों को 15 साल के लिए लीज पर दे दी। उस जगह को गुड़गांव का हर्ट कहा जाता है। अब वह नौटंकी कम्पनी लोगों की जेबें किस प्रकार के काट रही है इस बात का आप अन्दाजा भी नहीं लगा सकते। वह नोटंकी कम्पनी उस जगह की इन्ट्री के लिए 700 रूपये और 1000 रूपये की फीस ले रही है। उस जगह को सरकार ने इसलिए बनाया था कि जनता को सुविधा मिले लेकिन आज आम जनता को वहां पर क्या सुविधा मिल रही है। आज उस जगह पर बॉर, रेस्टोरेंट और दूसरे क्लब खुले हुए हैं। इस तरह की सुविधाएं वहा पर दे रखी हैं। वह भी केवल अपने साथी को लाभ पहुंचाने के लिए। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष: चौटाला साहब, आप राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर बात कीजिए।

वित्त मन्त्री (कैप्टन अभिमन्यु): अध्यक्ष महोदय, चौटाला साहब, माननीय सदस्य जिस तरह से सारी बातें सदन में रख रहे हैं। इसके लिए मैं उनको एक बात कहना चाहता हूं कि यहां पर राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर चर्चा चल रही है। आपके माध्यम से माननीय सदस्य को मेरा एक सुझाव हैं। इस विधान सभा का यह पहला सत्र है। राज्यपाल महोदय के अभिभाषण की चर्चा की अपनी गरिमा, अपनी मर्यादा होती है इसलिए उससे संबंधित विषयों पर अगर हम चर्चा करें तो ज्यादा अच्छा रहेगा। आपने जो ये तमाम सवाल उठाये हैं इससे ऐसा लगता है कि आने वाले भविष्य में कोई संभावित जांच के आयोग के सामने यह गवाही दी जा रही है। मैं निश्चित तौर पर यह कहना चाहता हूं कि हमारी सरकार ने जो भी वायदे किए हैं उन एक एक वायदे पर हम कायम हैं। मैं आपके माध्यम से यह कहना चाहता हूं कि हरियाणा की जनता जो कि मालिक हैं उसकी एक एक बात की जांच करके उसके समक्ष रखना हमारी सरकार का यह कामिटमैंट है और उसके ऊपर विचार करके हम जनता के सामने रखेंगे। प्रत्येक माननीय सदस्य को अपनी बात रखने का मौका जरूर मिलेगा। आपके माध्यम से माननीय सदस्यों को इतना ही कहना है कि आज राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर बिन्दुवार अगर हम चर्चा करेंगे तो समय के साथ ज्यादा न्याय कर पायेंगे।

अति विशिष्ट व्यक्ति का अभिनंदन

शिक्षा मंत्री प्रो० रामबिलास शर्मा : स्पीकर सर, फरीदाबाद से लोक सभा सदस्य चौधरी कृष्णपाल गुर्जर जी जो बी०बी०आई०पी० गैलरी में बैठकर सदन की कार्यवाही देखने के लिए आये हैं, हम उनका स्वागत करते हैं।

श्री अध्यक्ष : मैं भी श्री कृष्ण पाल गुर्जर जी का हार्दिक अभिनन्दन करता हूं।

बैठक का समय बढ़ाना

श्री अध्यक्ष : यदि हाउस की सहमति हो तो सदन का समय तीन घण्टे के लिए बढ़ा दिया जाए।

आवाजें : ठीक है जी।

श्री अध्यक्ष : ठीक है, सदन का समय तीन घन्टे के लिए और बढ़ाया जाता है।

श्री अभय सिंह चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मेरे दूसरे साथियों को भी कहीं न कही तकलीफ होनी शुरू हो गई है। अभी माननीय मंत्री जी कह रहे थे कि गवर्नर महोदय के अभिभाषण पर चर्चा हो रही हैं। मैं गवर्नर महोदय के अभिभाषण पर ही चर्चा कर रहा हूं। आप एक काम करें कि राज्यपाल महोदय के अभिभाषण को पढ़े उसमें क्या लिखा हुआ है। अभिभाषण में सरकार की तरफ से लिखा हुआ है कि यह सरकार प्रदेश को भ्रष्टाचार मुक्त और पारदर्शी सरकार। मैं भ्रष्टाचार का ही जिक्र कर रहा हूं। आपके सामने पिछले दस साल में इस प्रदेश में क्या हुआ है। अगर आपको इससे भी तकलीफ हो रही है तो मैं इस बारे में कोई चर्चा नहीं करूंगा। अगर यह तकलीफ है कि भ्रष्टाचार पर चर्चा न करें तो मैं चर्चा नहीं करूंगा।

बिस मंत्री (कैप्टन अभिमन्यु): अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्य को विश्वास दिलाता हूं कि भ्रष्टाचार मुक्त और पारदर्शी प्रशासन देने का जो कमिटमैंट सरकार ने राज्यपाल महोदय के अभिभाषण में किया है। निश्चित तौर पर आने वाले पांच साल में सरकार को जो कार्य परिलक्षित होगा उसमें यह स्पष्ट हो जायेगा। राज्यपाल महोदय के अभिभाषण में अनेक विषय उठाये गये हैं। उन सब पर विचार करते हुए आने वाले पांच वर्षों में एक रूप रेखा चर्चा के माध्यम से शुरू हो सकती है। माननीय सदस्य के भाव को हमने विस्तृत चर्चा के माध्यम से समझा है और आपके सहकार और सहयोग की भावना को भी हमने समझा है। आपने जिस प्रकार सूची देने का जो काम किया है उसका भी हम स्वागत करते हैं। इसी सूचि से संबंधित और भी बहुत सारे विषय हैं जो हमारे संज्ञान में हैं। आप और हम मिलकर जो भी हमारी सरकार निर्णय करेगी उसको सफल करेंगे और इस पटल पर रखने का सौभाग्य शायद हमें मिलेगा।

श्री अभय सिंह चौटाला: स्पीकर सर, मैं तो इस बात का जिक्र इसलिए कर रहा हूं कि जब प्रधानमंत्री जी कैथल में आये थे उस समय कैथल में जब उन्होंने अपना भाषण समाप्त किया था तो विशेष रूप से प्रदेश के लोगों से उन्होंने यह आग्रह किया था कि मैं इस देश को भ्रष्टाचार मुक्त करना चाहता हूं। आप मेरा साथ दें। इसलिए मैंने आज इसी विषय को चुना है कि इसी विषय पर चर्चा हो जाए तो ज्यादा बढ़िया रहेगा।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्यमंत्री (श्री कृष्ण कुमार): माननीय प्रधानमंत्री जी की बात को इस हरियाणा प्रदेश की जनता ने मान लिया है तथा भ्रष्टाचार करने वालों को साइड में बिठा दिया गया है इसलिए चिंता करने की जरूरत नहीं है।

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, प्वायंट ऑफ आर्डर पर अपनी बात कहना चाहता हूं। जिन के ऊपर भ्रष्टाचार के मुकदमें चल रहे हैं और जल्दी ही उनकी तिहाड़ जेल जाने की तैयारी हो रही है आज वे यहां भ्रष्टाचार की बात कर रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, अभय सिंह चौटाला जी यहां बताएं कि उनके ऊपर कितने भ्रष्टाचार के मुकद्में चल रहे हैं। (विघ्न)

श्री अभय सिंह चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मैं अपनी बात आपको लिखित रूप में दे दूंगा। मेरा आपसे आग्रह है कि जब मुख्यमंत्री महोदय जी इस प्रस्ताव पर धन्यवाद करेंगें तो उस समय वे हाउस को आश्वस्त करें कि जो बातें हमारे द्वारा कही गई है या जो तथ्य हमारे द्वारा बताए गए हैं आप उस पर इन्कवायरी करवाएंगें । अध्यक्ष महोदय, मैं एक चीज कहकर अपना स्थान लेना चाहूंगा।

[श्री अभय सिंह चौटाला]

अध्यक्ष महोदय, 10 सालों के कांग्रेस के शासनकाल के दौरान जितने भी कोई गलत काम हुए, चाहे वे जमीन से जुड़े मामले थे, चाहे कोई दूसरे सब्जेक्ट या इशूज थे और चाहे नौकरियों की बात थी, इस बारे में आपकी पार्टी और हमारी पार्टी ने प्रैस के सामने खुलकर कहा था। अध्यक्ष महोदय, आपने भी देखा होगा कि नौकरियों में तो ऐसे ऐसे केसिज हैं जिनमें बहुत ज्यादा धांधलियां हुई हैं। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके सामने पी०टी०आई० टीचर्ज की भर्ती की एक छोटी सी मिसाल देना चाहूंगा । 1983 टीचर्ज रखे जाने थे। 1983 टीचर्ज के इंटरव्यू हुए या उनके एग्जाम हुए। जो लोग उस भर्ती की सारी प्रक्रिया पूरी कर रहे थे और जिनको उम्मीद थी कि हमें नौकरी मिलेगी वे लोग उस नौकरी से वंचित रह गए। वे लोग कोर्ट चले गए और उन्होंने इन्कवायरी की डिमांड की । अध्यक्ष महोदय, जब इन्कवायरी हुई तो आपको सुनकर हैरानी होगी कि ऐसे लोगों को नौकरी दी गई थी जिनका 10वीं का सर्टिफिकेट बाद में आया और सी०पी०एड० का सर्टिफिकेट पहले आ गया था। अध्यक्ष महोदय, कांग्रेस के राज में ऐसे ऐसे लोग नौकरी लगे कि एग्जाम किसी ने दिया, अंगूठा किसी ने लगाया और नौकरी कोई और लग गए। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, ये चीजें हम आपको नहीं कहेंगें तो और किसको कहेंगें। ये चीजें जब हमारे सामने आई तो हमने कांग्रेस की सरकार में उनको उजागर करना चाहा लेकिन उस समय तो हमें ये तथ्य उजागर नहीं करने दिए जाते थे। अध्यक्ष महोदय, जो तथ्य अब हम बता रहे हैं उसके लिए सरकार की जिम्मेवारी है कि उन सभी मामलों पर 100 फीसदी इन्कवायरी करवाए। अध्यक्ष महोदय, यहां एस0वाई0एल0 नहर का जिक्र किया गया। हमारे साथी डॉ० साहब ने भी इसका जिक्र किया तथा एक दो और साथियों ने भी इसका जिक्र किया कि एस०वाई०एल० नहर के पानी की याद हमें उस वक्त क्यों नहीं आई। अध्यक्ष महोदय, उस वक्त और आज के वक्त में बहुत फर्क है। अध्यक्ष महोदय, एस0वाई0एल0 नहर के बारे में 2004 में जो फैसला आया उसके बारे में आपको भी पता है और शर्मा जी को भी पता है। उस समय श्री ओमप्रकाश चौटाला जी मुख्यमंत्री थे। उस समय सुप्रीम कोर्ट से इसका फैसला आ गया था और सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में कहा था कि एस०वाई०एल० नहर के मामले में अब किसी तरह की कोई अड़चन नहीं है। इसको या तो पंजाब की सरकार बनाएगी और अगर वह नहीं बनाती तो केन्द्र की सरकार इसका निर्माण करवाकर हरियाणा को उसका पानी देने का काम करे। आज एस०वाई०एल० नहर का कोई भी केस किसी भी तरह की अदालत में पैंडिंग नहीं है। इसके बारे में पूर्ण रूप से फैसला आया हुआ है। अध्यक्ष महोदय, आपकी तरफ से आपके मैनीफैस्टो में भी दिया गया है और सरकार ने आश्वस्त भी किया है कि एस०वाई०एल० नहर का पानी लेकर आयेंगे। इस बारे में मैं कहना चाहूंगा कि सरकार कोई भी प्रस्ताव लेकर आये हम सरकार के साथ हैं। हम हरियाणा प्रदेश के हिस्से का पानी चाहते हैं ताकि यहां के किसानों को खेती के लिए पूरा पानी मिल सके। इस मुद्दे पर हमारी पार्टी पूरी तरह से सरकार के साथ है। हम कस्सी उठाकर भी सरकार के साथ चलने के लिए तैयार हैं। अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे मेरी पूरी बात कहने के लिए समय दिया इसके लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूं जबकि पिछले पांच साल के दौरान सदन में विपक्ष को बोलने नहीं दिया जाता था। पिछले पांच साल के दौरान हमें केवल और केवल इस बात पर गुजारने पड़ते थे कि शायद बोलने का अवसर मिलेगा लेकिन आखिर में परेशान होकर हमें स्पीकर साहब की गैलरी में आकर खड़ा होना पड़ता था और दूसरी तरफ स्पीकर साहब द्वारा हमारे से मुंह फेर कर हमें नेम करके सदन से बाहर कर दिया जाता था। अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने का पूरा समय दिया है इसके लिए आपका पुन : धन्यवाद करता हूं और आशा करता हूं कि आप सदन के सभी सदस्यों को बोलने का पूरा-पूरा अवसर देंगे ताकि वे अपनी बात कह सकें। धन्यवाद।

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा (गढ़ी सांपला किलाई) : अध्यक्ष महोदय, आज राज्यपाल महोदय ने सदन में अपना अभिभाषण प्रस्तुत किया है मैं इस पर नहीं बोलूंगा बल्कि मेरी पार्टी के दूसरे सदस्य इस पर चर्चा करेंगे। मैं तो नेता प्रतिपक्ष ने राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर बोलते हुए हमारे बारे में जो बातें कहीं उनके बारे में कहना चाहूंगा क्योंकि उनको अपनी बातें कहने का पूरा अधिकार है। अध्यक्ष महोदय, नेता प्रतिपक्ष ने आज सदन में बेबुनियाद बातें कहीं हैं और इस तरह की बातें वे पहले भी कह चुके हैं। (विघ्न)

श्री अभय सिंह चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मैं एक बात और कहना चाहूंगा । मैं सदन का केवल एक मिनट लूंगा । (विघ्न)

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा : अध्यक्ष महोदय, जब माननीय साथी बोल रहे थे उस समय मैंने बीच में टोका-टाकी नहीं की थी। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : अभय सिंह जी, आप अपनी पूरी बात कह चुके हैं, प्लीज, अब आप बैठें।

श्री अभय सिंह चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मैं केवल यही कहना चाहता हूं कि यदि मैंने पिछली सरकार पर बेबुनियाद आरोप लगाये हैं तो क्या पूर्व मुख्यमंत्री जी इन्क्वायरी करवाने के लिए तैयार हैं?

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा : अध्यक्ष महोदय, नेता प्रतिपक्ष ने मेरा नाम लेकर जो भी बातें कहीं हैं वे बेबुनियाद हैं। मैं on the floor of the House यह बात कहता हूं कि हमने जो भी कार्यवाही की हैं विद-इन पोलिसी की हैं और मैं स्वागत करता हूं सरकार के साथियों का कि वे इन मुद्दों की फ्रि एंड फेयर इनक्वायरी करवा लें, मुझे इसमें कोई दिक्कत नहीं है। अध्यक्ष महोदय, छाज तो बोले ही बोले छलनी भी बोले जो स्वयं चार्जशीट हैं और दिल्ली में मुकदमा चल रहा है तथा इनकी पार्टी के कुछ लोग जेल में भी हैं। इन लोगों ने सिलैक्शन किसी का हुआ और ज्वाईन किसी को करवा दिया इस, तरह से नौकरियां दी थी। हमने जो भी कार्यवाही की है वह पोलिसी के तहत की है और हम फ्रि एंड फेयर इन्क्वायरी के लिए तैयार हैं। नेता प्रतिपक्ष ने राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर चर्चा के दौरान एक ऐसे व्यक्ति का नाम लिया जो इस सदन के सदस्य नहीं हैं। अध्यक्ष महोदय, मैं क्लीयर करना चाहता हूं कि मेरे समय में सरकार ने पूरे प्रदेश में एक इंच जमीन भी किसी बिल्डर को एक्वायर करके नहीं दी। यह बात मैं जिम्मेवारी के साथ कह रहा हूं। नेता प्रतिपक्ष इस तरह की बात सदन में करें वह गलत है। इन सब बातों की सरकार फ्रि एंड फेयर इन्क्वायरी करवा ले, हम तैयार हैं। अध्यक्ष महोदय, जब इन लोगों की सरकार थी उस समय हाउस की कुण्डी लगा दी जाती थी ताकि हम अंदर न आ जायें। जब ये लोग विपक्ष में थे उस समय बार-बार बिना बात के वॉक आऊट कर जाते थे। उस समय हमने इनको कहा कि आप बार-बार वॉक आऊट न किया करें, अगर ऐसा करोगे तो हम सदन की कुण्डी लगवा देंगे ताकि विपक्ष के साथी बाहर न जा सकें। अध्यक्ष महोदय, ये लोग तो इसलिए कुण्डी लगाते थे कि हम सदन के अंदर न आ सकें और हम सोचते थे कि ये बाहर न जायें इसलिए कुण्डी लगाने की बात करते थे। ये लोग फिर भी अपनी आदत से बाज नहीं आये। अब देखते हैं ये लोग अपनी आदत से बाज आते हैं या नहीं। हम लोग यदि सरकार अच्छे काम करेगी तो उसकी सराहना करेंगे और सुझाव भी देंगे, यदि सरकार माने तो अच्छा होगा। अध्यक्ष महोदय, मैं फिर कहता हूं कि सरकार हमारे द्वारा किए गए कार्यों की फ्रि एंड फेयर इन्क्वायरी करवा ले, हमारी तरफ से खुल्ली छूट है।

श्री सुभाष बराला (टोहाना) : अध्यक्ष महोदय, सर्वप्रथम तो आपने मुझे महामहिम राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर बोलने के लिए समय दिया इसके लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद करता हूं। **(इस समय सभापतियों की सूची में से एक सदस्य श्री कृष्ण लाल पंवार चेयर पर पदासीन हुए।)** सभापति महोदय, महामहिम राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर डॉ० कमल गुप्ता जी ने गौ रक्षा का मुद्दा उठाया मैं भी इस सम्बंध में यह कहना चाहता हूं कि हमारे प्रदेश में ऐसे बहुत सारे स्वयंसेवी और सामाजिक संगठन हैं जो गौसेवा के क्षेत्र में लगे हुए हैं। पहली बार पिछली सरकार में इस विषय पर नाम मात्र का ही काम हुआ था लेकिन पहली बार हमारी सरकार द्वारा गौसेवा का संकल्प दोहराया गया है। यह बात बहुत ही स्वागतयोग्य है लेकिन इसमें मैं अपने कुछ बिन्दू जोड़ना चाहूंगा। हमारे प्रदेश में जो एक मात्र लाला लाजपत राय पशु विश्वविद्यालय है इसमें शोध करने वाले शोधार्थियों को शोध के लिए गऊएं उपलब्ध नहीं होती । मैं यह कहना चाहता हूं कि लाला लाजपत राय पशु विश्वविधालय में शोध करने वाले शोधार्थियों को शोध के लिए गऊएं उपलब्ध हों इसके लिए जो हमारे प्रदेश की गौशालाएं हैं उन्हें सीधे-सीधे लाजपत राय पशु विश्वविद्यालय के साथ सम्बद्ध किया जाये। इसके अतिरिक्त मैं यह भी कहना चाहूंगा कि हिसार जिले में जो कावरेल जैसी गौशाला है जो नये-नये शोध करती है इस गौशाला और इस प्रकार के दूसरे शोध संस्थानों में भी नये-नये सांईटिस्टों को भेजकर नये शोध को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। मेरी ये बातें मैं इस प्रस्ताव में जुड़वाना चाहता हूं। धन्यवाद।

श्री असीम गोयल (अम्बाला शहर) : सभापति महोदय, आपको एवं यहां पर उपस्थित सभी सम्मानित सदस्यगण को मेरा सादर नमस्कार है। आज महामहिम राज्यपाल महोदय के अभिभाषण में कुछ बातें जो प्रमुख रूप से निकलकर आई हैं मैं उसमें आने वाली सारे प्रदेश की उद्योग नीति की चर्चा आपके सामने करना चाहूंगा माननीय सभापति महोदय, जो पॉवर का जैनरेशन है, जो बिजली की प्रोडक्शन है उसके बारे में पूर्ववर्ती सरकारों ने केवल मात्र बातें ही की हैं। चाहे वह किसी भी स्तर पर बिजली को उपलब्ध करवाने की बात हो। डोमैस्टिक स्तर पर भी इनके द्वारा अच्छी तरह से पर्याप्त बिजली की सप्लाई नहीं की जा सकी उद्योगों को तो ये क्या बिजली सप्लाई करते । मेरा यह मानना है कि बिना बिजली के उद्योगो की स्थिति इस प्रकार से है जिस प्रकार बिना इंजन के एक रेलगाड़ी खड़ी हो। जिस प्रकार से एक खड़ी हुई रेलगाड़ी के डिब्बों को जंग खा जाता है इसी प्रकार से पूर्ववर्ती सरकारों की नाकामी की वजह से खड़े-खड़े उद्योग बंद हो गये या फिर हरियाणा प्रदेश से कहीं और पलायन कर गये। इस प्रकार से हरियाणा के विकास को एक बहुत बड़ा धक्का बिजली की पर्याप्त उपलब्धता न होने के कारण लगा है। इसको ध्यान में रखते हुए मेरा आपके माध्यम से सरकार से निवेदन है कि सरकार इस पॉवर जैनरेशन और डोमैस्टिक, कृषि व उद्योगों के लिए पॉवर की पर्याप्त उपलब्धता के ऊपर विशेष रूप से ध्यान देगी। हमारे उद्योग किसी भी राष्ट्र के लिए रीढ़ की हड्डी का काम करते हैं। प्रदेश में उद्योगों को भी बढ़ावा दिया जाये ताकि प्रदेश के युवाओं के लिए पर्याप्त रोजगारों का भी सृजन हो सके और जो युवा पीढ़ी नशे की ओर जा रही है उसको सही दिशा मिल सके। मैं एक बात के लिए पूर्ववर्ती सरकार की सराहना करना चाहूंगा कि उन्होंने हरियाणा प्रदेश के लोगों में से लड़का-लड़की के भेदभाव को मिटा दिया है। पहले जब लड़की घर में पैदा हो जाती थी तो परिवार को चिंता हो जाती थी कि इसकी शादी करनी है और इसको अच्छा घर मिल जाये लेकिन पूर्ववर्ती सरकारों ने यही चिंता आज लड़कों के बारे में भी माता-पिता में करवा दी है कि हमारा लड़का कहीं नशे के चक्कर में न पड़ जाये और हमारा लड़का कहीं चोर डाकू के हत्थे न चढ़ जाये लेकिन

[श्री अरुण गोयल]

अगर लड़का बड़ा हो भी जाये तो वह क्या बन सकता है क्योंकि पूर्ववर्ती सरकारों ने उद्योगों के नाम पर और रोजगार के सृजन के नाम पर अपनी नकारात्मक चुप्पी साध कर रखी थी जिसका यह परिणाम हुआ है कि आज प्रदेश का युवा दिशाहीन हो गया है। सभापति महोदय, मैं यह विशेष रूप से आपके माध्यम से सरकार से निवेदन करना चाहूंगा कि हमारी सरकार उद्योगों को बढ़ावा देगी और प्रदेश में रोजगार के भरपूर अवसर उपलब्ध करवाने की दिशा में भी विशेष रूप से काम करेगी। मैं इस बारे में यह बात भी कहना चाहूंगा कि जो कि उद्योगों के साथ-साथ किसानों से भी जुड़ा हुआ मामला है। हम अक्सर बातें करते हैं कि हमारे किसान हमारे प्रदेश और देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ की हड्डी हैं। जो धान का मामला है जिसके बारे में अभी पता चला है कि पूर्ववर्ती सरकार ने मिल मालिकों के साथ बहुत ज्यादा भेदभाव किया है। शैलर मालिकों को कोई विशेष रियायतें नहीं दी गई। जो यह जी०टी० बैल्ट है जिसको धान का कटोरा कहा जाता है आज वहां के कई एक्सपोर्टर हाऊस बर्बाद होने के कगार पर खड़े हैं। जब वे बर्बाद होंगे तो किसान कैसे आबाद होगा ? मेरा आपसे निवेदन है कि हमारी सरकार इस विषय में भी इस बात को देखे। सभापति महोदय, मैं अपनी सरकार के इस कदम की भी सराहना करना चाहूंगा कि जो सिंगल विंडो सिस्टम उद्योगपतियों के लिए शुरू करने की बात कही गई है जिसमें किसी भी विभाग की एन०ओ०सी० लेनी हो तो एक ही विंडो पर मिल जायेगी। पहले एक उद्योगपति के लिए उद्योग लगाना और इस बारे में सोचना भी पाप हो जाता था क्योंकि तरह-तरह के महकमे इसमें इनवॉल्व होते थे। इस तरह से एक-दो साल तो उसका चक्कर काटने में ही निकल जाता है। चाहे बिजली बोर्ड का महकमा हो, चाहे पोल्यूशन का महकमा हो, उद्योग का महकमा हो, चाहे एक्साईज का महकमा हो। अब मेरे समक्ष मेरे माननीय वरिष्ठ मंत्री बैठे हैं मेरा आपके माध्यम से उनसे अनुरोध है कि जल्द से जल्द इस सिंगल विंडो सिस्टम को लागू किया जाये। जहां तक सिक्योरिटी का संबंध है तो पहले जेलों से उद्योगपतियों को धमकी भरे फोन आ जाते थे तथा मांग की जाती थी कि 20 लाख दे दो, 50 लाख दे दो नहीं तो तेरे परिवार को मार दिया जायेगा। पिछली सरकार ने व्यापारियों की सिक्योरिटी के लिए कुछ नहीं किया लेकिन आज हमारी सरकार व्यापारियों की सिक्योरिटी के लिए बचनबद्ध है। इस प्रकार के जो गुंडा तत्व जेलों में बैठ कर अपराधों को बढ़ावा देने का काम कर रहे हैं उनको दूर करने का काम करेंगे। इसी प्रकार से टैक्स सरलीकरण की बात की जाये तो टैक्स की प्रक्रिया बहुत जटिल है, हम टैक्स की प्रक्रिया को सरल करने का काम करेंगे। इसी तरह से हमारी जो शिवालिक बैल्ट है जिसमें पंचकुला और कालका शामिल हैं उसको हिमाचल और उतरांचल की तर्ज पर इंडस्ट्रीयल बैकवर्ड घोषित किया जायेगा। इस बारे में हमारे सांसद महोदय ने पत्र लिख कर माननीय प्रधानमंत्री जी के संज्ञान में लाया है। मेरा अपनी सरकार से यह अनुरोध है कि सरकार इसको जल्द से जल्द प्रस्ताव पारित करके केन्द्र सरकार को भेजे ताकि यहां भी उद्योगों का विकास हो सके। माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने जो श्रमेव जयते और मेक इन इंडिया का नारा दिया है हमारी हरियाणा सरकार भी इन दोनों नारों को आगे बढ़ाने के लिए कटिबद्ध है। मेरा सिर्फ इतना कहना है कि जो भय, भूख और भ्रष्टाचार का वातावरण पूर्ववर्ती सरकारों ने इस प्रदेश के व्यापारियों को दिया था अब मैं सामने से बड़ी जिम्मेदारी के साथ कहना चाहूंगा कि अब हमारे प्रदेश के व्यापारियों के भी अच्छे दिन आ गये हैं क्योंकि माननीय नरेन्द्र मोदी जी और माननीय मनोहर लाल जी सरकारों के रूप में आ गये हैं और ये सरकारें इस समस्याओं को दूर करने का प्रयास करेंगी। धन्यवाद।

श्री जय प्रकाश (कलायत) : सभापति महोदय, महामहिम राज्यपाल महोदय ने सदन के सामने जो एक वर्ष की कार्यप्रणाली रखी है उस पर बोलने के लिए आपने मुझे समय दिया उसके लिए आपका धन्यवाद। वैसे तो मैं कहना चाहूंगा कि यह नई सरकार की शुरूआत है। हमें एक ऐसी परम्परा भी डालनी चाहिए कि सरकार को काम करने का समय भी देना चाहिए। सभापति महोदय, मेरे इस अभिभाषण के बारे में कुछ सुझाव हैं। जैसे महामहिम राज्यपाल महोदय के अभिभाषण में कहा गया है कि गांवों में शहरों जैसी सुविधायें प्रदान की जायेंगी। मेरा विधान सभा क्षेत्र कलायत गांवों में बसता है। जिस प्रकार से आज लोग शहरों की ओर पलायन कर रहे हैं उससे शहरों के बेसिक इंफ्रास्ट्रक्चर पर दबाव बढ़ रहा है। इसलिए मेरा माननीय मंत्री जी से एक सुझाव है कि गांवों में जो गंदा पानी आता है उसकी निकासी का उचित प्रबंध नहीं है। अब गांव की अधिकांश गलियां पक्की हो चुकी हैं। गांवों में जो कभी पुराने समय में पशुओं के लिए तालाब बने थे और इंसान भी वहां से पानी का इस्तेमाल कर लिया करते थे आज वह गांव का सारा पानी उन तालाबों में गिर रहा है जिससे वह तालाबों का पानी गंदा हो जाता है। इसलिए गांवों के ड्रेनेज के पानी की निकासी का उचित प्रबंध उन तालाबों से अलग किया जाये। दूसरा मेरा सुझाव है कि जो गांव शहरों में कन्वर्ट हो गये जैसे कि राजौंद, उनमें सीवरेज और वाटर सप्लाई का काम शीघ्रातिशीघ्र किया जाये। जो बड़े गांव हैं उनको आप सीवरेज और वाटर सप्लाई की सुविधा अवश्य दीजिए। गांवों के लोग बिजली, पानी और शिक्षा को लेकर शहरों की ओर पलायन करते हैं। अगर गांवों में ही यह सुविधा मिल गई तो मैं समझूंगा यह इनका एक बहुत बड़ा कदम होगा। सर, शिक्षा की दृष्टि से बहुत से ऐसे क्षेत्र हैं। थोड़े दिन पहले कलायत विधान सभा क्षेत्र के राजौंद कस्बे में म्यूनिसिपल कमेटी का गठन हुआ है। वहां पर कोई भी महिला कॉलेज नहीं हैं। राज्यपाल महोदय के अभिभाषण में भी यही लिखा हुआ है कि हम शिक्षा को महत्व देंगे। राजौंद एक ऐसा ईलाका है जहां 20-25 किलो मीटर दूर तक महिलाओं के लिए शिक्षा की कोई व्यवस्था नहीं है। मेरा सरकार से अनुरोध है कि जो प्रदेश के बड़े-बड़े गांव हैं या राजौंद जैसे कस्बे हैं उनमें कम से कम महिलाओं की उच्च शिक्षा के लिए एक-एक कॉलेज अवश्य खोल दिए जाएं। पिछली सरकार से भी मैंने अनुरोध किया था शायद इस तरह का मामला सरकार के विचाराधीन होगा। सर, कलायत एक सब डिविजन है। मैं चाहूंगा कि वहां पर एक कोएजुकेशन कॉलेज बना दिया जाए तो बहुत अच्छा होगा। जब तक हम उच्च शिक्षा का प्रबंध शॉर्ट डिसटेन्स में नहीं करेंगे तब तक शिक्षा में सुधार नहीं हो सकता क्योंकि बच्चों को पढ़ने के लिए दूर-दूर जाना पड़ता है जिसके कारण उनको थकान महसूस होती है और आने-जाने में समय भी बहुत लगता है। जिस प्रकार से हमारे मित्र गोयल साहब ने धान के बारे में चर्चा की है । मैं सरकार से नम्रतापूर्वक निवेदन करना चाहूंगा कि धान का जो मूल्य है वह कम है। इसके बारे में मैं सरकार से अनुरोध करना चाहता हूं कि धान की जो फाईन वैरायटी अर्थात 1123 नं० धान और बासमती धान जोकि प्रक्योरमैंट के अधीन नहीं आती उनका उठाव है वह बहुत कम है। मण्डियों में धान के बड़े अम्बार लगे हुए हैं जिसके कारण हमारे किसानों को और आढ़तियों को भी बड़ी दिक्कत आती है। दस-दस दिन तक वहां पर धान की बोलियां नहीं आती । शर्मा जी, इसकी व्यवस्था जल्दी से जल्दी करवाई जाए। अध्यक्ष महोदय, जिस प्रकार से स्वामी नाथन आयोग की रिपोर्ट को लागू करने के बारे में मेरे से पहले कई मित्रों ने चर्चा की है। जब इस देश में स्वामी नाथन कमेटी का गठन किया गया उस समय मैं लोक सभा का सदस्य था और पांच साल तक एग्रीकल्चर कन्सलटेटिव कमेटी का मैंबर भी रहा हूं। उसमें कुछ मद बाकी बचे हैं जो ज्यादा नहीं हैं। इस समय कृषि मंत्री महोदय सदन में बैठे नहीं है। मैं इस बात को उनके संज्ञान में लाना चाहता हूं कि 25 ऐसे मद हैं अगर उनको

लागू कर दिया जाए तो किसानों को उसकी फसल का लाभकारी मूल्य मिल सकता है। इस देश में बेरोजगारी खत्म करने का एक मात्र साधन खेती ही है। अगर आप खेती को बढ़ावा देते हैं तो उसके लिए बिजली और पानी की आवश्यकता होती है। मुझसे पहले कई माननीय सदस्यों ने एस0वाई0एल0 नहर के बारे में बात की जिसके लिए सत्ता पक्ष और विपक्ष के साथियों ने अपने विचार रखे। इसके बारे में मेरा एक सुझाव है कि यमुना नदी पर रेणुका लखवारी डैम बनाने के बारे में लोक सभा में बड़ी गहन चर्चा हो चुकी है और मुझे ऐसा याद है रेणुका लखवारी डैम के लिए भारत सरकार ने कई हजार करोड़ रूपया मंजूर भी किया था एग्जैक्ट फीगर मुझ ध्यान नहीं है। अगर यह रेणुका लखावारी डैम यमुना नदी पर बना दिया जाए तो मैं समझता हूं कि बहुत अच्छा रहेगा। जिस समय मैं लोक सभा का सदस्य था उस समय हमने इस बारे में कई सुझाव दिए थे कि इस पानी का कुछ हिस्सा हरियाणा को दे दिया जाए और कुछ हिस्सा दिल्ली को दे दिया जाए क्योंकि दिल्ली और हरियाणा दो ऐसे प्रदेश हैं जिनकी इस नहर से सीधी कनैक्टीविटी है। हमारी जो डिमांड है वह यमुना कैनाल के पानी से है। जो हमारी दूसरी नहरे हैं वह सारी पंजाब से होकर आती हैं उनका मामला जब निपटेगा तब निपटेगा वह बाद की बात है। लेकिन इसके लिए भारत सरकार से जोर दिलवा दिया जाए तो मैं समझता हूं कि वह बहुत अच्छा रहेगा। यह मेरा एक सुझाव है। सर, नहरी पानी के बंटवारे में कैथल जिले के साथ बड़ा भेदभाव किया गया है। आपने कहा है कि समान विकास सबका विकास अगर इस तरह से विकास किया जाए तो कैथल जिले के नहरी पानी का बंटवारा सही ढंग से किया जाए। जिसका जितना हक बनता है उसको उतना हक दिलवा दिया जाए तो यह बहुत अच्छा होगा। आखिर में अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सदन में एक बात कहना चाहूंगा क्योंकि आज सदन में बहस का पहला दिन है इसलिए मेरा सभी साथियों से विनम्रता पूर्वक निवेदन है कि अगर सभी साथी सदन में आने से पहले रूलज एण्ड प्रोसिजर की किताब पढ़कर आएं तो बहुत अच्छा रहेगा। सदन की चर्चा में इल्डिंग और नॉन इल्डिंग के इश्यू आते हैं अगर उनको खत्म कर दिया जाए तो बहुत अच्छा रहेगा। अगर हम उसी रचनात्मक पुराने ढर्रे को लेकर चलेंगे कि पहले की सरकार के समय में ये प्रथाएं थी और आज ये प्रथाएं हैं पहले वाली सरकार ने यह किया आज हम ऐसा करेंगे तो ऐसा करना ठीक नहीं रहेगा। अध्यक्ष महोदय, आपके माध्यम से सरकार से मेरा एक निवेदन है कि रूल एण्ड प्रोसीजर की किताब हर विधायक को पढ़ने के लिए दी जाए और जो नये विधायक हैं उनकी इस बारे में कलासिज लगाई जाए ताकि सदन में बेवजह की जो इल्डिंग हम करते हैं जिसका कोई औचित्य ही नहीं होता वह बात न होने पाये क्योंकि इससे सदन का समय ज्यादा जाया भी होता है। इसलिए मैं आपसे नम्रतापूर्वक निवेदन करूंगा की आप नये सदस्यों के लिए ट्रेनिंग कैंप लगाईये या फिर हमारे विधायकों को लोक सभा में ट्रेनिंग के लिए भेजने का प्रबंध करें। वहां पर हमारे बहुत ही अच्छे सीनियर सांसद हैं जिनके नेतृत्व में हमारे विधायको को बेहतर ढंग से शिक्षित किया जा सकता है। स्पीकर सर, मैंने बोलने के लिए आपसे समय मांगा और आपने मेरी बात को स्वीकार करते हुए मुझे समय दिया तो ऐसे समय में मैं सदन के समक्ष एक बात अवश्य रखना चाहूंगा। जहां तक समान विकास की बात है तो उस संबंध में मैं मानता हूं कि पहली सरकार के कार्यकाल में भी विकास के कार्य हुए हैं लेकिन उन विकास कार्यों में कुछ कमियां भी हैं। स्पीकर सर, इन कमियों का साक्षात उदाहरण मेरा कलायत हल्का है। कलायत हल्के में हैपेटाईटिस सी बहुत ज्यादा बढ़ा है। स्वास्थ्य मंत्री जी यहां सदन में बैठे हुए हैं मैं उनके संज्ञान में लाना चाहूंगा कि हैपेटाईटिस सी का क्या कारण है? इसका कारण यह है कि मेरे क्षेत्र में जो वाटर सप्लाई सिस्टम की व्यवस्था की गई है वह लगभग फ्लैश हो चुकी है यानि खत्म हो चुकी है।

[श्री जय प्रकाश]

उसकी जांच की जानी चाहिए। कलायत शहर की सीवरेज और वाटर सप्लाई की व्यवस्था कलैश हो चुकी है। गंदा पानी, पीने वाले पानी में मिल जाता है.....(विघ्न)

श्री सुभाष बराला : स्पीकर सर, मैं माननीय साथी को बीच में इंट्रप्ट कर रहा हूं लेकिन विषय की गंभीरता को देखकर मैं स्वयं को बोले बिना नहीं रोक सकता। इस तरह की स्थिति आजकल आम हो गई कि गंदा पानी, पीने वाले पानी में मिल जाता है और भयंकर बिमारियों का कारण बनता है।

श्री अध्यक्ष : सुभाष जी, जय प्रकाश जी अपनी बात पूरी करना चाहते हैं अत : उन्हें अपनी बात पूरी करने दीजिये?

श्री जय प्रकाश : स्पीकर सर, इस तरह की अव्यवस्था हैपेटाईटिस सी का कारण बनती है। इस क्लैश हो चुकी सीवरेज और वाटर सप्लाई की व्यवस्था के लिए कौन अधिकारी जिम्मेदार है मैं उस बात में नहीं जाना चाहता लेकिन जहां तक कलायत की बात आई है तो कलायत की इतनी बुरी हालत हो चुकी है कि लोगों को पीने का पानी नहीं मिलता। इस तरह की अनियमित्तायें ही कलायत में फैले हैपेटाईटिस सी का कारण रही हैं। इस तरह की अनियमित्ताओं को ध्यान में रखकर ही इस बीमारी को रोका जा सकता है। अभी यहां सदन में हमारे मंत्री जी बैठे थे जिनके अंडर सीवरेज और वाटर सप्लाई का महकमा आता है तो इस संबंध में मैं उनसे भी निवेदन करूंगा कि जब भी सीवरेज और वाटर सप्लाई की व्यवस्था की जाये तो उसके लिए प्रोपर तरीके से काम होना चाहिए। पिछली सरकार के समय में सीवरेज लाईन तो काफी संख्या में बिछायी गयी थी लेकिन सीवरेज की व्यवस्था करते समय डायमीटर का बिल्कुल भी ध्यान नहीं रखा गया था । इस तरह की बात को संज्ञान में लाना अति आवश्यक है। इसके अतिरिक्त मैं आपसे निवेदन करूंगा कि जो बात हमने अपने इलाके की , इस प्रदेश के किसान की और बेरोजगार नौजवान साथियों की सदन में रखी है उसको आप अवश्य अमलीजामा पहनायेंगे। आपने मुझे बोलने का समय दिया इसके लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

श्रीमती संतोष यादव (अटेली) : स्पीकर सर, आपने मुझे राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर बोलने का समय दिया इसके लिए मैं आपका धन्यवाद करती हूं तथा सारे सदन को प्रणाम करती हूं। इस सदन में बोलने का यह मेरा पहला अवसर है। मैं पहली बार चुनाव जीतकर इस महान सदन में पहुंची हूं। मैं इस सदन में उपस्थित सभी माननीय सदस्यों का धन्यवाद करना चाहूंगी। आज राज्यपाल महोदय ने अपने अभिभाषण में वर्ष 2014-15 की जन कल्याणकारी नीतियों के बारे में ब्यौरा दिया है वह बहुत ही प्रशंसनीय है। कुछ नये पहलुओं का जिक्र भी इस अभिभाषण में आया है। स्वच्छता अभियान जिसे हमारे प्रधान मंत्री महोदय ने 2 अक्टूबर, 2014 को शुरु किया उस दिशा में हरियाणा प्रदेश ने भी पहल करते हुए 1 नवम्बर, 2014 से इस कार्यक्रम को शुरू किया है। यह स्वच्छता अभियान न केवल बाहर से स्वच्छता अभियान होगा बल्कि यह पूरे सिस्टम का स्वच्छता अभियान हो इसकी भी परिकल्पना इसमें की गई है। दूसरा कुपोषण को दूर करने, आदर्श गांव की पहल, एकल खिड़की योजना और विशेष। रूप से महिलाओं व बच्चियों के लिए विद्यालयों में शौचालय की योजना, गो-संवर्धन की योजना इन सबमें पहल की गई है। यह अपने आप में ही अति प्रशंसनीय है । स्पीकर सर, मैं अटेली हल्के से चुनकर इस सदन में पहुंची हूं। अटेली क्षेत्र को दक्षिणी हरियाणा के नाम से भी जाना जाता है। इसके अतिरिक्त यह क्षेत्र बिजली और पानी की कमी वाले क्षेत्र के रूप में भी जाना जाता है। स्पीकर सर, हमारी सरकार ने बिजली और पानी की कमी को दूर करने के लिए जो अहम योजना तैयार की है उससे निश्चित रूप से हमारी बिजली और पानी की समस्या दूर होगी। राज्यपाल महोदय के

अभिभाषण में हांसी-बुटाना नहर और एस0वाई0एल0 कैनाल की योजना पर जल्दी कार्यवाही की बात की गई है इससे निश्चित रूप से हमारे ऐरिया को फायद मिलेगा क्योंकि हमारी जमीन उपजाऊ है और जब उसको प्रोपर पानी मिलेगा तो पानी पहुंचने पर सारी कमी दूर हो जायेगी। इसके लिए जल्दी से जल्दी कार्यवाही की जाये। स्पीकर सर, हमारा सड़क तंत्र इतना कमजोर है पूर्ववर्ती सरकार ने इस क्षेत्र में विकास के नाम पर कोई कार्य नहीं किया है। मैं आपके माध्यम से सदन में यह बताना चाहती हूं कि मेरे हल्के में सड़कों की इतनी खस्ताहालत है कि कई हमारे बड़े बुजुर्गों की रीढ़ की हड्डियां भी टूट जाती हैं। सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री जी से यह निवेदन करना चाहूंगी कि इस सड़क तंत्र को जल्दी से जल्दी ठीक किया जाये और साथ ही विकास के नये आयाम जिनका जिक्र राज्यपाल महोदय के अभिभाषण में किया गया है उनको पूरा किया जाये ताकि हरियाणा प्रदेश विकास की नई बुलन्दियों को छू सके। सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से यह भी बताना चाहती हूं कि अटेली क्षेत्र में ज्यादातर लोग खेतों में अपने ट्यूबवैल्ज पर ढाणियों के रूप में ज्यादा रहते हैं इसलिए वहां पर जो बिजली दी जाती है वह ट्यूबवैल्ज के लिए ही दी जाती है जो कि लिमिटेड पीरियड के लिए दी जाती है इसलिए बच्चों की पढ़ाई डिस्टर्ब होती है। मेरा आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध है कि उन ढाणियों में डॉमेस्टिक लाईट का प्रबंध किया जाये। पूर्ववर्ती सरकार ने कहा जरूर था लेकिन उनकी वह बात क्रियान्वयन में नहीं आ सकी। अब हमारी सरकार इस कार्य को अवश्य पूरा करेगी ताकि वहां के लोगों को सुविधाएं मिल सकें। सभापति महोदय, आपने मुझे बोलने का समय दिया इसके लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

श्री बलवन्त सिंह (सढ़ौरा) : सभापति महोदय, आपने मुझे महामहिम राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर बोलने का समय दिया इसके लिए मैं आपका आभार व्यक्त करता हूं। सभापति महोदय, महामहिम राज्यपाल महोदय का सबसे पहला भाषण सरकार बनने के बाद होता है, उसमें सरकार का विजिन स्पष्ट हो जाता है कि सरकार की मंशा क्या है और आने वाले समय में सरकार लोगों के लिए क्या करने जा रही है? महामहिम राज्यपाल महोदय ने अपने अभिभाषण में सरकार की मंशा को उजागर किया है कि सरकार किन-किन कामों को तरजीह देकर आगे बढ़ेगी। सभापति महोदय, महामहिम राज्यपाल महोदय का अभिभाषण सराहनीय है, भारतीय जनता पार्टी की सरकार सभी वर्गों के हितों की रक्षा करेगी जिसमें युवाओं के लिए बेरोजगारी का, भ्रष्टाचार का, सड़क का, शिक्षा का, एग्रीकल्चर सर्कल का और इन्डस्ट्रीज का जिसमें हर मुद्दे पर पहल करके यह दिखाया गया है कि सरकार की मंशा क्या है? महामहिम राज्यपाल महोदय ने अपने अभिभाषण में आज हर चीज का उल्लेख किया है। इसमें यह दिखाया गया है कि सरकार हर क्षेत्र में पारदर्शिता, एकल विंडो सिस्टम और सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर ही हरियाणा प्रदेश को उन्नति के पथ पर ले जायेगी। सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से बताना चाहता हूं कि पिछली सरकार ने 10 साल तक हरियाणा प्रदेश की जनता के साथ भेदभाव और उनकी भावनाओं के साथ खिलवाड़ किया है और हरियाणा प्रदेश के कुछ एरिया हरियाणा के नक्शे से ही गायब कर दिये, क्योंकि इन क्षेत्रों में विकास के नाम पर हरियाणा प्रदेश की जनता के साथ धोखा किया गया है। सभापति महोदय, मेरे सढ़ौरा हल्के को भी हरियाणा प्रदेश के नक्शे से गायब कर दिया गया था। मेरा हल्का हिमाचल प्रदेश की सीमा के साथ लगभग 40 किलोमीटर दूर शिवालिक पहाड़ियों से सटा हुआ है। हिमाचल प्रदेश में जब भी बारिश होती है तो मेरे हल्के को तबाह कर देती है, क्योंकि मेरा हल्का ढलान होने की वजह से पानी की गति इतनी तीव्र होती है कि अपने साथ यहां की फसलें ही नहीं बल्कि जमीनों को ही बहा कर ले जाती है। सभापति महोदय, मैं

[श्री बलवन्त सिंह सढ़ौरा]

आपके माध्यम से सरकार से निवेदन करना चाहता हूं कि एक ऐसा सिस्टम बनाया जाये जो 8-10 किलोमीटर तक सड़क की दोनों साईडों पर छोटे-छोटे नाले, नदियां हैं, उन पर बांध बनाकर पानी की गति को कम किया जा सके ताकि जमींदारों की फ़सलों को बचाया जा सके। सभापति महोदय, आपके माध्यम से अब मैं सरकार का ध्यान शिक्षा की तरफ ले जाना चाहता हूं। सढ़ौरा हल्के में आज तक कोई भी गवर्नमैंट कॉलेज नहीं बनाया गया है जिस कारण यहां के लड़के और लड़कियों को 25-30 किलोमीटर दूर बस में चढ़कर कॉलेज जाना पड़ता है। बिलासपुर सब डिविजन होने के बावजूद भी यहां पर अभी तक कोई बस स्टैंड नहीं बनाया गया हैं इससे दुर्भाग्यपूर्ण बात और क्या हो सकती है? सभापति महोदय, आदरणीय मुख्यमंत्री महोदय, सढ़ौरा हल्के से बहुत परिचित हैं। मैं समझता हूं कि यह हल्का पहाड़ी एरिया होने की वजह से सबसे बैकवर्ड इलाका माना जाता है। सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध करता हूं कि सढ़ौरा हल्के को बैकवर्ड एरिया घोषित करके एक इन्डस्ट्रियल जोन बनाया जाये। सढ़ौरा हल्के से लगता हुआ जो हिमाचल प्रदेश का क्षेत्र है उसमें लगभग 10 किलोमीटर दूरी पर काला अम्ब में बहुत बड़ी-बड़ी इन्डस्ट्रीज हैं, वहां पर हमारे एरिया के हजारों गरीब मजदूर दिहाड़ी करने के लिए जाते हैं। चेयरमैन साहब, मेरा आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध है कि मेरे हल्के को बैकवर्ड एरिया घोषित करके वहां पर इंडस्ट्रियल जोन स्थापित किया जाये ताकि वहां के बच्चों को अपने ही प्रदेश में रोजगार मिल सके और उन्हें दूसरे प्रदेश में न जाना पड़े। मेरे हल्के में सड़कों की हालत ऐसी है कि अगर आप दिन में भी टार्च लेकर सड़क को ढूंढना चाहोगे तो आपको सड़क नाम की कोई चीज नहीं मिलेगी। मेरी आपके माध्यम से सदन के नेता और पी0डब्लू0डी0 मंत्री से पुरजोर मांग है कि कम से कम इन सड़कों की रिपेयर करवाई जाये ताकि उन सड़कों पर लोगों का आवागमन हो सके। पब्लिक हैल्थ इंजीनियरिंग विभाग ने कम से कम 25-30 टयूबवैल्ज वहां पर लगाए थे लेकिन पिछले दो-तीन सालों से उनकी कोई सुध नहीं ली है, इसलिए मेरा आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध है कि उन टयूबवैल्ज को चालू किया जाये। चेयरमैन साहब, आपने मुझे राज्यपाल के अभिभाषण पर बोलने का मौका दिया इसके लिए मेरा आपको धन्यवाद । जय हिन्द।

डॉ० हरिचंद मिढ्ढा (जीन्द) : चेयरमैन साहब, पिछले 5-7 सालों से जीन्द हल्के के ग्रामीण इलाकों में कभी भी कोई विकास नहीं हुआ है। जीन्द हल्के के लोगों को बिजली, पानी, सड़कें, गलियां और सीवरेज अपनी भूलभूत सुविधाएं पाने के लिए काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इसी प्रकार से ग्रामीण इलाकों में खाद्य सामग्री की विशेष समस्या है। चेयरमैन साहब, इसलिए इन समस्याओं से निजात पाने के लिए यह बात आपके माध्यम से आज सदन में कहनी पड़ रही है। चेयरमैन साहब आपके माध्यम से मुझे पूरी उम्मीद है कि यह सदन हमारी इन समस्याओं की ओर अवश्य ध्यान देगा। धन्यवाद।

डॉ० पवन सैनी (लाडवा) : चेयरमैन साहब, सबसे पहले आपने मुझे राज्यपाल के अभिभाषण पर बोलने का समय दिया इसके लिए आपको धन्यवाद देता हूं। सन् 1991 में सदन की दर्शक गैलरी में सदन की कार्यवाही को देखने व सुनने का मुझे अवसर प्राप्त हुआ था लेकिन आज सौभाग्य से जनता द्वारा निर्वाचित होकर सदन में बोलने का मुझे अवसर प्राप्त हुआ है। माननीय राज्यपाल महोदय जी ने अपने अभिभाषण में प्रदेश के हित के लिए लगभग सभी पहलुओं पर जिक्र किया है। हम सभी मानते हैं कि रोटी, कपड़ा और मकान एक परिवार के लिए जरूरत मंद चीजें हैं। लेकिन मेरा यह मानना है कि

रोटी, कपड़ा और मकान के साथ-साथ उस परिवार को पढ़ाई और दवाई ये भी दो और चीजें मिलें तो ही वह एक खुशहाल परिवार होगा। माननीय राज्यपाल महोदय ने अपने अभिभाषण में स्वास्थ्य सेवाओं को दुरूस्त करने का भी जिक्र किया है। मैं जिस विधानसभा क्षेत्र से निर्वाचित होकर आया हूं उस क्षेत्र में छोटी से छोटी शिक्षण इकाई जैसे सरकारी आई०टी०आई०, सरकारी पॉलिटैक्निकल कॉलेज और लड़कियों के लिए कोई सरकारी कॉलेज भी नहीं है। स्वास्थ्य सेवाओं का तो इतना बुरा हाल है कि प्रदेश के अंदर जिला स्तर पर जितने भी सरकारी हॉस्पीटल हैं वे मात्र रेफरल हॉस्पीटल बनकर रह गये हैं। यदि किसी व्यक्ति की छाती में दर्द हो जाता है तो हम समझते हैं कि उस व्यक्ति को हार्टअटैक का दौरा पड़ा है, इन सरकारी हॉस्पीटलों में सुविधाएं न होने के कारण वे मात्र रेफर टू पी०जी०आई०, चण्डीगढ़ या रेफर टू पी०जी०आई०, रोहतक दोनों संस्थाओं में भेजने का काम करते हैं। चेयरमैन साहब, मेरी आपसे रिक्वैस्ट है कि जिला स्तर पर मल्टी स्पेशिएलिटी हॉस्पीटल खोलने के साथ-साथ ब्लॉक लैवल पर प्रत्येक पी०एच०सी० में एक्सरे व अल्ट्रासाउण्ड की मशीनों का भी प्रबंध किया जाये। चेयरमैन साहब, मेरे हल्के में जितने भी छोटे सी०एच०सी० सैन्टर खुले हुए हैं, उनमें कम से कम एक एक्स-रे की मशीन का प्रबंध किया जाए। सर, मेरे हल्के में जितने भी छोटे से छोटे स्वास्थ्य केंद्र हैं क्योंकि किसी भी बीमारी का डायग्नोज करने के लिए लैबोरेट्री में इनवेस्टीगेशन की बड़ी आवश्यकता पड़ती है इसलिए कम से कम लैबोरेट्री की सुविधा और एक्स-रे की मशीन की सुविधा प्रत्येक स्वास्थ्य केन्द्र के अन्दर होनी ही चाहिए और पिछली सरकार ने जीटी रोड़ पर एक भी बढ़िया मल्टी-स्पेशिऐलिटी हॉस्पिटल नहीं बनाया है। जिसके कारण जब भी जी०टी० रोड़ पर कोई हादसा होता है या दुर्घटना होती है तो गरीज का ईलाज समय पर नहीं हो पाता। मेरा आपसे अनुरोध है कि जी०टी० रोड़ पर कहीं न कहीं मल्टी-स्पेशिऐलिटी हॉस्पीटल बनाया जाए। हरेक जिला लेवल पर हमारे सरकारी हॉस्पीटल्स में एम्बुलेंस की सुविधाएं बहुत कम मात्रा में हैं। उन वाहनों की संख्या बढ़ाई जाए क्योंकि ये वाहन केवल जच्चा-बच्चा के लिए ही उपलब्ध रहते हैं। जब किसी हमारी बहन जी की या महिला की डिलीवरी होती है केवल तभी ही उस काम के लिए उन एम्बुलेंस का इस्तेमाल किया जाता है। आम नागरिक को किसी प्रकार की अगर बीमारी है और उसको हॉस्पिटल में ले जाना पड़े तो एम्बुलेंस की सुविधा उपलब्ध नहीं होती हैं, इसलिए एम्बुलेंस की संख्या बढ़ाई जाए। एन०आर०एच०एम० के थरू जो बी०ए०एम०एस० ग्रेज्युएट्स लगे हैं व पूरा काम करते हैं लेकिन उनका वेतन बहुत कम है। मैं आपके माध्यम से माननीय स्वास्थ्य मंत्री जी के संज्ञान में यह बात लाना चाहता हूं कि वे उन सब डाक्टर्ज का वेतन जो सरकारी हॉस्पिटल के डॉक्टर्ज हैं उनके बराबर करने का काम करें। उनमें जिस प्रकार से सरकारी अस्पतालों में एलोपैथिक डॉक्टर्स बैठते हैं, अगर आयुर्वेदिक ग्रेज्युएट्स को भी आप उसी कड़ी में उनके बराबर बैठाएंगे तो यह बहुत अच्छा काम होगा। कोई व्यक्ति जब बीनार होता है तो सबसे पहले वह अपनी मर्जी से आयुर्वेदिक ट्रीटमेन्ट करता है क्योंकि उनका किसी प्रकार का साइड इफैक्ट नहीं है। इसलिए मैं आपके माध्यम से सरकार को कहना चाहूंगा कि ज्यादा से ज्यादा आयुर्वेदिक डिस्पेंसरी खोलने का काम करें। इन्ही शब्दों के साथ मैं अपनी वाणी को विराम देता हूं। अध्यक्ष महोदय, मैं आपका पुन : धन्यवाद करता हूं कि आपने मुझे बोलने का समय दिया ।

श्री ज्ञानचंद गुप्ता (पंचकूला) : सभापति महोदय, सबसे पहले तो मैं आपका हार्दिक धन्यवाद करता हूं कि आपने मुझे बोलने का अवसर प्रदान किया। आज राज्यपाल महोदय द्वारा जो अभिभाषण दिया गया मैं समझता हूं कि वो हमारी पार्टी का एक संकल्प पत्र है। राज्यपाल महोदय द्वारा अपने

[श्री ज्ञानचंद गुप्ता]

अभिभाषण के माध्यम से पिछली सरकार की जो कार्यवाही रही है, जिस प्रकार से 10 साल के अंदर जो पूरा प्रदेश लाचार था, गुलामी की जंजीरों में जकड़ा हुआ था, क्षेत्रवाद की जंजीरों में जकड़ा हुआ था और भाई-भतीजावाद की जंजीरों में जकड़ा हुआ था उससे आज हरियाणा प्रदेश के लोगों को मुक्ति मिली है इस बात को दर्शाया गया है । आज हरियाणा प्रदेश के लोग अपने आपको सरकार से बहुत सारी उम्मीद लगाए बैठे हैं। जो स्पष्ट जनादेश पिछली कांग्रेस सरकार के खिलाफ लोगों ने दिया है और जो हमारा संकल्प पत्र आदरणीय राज्यपाल महोदय के अभिभाषण के माध्यम से आज सदन में दिया गया है। पिछली कांग्रेस सरकार के समय में जो भ्रष्टाचार जिस प्रकार से भाई-भतीजावाद और क्षेत्रवाद फैला था, उसका शिकार हमारा पंचकूला जिला सबसे ज्यादा रहा है। पिछले दस सालों के अंदर प्राय: यह देखने को मिला कि वहां एक भी कॉलेज या युनिवर्सिटी या हॉस्पिटल या मॉडल स्कूल तक में पढ़ाई के लिए उचित व्यवस्था नहीं की गई है, कहने को तो पंचकूला को लोग मिनी कैपिटल कहते हैं, मिनी कैपिटल ऑफ हरियाणा कहते हैं लेकिन उस कैपिटल ऑफ हरियाणा के अन्दर आज भी पीने के पानी की व्यवस्था पूरी तरह से चरमराई हुई है। आज पीने का पानी स्वच्छ और पूरा अवेलेबल नहीं है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से एक गुजारिश करना चाहूंगा कि वर्ष 1983 के अन्दर यूनियन होम मिनिस्टर की अध्यक्षता में चीफ मिनिस्टर हरियाणा और चीफ मिनिस्टर ऑफ पंजाब के बीच एक समझौता हुआ था। जिसके द्वारा पंचकूला को 18 क्यूसिक्स वाटर सप्लाई होना था लेकिन वह वाटर सप्लाई आज तक पंचकूला को नहीं मिली । उसके बारे में सरकार की तरफ से वर्ष 2010 में कुछ उम्मीद जगी थी। उस वाटर सप्लाई स्कीम के लिए पैसा भी जमा करा चुके हैं। 69 करोड़ 40 लाख रुपये की राशि हरियाणा सरकार ने यूनियन टैरिटरी के पास जमा करा दी है। जो काम है वह कंप्लीट होने के कगार पर है। ढिलाई के कारण और सरकारों के आपसी तालमेल बेहतर न होने के कारण वह सप्लाई हमें अभी तक नहीं मिल पाई है। मैं समझता हूं कि उसमें सिर्फ 500 या 700 मीटर पाइप ही डलना है। मेरा आपसे निवेदन है कि इससे पंचकूला के अंदर पानी की सप्लाई ठीक हो सकती है । मैं निवेदन करना चाहूंगा कि पंचकूला के अंदर शीघ्र पानी की सप्लाई बहाल की जाए ताकि लोगों को पीने का पानी मिल सके। इसके साथ ही मैं आपके ध्यान में पीने के पानी की समस्या के बारे में भी लाना चाहूंगा। आज से दस साल पहले पंचकूला के अंदर कौशल्या डैम के नाम पर एक डैम बनाया गया। उसकी औरिजिनल कॉस्ट 41 करोड़ रूपये थी और उसके अंदर पैसों का भारी घोटाला हुआ। 41 करोड़ रुपये का जो प्रौजैक्ट था वह 217 करोड़ रूपये की राशि खर्च करने के बाद कंप्लीट हुआ। यह जानकारी मैंने आर०टी०आई० के माध्यम से ली है। 217 करोड़ रूपये की राशि खर्च करने के बाद भी पीने का पानी लोगों को उपलब्ध नहीं है। आज से डेढ़ महीने पहले पीने के पानी की सप्लाई देने की कोशिश की गई लेकिन उस पानी को पीकर लोग बीमार हो गए और उनको अस्पताल में भर्ती होना पड़ा और यहां तक कि एक महिला की मृत्यु भी हो गई। तो यह जो 41 करोड़ रुपये की राशि की बजाय 217 करोड़ रुपये की राशि खर्च हुई है, इसकी जांच होनी चाहिए। जो पैसा डी०एल०एफ० कंपनी को फायदा पहुंचाने के लिए खर्च किया गया उसकी रिकवरी होनी चाहिए। चेयरमैन साहब, पंचकूला के अंदर जिस प्रकार से कोई इंजीनियरिंग कालेज नहीं हैं, सरकारी मेडीकल कालेज नहीं है, यूनिवर्सिटी नहीं है। यहां के जो बच्चे हैं वे पढ़ाई के लिए चंडीगढ़ पर निर्भर हैं। यदि हम एक बात सोचें कि अगर पंचकूला के साथ चंडीगढ़ न होता तो यहां के बच्चों का क्या होता? चेयरमैन साहब, पंचकूला वैसे तो पूरी तरह से उपेक्षित है लेकिन उद्योगों के मामले में तो पंचकूला का और भी बुरा हाल है। यहां एक हजार प्लॉट उद्योगों के लिए काटे गऐ थे जिसमें से 250 प्लॉटस पर

उद्योग चल रहे हैं बाकी 750 प्लॉट खाली पड़े हैं। उन प्लॉट्स पर कोई काम नहीं हो रहा है। बिजली पूरी नहीं मिलती, लेबर नहीं हैं। उनको जो सुविधायें मिली चाहिएं वह नहीं मिलती हैं। यदि पंचकूला और कालका में हिमाचल प्रदेश के बद्दी जैसी सुविधायें मिलें तो यहां का उद्योग बच सकेगा। यहां पर मैं एक बात का और निवेदन करना चाहूंगा कि आदरणीय मुख्यमंत्री जी ने जो स्वच्छता अभियान शुरू किया है उसके लिए मैं उनको हार्दिक मुबारकबाद देता हूं लेकिन मैं यह चाहता हूं कि यह जो एक सप्ताह का अभियान है इसको कम से कम एक महीने के लिए ऐक्सटैंड किया जाए और इस अभियान को सफल करने के लिए कोई अतिरिक्त धनराशि सभी नगर निगमों को दी जाए ताकि सभी नगर निगम इस सफाई के काम को अच्छी ढंग से कर सकें और यह सफाई अभियान नाम मात्र का न बनकर वास्तव में सफाई जमीन पर नजर आए, इस प्रकार का प्रयास होना चाहिए। एक सबसे बड़ी समस्या पंचकूला इलाके में मक्खियों की है। मक्खियों की समस्या से पंचकूला, कालका और रायपुर रानी का क्षेत्र प्रभावित है। वहां के लोगों का जीना दूभर हो गया है। आज स्थिति यह हो गई है कि कोई रिश्ते के लिए आता है तो मक्खियों के झुण्ड के झुण्ड देखकर वापस चला जाता है क्योंकि मिठाई वगैरह पर मक्खियां बैठ जाती है तो वह यह सोचता है कि अपनी लड़की को सारी उम्र के लिए ऐसी स्थिति में जानबूझकर नहीं धकेल सकता । मैं समझता हूं कि मक्खियों की समस्या के समाधान के लिए सरकार को जरूर कदम उठाने चाहिए ताकि लोगों को उनसे राहत मिल सके। अन्त में मैं आपसे एक और निवेदन करना चाहता हूं कि पंचकूला में जो मोरनी की इलाका है वह क्षेत्र पर्यटन के लिए काफी विकसित किया जा सकता है और उसको विकसित करने के लिए जरूरी है कि पंचकूला से मोरनी की जो सड़क है उसको फोर लेन या डबल कर दिया जाए। ऐसा करने से मोरनी के इलाके में पर्यटन को बहुत भारी बढ़ावा मिलेगा। मैं समझता हूं कि ऐसा करने से सरकार को पैसा भी आयेगा। इसके साथ साथ पंचकूला क्षेत्र में बिजली की समस्या बहुत भारी है और इस बारे में हुड्डा साहब भी कहते रहे कि बिजली की समस्या तीन साल में सोल्व कर देंगे। लेकिन पिछले दस सालों के अन्दर उनसे बिजली की समस्या का समाधान नहीं हुआ। आज गांवों के अन्दर आठ घण्टे से ज्यादा बिजली नहीं आ रही है जिसके कारण उस क्षेत्र के गांवों के लोगों को परेशानी हो रही है। बिजली की समस्या का समाधान करने के लिए हमारी सरकार ने संकल्प किया है कि हम बिजली का समाधान करेंगे। पंचकूला के लिए बिजली के बारे में विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। आपने मुझे बोलने का समय दिया इसके लिए मैं आपका बहुत आभार व्यक्त करता हूं। धन्यवाद।

प्रो० रविन्द्र बलियाला (रतिया): माननीय सभापति जी, सबसे पहले तो मैं आपका धन्यवाद करता हूं कि आपने मुझे सदन में बोलने के लिए मौका दिया। मेरे से पहले भी एक दो माननीय सदस्यों ने हैल्थ के बारे में बात की है। माननीय राज्यपाल महोदय के अभिभाषण में प्वायंट नं० 20 में भी एक बात कही गई है कि स्वास्थ्य देखभाल सहित शिक्षा एक और प्राथमिकता का क्षेत्र है। मेरा मानना है कि दोनों ही क्षेत्र एक दूसरे के पूरक हैं। यदि हम अच्छी तरह से शिक्षा का प्रबन्ध कर लेंगे तो इसका मतलब यह है कि लोग जरूर स्वास्थ्य के बारे में भी सोचेंगे। यदि स्वास्थ्य अच्छा है तो तभी हम जितने भी मुद्दे हैं उनकी ओर सही ध्यान दे पायेंगे । इस बारे में कहा भी है कि "a sound mind lives in a sound body" इससे पहले माननीय सदस्य श्री जयप्रकाश जी ने भी इस बारे में बात की थी। मेरे विधानसभा क्षेत्र रतिया में इस समय स्वास्थ्य संबंधी सेवायें बहुत ही गम्भीर हैं। हमारे रतिया क्षेत्र में सरकारी होस्पिटल्ज में एक भी स्पेशिएलिस्ट्स डाक्टर्ज नहीं हैं। यह तो एक आम स्वास्थ्य की बात है। लेकिन सबसे बड़ी ज्वलंत समस्या रतिया क्षेत्र में है वह हैपेटाईटिस-सी की है। जिसको पिछली सरकार में

[प्रो० रविन्द्र बलियाला]

14.00 बजे जब बाई इलैक्शन अक्टूबर, 2011 में हुआ था तो उस समय इस समस्या को विशेष समस्या के रूप में आईडैंटिफाई किया था और लोगों से यह वायदा किया गया था कि इस समस्या की तरफ ध्यान दिया जायेगा। उस समय जो सर्वे किया गया था उस समय रतिया और आसपास के क्षेत्र के लगभग 2200 के करीब इस बीमारी के मरीज आईडैंटिफाई किये गये थे। यह भी वायदा किया गया था कि इस बीमारी के लिए बिल्कुल फ्री इलाज करेंगे लेकिन उसके लिए कोई भी ध्यान नहीं दिया गया सभापति महोदय, यह जो राज्यपाल का अभिभाषण है इसके माध्यम से सरकार ने वादा किया है कि हम स्वास्थ्य सेवाओं की तरफ ध्यान देंगे। मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान दिलाना चाहता हूं कि हैपेटाइटिस-सी की समस्या जवलन्त समस्या है और इसका मेन कारण यह है कि रतिया का पूरा एरिया घग्घर नदी के ऊपर है। घग्घर नदी में पंजाब से इंडस्ट्रियल वेस्टेज बहुत ज्यादा आता है जिसकी वजह से घग्घर का पूरा पानी काला हुआ पड़ा है। सारा काला पानी नीचे इन्जैक्ट हो जाता है जिसकी वजह से हैपेटाइटिस-सी फैला हुआ है। घग्घर नदी के ऊपर जितने भी गांव हैं जैसे बलियाला गांव हैं, मेरा अपना गांव लाली गांव है, पलोठा गांव, लालवास और तेलीवाड़ा गांव तथा इस तरह के जो गांव है और जो प्रोपर शहर है उनमें इस समस्या का बहुत ज्यादा प्रकोप है। सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार से रिक्वैस्ट करूंगा कि इस समस्या को कृपा करके गम्भीरता से लें। इसकी रोकथाम के लिए जो सबसे उचित कदम मैं सजैस्ट करना चाहूंगा वह यह है कि इसके वैक्सीन की व्यवस्था यदि हो सकती है तो जरूर की जाए। रतिया के अन्दर जो होस्पिटल है उस होस्पिटल के अंदर ही इस समस्या के इलाज का प्रबंध करवाया जाए। सरकार ने पीछे एक मशीन इसके फ्री इलाज के लिए दी थी लेकिन बाद में उसको रोहतक ले जाया गया इसलिए मैं रिक्वैस्ट करूंगा कि वह मशीन इस समस्या के इलाज के लिए और इसके टैस्ट के लिए रतिया के होस्पिटल में लाई जाए। सभापति महोदय जी, लेबर्स स्पैशलिस्ट डाक्टर का भी इस होस्पिटल में विशेष प्रबंध किया जाए। सभापति महोदय, इन्हीं शब्दों के साथ मैं आपका धन्यवाद करता हूं कि आपने मुझे इस समस्या को स्पैसीफाई करने के लिए समय दिया।

श्रीमती सीमा त्रिखा (बड़खल) : माननीय सभापति महोदय जी, आज महामहिम राज्यपाल महोदय जी ने जिन बिन्दुओं को हरियाणा प्रदेश के लिए छुआ है वे सराहना योग्य है। मैं फरीदाबाद जिले से संबंध रखती हूं इसलिए घुमा फिरा कर निगाह उसी की तरफ दौड़ती है। कुछ ऐसी विशेष बातें जिनके बारे में मैं समझती हूं कि बेहतर तरीके से लाई जा सकती हैं उनके बारे में मैं जरूर कहना चाहूंगी। फरीदाबाद कभी एशिया में नम्बर एक औद्योगिक नगरी रहा है परंतु शायद आज फरीदाबाद का नाम कहीं भी नजर नहीं आता । सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार से कहना चाहूंगी कि यहां से उद्योगो का जो पलायन हुआ है उसकी तरफ जरूर ध्यान दिया जाए। सभापति महोदय, दूसरी अहम बात जो मैं रखना चाहती हूं वह यह है कि एक बहुत बड़ा वोट बैंक जो हर राजनीतिक पार्टी को मत देता है वह स्लम से आता है। उस स्लम में अलग अलग जो लोग बसे हुए हैं उनके लिए कोई ऐसी नीति का निर्धारण किया जाए जिससे वे लोग वहीं बस सकें। सरकार द्वारा कोई ऐसी नीति बनाई जाए कि उस एरिया में से कुछ हिस्से को डिवैल्प करके वहीं पर ही बहुमंजिला इमारत बनाकर उनको स्थापित किया जाए। सभापति महोदय, तीसरी अहम बात मैं रखना चाहती हूं चूंकि फरीदाबाद एन०सी०आर० जोन में आता है । फरीदाबाद में कोई यूनीवर्सिटी न होने के कारण हमारे यहां से बहुत से बच्चे दिल्ली पढ़ने के लिए जाते हैं। बड़खल में तो कोई सरकारी कालेज भी नहीं है जिस कारण

हमारे यहां की बच्चियों को बहुत दिक्कत आती है इसलिए हमारे फरीदाबाद में कोई यूनिवर्सिटी भी बनाई जाए। सभापति महोदय, अंतिम बात मैं कहना चाहूंगी कि बड़खल विधानसभा में बड़खल लेक है परंतु देखकर बड़ा अफसोस होता है कि सुप्रीम कोर्ट के आदेशों के बावजूद वहां पर माइनिंग प्रक्रिया चलती रही है। ऐसा कहा जा सकता है कि माइनिंग की वजह से बड़खल झील सूख गई और जो पिट्स हैं वहां ढलान की वजह से पानी पहुंच गया। ये वही पिट्स हैं जिनके बारे में हम टी०वी० में खबरों में देखते हैं कि बच्चों के वहां जाने से और डूबने से मौत हो गई। मेरा अनुरोध है कि फरीदाबाद जिले में सूरजकुण्ड और बड़खल लेक की वजह से टूरिज्म को डिवैल्प करने की बहुत संभावनाएं हैं इसलिए वहां टूरिज्म डिवैल्प करने की तरफ भी सरकार ध्यान दे और वहां पर टूरिज्म डिवैल्प करने के लिए स्पैशल नीति भी बनाई जाये। सभापति महोदय, अंत में मैं आपका धन्यवाद करती हूं कि आपने मुझे राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर बोलने का अवसर दिया। धन्यवाद

श्री सुभाष सुधा (थानेसर) : आदरणीय सभापति महोदय, आपका धन्यवाद करता हूं कि आपने मुझे राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर बोलने का अवसर दिया है तथा मैं अध्यक्ष महोदय, मुख्यमंत्री जी, मंत्रियों और सभी सदस्यों को भी मुबारकबाद देता हूं। सभापति महोदय, अब मैं राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर चर्चा करना चाहूंगा कि हमारे प्रदेश के तीर्थ स्थलों को इम्प्रूव करने के लिए इसमें जिक्र किया गया है। कुरुक्षेत्र एक पवित्र तीर्थ भूमि है जिसको तीर्थ स्थल डिवैल्प करने की बहुत आवश्यकता है। कुरुक्षेत्र में गीता जयन्ती मनाई जाती है जहां 15-20 साल पहले करोड़ों रुपये खर्च करके यह त्यौहार मनाया जाता था लेकिन अब इसको छोटा कर दिया गया है और करीबन 25-30 लाख रुपये वहां गीता जयंती के अवसर पर खर्च किए जाते हैं। दुनिया के मानचित्र पर कुरुक्षेत्र का नाम है और वहां के लोग चाहते हैं कि कुरुक्षेत्र में गीता जयंती बड़े लैवल पर मनाई जाये इसलिए इस तरफ सरकार ध्यान दे। सभापति महोदय, आज प्रदेश में लॉ एंड आर्डर की स्थिति भी बेहतर नहीं है। 20 साल से मैं और मेरी धरवाली कमेटी के चेयरमैन रहे हैं 10 साल मेरी धरवाली चेयरमैन रही है और अब 10 साल से मैं चेयरमैन हूं। लॉ एंड आर्डर की स्थिति प्रदेश में ठीक करने के लिए पूरे प्रदेश के चौराहों पर कैमरे लगाये जायें जिनका कंट्रोल संबंधित एस०पी० और एस०एच०ओज० आफिस में हो ताकि क्राईम कम हो सकें और अगर कोई क्राइम होता है तो जल्द पुलिस को सुराग मिल जाये। सभापति महोदय, इसके अतिरिक्त मैं कुछ ऐसे स्कूलों का जिक्र करना चाहूंगा जिनमें जाने के लिए रास्ते नहीं हैं क्योंकि ये स्कूल जोहड़ के पास हैं जहां जोहड़ के अंदर होकर जाना पड़ता है इसलिए ऐसे स्कूलों में जाने के लिए रास्ते भी बनाये जायें। सभापति महोदय, पिछली सरकार ने एक बहुत बड़ा डिसीजन लिया था म्यूनिसिपल कमेटी में जहां 400 की पोपूलेशन होगी वहां एक स्वीपर लगाया जायेगा। पहले से भी प्रदेश में स्वीपर लगे हुए थे और आज प्रदेश में स्थिति यह हो गई है कि उन गरीब लोगों को 5-6 महीने से तनख्वाह नहीं मिली है। वे गरीब बाल्मिकी भाई हैं तनख्वाह न मिलने के कारण सड़कों पर उतर रहे हैं इसलिए उन गरीब भाइयों को हर महीने तनख्वाह मिल सके इसके लिए सरकार फण्ड्स अवेलेबल करवाये और इन गरीब भाइयों को नौकरी से हटाया भी न जाये। मैंने पेपर में पढ़ा था कि 200 के करीब स्वीपर्ज को सरकार ने हटा दिया है। ऐसे डिसीजंस पर सरकार को विचार करना चाहिए क्योंकि इनको लगे हुए 8 से 10 साल हो गये हैं। अध्यक्ष महोदय, हमारे कुरुक्षेत्र में एक गर्ल्ज स्कूल है जिसमें मार्निंग और इवनिंग में लड़कियों की क्लासिज लगती हैं इसलिए मैं वहां पर एक और गर्ल्ज स्कूल बनाने की सरकार से डिमांड करता हूं। क्योंकि सर्दियों के दिनों में मार्निंग

[श्री सुभाष सुधा]

क्लास 4 बजे खत्म होती है उसके बाद इवनिंग क्लासिज लगती हैं जिसके कारण पेरैंट्स को अपने बच्चों की सिक्योरिटी की बहुत चिंता रहती है। सभापति महोदय, हमारे आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने स्वच्छ भारत अभियान की शुरुआत की है और हमारे मुख्यमंत्री महोदय ने स्वच्छ हरियाणा का अभियान शुरू किया है जो कि बहुत ही सराहनीय कदम है इसके लिए मैं माननीय प्रधानमंत्री जी और हमारे मुख्यमंत्री जी को बधाई देता हूं। सभापति महोदय, यदि हमने अपने प्रदेश को स्वच्छता में आगे लेकर जाना है तो म्यूनीसिपल कमेटीज में डम्पर व्यवस्था शुरू करनी होगी। इस तरह का रैज्योलूशन हमने अपनी कुरुक्षेत्र कमेटी की तरफ से पास करके पिछली सरकार को भेजा था लेकिन उस समय कोई ध्यान नहीं दिया गया। इस सफाई की बात को आगे बढ़ाते हुए मैं यह कहना चाहूंगा कि सरकार द्वारा मिनी डम्पर म्यूनीसिपल कमेटीज में उपलब्ध करवाये जायें जिन पर बैल या माइक लगे हों, जो घर घर जाकर कूड़ा एकत्रित कर डम्पिंग ग्राउंड में डालें और वहां पर कूड़े को रिसाईकल किया जाये। उन डम्पर्ज पर "नगरपालिका आपके द्वारा" सलोगन भी लिखा हुआ होना चाहिए ताकि लोगों में भी जागरूकता आये। इस तरह से डम्पर्ज द्वारा समय अनुसार जहां कूड़ा एकत्रित होता हो उसको इकट्ठा किया जाये। इस तरह से करीबन 600 मिनी डम्पर हरियाणा प्रदेश में उपलब्ध करवाने की आवश्यकता है इसलिए इस पर भी सरकार विचार करे। अध्यक्ष महोदय, अब मैं कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी के अंदर तदर्थ आधार पर लगे मैस कर्मचारियों के बारे में कहना चाहूंगा कि पिछली सरकार ने उनको डी०सी० रेट के आधार पर 8100 रुपये प्रति महीना देने की अधिसूचना निकाली थी लेकिन आज भी उन मैस कर्मचारियों को 3000 रुपये प्रति माह दिया जा रहा है। मैं उनके लिए भी डी०सी० रेट पर वेतन देने की आपसे रिकवेस्ट करना चाहता हूं कि उनके वेतन को भी डी०सी० रेट पर करवाया जाये। इसके अलावा मैं यह कहना चाहूंगा कि मेरे हल्के में इलैक्ट्रिसिटी बोर्ड की बहुत ज्यादा तारें रिहायशी इलाकों में मकानों के बिल्कुल ऊपर से निकल रही हैं। जिनसे बहुत से इंसीडैंट होते रहते हैं। कई बच्चे भी इनको पकड़ लेते हैं। मेरी आपके माध्यम से सरकार से प्रार्थना है कि इलैक्ट्रिसिटी डिपार्टमैंट को इन तारों को वहां से जल्द से जल्द हटवाने के लिए आदेश दिए जायें। मैं इन्हीं शब्दों के साथ आपका धन्यवाद करते हुए अपना स्थान ग्रहण करता हूं।

श्री जसविन्द्र सिंह संधू (पेहवा) : सभापति महोदय जी, आपने मुझे महामहिम राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर चर्चा करने के लिए समय दिया इसके लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूं। सभापति जी, हम सभी जानते हैं कि भारतवर्ष और हमारा हरियाणा प्रदेश दोनों कृषि प्रधान हैं। आज किसान की जीरी की फसल पककर बहुत ज्यादा मात्रा में मण्डियों में आ चुकी है । जीरी की फसल के किसानों को जो कम भाव मिले हैं उसकी चर्चा विपक्ष के माननीय नेता श्री अभय सिंह चौटाला जी ने कर दी है मैं इसकी चर्चा नहीं करूंगा। मैं सदन का ध्यान इस बात की ओर दिलाना चाहूंगा कि हमारे हरियाणा प्रदेश में आलू और प्याज की जो कास्त होती है जब भी किसानों की यह फसल तैयार हो कर मण्डियों में जाने का समय होता है तो उसकी कोई कीमत नहीं होती और किसानों को मजबूरन 2/- रुपये और 4/- रुपये प्रति किलो के हिसाब से अपनी फसल बेचनी पड़ती है लेकिन उसके बाद जब कोल्ड स्टोरेज में वह आलू और प्याज की फसल पहुंच जाती है तो 2 से ढ़ाई महीने के बाद ही इन्हीं आलू-प्याज की कीमतें आसमान को छूने लगती हैं। इसके लिए मेरा सदन के नेता माननीय मुख्यमंत्री जी से अनुरोध है कि हमें मिनीमम सपोर्ट प्राईस निर्धारित करने के लिए भारत सरकार को पत्र लिखकर इसके लिए कोई न कोई पॉलिसी बनवानी चाहिए जिससे किसानों को इस प्रकार से होने वाले नुकसान को पूरी तरह से

रोका जाये। अध्यक्ष महोदय, यह मेरा आपके माध्यम से भी सरकार से अनुरोध है। इसके अलावा मैं एक बात यह कहना चाहता हूं कि कृषि के क्षेत्र में हमारा जो ओल्ड करनाल जिला है जिसमें कुरुक्षेत्र, कैथल और पानीपत का क्षेत्र आता है यह जीरी का इलाका है। इस इलाके में भूमिगत जल स्तर पिछले कुछ सालों में बहुत ही तेजी के साथ नीचे गया है। पूर्व में कुछ मुख्यमंत्री ऐसे भी हुए हैं जिन्होंने भाखड़ा नहर जिसको हम नरवाना ब्रांच कहते हैं उसके किनारे एम०आई०टी०सी० के बड़े-बड़े ट्यूबवैल्ज लगाकर यहां के भूमिगत जल को कहीं और पहुंचाने का काम किया है जिसका मैंने वर्ष 1991 और 1996 में सदा विरोध किया था। इसके लिए भी मेरा सदन के नेता से यह अनुरोध है कि यह जो जीरी का इलाका है यहां पर जो आर०जी० राईस सूट दिये जाते हैं इनका साईज बहुत छोटा कर दिया गया है। पहले हमें उसी रकबे के ऊपर 5-6 इंच का राईस सूट मिला करता था लेकिन आज उनका साईज घटाकर अढ़ाई से तीन इंच कर दिया गया है। हमारा भूमिगत जल स्तर बहुत नीचे चला गया है इसलिए इस ओर भी पर्याप्त ध्यान देने की जरूरत है। इसके साथ-साथ मैं एक बात यह कहना चाहता हूं कि सबसे बड़ी कमी आज हमारे प्रदेश में और खास तौर से हमारे पेहवा इलाके में है वह यह है कि हमें जो ट्रांसफार्मर के जीरो स्विच दिये जाते हैं वे हैं ही नहीं। ट्रांसफार्मर तो जैसे-तैसे किसान जुगाड़ करके ले ही आता है लेकिन जीरो स्विच के बिना उनको बहुत बड़ी दिक्कत आती है। यहां पर महामहिम राज्यपाल महोदय के अभिभाषण में पर्यटन को बढ़ावा देने की बात कही गई है। मैं इस बारे में यह कहना चाहूंगा कि कुरुक्षेत्र के साथ-साथ मेरा पेहवा क्षेत्र भी धार्मिक क्षेत्र है जहां हजारों साल पुराना पवित्र तीर्थ स्थल है और माता सरस्वती का बहुत पुराना पवित्र मंदिर भी है जहां पर चैत्र के महीने में लाखों लोग पंजाब और हरियाणा से दर्शन करने के लिए आते हैं। पूर्व में इस पवित्र स्थान पर एक रजबाहे के माध्यम से पानी डालने की व्यवस्था थी यह व्यवस्था आर०जी० थी इसलिए मैंने वर्ष 1991 में एम०एल०ए० बनने के बाद इस व्यवस्था को बदलवाया क्योंकि इसके मुताबिक जब बारी आने पर नहर में पानी आता था तभी इसमें पानी डाला जा सकता था लेकिन उसके बाद इसमें पानी नहीं आता था। इसके लिए हमने भरपूर प्रयास किये लेकिन पूर्ववर्ती सरकारों ने इस मामले में कोई भी काम नहीं किया। हमारे समाजसेवी श्री कैलाश भगत जी ने अपने खर्चे से वहां 8 ट्यूबवैल्ज लगाने का काम किया था लेकिन आज क्योंकि हमारे क्षेत्र का भूमिगत जल स्तर काफी नीचे चला गया है और ये ट्यूबवैल्ज भी काफी पुराने लगे हुए थे इसलिए ये भी अब बंद हो चुके हैं। इसके लिए पूर्व की जो श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा जी की सरकार ने सिर्फ जल परियोजना को पूरा करने के लिए स्कीम बनाई। इसके लिए सर्वे भी करवाया गया था। इसके लिए नरवाना ब्रांच से मेरे विधान सभा क्षेत्र के झांसा गांव से पानी डालने पर विचार किया गया जिसके बारे में आई0आई0टी0 रूड़की ने यह सिफारिश की थी कि इतनी लम्बी लाइन बिछाने के लिए आपको स्टील के पाईप डालने पड़ेंगे। अगर आप सिमेंट के पाइप डालोगे तो यह लाइन वायबल नहीं होगी। लेकिन प्रदेश की सरकार ने आई०आई०टी० रूड़की की बात न मानते हुये सिमेंट के पाइप डालने का काम किया जिसके बारे में हमारे मुख्यमंत्री जी और यमुनानगर के एक बहुत ही तपस्वी व्यक्ति हैं दर्शन लाल जी जैन, जो कई बार पेहवा भी आये थे और हम भी उनसे मिलने के लिए गये थे, वे भी इस मामले में बहुत चिंतित थे। सभापति महोदय, मेरा आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध है कि मैंने जो कहा है कि आई०आई०टी० रूड़की ने जो स्टील के पाइप्स की सिफारिश की है वे डलवाये जायें। इस समय वहां पर काम चल रहा है उस काम को तुरन्त बंद करवा कर सिमेंट के पाईप्स की जगह स्टील के पाइप्स डलवाये जायें। पूर्व की सरकार हरियाणा प्रदेश को 90 हजार करोड़ रुपये के कर्ज में धकेल कर गई है। उनके 90 हजार करोड़ रुपये के कर्ज का जो पापों

Vidhan Sabha Secretariat Haryana Chandigarh
LIBRARY

[श्री जसविन्द्र सिंह संधू]

को [illegible] उस पर अगर 20 करोड़ रुपये का नेक ढक्कण लग जाये तो हो सकता है इनके पापों में कुछ कमी हो जाये। सभापति महोदय, दूसरी बात मैं नेशनल हाईवे नं० 65 के बारे में कहना चाहता हूं जो कि अम्बाला-पेहवा-कैथल हो कर जाता है उसकी हालत बहुत खराब है। इसके कई बार टैंडर काल किये गये लेकिन इस पर कोई काम नहीं हुआ है। इस बारे में मेरा आपके माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री जी से अनुरोध है कि इस काम को प्राथमिकता के आधार पर करवाया जाये। वैसे तो जब कोई नेता मुख्यमंत्री बनता है तो वह पूरे प्रदेश का मुख्यमंत्री बनता है वह किसी एक जाति, वर्ग, धर्म या इलाके का नहीं होता वह 36 बिरादरी का होता है तथा पूरे प्रदेश का होता है लेकिन वह जिस भी जाति विशेष से संबंध रखता है वह जाति बहुत फख्र महसूस करती है, खुशी महसूस करती है। **(इस समय श्री अध्यक्ष पदासीन हुये।)** अध्यक्ष महोदय, 15 अगस्त, 1947 को हिन्दुस्तान आजाद हुआ था। उस समय पाकिस्तान में रह रहे हमारे लोगों ने, अपने परिवारों को अपने खेतों, बिजनेस घरबार, नौकरी आदि को छोड़ कर अपने देश के प्रति प्यार दिखाते हुये पाकिस्तान को छोड़ा था तथा इस मुल्क में आ कर कड़ी मेहनत-मशक्कत की । आज वे सब इस बात से पीड़ित हैं कि वे अपना सब कुछ छोड़ कर यहां आये हैं और उसके बावजूद आज उनकी सुध लेने वाला कोई नहीं है। इस बारे में माननीय मुख्यमंत्री जी भी जानते हैं और हम भी जानते हैं। लेकिन आज भी हमारे बहुत से परिवार ऐसे हैं जिनको वहां की जमीन के मुकाबले 50 प्रतिशत कम जमीन दी गई है और वे लोग आज रेहड़ी लगाकर अपने परिवार का गुजारा कर रहे हैं। इस प्रकार के लोग जो पाकिस्तान से उजड़ कर भारत आये थे उनके लिए मेरा सरकार से अनुरोध है कि सरकार उनको चिन्हित करे और उनकी मदद करे। अध्यक्ष महोदय, आज से 30 साल पहले 1984 में सारे हिन्दुस्तान में जो सिख विरोधी दंगे भड़के उसमें दिल्ली में कांग्रेस के बहुत सारे मंत्रियों ने, एम०पीज० ने सिखों को कत्ल करवाने का काम किया था। आज 30 साल बाद देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने उनको 5-5 लाख रुपये मुआवजा देने का बहुत ही अच्छा काम किया है। उन्होंने सिखों के जख्मों पर मरहम लगाने का जो काम किया है मैं उसके लिए उनका आभारी हूं। इसी प्रकार से हरियाणा में भी तकरीबन 106 कैज्युअलटी हुई थी। रेवाड़ी का एक गांव हौंद चिल्हड़ जहां पर कम से कम 30-35 सिखों की हत्या कर दी गई थी। उनको आज तक इन्साफ नहीं मिला है। उसके बारे में मेरा आपसे अनुरोध है कि जिस पैटर्न के तहत सिख पीड़ितों को दिल्ली की भारत सरकार ने मदद करने का काम किया है। हरियाणा में भी सरकार को चाहिए कि ऐसी रूहों की मदद की जाए। जो इस तरह का गुनाह करने वाले गुनाहगार लोग थे चाहे वह कोई भी हो उनको बख्शा नहीं जाना चाहिए, बल्कि उनके खिलाफ सख्त कार्यवाही करनी चाहिए। हमारे पड़ोसी राज्य पंजाब की असैम्बली और हमारी असैम्बली में केवल एक दीवार का ही फर्क है लेकिन उनके कर्मचारियों के वेतन और हमारे हरियाणा के कर्मचारियों के वेतन में काफी विसंगतियां हैं। मेरा आपसे अनुरोध है कि इन विसंगतियों को जल्दी दूर करने का प्रयास करें। स्वामी नाथन आयोग की रिपोर्ट के बारे में जिस प्रकार भाई अभय सिंह चौटाला जी ने चर्चा की है उसके बारे में मेरा भी आपसे अनुरोध है कि उस रिपोर्ट को केन्द्र सरकार से अनुरोध करके जल्दी लागू करने का प्रयास करें। आज किसान बहुत दु:खी और बहुत परेशान है क्योंकि गेहूं की फसल की कीमत में जो 50 रुपये की बढ़ोतरी की गई है वह बहुत कम है। मेरा आपसे अनुरोध है कि किसानों ने इतना खर्चा करके जीरी की फसल की पैदावार करने का काम किया है उसके लिए हमारी हरियाणा की सरकार को चाहिए कि किसानों को उनकी फसल के लिए बोनस जरूर दे। सभापति महोदय, मुझे इसके बारे में इतना ही कहना था । धन्यवाद।

श्री नसीम अहमद (फिरोजपुर झिरका) : अध्यक्ष महोदय, सबसे पहले मैं आपको बधाई देता हूं कि मुझे सदन में दोबारा चुनकर आने पर आपने मुझे बोलने का मौका दिया उसके लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूं। स्पीकर सर, आज जिस प्रकार से प्रदेश के हालात हैं और पिछले दस साल में हमारे प्रदेश में जो विकास के नाम पर ढींढोरा पीटा जा रहा था उसके कारण प्रदेश को पीछे धकेलने का काम किया गया। हमें उम्मीद है कि आपकी सरकार और हमारे मुख्यमंत्री जी पिछली सरकार की जो अनियमितताएं हैं। उनको दूर करके प्रदेश को आगे लाने का काम करेंगे और प्रदेश में तरक्की लाने का काम करेंगे। जैसा कि राज्यपाल महोदय के अभिभाषण में लिखा गया है कि हमारे प्रदेश की सड़कों के तंत्र को अच्छा किया जाएगा। कुण्डली-मानेसर-पलवल एक्सप्रैस-वे का रोड जिसकी शुरुआत सन् 2004 और सन् 2005 में हुई थी और जिसे सन् 2009 में बनकर तैयार होना था लेकिन वह एक्सप्रैस-वे आज तक तैयार नहीं हो पाया है। पिछली सरकार ने इस बात को कभी भी गम्भीरता से नहीं लिया। माननीय उच्चतम न्यायालय के आदेश पर इस एक्सप्रैस-वे की शुरूआत हुई थी लेकिन आज तक वह रोड वैसे का वैसा ही पड़ा है। मेरा आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध है कि इस रोड को जल्दी बनवाया जाए। दिल्ली को जो अनावश्यक वाहन जाते थे उनको रोकने के लिए ही रोड को बनवाने की कोशिश की गई थी। मेवात, पलवल, फरीदाबाद, गुड़गांव, रिवाड़ी और सोनीपत, जितने भी जिले दिल्ली के साथ सटे हुए हैं उनके विकास में इस रोड़ का बहुत अहम रोल है। मेरा आपके माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री और सरकार से अनुरोध है कि इस रोड़ को जल्दी से जल्दी बनवाया जाए ताकि जो मेवात जैसे पिछड़े जिले हैं उनमें कुछ विकास के काम हो सकें। सरकार को ऐसी कोशिश और प्रयास करने चाहिए क्योंकि पिछली सरकार ने तो बस एक ही बात कही थी कि मेवात और दक्षिण हरियाणा दोनों क्षेत्र पिछड़े हुए हैं। मेवात के साथ तो हमेशा ही सरकार ने भेदभाव किया है और दोगली नीति अपनाई है। इसलिए हमारी आपके माध्यम से सरकार से यह उम्मीद है कि मेवात जैसे पिछड़े क्षेत्र को आगे लाने के नये प्रयास किए जाएंगे। मेवात में नई-नई योजनाएं लाई जाएंगी। जिस तरह से एम0डी0ए0 (मेवात डिवल्पमेंट एजेंसी) का गठन मेवात के लिए किया गया था ताकि मेवात में ज्यादा से ज्यादा विकास हो सके। मेवात के लोगों की, मेवात के गांवों की ज्यादा से ज्यादा तरक्की हो सके। लेकिन आज एम०डी०ए० सिर्फ नाम का रह गया है। उसके भी कई कारण हैं एक तो जो एम०डी०ए० का बजट है वह बहुत कम है जो सिर्फ कर्मचारियों की तनख्वाह में और अन्य खर्चों में लग जाता है। विकास के नाम पर नाम मात्र खर्चा हो पाता है। एम०डी०ए० में जो सबसे बड़ी कमी दिखाई देती है वह यह है कि हमें लगता है जो एम०डी०ए० का सी०ई०ओ० है उसको इन्डीपैंडैंट बनाना चाहिए। उसकी जिम्मेदारी डीसी को दे दी जाती है और डीसी के पास अपने ही बहुत सारे काम होते हैं जिसकी वजह से उसको टाईम ही नहीं मिल पाता कि एम०डी०ए० के बारे में भी वह कुछ सोच सके। स्पीकर सर, मेरा आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध है कि इस पर विचार किया जाये। मेवात में शिक्षा का स्तर बहुत ही कमजोर है। मेवात के आवाम की यह आवाज है कि मेवात में एक यूनिवर्सिटी स्थापित की जाये। मेवात के लोगों को मेवात के बच्चों को अच्छी शिक्षा मिल सके इसके लिए इस क्षेत्र में यूनिवर्सिटी बनाने की बहुत ज्यादा जरूरत है। सरकार जहां एक तरफ समान विकास व समान तरक्की की बात कर रही है तो मेवात जैसे पिछड़े क्षेत्र को विकास की दौड़ में शामिल करने के लिए सरकार को गंभीरता से सोचना चाहिए। रोजगार के क्षेत्र में यदि पूरे प्रदेश के आंकड़े देखे जायें तो पायेंगे कि मेवात जिले में युवाओं को सबसे कम रोजगार मिला है। प्रदेश के दूसरे जिलों में युवकों को ज्यादा रोजगार के अवसर उपलब्ध करवाये गये हैं लेकिन बड़े ही अफसोस की बात है कि मेवात के नौजवानों को रोजगार नहीं मिलता । सरकार को ऐसी पॉलिसी और ऐसी स्कीम बनानी चाहिए ताकि जो मेवात के

[श्री नसीम अहमद]
बेरोजगार युवक हैं वह भी प्रदेश के अन्य युवाओं के साथ कंधे से कंधा मिलाकर देश की तरक्की में हिस्सा ले सकें। स्पीकर सर, हमारे मेवात में पीने के पानी की बहुत ज्यादा कमी है। वर्ष 2004 में जब चौधरी ओम प्रकाश चौटाला जी का शासनकाल हुआ करता था तो रेनीवैल प्रोजैक्ट शुरू किया गया था और उस प्रोजैक्ट को शुरू करने का मकसद यह था कि मेवात में जो पीने के पानी की समस्या है उसको दूर किया जा सके। इस दिशा में हम कुछ हद तक कामयाब भी हुए लेकिन पिछले 10 सालों में मेवात के लोगों ने पीने के पानी के लिए इतना कष्ट भोगा है कि आप यकीन करिये कि लोग टैंकरों के माध्यम से पानी मंगवाते हैं और घर के अन्दर कुंड बनवाकर उसमें पानी भरवाने का काम करते हैं। इस प्रकार से मेरे क्षेत्र के लोगों को पीने का पानी मुहैया होता है। सरकार को ऐसी पॉलिसी बनानी चाहिए कि हर घर में पीने का पानी उपलब्ध हो तथा हर घर में पानी की उचित व्यवस्था हो। जो हमारे गरीब किसान मजदूर हैं उनके लिए कम से कम पीने का पानी तो सरकार को मुहैया करवाना ही चाहिए। मेवात क्षेत्र में सड़कों की दुर्व्यवस्था किसी से छिपी हुई नहीं है। पिछली सरकार ने तो महज कागजों में सड़कें बनाई हैं। यदि मौके पर जाकर देखा जाये तो पता चलेगा कि कोई भी लिंक रोड़ दुरुस्त नहीं है। सरकार को मेवात जैसे पिछड़े क्षेत्र को सड़कों से जोड़ने के लिए सोचना पड़ेगा और सड़कों का विकास कराना पड़ेगा ताकि मेवात के लोगों को आने जाने में सहूलियत हो सके। स्पीकर सर, मैं आपके माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री जी से अनुरोध करूंगा कि आप प्लीज मेवात क्षेत्र की तरफ खासतौर से ध्यान दें। अकसर देखने में आता है कि मेवात पर बहुत ज्यादा राजनीति की जाती है। जब मेवात का नाम आता है तो बड़ी-बड़ी बातें की जाती हैं लेकिन विकास के नाम पर मेवात में होता कुछ भी नहीं है। अत: मेरा सादर अनुरोध है कि पूर्ण रूप से मेवात क्षेत्र के विकास को समस्त हरियाणा प्रदेश के विकास के साथ जोड़ा जाये। आज जब मेवात को चण्डीगढ़ से देखते हैं तो बहुत दूर पाते हैं। मेरा निवेदन है कि इस दूरी को कम करने का कष्ट करें। मेरा आपसे नम्र निवेदन है कि एक बार मेवात क्षेत्र को नजरों में ले आया जायेगा तो उसका फायदा इस क्षेत्र के लोगों को अवश्य मिलेगा। स्पीकर सर, आपने मुझे बोलने का मौका दिया इसके लिए मैं आपका बहुत-बहुत धन्यवाद करता हूं।

श्री कुलदीप शर्मा (गन्नौर) : माननीय अध्यक्ष महोदय, सर्वप्रथम मैं आपका धन्यवाद करता हूं कि आपने मुझे बोलने का समय दिया है। आज माननीय राज्यपाल महोदय के अभिभाषण को मैंने बड़े ध्यान से सुना और पढ़ा। ऐसा लगता है कि गुजरात की एसेंबली में माननीय राज्यपाल जी द्वारा दिया गया संभाषण यहां पर पढ़कर सुनाया गया है। बड़े विश्वस्त सूत्रों से इस बात का पता लगा है कि इस संभाषण की प्रतिलिपि पहले नागपुर भेजी गई उसके बाद केशव कुंज नई दिल्ली में गई और इन दोनों जगहों से एप्रुवल होने के बाद यह संभाषण यहां पर प्रस्तुत किया गया है। (विघ्न)

श्री बलवंत सिंह सढ़ौरा : स्पीकर सर, हमारे कांग्रेस के साथियों को पता नहीं क्यों तकलीफ हो रही है जो यह बार-बार मुद्दे से भटक रहे हैं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री रघुवीर सिंह कादियान : स्पीकर सर, बलवंत सिंह कल तो किसी और दल के सदस्य थे और भारतीय जनता पार्टी में आकर जिस तरह बात कर रहे है वह उस कहावत को परिलक्षित करता है कि " नई-नई मुसलमानी अल्ला-अल्ला पुकारे" (शोर एवं व्यवधान)

श्री कुलदीप शर्मा : स्पीकर सर, राज्यपाल के अभिभाषण को पढ़कर एक बात स्पष्ट हो जाती है कि माननीय राज्यपाल महोदय को आर०एस०एस० के ऐजैंडे को पढ़ने के लिए बाध्य किया गया है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री घनश्याम दास अरोड़ा : स्पीकर सर, हमारे विपक्ष के साथी हर बात को आर०एस०एस० के साथ जोड़कर देखते हैं। इनको आर०एस०एस० का हौवा हो गया है। (विघ्न)

श्री ज्ञान चंद गुप्ता : स्पीकर सर, माननीय राज्यपाल महोदय के अभिभाषण में विकास की बात कही गई है और कांग्रेस के साथी कहते हैं कि यह आर०एस०एस० का एजेंडा है मतलब तो यह हुआ कि आर०एस०एस० विकास का प्रतीक है।

श्री मनीष ग्रोवर : अध्यक्ष महोदय, आर०एस०एस० विकास का प्रतीक है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री कुलदीप शर्मा : अध्यक्ष महोदय. . . .(शोर एवं व्यवधान)

श्री ज्ञान चंद गुप्ता : अध्यक्ष महोदय, इनको तो हर चीज में आर०एस०एस० नजर आती है। (शोर एवं व्यवधान)

Shri Kuldip Sharma : Speaker Sir, please bring the House in order. (Interruption)

श्री अध्यक्ष : ज्ञानचन्द जी, प्लीज आप बैठ जाईये।

श्री कुलदीप शर्मा : अध्यक्ष महोदय. . . .(शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : शर्मा जी, मैं आपकी जानकारी के लिए यह बात बता देता हूं कि आर०एस०एस० का एजेंडा इस देश को नम्बर एक बनाने का है। यदि इस एजेंडे से विकास करवाया जाये तो किसी को कोई दिक्कत नहीं होनी चाहिए। **(इस समय मेजें थपथपाई गईं)**

श्री कुलदीप शर्मा : अध्यक्ष महोदय, आप तो अध्यक्ष के पद पर हैं। आप आर०एस०एस० के एजेंडे की बात क्यों कर रहे है? Speaker Sir, why are you talking about the agenda of R.S.S.?

श्री अध्यक्ष : यदि कोई भी व्यक्ति अगर इस देश को शक्तिशाली और मजबूत बनाना चाहता है, इससे आपको दिक्कत क्या है? आर०एस०एस० एक सामाजिक संगठन है।

श्री कुलदीप शर्मा : अध्यक्ष महोदय. . . .(विघ्न)

श्री अध्यक्ष : यह ट्रेंड व्यक्तियों का समूह है, अनट्रेंड व्यक्तियों का समूह नहीं है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री कुलदीप शर्मा : अध्यक्ष महोदय. . . .(विघ्न)

श्री मनीष ग्रोवर : अध्यक्ष महोदय. . . .(शोर एवं व्यवधान)

श्री असीम गोयल : अध्यक्ष महोदय हम आर०एस०एस० के सदस्य हैं। आर०एस०एस० के एजेंडे को लागू करना चाहिए । (विघ्न)

श्री ज्ञान चंद गुप्ता : अध्यक्ष महोदय. . . .(शोर एवं व्यवधान)

श्री कुलदीप शर्मा : अध्यक्ष महोदय, आखिर यह सच्चाई सामने आ ही गई। यह कहने की आवश्यकता नहीं हैं। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : शर्मा जी, मैं अध्यक्ष के पद पर बैठा हूं और मुझे गर्व है कि मैं आर०एस०एस० का स्वयं सेवक हूं। (इस समय मेजें थपथपाई गई)

श्री ज्ञान चंद गुप्ता : अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय सदस्य को बता देना चाहता हूं कि आज तक आर०एस०एस० संगठन को बहुत गालियां दे दी, परन्तु अब यह सब नहीं चलेगा। **(इस समय मेजें थपथपाई गईं)**

श्री अध्यक्ष : शर्मा जी, आपको बता देना चाहता हूं कि आर०एस०एस० संगठन की सोच ही राष्ट्रवादी है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री कुलदीप शर्मा : अध्यक्ष महोदय, कुछ माननीय सदस्य विपक्ष की भूमिका निभा रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, ये तो बैल में भी आ रहे हैं इनको थोड़ा समझाने का प्रयास कीजिए। इनको बताईये कि ये सत्ता पक्ष में हैं ना कि विपक्ष में। (शोर एवं व्यवधान)

श्री ज्ञान चंद गुप्ता : अध्यक्ष महोदय, इन्होंने देश में 60 साल तक राज किया है अभी तक ये अपनी सोच नहीं बदल पायें हैं, पहले अपनी सोच को बदलो। इन्होंने पूरे देश पर जातिवाद, क्षेत्रवाद और जिलावाद की राजनीति की है। (विघ्न)

श्री कुलदीप शर्मा : अध्यक्ष महोदय. . . .(शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : शर्मा जी, लगता है कि आपको भी आर०एस०एस० संगठन में शामिल करना पड़ेगा।

श्री ज्ञान चंद गुप्ता : अध्यक्ष महोदय. . . .(शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : ज्ञान चंद जी, प्लीज बैठ जाईये। कुलदीप जी आप बोलिये।

श्री कुलदीप शर्मा : अध्यक्ष महोदय, मैं अपनी बात कहना तो नहीं चाहता था परन्तु अम्बाला से माननीय सदस्य ने मुझे बोलने के लिए बाध्य किया है। ये 10 जनपथ की बात कर रहे थे, मुझे पता लगा है कि माननीय मुख्यमंत्री जी को हर शाम दिल्ली जाना पड़ता है और इसके लिए जहाज खरीदने की तैयारी हो रही है। (शोर एवं व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, माननीय मुख्यमंत्री जी को मंत्रिमंडल बनाना है तो दिल्ली जाना पड़ेगा, मंत्रियों को विभाग आबंटित करने हैं तो दिल्ली जाना पड़ेगा, जब कमरे अलॉट करने हों तो दिल्ली जाना पड़ेगा और अब कोठियां अलॉट करनी हैं तो दिल्ली जाना पड़ेगा। (शोर एवं व्यवधान)

श्री असीम गोयल : अध्यक्ष महोदय, ये बातें माननीय राज्यपाल महोदय के अभिभाषण से रिलेटिड नहीं है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : कुलदीप शर्मा जी, मैं यह सोच रहा था कि कांग्रेस पार्टी की तरफ से अभी तक गवर्नर एड्रैस पर बोलने के लिए कोई नाम नहीं आया । अब आपका नाम आ गया है तो मैंने सोचा कि आप अच्छा भाषण देंगे।

श्री कुलदीप शर्मा : अध्यक्ष महोदय, क्या आपको मेरा भाषण अच्छा नहीं लगा? मैं सच ही बोल रहा हूं और लोगों को सच अच्छा नहीं लगता है। माननीय अध्यक्ष महोदय, आप तो एक घंटे से हाउस में उपस्थित नहीं थे। मैंने तो अपना नाम पहले से ही दे दिया था।

श्री अध्यक्ष : कुलदीप जी, आप से पहले मेरे पास पांच नाम थे, मैंने उनको पीछे करके आपको बोलने का मौका दिया। लोकदल पार्टी ने भी कई नाम दिये हैं परन्तु मैंने सोचा कि पहले आपको ही बोलने के लिए मौका दे दिया जाये।

श्री कुलदीप शर्मा : अध्यक्ष महोदय, मैं सदन में अपनी बात ही रख रहा हूं। अध्यक्ष महोदय, आपने तो यहां डिबेट ही शुरू करवा दी। यदि आपकी इजाजत हो तो मैं अपनी बात पूरी कर सकता हूं।

श्री अध्यक्ष : कुलदीप शर्मा जी, आप विवाद खड़ा कर रहे हैं।

श्री कुलदीप शर्मा : अध्यक्ष महोदय, विवाद तो सत्ता पक्ष की ओर से खड़ा हो गया था। सरकार जनादेश से बनी है और हम जनादेश का सम्मान करते हैं। सरकार बाहर से तो बहुत मजबूत दिखाई दे रही है क्योंकि लोकतंत्र संख्या का खेल है। (विघ्न) सरकार को विपक्ष से कोई खतरा नहीं हैं । "मरदे फिरंगी ने किया था राजोफाश, रंजदाना इस खोला नहीं करते, अर जमुरियत वो तरजे हकूमत है यारो, जिसमें बंदों को गिना जाता है तोला आने" यह गिनती का खेल है। जनता ने शासन करने का हक भारतीय जनता पार्टी के हाथ में दिया है। सरकार के विरोधाभास सामने आ रहे हैं। मैं तो जंग का घोड़ा था सत्ता का घोड़ा नहीं, माननीय मंत्री जी का यह बयान अखबार में पढ़कर मुझे बड़ा आश्चर्य हुआ । मुझे समझ में नहीं आ रहा है कि माननीय मंत्री जी को यह बयान क्यों देना पड़ा। अखबार में यह भी छपा था जो मुझे कतई बर्दास्त नहीं कि उक्त माननीय मंत्री जी माननीय मुख्यमंत्री जी के कमरे में जाकर माननीय मुख्यमंत्री जी को खरी-खरी सुनाकर और धमकाकर आए और किस प्रकार की भाषा का प्रयोग किया गया ऐसा मुझे अखबार के माध्यम से मालूम हुआ, इसलिए मैंने कहा कि यह सरकार बाहर से मजबूत दिखाई दे रही है। लेकिन इस प्रकार के विरोधाभास अखबारों में प्रस्तुत हो रहे हैं कुछ लोग शायद भूल गये हैं कि वे अब सरकार में हैं और सरकार में किस प्रकार मंत्रियों की भूमिका होनी चाहिए उससे हटकर उनका मन करता है कि वहीं उसी कोने में आकर बैठ जायें जहां इतने सालों से बैठा करते थे। माननीय राज्यपाल महोदय ने अपने अभिभाषण में पिछले 10 सालों के विकास की बात का वर्णन किया है। मैं आपको बताना चाहता हूं कि पिछले 10 सालों से चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा के नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी का शासनकाल रहा है। पिछले 10 सालों के दौरान यदि चार बिजली के प्लांट हरियाणा के अंदर न लगे होते तो पांच हजार मेगावाट बिजली उत्पादित नहीं होती। (विघ्न)

श्री कृष्ण लाल पंवार : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वाइंट ऑफ ऑर्डर है। अध्यक्ष महोदय, कुलदीप शर्मा जी जिस पॉवर प्लांट के बारे में सदन को बता रहे हैं साथ में यह भी बतायें कि कांग्रेस के शासन काल में थर्मल पॉवर प्लांट, पानीपत और थर्मल पॉवर प्लांट, फरीदाबाद की चार यूनिट किस कारण बंद रही तथा थर्मल पॉवर प्लांट, खेदड़ (हिसार) और सर दीन बन्धु छोटू राम थर्मल पॉवर प्लांट, यमुनानगर बंद रहने के कारण भी सदन को बतायें (विघ्न)

श्री कुलदीप शर्मा : अध्यक्ष महोदय, यह प्वाइंट ऑफ ऑर्डर था ही नहीं, If you read with regard to point of order, this was not point of order पंवार साहब, शायद आपने बिजली के महकमे में काम किया है, इसलिए आपको इस बारे मे ज्यादा जानकारी है।

श्री कृष्ण लाल पंवार : अध्यक्ष महोदय, काम की बात नहीं है, यह तो ज्ञान ही बात है जो मेरी जानकारी में है। उसी जानकारी के आधार पर सदन को अवगत करा रहा हूं।

श्री कुलदीप शर्मा : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से यह कहना चाहता हूं कि ये राजनीति के परिन्दे हैं। परिन्दों का कोई मजहब नहीं होता। कभी मंदिर पर जा बैठें, कभी मस्जिद पर जा बैठें। ध्यान रखना, इनको नया-नया शौक चढ़ा है। अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त करने के लिए ये मेरे सम्भाषण को बार-बार टोकेंगे क्योंकि उसके बिना इन माइग्रेट्री बर्डस को अपना... (विघ्न)

श्री कृष्ण लाल पंवार : आपको कांग्रेस की ओर से कभी इंडिपेंडेंट.. (विघ्न)

श्री कुलदीप शर्मा : पंवार साहब, आप कोशिश करिये। आप अपने तरीके से लगे रहिये। शायद मुख्यमंत्री जी के दिमाग में ये बात आ जाए कि आपको बिजली मंत्री का उप-मंत्री तो बना दें। (विघ्न) कोशिश करिये अभी भाजपा के मन्त्रिमण्डल का गठन हुआ है। उसमें माइग्रेट्री बर्डस को जगह नहीं मिली है लेकिन आशा रखिये। आशा से सारा संसार चलता है। होप सस्टेंस लाइफ। (विघ्न) हम छींटाकसी नहीं कर रहे हैं। हम तो जवाब दे रहे हैं। (विघ्न) ये जो बातें कह रहे हैं... (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : शर्मा जी, आपको बोलते हुए दस मिन्ट हो गए हैं।

श्री कुलदीप शर्मा : अध्यक्ष जी, मैं 10 मिनट भी नहीं बोला हूं। ज्यादातर समय तो इंटरप्शन रही है।

श्री उमेश अग्रवाल : अध्यक्ष महोदय, मैं शर्मा जी को इतना ही कहना चाहता हूं। उड़ने दो खुली हवा में परिन्दों को ऐ रकीब, जो तेरे अपने होंगे वो लौट आएंगे।

श्री कुलदीप शर्मा : हां, हां ठीक है। ये बात देखिये। ये बात बिल्कुल ठीक कही है। ये लौटने वाले परिन्दे हैं। ये कब लौट जाएंगे इनका कोई भरोसा नहीं । (विघ्न) कोई नहीं, आप आये हैं, आपको बोलने का शौक है। हमको दिख रहा है। आप गुड़गांव के हैं और आपकी प्रैजेंस यहां तभी पता चलेगी जब आप मुझे बोलते हुए टोकेंगे... (विघ्न)

श्री उमेश अग्रवाल : अध्यक्ष महोदय, अगर मैंने बोलना शुरू कर दिया तो शर्मा जी सारे पुराने पर्दे उठ जाएंगे। (विघ्न)

श्री कुलदीप शर्मा : हां, हां ।

श्री अध्यक्ष : देखिये शर्मा जी, आपकी बोलने की तैयारी नहीं है, आपने अपना नाम वैसे ही लिखवाया है।

श्री कुलदीप शर्मा : अध्यक्ष महोदय, मुझे बोलने ही नहीं दिया जा रहा है। अध्यक्ष जी, अगर ऐसी ही नीति रहेगी कि एक सदस्य बैठता है तो दूसरा सदस्य खड़ा हो जाता है। अब माननीय मंत्री जी खड़े हो गए हैं तो न कोई अध्यक्ष से पहले बोलने के लिए पूछ रहा है वैसे ही बोलने के लिए अपने आप खड़े हो जाते हैं। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : शर्मा जी, आप बैठिये। माननीय मंत्री जी कुछ कहना चाहते हैं।

श्री कुलदीप शर्मा : ठीक है, अध्यक्ष महोदय मैं बैठ जाता हूं।

शिक्षा मंत्री (प्रो० रामबिलास शर्मा): अध्यक्ष महोदय, माननीय भाई कुलदीप शर्मा जी बहुत विद्वान वकील हैं और यहां हरियाणा विधानसभा के अध्यक्ष महोदय के नाते वे विराजमान रहें हैं, उन्होंने बड़े

ऐतिहासिक फैसले दिए और चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा के हमजिगर रहे । अब बदली हुई भूमिका जो है इसको हम सबको स्वीकार करना चाहिए। जहां तक माननीय कुलदीप शर्मा जी कह रहे हैं कि सरकार ने गवर्नर साहब से भाषण पढ़वाया। यह राज्यपाल महोदय की शान के खिलाफ है। (विघ्न) आप एक मिनट सुन लीजिए । जितना अधिकार आपका है उतना ही हम सबका है। ऐसा नहीं है कि आप जो कुछ कह देंगे वो वेद-वाक्य हो जाएगा। आपने अभी अपनी जुबान से कहा कि आपके साथ एक पूर्व स्पीकर का नाम जुड़ा हुआ है। ये सदन की एक बड़ी गरिमामय जिम्मेदारी है। आपने कह दिया कि आपने गवर्नर साहब से भाषण पढ़वाया। राज्यपाल महोदय की शान में ये शब्द कार्यवाही से निकालने चाहिए और राज्यपाल महोदय हम सब के लिए बड़े आदरणीय हैं। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : ठीक है, ये शब्द निकालना चाहिए। शर्मा जी।

श्री कुलदीप शर्मा : अध्यक्ष जी, मैं उसको थोड़ा-सा करैक्ट कर लेता हूं। इन्होंने पढ़वाया नहीं उन्होंने पढ़ा है। खत्म हुई बात। इस बात पर किस चीज का झगड़ा है। जहां तक मैं चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा जी का लगते जिगर हूं ... (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : कृपया शांत रहे, शर्मा जी को बोलने दीजिए।

श्री कुलदीप शर्मा : अध्यक्ष महोदय, ये परिन्दे बिना पूछे बोलते रहते हैं।

श्री कृष्ण लाल पंवार : अध्यक्ष महोदय, जब शर्मा जी चेयर पर थे इन्होंने मुझे थ्रैट किया था और चण्डीगढ़ पुलिस स्टेशन में इनके खिलाफ मेरी एक दरखास्त आज भी पैंण्डिंग पड़ी है। मेरा आपसे अनुरोध है कि उस पर कार्यवाही कराई जाए। (विघ्न)

श्री कुलदीप शर्मा : माननीय अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य श्री कृष्ण लाल पंवार को मेरी चुनौती है कि ये मेरे खिलाफ कार्यवाही कराएं। आज तो ये सत्ता पक्ष में हैं। अगर मेरे खिलाफ कार्यवाही नहीं होगी तो मुझे बड़ी निराशा होगी। वरना माननीय सदस्य सदन में क्षमा मांग लेंगे।

श्री कृष्ण लाल पंवार : अध्यक्ष महोदय, पिछले सदन में जब ये चेयर पर थे इन्होंने मुझे थ्रैट किया था। इस बारे में मेरी शिकायत की एप्लीकेशन पुलिस स्टेशन, चण्डीगढ़ में आज भी पैंडिंग है।

श्री कुलदीप शर्मा : माननीय अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य श्री कृष्ण लाल पंवार मेरे खिलाफ कार्यवाही कराएं। मुझे जेल भिजवाएं। अगर मेरे खिलाफ कार्यवाही नहीं होगी तो मुझे बड़ी निराशा होगी।

श्री अध्यक्ष : कुलदीप शर्मा जी, आप 5 मिनट में वाइंड अप करें। आपको बोलते हुए लगातार 16-17 मिनट का समय हो चुका है। (विघ्न) आप तैयारी करके नहीं आए हैं इसलिए आप अपनी बात नहीं कह पा रहे हैं। जो नये मैंबर चुनकर आए हैं मैं चाहूंगा कि उन सभी को बोलने का अवसर मिले।

श्री कुलदीप शर्मा : अध्यक्ष महोदय, मैं तो अभी बोला ही नहीं हूं।

श्री अध्यक्ष : अगर आप इस तरह की बातें करेंगे तो कैसे बोल पाएंगे।

श्री कुलदीप शर्मा : अध्यक्ष महोदय, विकास की बात अगर की जाए तो क्या यह सच नहीं है कि पिछले दस वर्षों में जितनी यूनिवर्सिटी हरियाणा में बनी हैं उतनी पिछले पचास सालों में भी नहीं बन पाई है।

श्री ज्ञान चंद गुप्ता : पंचकूला में कोई यूनिवर्सिटी बनी हो तो आप बताइए?

श्री कुलदीप शर्मा: आप चण्डीगढ़ में रहते हैं इसलिए आपको इस बारे में पता नहीं है। आप पंचकूला में रहना शुरू कर दें तो आपको पता लग जाएगा।

श्री ज्ञान चंद गुप्ता : मैं पंचकूला में ही रहता हूं।

श्री कुलदीप शर्मा : पंचकूला में नेशनल इंस्टीच्यूट ऑफ फैशन टैक्नोलॉजी नामक राष्ट्रीय रिप्यूटेड संस्थान है। पंचकूला में स्थापित किया जा रहा है।

श्री ज्ञान चंद गुप्ता : कहां पर है ?

श्री कुलदीप शर्मा : स्थापित किया जा रहा है। आप अभी एम०एल०ए० बने हैं एक हफ्ता हुआ है इसलिए आपको इस बारे में पता नहीं है। इसके अलावा मेवात में मेडिकल कालेज है, करनाल में हैं, फरीदाबाद में हैं। न जाने कितनी यूनिवर्सिटीज हैं। (विघ्न) खानपुर में एक महिला विश्वविद्यालय है।

श्री अनिल विज : अध्यक्ष महोदय, पिछले लगभग दस सालों में इन लोगों ने क्या किया। (विघ्न)

श्री कुलदीप शर्मा : अध्यक्ष महोदय, इनका ये क्या तरीका है।

श्री अध्यक्ष : विज साहब स्वास्थ्य मंत्री हैं और ये अपनी बात कह सकते हैं।

श्री अनिल विज : शर्मा जी, आप सुनना भी सीख लो। मैं सदन को बताना चाहता हूं कि इन सबको *बोलने की पी०एच०डी० की डिग्री देनी चाहिए।

Shri Kuldip Sharma : I strongly object it. He cannot use the word" * ". He should be asked to withdraw his words.

श्री अनिल विज : यह जो झूठ शब्द है यह रिकार्ड न किया जाए।

Shri Kuldip Sharma : He should apologize for it.

Shri Anil Vij : What is wrong in this ?

Shri Kuldip Sharma : What do you mean "*?

श्री अनिल विज : मैं पी०एच०डी० की डिग्री कह रहा हूं। मैं फैक्ट्स से ही बता रहा हूं। जिन चीजों का ये नारे लगाते रहे कि हमने हरियाणा नंबर वन कर दिया। हैल्थ एंड एजूकेशन किसी भी सरकार का मुख्य सैक्टर होता है। (विघ्न) मुझे बोलने की इजाजत दी गई है आप बैठ जाओ। आप तो स्पीकर रहे हो। आपको तो पता होना चाहिए। (विघ्न)

Shri Kuldip Sharma : Why he is indulging in a debate like this?

श्री अनिल विज : (शोर एवं व्यवधान) आप पहले स्पीकर रहे हैं आप तो नियमों के बारे में सीख लें। अध्यक्ष महोदय ने मुझे बोलने की इजाजत दी है। आप बैठ जाइए। Why are you interrupting me?

Shri Kuldip Sharma : I am not yielding yet.

Shri Anil Vij : Mr. Speaker, ask him to sit and listen.

श्री अध्यक्ष : शर्मा जी, आप बैठ जाइये, पहले मन्त्री जी को अपनी बात पूरी करने दीजिए।

---

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

श्री अनिल विज : अध्यक्ष महोदय, ये ढिंढोरा पीटते रहे कि हमने हरियाणा नंबर वन कर दिया। हमने ये काम कर दिए। हैल्थ एंड ऐजूकेशन दो प्राइमरी सैक्टर है और हैल्थ पर ये अपने पूरे बजट का मात्र दो परसैंट खर्च किया करते थे जबकि उत्तर प्रदेश जैसे राज्य में बजट का 12 परसैंट हैल्थ एंड ऐजूकेशन पर खर्च किया जाता है लेकिन हरियाणा में बजट का दो परसैंट ही एलोकेशन हैल्थ के लिए होता था जो कि जी०डी०पी० का 0.7 प्रतिशत मात्र है। (Interruption) You may sit down. You are talking about the Health. I am telling the exact position of GDP.

Shri Kuldip Sharma : Speaker Sir, he is threatening me.

Shri Anil Vij : I am not threatening you but you have been doing. I am telling you that you should learn to behave. (Interruption) Then why are you standing when I am talking and giving the data? सर, जी०डी०पी० का हरियाणा प्रदेश में 0.7 प्रतिशत हैल्थ के लिए दिया जाता है जबकि आल इण्डिया का फिगर 1.1 प्रतिशत का है। पिछली कांग्रेस पार्टी की सरकार यह दावा करती रही कि हमने हरियाणा को नम्बर वन बना दिया जबकि इन्होंने हरियाणा को पूरी तरह से बीमार बना दिया। इन्होंने पूरी तरह से पिछले दस सालों में हरियाणा का नुकसान किया है और अब ये आंकड़े प्रस्तुत कर रहे हैं। हम सारे विभागों की जन्म कुण्डली देख रहे हैं कि किस-किस डिपार्टमैंट में इन्होंने क्या-क्या किया हुआ है। हैल्थ विभाग की कुण्डली को मैंने देखा है मैं उसी के हिसाब से बता रहा हूं। इन्होंने खाली प्रचार करने पर ज्यादा पैसा खर्च किया है और लोगों को सुविधाएं देने में कम पैसा खर्च किया गया है। इसलिए कांग्रेस पार्टी के सदस्यों को हैल्थ की बात नहीं करनी चाहिए बल्कि कोई दूसरी बात करें।

कुलदीप शर्मा : अध्यक्ष महोदय, माननीय मुख्यमंत्री जी ने बड़ी चतुराई से महकमों का डिस्ट्रीब्यूशन किया है। जिसके कारण हर आदमी उलझा हुआ है। जिस मंत्री का शक्ति प्रदर्शन है उसको शिक्षा का महकमा सौंप दिया है और वे मिनिस्टर महोदय तबादलों में उलझे हुए हैं। वित्त मंत्री महोदय तो यह कह भी रहे हैं कि हमें घाटे से जूझना पड़ रहा है। लेकिन हैल्थ मिनिस्टर जी की हैल्थ खराब है। मैंने इसके बारे में डाक्टर से पूछा था तो उन्होंने कहा था कि ये नहा कर नहीं आते।

श्री अध्यक्ष : शर्मा जी, ऐसा लगता है कि आज आप अपनी तैयारी के साथ नहीं आये। विज साहब ने अपनी बात आंकड़ों के साथ रखी है। इसलिए आप बैठ जाईये।

श्री कुलदीप शर्मा : अध्यक्ष महोदय, जिस प्रकार की भाषा विज साहब बोल रहे हैं वैसी भाषा मुझे भी बोलनी आती है।

श्री अनिल विज : स्पीकर सर, मुझे मुख्यमंत्री जी ने बिल्कुल ठीक विभाग दिया है क्योंकि मैंने लोगों की हैल्थ को ठीक करना है और शर्मा जी जैसे राजनीतिक नेताओं की हैल्थ को भी ठीक करना है।

Shri Kuldip Sharma : Then how can you shout at the Hon'ble Chief Minister? He is the leader of the House. Why did you shout at the Leader of the House?

श्री अनिल विज : आपको किसने कहा?

श्री कुलदीप शर्मा : अखबार में है।

Shri Anil Vij : You cannot quote the newspaper in the House. Yes cannot show the newspaper in the House.

Shri Kuldip Sharma : Please address the Chair. Have you controverted ? He has controverted. He is trying to refute the Chief Minister. (Interruption) Is he free to say everything? He is a free bird.

Shri Anil Vij : Yes, every body is free to say. (Interruption)

Shri Kuldip Sharma : Don't talk to me. Please address the Chair, Chair is there.

श्री अनिल विज : स्पीकर सर, मैं शर्मा जी को बताना चाहता हूं कि इन्हें अब कुछ सीखना चाहिए क्योंकि अब प्रदेश के हालात बदल चुके हैं। अब पहले वाले हालात नहीं रहे हैं जब ये विधायकों को मार्शल के द्वारा पकड़-पकड़ कर सदन से बाहर निकलवाते थे। वैसे दिन अब नही रहे। इसलिए इनको अब सुनने की आदत डालनी चाहिए।

श्री कुलदीप शर्मा : अध्यक्ष महोदय, अब समझ में आया तेरे रूख पर तिल का मतलब, दोलते हुसैन पर दरबान बैठा रखे हैं। यहां पर आज मुझे अखबार पढ़ने के बाद पता लगा कि कुछ लोग दाढ़ी क्यों नहीं कटवाते। इस बारे में चर्चा यह है कि उन्होंने यह कहा कि जब तक वे मुख्यमंत्री नहीं बनेंगे अपनी दाढ़ी नहीं कटवायेंगे।

श्री अनिल विज : स्पीकर सर, मुझे ऐसा लगता है कि शर्मा जी को अपनी पार्टी की हार का काफी गहरा सदमा लगा है। मैं माननीय मुख्यमंत्री जी से आग्रह करूंगा कि ऐसे मानसिक रोगियों के इलाज के लिए एक अस्पताल बनाने की इजाजत मेरे विभाग को दी जाए।

श्री कुलदीप शर्मा : अध्यक्ष महोदय, मैं आपसे यह आग्रह करूंगा कि ऐसा अस्पताल अम्बाला में माननीय मंत्री श्री अनिल विज जी के घर के पास ही खोल दिया जाए ताकि माननीय मंत्री जी को कहीं जाना न पड़े। इसके लिए निरीक्षण में भी आसानी रहेगी और घर का खाना भी मिल जायेगा। ऐसे अस्पताल की बहुत जरूरत है वरना करनाल में डाक्टर भटला हैं उनके यहां आ जाईये खाना हम भिजवा देंगे।

श्री अनिल विज : स्पीकर सर, मुझे इसमें भी कोई एतराज नहीं है क्योंकि अगर शर्मा जी अम्बाला के अस्पताल में रहेंगे तो इनको देखकर मेरा इन्टरटेन होता रहेगा।

Shri Kuldip Sharma : Feel entertain.

शिक्षा मंत्री (श्री रामबिलास शर्मा) : स्पीकर सर, माननीय कुलदीप शर्मा जी को बोलते हुए 25-26 मिनट हो गये हैं। लेकिन इन्होंने अभी तक अपनी चर्चा में राज्यपाल महोदय का नाम तक नहीं लिया है। दूसरे के बैडरूम में झांकने की इनकी आदत पुरानी रही है। अनिल विज जी के साथ इन्होंने 5 साल तक क्या व्यवहार किया? Speaker Sir, man is a man. इस लिए विज जी को प्रिविलेज है कि ये उनको बताएं कि विपक्ष में बैठने के मायने क्या होते हैं और वहां बैठकर कैसा लगता है। अध्यक्ष महोदय, कुलदीप शर्मा जी अगर राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर बोलने के लिए तैयार होकर नहीं आए हैं तो उनको बजट सैशन में बोलने के लिए समय दे दिया जाए क्योंकि अभी सदन के और बहुत से लोगों ने बोलना है।

श्री अध्यक्ष : कुलदीप शर्मा जी, आप कृपया दो मिनट में वाइंड अप करें।

श्री कुलदीप शर्मा : अध्यक्ष महोदय, राम बिलास शर्मा जी ने दूसरों के बैडरूम में झांकने की बात कही है। रामबिलास शर्मा जी मेरे बड़े भाई हैं और कद में भी उंचे हैं और पार्टी में भी इनका कद ऊंचा है परंतु माननीय मुख्यमंत्री जी ने इनको थोड़ा छोटा कर दिया इन्होंने झांकने की बात कही इसलिए मैं कहना चाहूंगा कि कल मैं देख रहा था माननीय राम बिलास शर्मा जी माननीय मुख्यमंत्री जी के पास बैठे थे और उनकी फाईलों मे झांक रहे थे। झांकने की आदत किसकी है यह मैं अच्छी तरह से जानता हूं।

प्रो० रामबिलास शर्मा : अध्यक्ष महोदय, Kuldeep Sharma is always sarcastic. इनको नई भूमिका को स्वीकार करने में अभी समय लगेगा। मैं एक बात सुनाना चाहूंगा पंडित जवाहर लाल नेहरू जी एक बार आगरा चले गए और वहां जो मरीज थे वे प्रधानमंत्री को देखकर खड़े नहीं हुए तो नेहरू जी ने कहा कि मैं प्रधानमंत्री हूं और आप लोग मुझे देखकर खड़े नहीं हुए तो उन लोगों ने कहा कि इस हास्पिटल में शुरू में जब हम आए थे तो हम भी प्रधानमंत्री बनकर आए थे इसलिए एक आध गोली खाकर आप भी ठीक हो जाओगे। अध्यक्ष महोदय, मैं आपसे निवेदन करूंगा कि आप कुलदीप शर्मा जी को कहें कि उनको नई भूमिका में एडजैस्ट हो जाना चाहिए।

श्री कृष्ण लाल पंवार : अध्यक्ष महोदय, कुलदीप शर्मा जी ने पक्षी बर्ड यूज करते हुए कहा है कि कुछ पक्षी इधर से उड़कर उधर चले गए। ये एक विधायक के लिए पक्षी बर्ड कैसे यूज कर सकते हैं इसलिए इनसे माफी मंगवाई जाए। अध्यक्ष महोदय, कुलदीप शर्मा जी तो दो बार विधायक चुनकर आए हैं लेकिन मैं तो 5 बार विधायक चुनकर आया हूं। (विघ्न)

श्री कुलदीप शर्मा : अध्यक्ष महोदय, मैं किसी भी बर्ड के लिए माफी नहीं मांगूंगा।

श्री कृष्ण लाल पंवार : अध्यक्ष महोदय, ये स्पीकर के पद पर रहे हैं ये विधायक के लिए पक्षी बर्ड कैसे यूज कर सकते हैं इसलिए ये अपने कहे शब्द वापस लें।

श्री अध्यक्ष : कर्ण सिंह दलाल जी, क्या आप राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर बोलना चाहते हैं।

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, मैं बोलना तो चाहता हूं लेकिन पहले कुलदीप शर्मा जी को अपनी बात कम्पलीट करने दें। (विघ्न)

श्री कृष्ण लाल पंवार : अध्यक्ष महोदय, ये शब्द रिकार्ड पर आए हैं इसलिए कुलदीप शर्मा जी अपने कहे हुए शब्द वापस लें । (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : शर्मा जी, आप कंक्ल्यूड करें।

श्री कुलदीप शर्मा : अध्यक्ष महोदय, मैं कंक्ल्यूड कर रहा हूं। अगर आप नैशनल स्टैटिस्टिक्स देखें तो उसके हिसाब से पर कैपिटा इन्कम में वर्ष 2010-11 में हरियाणा छठे नम्बर पर था। केवल दिल्ली, गोवा, चण्डीगढ़, सिक्किम और पांडेचेरी हरियाणा से ऊपर थे । वर्ष 2011-12 के नैशनल स्टैटिस्टिक्स देखें तो उसमें हरियाणा 5 वें नम्बर पर आ गया, केवल दिल्ली, गोवा सिक्किम और **15.00 बजे** चण्डीगढ़ हमसे ऊपर थे। वर्ष 2012-2013 में पर कैपीटा इन्कम में हरियाणा तीसरे नम्बर पर था, हमसे केवल दिल्ली और सिक्कम ऊपर हैं तथा 1,22,660 रुपये प्रति व्यक्ति सालाना आय हमारे प्रदेश की थी। अब लेटैस्ट नये प्रोजेक्शंज के अंदर हरियाणा में प्रति व्यक्ति सालाना आय 1,35000 रुपये है।

श्री अनिल विज : अध्यक्ष महोदय, यदि इसमें से गुड़गांव की आय निकाल दी जाये तो हरियाणा सबसे लोवैस्ट है और गुड़गांव में सरकार की तरफ से कुछ भी नहीं किया गया। (विघ्न)

श्री कुलदीप शर्मा : अध्यक्ष महोदय, यहां कई बातें कहीं गई हैं और अखबारों में भी कही जा रही हैं कि पिछली सरकार बहुत बड़ा कर्ज प्रदेश पर छोड़ गई है। अध्यक्ष महोदय, यह जो डैट लिया जाता है यह ग्रोथ और इन्फ्रास्ट्रक्चर से लिया जाता है। आप भी देखेंगे per capita debt of the state

[श्री कुलदीप शर्मा]

for the year 2013-14 देखा जाए तो हरियाणा में 29414 रुपये है, गुजरात में 29556 रुपये, जम्मू और कश्मीर में 35091 रुपये और पंजाब में जहां इनकी सहभागी सरकार है वहां 36865 रुपये है। अध्यक्ष महोदय, हरियाणा वैसे ही नम्बर-1 प्रदेश नहीं बना है इसके लिए पिछली सरकार ने बहुत कारगर कदम उठाये थे। शायद मेरे सत्तापक्ष के भाईयों को इस बात की तकलीफ है। माननीय राज्यपाल महोदय के अभिभाषण में कहीं भी किसान का और खेती का जिक्र नहीं किया गया है और जीरी के भाव प्रति क्विंटल बहुत कम हो गये हैं और हर ढेरी नीचे दब गई है तथा जीरी का भाव 2000 रुपये से 2500 रुपये प्रति क्विंटल किसानों को कम मिल रहा है। जबकि सरकार के मंत्री फोटो खीचवाने के लिए मण्डियों में जाते हैं लेकिन किसान की फसल के भाव कम हो रहे हैं इस तरफ कोई ध्यान नहीं दे रहा है। (विघ्न)

श्री अनिल विज : अध्यक्ष महोदय, माननीय साथी सदन में गलत ब्यानी कर रहे हैं। इनको राज्यपाल महोदय के अभिभाषण को पढ़ना चाहिए।

कृषि मंत्री (श्री ओम प्रकाश धनखड़) : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर है। शर्मा जी, सदन में गलत ब्यानी कर रहे हैं। राज्यपाल महोदय के अभिभाषण में सबसे ज्यादा जिक्र खेती और किसानों पर किया गया है। माननीय साथी ने शायद राज्यपाल महोदय के अभिभाषण को पढ़ा नहीं है। राज्यपाल महोदय के अभिभाषण के पैराग्राफ संख्या 9 से 16 तक किसान और खेती के बारे में जिक्र किया गया है और सबसे ज्यादा हिस्सा खेती और किसान के लिए है। मेरी माननीय साथी से प्रार्थना है कि वे सदन में गलत ब्यानी न करें।

श्री कुलदीप शर्मा: अध्यक्ष महोदय, जो जिक्र राज्यपाल महोदय के अभिभाषण में किया गया है क्या उससे प्रदेश के किसान जहां हजारों करोड़ रुपये की मार खा रहे हैं उनका पेट भर जायेगा? 16 पैराग्राफ लिखने से किसानों को उनकी फसल का उचित दाम नहीं मिल रहा है। किसानों को उनकी फसल का उचित भाव नहीं मिल रहा इस बारे में सरकार ब्यान क्यों नहीं देती। राज्यपाल महोदय के अभिभाषण में 16 पैराग्राफ लिखने से किसान का पेट नहीं भर सकता। (विघ्न) किसानों को उनकी फसल का उचित भाव कैसे मिले यह सुनिश्चित करने के लिए सरकार ने क्या कारगर कदम उठाये हैं? (शोर एवं व्यवधान)

श्री ओम प्रकाश धनखड़ : अध्यक्ष महोदय,* * *। अध्यक्ष महोदय, किसानों को उनकी फसल का कम भाव मिलने के लिए कांग्रेस पार्टी और इनकी सरकार जिम्मेवार है।

श्री अध्यक्ष : धनखड़ साहब**** शब्द का प्रयोग कर रहे हैं वह रिकार्ड न किया जाये।

श्री ओम प्रकाश धनखड़ : अध्यक्ष महोदय, इन लोगों की तरफ से बार-बार ब्यान दिया गया कि जीरी का निर्यात रोक दिया गया है। इसके लिए कांग्रेस पार्टी और इनके लोग जिम्मेवार हैं। (शोर एवं व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, जीरी का एक दिन भी निर्यात नहीं रोका गया । (शोर एवं व्यवधान) इनकी गलत ब्यानी से वातावरण इस तरह का बन गया जिससे किसानों को कम भाव मिला और यह बात उन लोगों के फेवर में गई जो कम दाम पर जीरी खरीदना चाहते थे। (शोर एवं व्यवधान)

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा : अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी ने जो बात कही है उसका मैं स्ट्रोंग आब्जैक्शन लेता हूं। कहीं भी यह कहा हो कि भूपेन्द्र सिंह हुड्डा ने यह कहा है कि निर्यात रोक दिया गया तो मैं गुनाहगार हूं। मैंने ऐसा ब्यान कहीं नहीं दिया कि निर्यात रोक दिया गया। (शोर एवं व्यवधान)

*चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

माननीय मंत्री जी दिखा दें कि मैंने यह कहा है कि निर्यात रोक दिया गया। ये एक दिन भी दिखा दें मैंने ऐसा ब्यान दिया हो या किसी पेपर में ऐसा ब्यान आया हो। इसके लिए मंत्री जी क्षमा मांगे। (शोर एवं व्यवधान) मैंने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखा था उसमें मैंने कहीं भी यह नहीं लिखा था कि निर्यात बंद है बल्कि मैंने यह लिखा था कि भाव गिर गया है। ईरान की खाड़ी में निर्यात क्यों कम हो रहा है इसके कारणों का पता लगाकर किसान को न्याय दिया जाये। जो यह पत्र मैंने प्रधानमंत्री जी को भेजा था उसकी कापी मेरे पास है। कोई भी कहीं यह लिखा दिखा दे कि भूपेन्द्र सिंह हुड्डा ने यह लिखा है कि निर्यात बंद हो गया है तो मैं आज ही हरियाणा विधान सभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दूंगा।

श्री ओम प्रकाश धनखड़ : अध्यक्ष महोदय,..... (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : मंत्री जी, आप बैठिए। उन्होंने स्वीकार कर लिया है इसलिए इस मामले में और बात करने की कोई आवश्यकता नहीं है।

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा : अध्यक्ष महोदय, अगर आप इस विषय में अपनी कोई रूलिंग दें तो I shall be thankful to you. यह कोई शिष्टाचार नहीं है क्योंकि यहां जिस प्रकार की भाषा का इस्तेमाल माननीय मंत्री जी द्वारा किया गया वह सदन की मर्यादा के खिलाफ है। जिस प्रकार से सदन के नेता ने कहा कि हम यहां पर नई कंनवैंश डालना चाहते हैं और सबको साथ लेकर चलना चाहते हैं। हम पूछना चाहते हैं कि Is this the proper language which a responsible Minister is going to use it?

श्री कुलदीप शर्मा : अध्यक्ष जी, मैं यह कहना चाहूंगा कि माननीय तत्कालीन मुख्यमंत्री श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा जी, जो अब इस सदन के सम्मानित सदस्य है, ने प्रधानमंत्री जी को जीरी के प्राईस के बारे में चिट्ठी लिखी थी प्रधानमंत्री जी ने उसका जवाब नहीं दिया लेकिन माननीय कृषि मंत्री, भारत सरकार ने इस बारे में जो जवाब दिया उसकी कॉपी मेरे पास है। बात यह भी कही गई थी कि जो गेहूं और जीरी की सपोर्ट प्राईस है उसको बढ़ाना है। अगर आपकी आज्ञा हो तो मैं उसको पढ़कर सुना सकता हूं। तत्कालीन मुख्यमंत्री श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा जी ने जो पत्र माननीय प्रधानमंत्री को लिखा था मैं पहले उसको पढ़कर सुनाता हूं :-

> "मुझे ज्ञात हुआ है कि ईरान जैसे खाड़ी देशों को भारत से चावल निर्यात की बड़ी भारी कमी आई है। उसके कारण का पता लगाकर उसके निराकरण की दिशा में शीघ्र आवश्यक कदम उठाये जाने चाहिएं अन्यथा देश के धान उत्पादक किसानों को तो नुक्सान होगा ही साथ ही देश के विदेशी मुद्रा भण्डार में भी भारी गिरावट आयेगी।"

प्रधानमंत्री जी ने तो जवाब नहीं दिया लेकिन माननीय कृषि मंत्री, भारत सरकार श्री राधा मोहन सिंह जी का जवाब मैं आपको पढ़कर सुना रहा हूं :-

> "Government has fixed the minimum support price for paddy (Common) at Rs. 1360 per quintal for the year 2014-15 seasons which provides adequate return over CSEP projected paid out cost of production including family labour of Rs. 868/- per quintal for Haryana. At present there is no proposal for giving additional bonus over and above the MSP."
>
> And similar is the price with regard to the wheat.

[श्री कुलदीप शर्मा]

जो वक्तव्य माननीय तत्कालीन मुख्यमंत्री जी द्वारा उठाया गया था उसका कोई जवाब नहीं आया। ईरान को होने वाले निर्यात के बारे में सरकार ने कुछ किया था नहीं किया इस बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई है। इसमें कोई दो राय नहीं है कि जब केन्द्र में भारतीय जनता पार्टी की सरकार आ गई और यहां पर हरियाणा प्रदेश में भी भारतीय जनता पार्टी की सरकार आ गई तो हरियाणा प्रदेश का किसान इन दोनों सरकारों के बीच में ऐसा पिसा है कि उसकी हालत बहुत ज्यादा खराब हो गई है। एक तो उसे अकाल का सामना करना पड़ रहा है और फिर अकाल के बाद इस प्रकार का भाव, इसी के साथ-साथ धान की पैदावार भी कम हुई है जिस कारण हरियाणा प्रदेश का किसान बूरी तरह से कर्ज के बोझ के नीचे दब गया है। इसलिए इस मामले में माननीय मुख्यमंत्री जी को कोई नीतिगत निर्णय लेना चाहिए ताकि हरियाणा के किसान को बर्बाद होने से बचाया जा सके। इसी से सम्बंधित दूसरा मामला है जो यहां पर एस०वाई०एल० और हांसी-बुटाना नहर के बारे में बात की गई है। मैं माननीय मुख्यमंत्री जी की इस प्रतिबद्धता का स्वागत करता हूं कि उन्होंने जो हमारे द्वारा बनाई गई नहर में पानी लाने की बात कही है और यह भी कहा है कि हर सम्भव प्रयास किये जायेंगे कि उसमें पानी आये। यह माननीय मुख्यमंत्री जी का एक बहुत ही सराहनीय कदम है। जो अच्छी बात होगी हम उस अच्छी बात को भी मानने के लिए यहां पर तैयार बैठे हैं। अब मुझे आशा है कि पंजाब की सरकार में भारतीय जनता पार्टी सहभागी है, हरियाणा में भी भारतीय जनता पार्टी की सरकार है और केन्द्र में भी भारतीय जनता पार्टी की सरकार है इसलिए माननीय मुख्यमंत्री जी ऐसी परिस्थिति जरूर बना लेंगे जिसमें ये तीनों सरकारें मिलकर हांसी-बुटाना नहर का कोई न कोई हल अवश्य निकाल लेंगी। जिस प्रकार श्री अभय चौटाला जी ने कहा, हम भी कह रहे हैं कि एस०वाई०एल० का पानी लाने की और हांसी-बुटाना में पानी चालू करने की प्रत्येक कोशिश में कांग्रेस पार्टी सरकार के साथ है।

श्री अनिल विज : अध्यक्ष महोदय, शर्मा जी ने जो बयान दिया है कि एस०वाई०एल० नहर के मुद्दे पर कांग्रेस पार्टी सरकार के साथ है इस बात पर मुझे आपत्ति है । ये अपनी बात कर सकते हैं लेकिन पूरी कांग्रेस पार्टी की बात नहीं कर सकते । मैं इनको याद दिलाना चाहता हूं कि पंजाब में कांग्रेस पार्टी की सरकार में जब कैप्टन अमरिंदर सिंह मुख्यमंत्री थे तो उन्होंने एस०वाई०एल० नहर के बारे में जो हमारी सन्धि हुई थी उसको यूनिलेट्रली रद्द कर दिया था जिसके कारण एस०वाई०एल० नहर का फैसला होने में देरी हुई। कांग्रेस ने हमेशा नहर के मुद्दे पर हरियाणा के साथ नाइंसाफी की है। जितने भी एग्रीमेंट हुये उनका पालन नहीं हुआ । चाहे राजीव लौंगोवाल समझौता था उसका पालन नहीं हुआ, चाहे इराडी ट्रिब्यूनल का फैसला था उसका भी पालन नहीं हुआ। आज तक जितनी भी संधियां हुई हैं उनमें कांग्रेस पार्टी सत्तारूढ होते हुये भी पालन नहीं करवा पाई। इसलिए शर्मा जी यह न कहें कि एस०वाई०एल० नहर के मुद्दे पर कांग्रेस पार्टी सरकार के साथ है। कांग्रेस ने तो हमेशा हरियाणा के हितों पर कुठाराघात किया है। कांग्रेस ने हमेशा हरियाणा के हितों के साथ खिलवाड़ किया है। कांग्रेस पार्टी की वजह से ही पंजाब और हरियाणा का बंटवारा हुआ था तथा हरियाणा को उसका हक आज तक नहीं मिल सका है। इसलिए शर्मा जी अपने बारे में तो कह सकते हैं लेकिन कांग्रेस पार्टी के बारे में नहीं कह सकते। (शोर एवं व्यवधान)

श्री कुलदीप शर्मा : अध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री जी को इस प्रकार से बोलने से रोकना बहुत मुश्किल है। इनको पता होना चाहिए कि ये जिस राजीव-लौंगोवाल समझौते की बात कह रहे हैं वह राजीव गांधी कांग्रेस पार्टी के ही प्रधानमंत्री थे। इसी प्रकार से एस०वाई०एल० नहर का 90 प्रतिशत कंस्ट्रक्शन का काम कांग्रेस पार्टी के ही राज में हुआ है। यह माननीय सदस्य को जान लेना चाहिए। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अनिल विज : अध्यक्ष महोदय, कांग्रेस पार्टी ने उस एस०वाईएल० नहर को उल्टा खुदवा दिया। अगर उसको सीधा खुदवाया होता तो अब तक वह नहर बन गई होती और हरियाणा में उसका पानी आ गया होता । उसको उल्टा बनवाया है क्योंकि कांग्रेस पार्टी सारे काम उल्टे करती है। (हंसी)

डॉ रघुवीर सिंह कादियान : अध्यक्ष महोदय, विज साहब कुछ भी बोले जा रहे हैं और आप हंस रहे हैं क्या आपने इनको इस प्रकार बोलने का लाईसैंस दे रखा है कि ये किसी भी पार्टी के खिलाफ कुछ भी बोलते रहें। आपकी कैपेबिलिटी पर हाउस को बहुत प्राउड है। आप अपनी कैपेबिलिटी प्रूव कीजिए और एक आंख से सारे हाउस को देखिये। आप ऐसा नहीं कर सकते। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अनिल विज : अध्यक्ष महोदय, यहां हर मैंबर को बोलने का अधिकार है, सबको मौका दिया जा रहा है। कादियान साहब, यह हमारी सरकार है, यह आपकी सरकार नहीं है। यहां हर सदस्य को बोलने का अधिकार है। आप तो इतनी देर बोलने के लिए खड़ा भी नहीं होने देते थे जितनी देर हम बोलने का मौका दे रहे हैं। (शोर एवं व्यवधान)

डॉ रघुवीर सिंह कादियान : अध्यक्ष महोदय, जब हमारी सरकार थी उस समय विज साहब आप इतनी देर में तो अपनी कापी उठा कर वॉक-आउट कर जाते थे। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : शर्मा जी, आप को बोलते हुये 45 मिनट का समय हो गया है। इसलिए आप एक मिनट में अपनी बात को कंकल्यूड कीजिए। (शोर एवं व्यवधान)

श्री कुलदीप शर्मा : अध्यक्ष महोदय, कई जगह से टिप्पणियां आई हैं। मैं एक शेयर के जरिए अपनी बात रखना चाहता हूं :-

ए शाकी तुझे इतना भी करीना नहीं आता,

जाम उसको दिया जिसको पीना भी नहीं आता।

जिसको बोलना न आये मैं उसको बुलवाता कैसे। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : शर्मा जी, आप को बोलते हुये 46 मिनट का समय हो गया है। इसलिए आप जल्दी से अपनी बात समाप्त कीजिए।

श्री कुलदीप शर्मा : अध्यक्ष महोदय, ठीक है मैं जल्दी से अपनी बात कंकल्यूड करता हूँ। यहां पर भ्रष्टाचार पर चर्चा की गई है। जिन लोगों ने भ्रष्टाचार किया है वे ही लोग भ्रष्टाचार पर चर्चा कर रहे हैं। जिनके ऊपर न्यायालय में मुकदमें चल रहे हैं वे ही यहां पर भ्रष्टाचार पर चर्चा कर रहे हैं। जिन के बारे में कोर्ट ने वरडिक्ट दिया हुआ है वे लोग भ्रष्टाचार पर चर्चा कर रहे हैं। मुझे लगता है कि सरकार के साथ मिल कर विपक्ष का भाषण तैयार किया जा रहा है क्योंकि विपक्ष में 15 साल का समय बहुत ज्यादा हो जाता है, ये लोग विपक्ष में ज्यादा देर तक टिक नहीं पायेंगे। मेरा तो एक सुझाव है कि ये जितनी जल्दी हो सके सरकार के साथ मिल जायें ताकि इस सरकार को और ज्यादा शक्ति मिल सके। इनेलो को विपक्ष की भूमिका अदा करने की चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है, विपक्ष का काम हम बखूबी सम्भाल लेंगे। श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा जी ने कहा है कि हमारी सरकार द्वारा एक इंच जमीन भी एक्वायर करके नहीं दी गई है He has made a statement on the Floor of the House. If his statement is wrong, he can be impeached for that, he can be held liable for that.

स्वास्थ्य मंत्री (श्री अनिल विज) : अध्यक्ष महोदय, शर्मा जी कहते हैं कि हमारी सरकार के समय में एक इंच जमीन भी एक्वायर नहीं की गई लेकिन हाई कोर्ट के फैसले के अनुसार इन्होंने एक ही बिडर को साढ़े तीन सौ एकड जमीन दे दी, क्या यह आपने ठीक किया है ? (विघ्न) सिंगल बिडर में कभी ऑक्शन होती है क्या? (विघ्न)

श्री कुलदीप शर्मा : माननीय अध्यक्ष महोदय, कल माननीय मुख्यमंत्री जी ने जो पार्लियामैंट्री प्रैक्टीसिज और प्रोसीजर की स्वच्छ परम्पराओं की बात की थी, मैं उनसे सहमत हूं। (विघ्न)

श्री अभय सिंह चौटाला : अध्यक्ष महोदय, शर्मा जी झूठ बोलकर पूरे हाऊस को गुमराह कर रहे हैं। ये कहते हैं कि हमने एक इंच भी जमीन एक्वायर करके नहीं दी । मैं यह सुबूत के साथ बताना चाहता हूं कि 276 एकड़ जमीन एच०एस०आई०आई०डी०सी० ने एक्वायर की और उस जमीन में इन्होंने 76 एकड़ जमीन और मिलाकर डीएलएफ को देने का काम किया जिसमें तीन कम्पनियों को बुलाया गया और तीनों की तीनों कम्पनियां डी०एल०एफ० की आई और फिर उनमें से एक कम्पनी को इन्होंने जमीन दे दी । ये कहते हैं कि हम झूठ नहीं बोलते इससे बड़ा सच और क्या होगा। अगर इनमें थोड़ी सी भी गैरत है तो इनको हाऊस में बैठना नहीं चाहिए और चले जाना चाहिए। ये अभी पंद्रह साल की बात कर रहे थे इसलिए मैं यहां जरूर कहना चाहूंगा कि हमने इस हरियाणा प्रदेश के हित के लिए बहुत दफा राज ठुकराए। चौधरी देवी लाल जी ने हरियाणा को अलग राज्य बनाने में भी एक अहम भूमिका निभाई और इसके लिए एक लम्बी लड़ाई लड़ी। अगर आज हम विपक्ष में बैठ हैं तो भी हम अपनी जिम्मेवारी को बखूबी समझते हैं कि हमने क्या करना है लेकिन ये बेचारे कांग्रेस के सदस्य 15 दिन में बौखला गये हैं। (विघ्न)

वित्त मन्त्री (कैप्टन अभिमन्यू) : अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य यहां काफी समय से विभिन्न विषयों पर प्रकाश डाल रहे हैं। मैं थोड़ी देर हाउस से बाहर था लेकिन बाहर से मैं सुन रहा था। विधान सभा के सदस्य होने के नाते सदन में उनके आचरण और व्यवहार से मुझे ऐसा लगा कि इन्होंने अपने आचरण और व्यवहार की निरन्तरता बनाए रखी। जिस प्रकार से पिछले पांच साल के कार्यकाल के अन्त में कुछ सदस्यों की सदस्यता को लेकर उच्च न्यायालय का निर्णय आया उससे इनके अध्यक्ष होने के नाते जो आचरण रहा है उस पर हरियाणा प्रदेश में एक गम्भीर प्रश्न चिहन खड़ा हुआ है। उसी प्रकार पांच वर्ष तक हरियाणा प्रदेश की जनता को गुमराह करने की कोशिश की गई। इन्होंने एक अल्पमत की सरकार को एक बहुमत के रूप में अनैतिक तौर से चलाकर रखा। यहां सदन को गुमराह करने का फिर से प्रयास किया जा रहा है। अध्यक्ष महोदय, इन्होंने परकैपिटा इन्कम की वही बातें आज सदन में कहीं जो ये बाहर जनता के बीच में कहा करते थे और जनता को गुमराह करने की लगातार कोशिश करते थे। जिसके कारण इनको सत्ता पक्ष से उठकर विपक्ष में जाना पड़ा है। आज जो जनादेश हुआ वह इनके इसी प्रकार के उवाच और प्राक्थन के कारण हुआ और जिसके कारण इनकी भूमिका में परिवर्तन हुआ। अगर ईमानदारी से यह परकैपिटा इन्कम देखें तो हरियाणा में अकेले गुड़गांव में 5 लाख से ज्यादा प्रति व्यक्ति आय है। जबकि महेन्द्रगढ़ भी उसी क्षेत्र का हिस्सा है जिसमें लगभग 50 हजार प्रति व्यक्ति आये है। उस-पर अपना गुणगान करना, उस पर अपने आप को गौरवान्वित करने का प्रयास करना, जनता के सबक सिखाने के बाद भी वही सदन को गुमराह करने की प्रक्रिया जारी रखी जा रही है। इनके मुख्यमंत्री महोदय ने ईरान में चावल के निर्यात के रोक का मसला उठाते हुए प्रधानमंत्री जी को चिट्ठी लिखी। अध्यक्ष महोदय, अगर इनको जानकारी थी तो ये इस बात का प्रधानमंत्री जी के संज्ञान में लेकर क्यों नहीं आए? स्वामी नाथन आयोग की रिपोर्ट को लागू करने के

लिए स्वयं हुड्डा कमेटी रिपोर्ट भी थी। प्रदेश में दस साल कांग्रेस की सरकार थी तथा दस साल इनकी सरकार केन्द्र में थी तो फिर अपने ही द्वारा बनाई गई रिपोर्ट को लागू कराने में इनको कहां दिक्कत आई कृपा करके ये इसके बारे में सदन को बताएं। स्पीकर सर, पिछले लगभग दस वर्षों तक कांग्रेस पार्टी का शासनकाल रहा और उस शासनकाल में एस०वाई०एल० के रास्ते में कोई कानूनी अड़चन भी नहीं थी लेकिन बावजूद इसके भी कांग्रेस सरकार के शासनकाल में इस दिशा में कुछ नहीं किया गया। (शोर एवं व्यवधान)

श्री कुलदीप शर्मा : स्पीकर सर, सच्चाई को सबके सामने लाना हर जनप्रतिनिधि का कर्त्तव्य होता है। (शोर एवं व्यवधान)

कैप्टन अभिमन्यु : स्पीकर सर, कुलदीप शर्मा जी निरंतर सदन को गुमराह कर रहे हैं और इस तरह से इन्होंने सदन के अति महत्वपूर्ण 46 मिनट्स खराब कर दिये हैं। (शोर एवं व्यवधान)

Shri Kuldeep Sharma : Capt. Abhimanyu Ji, are you the Leader of the House?

Capt. Abhimanyu : Kuldeep Sharma Ji, are you Leader of the Congress Legislative Party?

Shri Kuldeep Sharma : No, I am not.

Capt. Abhimanyu : If you are not, then in what capacity you are talking? (interruptions) I would like to address the Hon'ble Chair. (interruptions) We can not allow you to mislead the House. (interruptions) we can not allow you to mislead the House. (Noise & Interruptions) स्पीकर सर, कुलदीप शर्मा जी को स्वीकार करना चाहिए कि उनकी सरकार एस०वाई०एल० के मुद्दे पर फेल रही है। (शोर एवं व्यवधान) इनको यह भी स्वीकार करना चाहिए कि इनकी सरकार हांसी-बुटाना नहर के मसले पर भी फेल रही है। (शोर एवं व्यवधान) स्पीकर सर, कुलदीप शर्मा जी इस महान सदन के अध्यक्ष के पद पर आसीन रह चुके हैं (शोर एवं व्यवधान)सदन के सदस्य के नाते इनको सदन के किसी भी सदस्य को इंपीच करने की इजाजत कदापि नहीं दी जा सकती है। शर्मा जी, आप इस महान सदन के अध्यक्ष पद पर रह चुके हैं और फिर भी आप इस प्रकार के इंपीचमैंट के शब्द इस सदन के सदस्य के लिए प्रयोग करेंगे तो ठीक नहीं है। स्पीकर सर, मेरी कुलदीप शर्मा जी के बारे में कोई धारणा नहीं है। इनके बारे में हरियाणा प्रदेश की जनता में सदन के अध्यक्ष के नाते जो धारणा रही है उस धारणा को बरकरार रखा है। स्पीकर सर, मेरा आपसे निवेदन है कि सदन को गुमराह करने की इजाजत किसी को न दी जाये। धन्यवाद।

श्री कुलदीप शर्मा : स्पीकर सर, सदन में कोई डिफाइंड रोल देखने को नहीं मिल रहा है। मुझे ऐसा प्रतीत होता है कि सत्ता पक्ष के सदस्यों के साथ साथ इनके मंत्रियों की भी ट्रेनिंग करवाने की जरूरत है। इसके लिए आप कैंप लगवाईये ताकि उनको जानकारी हो सके कि उनको कब और किस बारे बोलना चाहिए। ऐसा लगता है कि हमारे भारतीय जनता पार्टी के सदस्यों को विपक्ष में रहने की एक आदत सी पड़ी हुई है। यह सदन कोई टेलिविजन का चैनल नहीं है जिसमें बेधाकी से बोलते जाओ। यह सदन है और सदन के कुछ रूल्ज रेगुलेशंज होते हैं तथा अपनी गरिमायें होती हैं। स्पीकर सर, भ्रष्टाचार के मुद्दे पर वे लोग बोलते हैं जिन पर भ्रष्टाचार के मुकदमें चल रहे हैं? यह देखकर बड़ी हैरानी होती है । जो भ्रष्टाचार के कारण जेल की आहट देख रहे हैं आज वे भ्रष्टाचार की बात कर रहे हैं। स्पीकर सर, मैं ज्यादा चर्चा नहीं चाहता सिर्फ एक बात कहना चाहता हूं कि जब इंडियन

[श्री कुलदीप शर्मा]

नेशनल लोकदल की सरकार थी तो हरियाणा प्रदेश में उद्योग बंद हो गये थे। उस समय हरियाणा के व्यापारियों को लूटा गया । रैलियों में थैलियों का प्रयोग होना शुरू हो गया था तब जनता ने तंग आकर उनको सत्ता से बाहर निकाल दिया और ऐसा बाहर किया कि 20-25 साल वो बाहर ही रहेंगे। उनको अब दिखाई दे रहा है कि इधर नहीं उधर साथ लगकर कुछ हासिल किया जा सकता है। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : शर्मा जी, मैं समझाता हूँ कि अब आपकी बात पूरी हो चूकी है अत : आप प्लीज बैठिये। परमिन्द्र सिंह ढुल जी कुछ बोलना चाह रहे हैं अत : उनको अपनी बात रखने दीजिये। (विघ्न)

श्री कुलदीप शर्मा : स्पीकर सर, मेरी थोड़ी सी बात रह गई है। मैं सदन में स्वस्थ परंपराओं के बारे में थोड़ा सा और कहना चाहता हूं और इसे कहकर मैं बैठ जाऊंगा। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : नहीं शर्मा जी, आप बैठिये आपको लगातार बोलते हुए 50 मिनट हो गये हैं।

श्री कुलदीप शर्मा : स्पीकर सर, माननीय मुख्यमंत्री महोदय ने सदन में जो स्वस्थ परंपराओं की बात कही हैं मैं केवल उन्हीं पर बात करना चाहता हूं। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : नहीं शर्मा जी, स्वस्थ परंपराओं पर बात करना ठीक है लेकिन इसका यह मतलब नहीं कि केवल एक व्यक्ति को ही बोलने के लिए छूट दे दी जाये। (विघ्न)

श्री कुलदीप शर्मा : स्पीकर सर, * * * (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : कुलदीप शर्मा जी, की बात को रिकॉर्ड न किया जाये। (शोर एवं व्यवधान)

श्री कुलदीप शर्मा : स्पीकर सर, * * *

श्री परमिन्द्र सिंह ढुल (जुलाना) : स्पीकर सर, जनता जर्नादन ने भ्रष्टाचार के खिलाफ जो भारतीय जनता पार्टी को स्पष्ट जनादेश दिया है मैं उस जनादेश का सम्मान करता हूं। राज्यपाल महोदय के अभिभाषण में कहा गया है कि मेरी सरकार विरासत में मिली अपारदर्शी निर्णय-प्रक्रिया तथा संसाधनों के भेदभावपूर्ण बंटवारे से दक्षता से निपटेगी। अध्यक्ष महोदय, यदि कांग्रेस सरकार के भेदभाव का कोई शिकार हुआ है तो सबसे ज्यादा मेरा जींद जिला भेदभाव का शिकार हुआ है। विकास के नाम पर पूरे हरियाणा प्रदेश को बरगलाया गया । कांग्रेस ने भ्रष्टाचार का शिकार बनाकर विकास के नाम पर झूठा नारा देकर जींद जिले के साथ बहुत भेदभाव किया है। राज्यपाल महोदय के अभिभाषण में पैरा नं० 5 में दिखाया है कि सरकार भेदभावपूर्ण बंटवारे से दक्षता से निपटेगी तो मुझे उम्मीद है कि आपकी सरकार भ्रष्टाचार और भेदभावपूर्ण शासन के खिलाफ जो जनादेश लेकर आई है आने वाले समय में इससे निपटकर के जहां वंचित रहे क्षेत्रों को विकास का पूरा मौका देंगी वहीं उन क्षेत्रों को जो आज इनके द्वारा लगातार उपेक्षित होकर के गैर विकसित रहे उनको आगे बढ़ने का मौका भी देगी। अध्यक्ष महोदय, कृषि के बारे में हमारे नेता ने प्रतिपक्ष में अपनी बात रखी मैं उस पर न जाकर सीधा राज्यपाल के अभिभाषण में जो जल संसाधन पर पैरा दिया गया है उसी के ऊपर आना चाहता हूं। कांग्रेस सरकार के भेदभावपूर्ण नीतियों के चलते समूचे जींद जिले में मेरा हल्का जुलाना। सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ है। अध्यक्ष महोदय, आज जुलाना एक ऐसी स्थिति में है कि यहां पर जमीन का पानी बिल्कुल ही नहीं हैं, जिसके कारण हमें नहरी पानी के ऊपर ही निर्भर रहना पड़ता है। पिछले 10 साल तक कांग्रेस सरकार अपने आपको नम्बर वन कहती रही और प्रदेश की जनता को बरगलाने का काम

*चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

करती रही । हांसी-बुटाना ब्रांच जिसमें मुख्यत : जींद जिला और उसके साथ लगते क्षेत्र जैसे जुलाना, सफीदों, नारनौंद और आगे के क्षेत्रों में 2200 क्यूसिक पानी की कैपेसिटी थी लेकिन पिछली सरकार ने साजिश के तहत जाते-जाते उसे घटाकर 1600 क्यूसिक कर दिया। अध्यक्ष महोदय, हमने इस बारे में विभाग को सूचित किया कि नहर की सफाई की जाये परन्तु उन्होंने जवाब दिया कि सफाई की कोई जरूरत नहीं हैं। नहर की सफाई न होने की वजह से जुलाना क्षेत्र को मात्र 900 क्यूसिक ही पानी मिल रहा है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से वर्तमान मुख्यमंत्री जी से एक ही निवेदन करना चाहता हूं कि 10 वर्ष पहले जुलाना क्षेत्र में 2200 क्यूसिक पानी मिलता था । इसलिए जुलाना क्षेत्र की जनता को पानी की मात्रा को पूरा करने के लिए आश्वास्त करें। अध्यक्ष महोदय, इसी प्रकार सुन्दर ब्रांच हैड का कंट्रोल जींद के एस०ई० के पास था, एक साजिश पूर्ण तरीके से जुलाना हैड का कंट्रोल अपने एरिया में ले जाकर वहां की ड्रेन को चलाया गया। हमारे क्षेत्र का पानी लगातार बंद किया गया जिसका खामियाजा हम भुगत रहे हैं। पानी न मिलने से हमारे यहां की फसलें खराब हो चुकी हैं और इस बार बारिश कम होने की वजह से नरमे और जीरी की फसल खराब हो गई है जिसकी वजह से आज किसान बेहाल है। मेरी मांग है कि हरियाणा सरकार किसानों के खेतों की गिरदवारी करवा कर समूचे जुलाना क्षेत्र के अंदर जो पीड़ित किसान हैं और आज बर्बादी की राह पर हैं। उनको मुआवजा देने का प्रावधान करवाएं। अध्यक्ष महोदय, यह भेदभाव इसलिए किया गया क्योंकि जींद जिले से पिछले विधान सभा चुनाव में कांग्रेस सरकार का एक भी सदस्य चुनकर नहीं आया। अध्यक्ष महोदय, वर्तमान मुख्यमंत्री जी ने कहा है कि समूचे हरियाणा प्रदेश के हर वर्ग को साथ लेकर सब क्षेत्रों का विकास करेंगे। इसलिए मैं उनका इस बात के लिए धन्यवाद करता हूं। अध्यक्ष महोदय, अब मैं शिक्षा के बारे में बात करना चाहता हूं। मेरे हल्के में शिक्षा का स्तर दिन प्रति दिन दिन गिरता जा रहा है। यहां से कम से कम 1200 से लेकर 1500 बेटियां दुकाननुमा प्राईवेट इन्सटीटयूशन कॉलेज में पढ़ने के लिए मजबूर हैं। जुलाना में लड़कियों के लिए कोई कॉलेज नहीं हैं इसलिए यहां पर लड़कियों के लिए एक कॉलेज बनाया जाना चाहिए ताकि वहां की सभी बच्चियों को अच्छी शिक्षा मिल सके। अध्यक्ष महोदय, राज्यपाल महोदय के अभिभाषण से पता चलता है कि शिक्षा प्रणाली में सुधार किया जायेगा। अध्यक्ष महोदय, मेरा आपके माध्यम से माननीय मुख्य मंत्री जी से निवेदन है कि वे हरियाणा प्रदेश के हर जिले और गांव को चिन्हित करें जिससे यह पता लग जाये कि कितने-कितने बच्चे बच्चियां स्कूलों में या कॉलेजों में बढ़ने के लिए गांव से शहर जाते हैं। अध्यक्ष महोदय, मेरे ख्याल से हर गांव से लगभग 30-35 बच्चियां पढ़ने के लिए शहर में आती हैं। हमारे माननीय परिवहन मंत्री जी भी यहां बैठे हुये हैं, मैं उनसे भी निवेदन करता हूं कि लड़कियों के लिए इन्स्टीच्यूशन में आने जाने के लिए आवश्यक संसाधन मुहैया करवाये जायें ताकि लड़कियों को आवश्यक सहूलियतें मिल सकें। जो बच्चे गांव, कस्बे या बस्तियों से पढ़ने के लिए सीनियर सैकेण्डरी स्कूल या कॉलेज में पढ़ना चाहते हैं, उनके लिए सुरक्षित वातावरण की आवश्यकता है और उनके माता-पिता को अपने बच्चों की चिन्ता भी न रहे इसके लिए समुचित प्रयास किये जायें। अध्यक्ष महोदय, शिक्षा के स्तर को ऊंचा उठाने के लिए गरीब तबके के बच्चे बच्चियों के लिए स्पैशल बसें चलाई जानी चाहिए। अध्यक्ष महोदय, इन बसों से सिर्फ लड़कियां ही घर से इन्सटीटयूशन और इन्स्टीटयूशन से लेकर घर तक सफर कर सके, ऐसी व्यवस्था हरियाणा सरकार द्वारा की जानी चाहिए। यदि यह कदम उठाया जाता है तो ऐसा इस प्रदेश में पहली बार होगा और इससे हमारी बिगड़ती हुई आर्थिक स्थिति को भी सुधारा जा सकेगा और हमें इसका आगे आने वाले समय में लाभ भी मिल सकेगा। अध्यक्ष महोदय, मेरा आपके माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री महोदय से निवेदन हैं कि जैसे प्राईवेट इन्स्टीटयूशन में लड़कियों के पढ़ने के लिए बसों का आने-जाने में इंतजाम किया जाता है

[श्री परमिन्द्र सिंह ढुल]

इसी प्रकार से सरकारी स्कूल और कॉलेजों में भी पढ़ने के लिए बसों में आने-जाने में इंतजाम करवाया जाये। अध्यक्ष महोदय, अब मैं भ्रष्टाचार के ऊपर भी कुछ बोलना चाहता हूं। भ्रष्टाचार के बारे में आज बहुत सी बातें की गई है। पिछले 10 सालों से लगातार हरियाणा प्रदेश भ्रष्टाचार के चंगुल में फंसा हुआ है। इस जंजाल से हरियाणा की जनता को निकालने के लिए यदि आप कुछ सकारात्मक कदम उठायेंगे तो इसे पूरा करने के लिए हमारी पार्टी (इंडियन नैशनल लोकदल) की तरफ से आपको पूरा सहयोग मिलेगा। यदि सरकार हरियाणा प्रदेश पर कुदृष्टि पड़ी तो हम उसका विरोध करेंगें। मैं उम्मीद करूंगा कि आने वाले समय में हम इकट्ठे मिलकर वास्तव में हरियाणा प्रदेश को नम्बर-1 बनाने के लिए प्रयास करेंगे। अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे माननीय राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर बोलने के लिए समय दिया इसके लिए आपका धन्यवाद।

श्री केहर सिंह (हथीन) : आदरणीय अध्यक्ष महोदय, मैं हथीन क्षेत्र की खामियों की तरफ आपका ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं । मेरा आपके माध्यम से सदन के नेता और अन्य सदस्यों से अनुरोध है कि इन खामियों को सुनने के बाद इनसे निजात दिलाने की कृपा करें। हथीन हल्का कृषि प्रधान क्षेत्र होने के बावजूद भी इस क्षेत्र में पानी की भारी कमी है, जिसके कारण इस हल्के के किसान हताश और निराश हैं। आगरा कैनाल से निकलने वाले रजवाहे कच्चे हैं। हरियाणा प्रदेश की नहरों की तरह इन रजवाहों को भी पक्का करवाया जाये। अध्यक्ष महोदय, आपसे अनुरोध है कि हरियाणा प्रदेश के बाकि किसानों की तरह भी आगरा कैनाल से सिंचाई करने वाले हरियाणा के वहां के किसानों के आबियाने भी माफ किये जायें और आगरा कैनाल के किसानों का आबियाना सरकार स्वयं वहन करे। अध्यक्ष महोदय, आप जानते हैं कि हमारे प्रदेश के किसानों की जीवन रेखा यमुना नदी है। बरसात के मौसम में हम यमुना नदी से अधिक पानी ले सकते हैं। आगरा कैनाल व गुड़गांव कैनाल के माध्यम से गोछी ड्रेन जो बिल्कुल ड्राई है वह तीन जिलों से होकर गुजरती है। हम पम्प सैटों के माध्यम से रजवाहों में पानी डालकर इन सूखे इलाकों तक पानी पहुंचा सकते हैं। अध्यक्ष महोदय, ऐसा करने से पलवल, फरीदाबाद और मेवात के किसानों को लाभ होगा इसलिए सरकार को इस पर गम्भीरता से विचार करके इस समस्या का निदान करना चाहिए। मेरे क्षेत्र में पी0डब्ल्यू0डी0 विभाग से संबंधित और मार्केटिंग कमेटी से संबंधित सड़कों की दशा बहुत खराब है। अध्यक्ष महोदय, एन0एच0-2 से लगभग दो ढाई किलोमीटर दूर एक गांव फुलवाड़ी है वहां की रोड पर दो-दो तीन-तीन फुट के गड्ढे पड़े हुए हैं। पिछले पांच वर्षों से सड़कों की रिपेयर करवाने के लिए संघर्ष किया गया लेकिन इन सड़कों की मुरम्मत अब तक नहीं हुई है। मानपुर गांव से औरंगाबाद रोड़, मंडोलका गांव से पलवल और नूंह रोड से गांव अकबरपुर नाटौल की भी यही दशा है। अध्यक्ष महोदय, शिक्षा के क्षेत्र में शिक्षा के पैटर्न को बदलने की जरूरत है। बच्चे कक्षा पहली से लेकर कक्षा सातवीं तक बगैर शिक्षा ग्रहण किए आगे एडमिशन ले लेते हैं, इससे बच्चों का भविष्य खतरे में पड़ता जा रहा है। अध्यक्ष महोदय, आपसे नम्र निवेदन है कि इस पैटर्न को बदला जाये। अध्यक्ष महोदय, हथीन क्षेत्र भौगोलिक स्थिति से बहुत बड़ा होते हुए भी शिक्षा के क्षेत्र में बहुत पीछे हैं। हथीन क्षेत्र में कोई भी कॉलेज न होने के कारण वहां के बच्चों को शिक्षा ग्रहण करने के लिए दूर-दूर जाना पड़ता है, इसलिए इस क्षेत्र में कम से कम तीन कन्या महाविद्यालय खोले जायें। अध्यक्ष महोदय, जिन गांवों की आबादी ज्यादा है वहां राजकीय माध्यमिक विद्यालय को अपग्रेड करके राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बनाया जाये ताकि बच्चों को सर्दी-गर्मी के मौसम में करीब 4-4, 5-5 किलोमीटर दूर शिक्षा ग्रहण करने के लिए पैदल ना जाना पड़े। अध्यक्ष महोदय, मेरे हल्के

में आबादी के हिसाब से मेरा खुद का गांव मानपुर बहुत बड़ा गांव है। मानपुर गांव की सैंकड़ों बच्चियों को उच्च शिक्षा ग्रहण करने के लिए हर रोज दूर आना-जाना पड़ता है। अध्यक्ष महोदय, मेरा आपके माध्यम से नम्र निवेदन है कि मेरे गांव के स्कूल को अपग्रेड किया जाये। अध्यक्ष महोदय, जेन्दापुर गांव के साथ-साथ सात आठ गांव और लगते हैं वहां पर भी यही स्थिति है, इसलिए वहां के स्कूलों को भी अपग्रेड करके राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय का दर्जा दिया जाये। गांव नांगलजाट में लगभग साढ़े तीन हजार वोट हैं लेकिन राजनीतिक द्वेष के कारण गांव में मात्र राजकीय मिडल स्कूल ही है जबकि गांव में यह स्कूल राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय होना चाहिए था । अध्यक्ष महोदय, पिछली सरकार में बार-बार प्रयास करने के बावजूद व लिखित रूप में देने पर भी राजनीतिक उपेक्षाओं के कारण स्कूल को अपग्रेड नहीं किया गया। अध्यक्ष महोदय, स्वास्थ्य के मामले में भी हथीन क्षेत्र सबसे पीछे हैं। आज अस्पतालों में 40 परसैंट स्टाफ की कमी है। अध्यक्ष महोदय, कहीं स्टाफ ज्यादा है और कहीं बिल्कुल नहीं है, इसलिए अस्पतालों में संतुलन बनाते हुए स्टाफ का आदान-प्रदान किया जाए ताकि सरकारी हॉस्पीटल्ज में गरीबों का इलाज हो सके। अध्यक्ष महोदय, बिजली के मामले में पूरा हरियाणा प्रदेश त्रस्त है। आज किसानों की फसल की बिजाई का समय आ चुका है और किसान को 2-3-4 घंटे जो बिजली मिलती है वह भी रात के समय मिलती है और उसमें भी 4-4 घंटे का कट होता है। हरियाणा प्रदेश किसानों की ताकत के बल पर ही पूरे देश और संसार के लोगों का पेट भरने का काम करता है। जब यहां का किसान बिजली की एक यूनिट के लिए तरसेगा तो किस प्रकार हमारा हरियाणा प्रदेश और यहां का किसान तरक्की कर सकेगा। मेरा आपके माध्यम से अनुरोध है कि मेरा गांव उटावड़ जो बहुत बड़ा गांव है वहां पर आप 66 केवी का सब-स्टेशन का निर्माण करवाने का कष्ट करें ताकि हमारे पिछड़े क्षेत्र को बिजली मिल सके। पीने के पानी के संदर्भ में हमारे जननायक चौधरी देवीलाल जी की नीतियों का अनुसरण करते हुए चौधरी ओमप्रकाश चौटाला जी की सरकार ने हमारे इलाके के लिए रैनीवल योजना पास की थी और उसके लिए 427 करोड़ रुपये उस समय मंजूर किये थे लेकिन सरकार बदलने के बाद 240 करोड़ रुपये काट करके मात्र 187 करोड़ रुपये इस योजना पर लगाये गये हैं। 506 गांव इस योजना से लाभान्वित होने की बजाय आज मात्र 63 गांव ही इस योजना से लाभान्वित हुए हैं और बाकी के सारे गांव आज भी पानी की एक-एक बूंद के लिए तरस रहे हैं। हथीन विधान सभा क्षेत्र के गरीब लोगों को पिछले 5 साल के दौरान 300 करोड़ रुपये का पीने का पानी खरीदना पड़ा है जोकि हमारे लिए बड़े दु :ख की बात है। वहां की जनता को पीने के पानी को मुहैया कराने के लिए सरकार इस समस्या पर जरूर गौर करे। हमारे यहां 15 गांव सेम की समस्या से पीड़ित हैं। मण्डकौला, स्यारौली-कालौनी, नाटौल, जीता खेड़ली, मढनाका, दुरेची, विश्रावली, अकबरपुर, नौरंगाबाद, मठेपुर, घंडायसा, हुचपुरी, महलूका और जलालपुर गांवों के किसान पिछले 25 सालों से अपनी जमीन पर फसल का एक दाना नहीं उगा पाए। अध्यक्ष महोदय, मेरा आपसे नम्र-निवेदन है कि इस सेम की समस्या को खत्म करने के कोई ऐसी योजना बनाई जाए ताकि इस समस्या से निजात मिल सके। इन गांवों की सारी जमीन लगभग साढे 8 हजार करोड़ रुपये की है जबकि पिछली सरकारों ने मुआवजे के नाम पर हमारे यहां के किसानों का मजाक उड़ाया। उनको मात्र 10-10 रुपये चैक मुआवजे के रूप में दिए गए, इसलिए मेरा आपसे नम्र-निवेदन है कि इन किसानों को मुआवजे की उचित राशि दी जाए ताकि वे अपने बच्चों का पालन-पोषण ठीक प्रकार से कर सकें। मैं कहना चाहूंगा कि इस समस्या को हल करने में सदन और आप सभी माननीय सदस्य मदद करें। मनरेगा स्कीम के तहत मेरे क्षेत्र में जो धांधलियां हुई हैं उसमें सरकार के करोड़ों रुपये बर्बाद किए गए हैं। इन धांधलियों की जांच की जाए और उस में दोषियों के खिलाफ कार्यवाही की जाए। अध्यक्ष महोदय, वृद्धावस्था पेंशन के बारे

[श्री केहर सिंह]

में मैं सदन को एक बात बताना चाहता हूं कि माननीय सदस्य श्री जलेब खां जी, जो इस सदन के सदस्य पिछली सरकार के समय में थे, उनका एक रिश्तेदार समाज कल्याण अधिकारी हथीन हल्के में तैनात था उसने किसी से अढाई हजार रुपये और किसी से 3 हजार रुपये लेकर फर्जी वृद्धावस्था पेंशन बनाने का काम किया जिसके कारण तकरीबन 50 करोड़ रुपये वहां की भोली-भाली जनता से वृद्धावस्था पेंशन के नाम पर ठगे गए। मेरा आपके माध्यम से सरकार से निवेदन है कि उस मामले की पूरी जांच कराई जाए। मेरे हथीन हल्के से पिछले 10 सालों में 20 हजार बीपीएल कार्ड होल्डर्ज के नाम काटे गए और दूसरे हिस्सों में बीपीएल कार्ड बना दिए गए। मैं आपके माध्यम से अनुरोध करता हूं कि बीपीएल कार्ड के बारे में पूरी जांच कराई जाए ताकि उन गरीबों को पूरा लाभ मिल सके। जिन पात्र बीपीएल कार्ड होल्डर्ज के नाम काट दिए गए हैं उनके कार्ड बनाएं जाएं। हथीन एक छोटा सा कस्बा है, वहां पर न बाईपास है, न पीने का पानी है और न ही कोई सुरक्षा का प्रबंध है। आये दिन लोग आपस में एक-दूसरे को भड़काने का काम करते हैं जिसके लिए पुलिस फोर्स को बहुत दूर से आना पड़ता है। मेरा आपसे नम्र-निवेदन है कि इन सारी समस्याओं से निजात दिलाने के लिए सरकार हमारी मदद करे। जननायक चौधरी देवीलाल जी के पदचिह्नों पर चलते हुए चौधरी ओम प्रकाश चौटाला जी की सरकार के समय में हथीन में सन् 2003 में एक बस-अड्डा बनवाया गया, लेकिन आज उसमें एक भी बस खड़ी नहीं हुई है। आपसे नम्र-निवेदन है कि वहां की यातायात व्यवस्था को चुस्त-दुरुस्त करने के लिए वहां पर बसों की व्यवस्था की जाए। इन्हीं शब्दों के साथ मैं सारे सदन का आभार व्यक्त करता हूं और अध्यक्ष महोदय विधानसभा का नया सदस्य होने के कारण मुझे सदन में बोलने का मौका प्रदान किया इसके लिए भी मैं आपका बहुत आभारी हूं। धन्यवाद।

श्री बख्शीश सिंह विर्क (असंध) : माननीय अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर बोलने का अवसर प्रदान किया इसके लिए आपका बहुत बहुत धन्यवाद। असंध विधान सभा की जितनी भी समस्याएं हैं उनके बारे में मैं यहां पर चर्चा करना चाहता हूं। 1966 से लेकर आज तक असंध विधान सभा क्षेत्र के साथ बहुत ही बड़ा भेदभाव रहा है। वहां कोई सरकारी कालेज नहीं है। बच्चों के लिए एक कालेज आज से तीन महीने पहले बनाया गया था और वह भी सरकारी स्कूल में दो कमरे किराए पर लेकर बनाया गया था जो कि एक बहुत ही बड़ा भद्दा मजाक था । मेरी मांग है कि वहां लड़कों के लिए एक कालेज जरूर बनाया जाए। जुंडला में लड़कियों का कालेज नहीं है इसलिए उनको पढ़ाई के लिए करनाल जाना पड़ता है। जुंडला में कालेज बनाने से वहां के जो 20-25 गांव हैं उनकी बच्चियों को पढ़ाई की सुविधा मिल जाएगी। असंध में जो पानी की सप्लाई आती है वह न तो पीने के लिए ठीक है और न ही खेती बाड़ी के लिए ठीक है। पानी की आपूर्ति के लिए वहां के किसान जो ट्यूबवैल लगवाते हैं उसके लिए 5-6 लाख रुपये लगते हैं इसलिए किसानों को ट्यूबवैल लगवाने के लिए सब्सिडी दी जाए ताकि वहां के किसानों को फायदा मिले। वहां नहरी पानी पूरा नहीं मिलता है। पानी की सप्लाई इस प्रकार से दी जाए ताकि वह पानी टेल एंड तक पहुंचे। अध्यक्ष महोदय, आप हरियाणा के किसी भी शहर में चले जाएं वहां बाई पास 40,60 या 80 फुट चौड़े हैं लेकिन हमारे असंध में जो बाई पास बनाया गया है वह 11 फुट का है इसलिए मेरी मांग है कि असंध का बाईपास भी चौड़ा किया जाए ताकि वहां के यात्रियों को सुविधा मिल सके। इसके अलावा शहर में कोई डिवाइडर नहीं है और सड़कें छोटी हैं। मैं यह विनती करना चाहता हूं कि चाहे पानीपत से जाते हैं या सफीदों से जाते है चाहे करनाल की तरफ से जाते हैं जहां से भी असंध शहर में इंटर करते हैं

वहां से डिवाइडर बनना चाहिए और सड़कें चौड़ी होनी चाहिए ताकि शहर के लोगों को जाम की समस्या से निजात मिल सके। एक हमारे वहां पर सरकारी अस्पताल है जो कि सरकार की तरफ से सी०एच०सी० को अपग्रेड करके बनाया गया है और वह काफी पुराने जमाने से चल रहा है। वहां 32 बैड के अस्पताल के लिए मंजूरी है जबकि वहां पर 100 बैड का अस्पताल होना चाहिए। इसके अलावा वहां कोई सर्जन नहीं है। अस्पताल में ऐक्सरे मशीन भी नहीं है। हमारे वहां पर कोई बस स्टैंड भी नहीं है और जो इस समय है वह बहुत ही पुराना बना हुआ है यदि किसी यात्री को रात्रि में वहां ठहरना पड़े तो उसके लिए भी कोई जगह नहीं है। मेरी मांग है कि मेरे हल्के में असंध के बस अड्डे को अपग्रेड करके बड़ा किया जाए ताकि यात्रियों को सुविधा मिले। इसके अलावा मेरे शहर में कोई आई०टी०आई० भी नहीं है जिससे वहां के छात्रों को 40-45 किलोमीटर की दूरी पर पढ़ाई के लिए जाना पड़ता है। शहर में एक आई०टी०आई० जरूर बनाई जाए ताकि वहां के छात्रों को सुविधायें मिल सकें। पिछली सरकार द्वारा किसानों को 8 घंटे बिजली दिए जाने के दावे किए जाते थे। मेरे हल्के असंध के किसानों को आज भी पांच घंटे बिजली मिल रही है। अत : मेरी मांग है कि मेरे हल्के में पावर हाउस बनाकर 8 घंटे बिजली देने का काम किया जाए। मेरे हल्के में पक्का खेड़ा से बदानी तक जो सड़क है उस सड़क पर चलते हुए यह भी पता नहीं चलता कि यदि कोई गिरेगा तो दांयी तरफ गिरेगा या बांई तरफ गिरेगा। अध्यक्ष महोदय, मैं कहना चाहूंगा कि उस सड़क को चौड़ा किया जाए और उसे बढ़िया बनाया जाए। हमारे प्रधानमंत्री जी ने किसानों के लिए बहुत बढ़िया काम किया है। प्रधान मंत्री जी जब देश के प्रधानमंत्री बने ही थे तो कुछ विपक्ष के लोगों ने उनके लिए यह बात कहनी शुरू कर दी थी कि उन्होंने बुढ़ापा पेंशन को बन्द कर दिया है। पिछली सरकार के समय में यह काम किया गया था लेकिन बदनाम मोदी जी को कर रहे हैं। बुढ़ापा पेंशन को काटने का काम पिछली सरकार के समय में किया गया था। मैं चाहता हूं कि सरकार उन बुजुर्गों की पेंशन जो 60 साल उम्र से ऊपर हैं को दोबारा से लगाने का काम करेगी। हमारे असंध क्षेत्र के बाकी जो विकास के काम होने वाले हैं उनके बारे में मैं सदन में समय समय पर बताता रहूंगा और सरकार ने उन कामों को करते रहना है। वर्ष 1966 में जब से हरियाणा प्रदेश बना है पहली बार असन्ध से भारतीय जनता पार्टी का प्रत्याशी चुनकर आया है इसलिए वहां जनता को बहुत उम्मीदें हैं कि अब की बार हमारी सरकार हमारे हल्के को बढ़िया बनायेगी। जितने भी काम मैंने बताये हैं उन सब कामों को पूरा करने का काम सरकार करेगी। अध्यक्ष महोदय, आपके माध्यम से सरकार से मैं यह भी कहना चाहता हूं कि असन्ध विधान सभा क्षेत्र करनाल से 50 किलोमीटर की दूरी पर है, कैथल से भी 50 किलोमीटर की दूरी पर है और जीन्द से भी 50 किलोमीटर की दूरी पर है और पानीपत से भी 50 किलोमीटर की दूरी पर है। अगर सरकार असंध को जिला बना दे तो बहुत बढ़िया बात बन जायेगी। असन्ध का सारा क्षेत्र कृषि प्रधान हल्का है। जिला बन जाने से वहां के किसानों को बहुत राहत मिलेगी और उनका मान-सम्मान भी बढ़ेगा । असन्ध हल्के के लिए जितने भी हमने वायदे किए हैं उनको पांच साल के अंदर यह सरकार पूरा करेगी। अध्यक्ष महोदय, आपने मेरी सभी बातों को ध्यान से सुना इसलिए मैं आपका धन्यवाद करता हूं। जय हिन्द।

श्री तेजपाल तंवर (सोहना) : माननीय अध्यक्ष जी, काफी समय से सदन में गढ़े मुर्दे उखाड़ने का काम चल रहा था। अब अच्छा समय आया है। एक तो हमारे कांग्रेस के माननीय सदस्य जो यहां पर बैठे हैं उनसे मैं प्रार्थना करूंगा कि अच्छे दिन आये हैं आप लोग भी सरकार का सहयोग कीजिए। हमारे बड़े बूढ़े कहते आये हैं कि जैसे बीज बोये हैं वे काटने तो पड़ेंगें। अब मैं अपने क्षेत्र की बात कहना चाहूंगा। मेरे क्षेत्र में काफी विकास हुआ है। बिल्डरों ने काफी कालोनियां डिवैल्प की हैं। सबसे उंची

[श्री तेजपाल तंवर]

ऊंची बिल्डिंग हमारे क्षेत्र में हैं लेकिन वहां गांवों की जो हालत है वह बहुत बुरी है। पिछली सरकार के समय में बिल्डरों से मिलकर ऐसे गलत रोड मैप बनाये गये हैं जिसके कारण गांवों को उजाड़ा जा रहा है। जिन गांवों में पिछले 20 सालों से आबादी रह रही है उन गांवों के लालडोरे के साथ लगते हुए बिल्डरों द्वारा बड़ी बड़ी इमारतें बनाई गई हैं और आज उन गांव वालों को नोटिस दिए जा रहे हैं। जो कार्यवाही पिछली सरकार के समय में शुरू हुई थी उसको अब चालू कर दिया गया है। अध्यक्ष महोदय, मेरा आपके माध्यम से यह अनुरोध है कि वहां के गांवों के किसानों को उजाड़ा न जाए। जिन रोडज की मैंपिंग की गई है उसको दोबारा से करवाया जाए क्योंकि जो मैंपिंग बनाई गई है वह दफ्तर में बैठकर बनाई गई है। मौके पर जाकर किसी ने नहीं देखा कि वहां पर आबादी भी है या नहीं। हमारे क्षेत्र की यह हालत है ! दूसरा, हमारे क्षेत्र तावडू के कुछ गांव सोहना हल्के में पड़ते हैं जो गुड़गांव जिले में और कुछ गांव मेवात जिले में लगते हैं। मेरा आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध है कि तावडू क्षेत्र के गांवों को गुड़गांव जिले में मिला दिया जाए। क्योंकि पूरा तावडू ब्लॉक हमारे सोहना विधान सभा हल्के में पड़ता है जबकि उसके कुछ गांव मेवात जिले में पड़ते हैं। इस बारे में पिछली सरकार के समय में भी कार्यवाही हुई थी। हुड्डा साहब यहां पर बैठे हुए हैं उन्होंने भी यह कहा था कि हमने तावडू को गुड़गांव जिले में मिला दिया है लेकिन वह क्षेत्र अभी तक गुड़गांव जिले में नहीं मिला है। हमारी मांग है कि तावडू के सभी गांवों को गुड़गांव जिले में मिला दिया जाए। हमारे हल्के में पिछले 60-67 साल से कोई बड़ा विद्यालय नहीं है, न ही कोई स्कूल और कालेज हैं। इस पूरे क्षेत्र में कम से कम 300-400 गांव लगते हैं। ऐसे कई गांव हैं जिनमें पिछले 20 साल से केवल प्राइमरी स्कूल हैं या कहीं पर कोई मिडिल स्कूल हैं। हमारे क्षेत्र में स्कूलों की बहुत समस्या हैं। मेरा आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध है कि मेरे हल्के के स्कूलों को अपग्रेड किया जाए। इसके अलावा हौस्पिटल्ज तो नाम मात्र के भी नहीं हैं। यह ठीक है कि हमारे क्षेत्र में बड़े बड़े होस्पिटल्ज बने हैं लेकिन उनमें हमारे बुजुर्ग नहीं जा सकते और गरीब आदमी भी नहीं जा सकते क्योंकि उनमें पैर रखते ही एक लाख रुपये की फीस लगती है और ठीक से इलाज भी नहीं हो पाता इसलिए मैं कहना चाहूंगा कि हमारे क्षेत्र में एक बड़ा सरकारी होस्पिटल जरूर बनाया जाए। आदरणीय अध्यक्ष जी, मेरा आपके माध्यम से सरकार से निवेदन है कि हमारे यहां हर दूसरे दिन कोई न कोई झगड़ा होता रहता है। कुछ गुंडातत्व आए दूसरे दिन धर्म और बिरादरी के नाम पर झगड़ा कराते रहते हैं इसलिए वहां पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जाएं। वहां पर स्पैशल फोर्स लगाई जाए ताकि आने वाले दिनों में वहां कोई झगड़ा फसाद न हो। अध्यक्ष महोदय, हमें उम्मीद है कि आगे वाले समय में ठीक काम होंगें क्योंकि आदरणीय मोदी जी के नेतृत्व में इस देश के लोगों ने विश्वास जताया है और प्रदेश के लोगों ने भी विश्वास जताया है। अध्यक्ष महोदय, मैं सदन में बैठे सभी साथियों से कहना चाहूंगा कि पिछले समय में जो हो गया सो हो गया लेकिन अब कुछ काम कर लें। अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने का समय दिया इसके लिए आपका धन्यवाद। जय हिन्द।

श्री बलवान सिंह दौलतपुरिया (फतेहाबाद) : अध्यक्ष महोदय जी, आपने मुझे राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर बोलने के लिए समय दिया इसके लिए मैं आपका आभार व्यक्त करता हूं। जैसा कि हम पिछले कुछ सालों से हरियाणा नम्बर वन सुन रहे हैं उसके बारे में मैं ज्यादा चर्चा करूंगा तो बहुत समय लग जाएगा इसलिए मैं इसके एक दो उदाहरण प्रस्तुत करना चाहूंगा। हमारा फतेहाबाद क्षेत्र नैशनल हाईवे पर पड़ता है। फतेहाबाद के सरकारी अस्पताल में पिछले 10 सालों से न कोई हड्डी का

डॉक्टर है और न ही कोई न्यूरो सर्जन है। आजकल आए दिन एक्सीडैंट्स होते रहते हैं। एक्सीडैंट में सबसे पहले हड्डी के डाक्टर की और न्यूरो सर्जन की जरूरत पड़ती है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार से मांग करना चाहूंगा कि मेरे विधानसभा क्षेत्र में 27-28 गांवों में सेम की बहुत भारी समस्या है इसलिए मैं कहना चाहूंगा कि इस समस्या का कोई स्थाई समाधान किया जाए। चाहे बोरिंग के माध्यम से इस समस्या का समाधान किया जाए या फिर ड्रेन आउट से इस समस्या का समाधान किया जाए। अध्यक्ष महोदय, शहरों में पापुलेशन का दबाव कम करने के लिए गांवों में ज्यादा सुविधाएं दी जानी चाहिएं। अगर हम गांवों में ज्यादा से ज्यादा सुविधाएं देंगें तो शहरों में जनसंख्या का दबाव कम होगा और लोग गांवों की तरफ आकर्षित होंगे। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार से निवेदन करना चाहूंगा कि विधायक निधि कोष का गठन किया जाए जिसके तहत प्रत्येक विधायक को हर साल 5 करोड़ रुपये दिए जाएं ताकि वे अपने विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्य करवा सकें। अध्यक्ष महोदय, हमारे फतेहाबाद के गोरखपुर गांव में पिछली सरकार द्वारा जमीन अधिगृहीत करके परमाणु संयत्र लगाने का काम किया गया। गोरखपुर की भूमि बहुत उपजाऊ भूमि है लेकिन पता नहीं सरकार ने किस नीयत से और किस मंशा से यह परमाणु संयत्र लगाने का काम किया। हमारी पार्टी के सदस्यों ने इस बात का विरोध किया था और भारतीय जनता पार्टी ने भी विरोध किया था। आज मैं भारतीय जनता पार्टी के साथियों से निवेदन करूंगा कि इस परमाणु संयत्र को किसी दूसरी जगह शिफ्ट करवाया जाए और जो भूमि अधिगृहीत की गई थी उस जमीन पर कोई यूनीवर्सिटी या कोई होस्पिटल बनाया जाए। अध्यक्ष महोदय, राज्यपाल महोदय ने अपने अभिभाषण में पर्यटन पर बहुत जोर दिया है। हमारे फतेहाबाद में एक तिल्ली है उसको झील बनाने के लिए हम पिछले 10 सालों से रोना रो रहे हैं। पिछली सरकारों ने इस तिल्ली को झील बनाने का बार बार आश्वसन भी दिया था लेकिन सपना मात्र सपना होता है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार से कहना चाहूंगा कि सरकार पर्यटन की तरफ ध्यान देते हुए उस तिल्ली को झील बनाने का काम करें ताकि शहर की गंदगी साफ हो सके और शहर के लोग पूरी तरह तंदरुस्त हो सकें। अध्यक्ष महोदय, मैं फतेहाबाद की एक और भारी समस्या की तरफ सरकार का ध्यान दिलाना चाहूंगा। आज हमारे फतेहाबाद विधान सभा की 30 प्रतिशत जनसंख्या ढाणियों में रहती है और ढाणियों में बिजली की बहुत भारी समस्या है। मैं सरकार से अनुरोध करूंगा कि ढाणियों में बिजली की समस्या का समाधान करने के लिए स्पैशल ग्रांट दी जाए ताकि लोगों को मूलभूत सुविधाएं दी जा सकें और जनता को भूलभूत सुविधाएं देना सरकार का काम होता है। हरियाणा नम्बर वन के बारे में मैं एक और उदाहरण देना चाहूंगा। मेरे फतेहाबाद विधानसभा क्षेत्र में एक भी सरकारी कालेज नहीं है। अगर इसी को कोई नम्बर वन मानता है तो ये हमारे कांग्रेस भाईयों की सोच का परिणाम हो सकता है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार से मांग करना चाहूंगा कि हमारे फतेहाबाद में एक सरकारी कालेज जरूर बनाया जाए। अध्यक्ष महोदय, पिछले महीने की 13 तारीख को फतेहाबाद जिले में भारी ओलावृष्टि हुई जिसके कारण किसानों का पका हुआ धान खराब हो गया तथा दूसरी फसलों को भी बहुत नुकसान हुआ है। इस बारे में मेरा सरकार से अनुरोध है कि वहां पर विशेषतौर पर गिरदावरी करवाकर किसानों को अच्छा मुआवजा दिया जाये ताकि किसान भाई अपना गुजर-बसर कर सकें। अध्यक्ष महोदय, हमारे आदरणीय रामबिलास शर्मा जी ने कहा कि मेरे भाई कुलदीप शर्मा जी बड़े विद्वान हैं। मुझे विद्वान शब्द सुनकर बड़ी हैरानी हुई। क्योंकि मैंने आज 30-40 मिनट सभा के अंदर इनका आचरण देखा तो इनके लिए विद्वान शब्द के प्रयोग पर आश्चर्य होना स्वाभाविक है। इसी तरह से इनका जो पिछला कार्यकाल रहा उस पर भी हमें हैरानी

[श्री बलवान सिंह दौलतपुरिया]

होती थी। उस दौरान इन्होंने किस प्रकार से इसी सदन में लोकतंत्र का गला घोटने का काम किया और किस प्रकार से अपने मन माफिक फैसले लिये। बेवजह विपक्ष के साथियों को जेल भी कर देते थे और किन परिस्थितियों में हमारे मुख्य विपक्षी दल को समानान्तर सत्र चलाना पड़ता था। मैं इन सब बातों में बहुत ज्यादा नहीं जाना चाहूंगा क्योंकि बुजर्गों से सुना है और किताबों में पढ़ा है कि अतीत से सबक लेते हुए भविष्य की कल्पना करनी चाहिए। अगर हम अतीत की ज्यादा बातें करेंगे तो आपस में कटुता पैदा होगी। मैं कांग्रेस के साथियों से भी प्रार्थना करूंगा कि वे सदन को सुचारू रूप से चलाने में अपना सहयोग दें। जब भी कोई माननीय साथी अपनी बात कह रहा हो तो ये साथी बीच में टोका टाकी कम से कम करें ताकि सदन सुचारू रूप से चले और समय बरबाद न हो। अध्यक्ष महोदय, अंत में मैं आपका मुझे राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर बोलने का समय देने के लिए तहदिल से धन्यवाद करता हूं। धन्यवाद। (शोर एवं व्यवधान)

श्री राम बिलास शर्मा : अध्यक्ष महोदय, अपने प्रदेश के गांवों में एक कहावत है कि ये अपणी गईयां ने नहीं रो रहे, जेठ की रहियां से रो रहे हैं। (हंसी)

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा : अध्यक्ष महोदय, पंडित जी सुबह से लगे हुए हैं और इनकी पार्टी को बहुमत भी मिला है। लेकिन इनके साथ तो जो सांपले में एक जेलदार के साथ हुई थी वही बात हो गई है। सांपले में एक जेलदार था। हर जगह करीबन दो पार्टियां बन जाती हैं जैसे सत्तापक्ष की पार्टी है और हमारी है। वहां सांपला में भी दो पार्टियां बन गई। वे दोनों पार्टियां आपस में लड़ रही थी और जेलदार मुकदमा जीत गया और जिस विपक्ष की पार्टी के विरूद्ध जेलदार जीता था उसने उसके घर आकर यह कह दिया कि भाई मैं तेरे विरोध के बाद जेलदार बन आया । इस पर उसने यह कहा कि भाई यह तू तेरे कर्मों से नहीं बना बल्कि कुछ हमारे माड़े कर्म बाकी थे जो तू जेलदार बन गया। अध्यक्ष महोदय, इस तरह से ये लोग अपने कर्मों से नहीं बने बल्कि हरियाणा के लोगों के कुछ कर्म बाकी थे जिसकी वजह से बने हैं। (शोर एवं व्यवधान) (हंसी)

वित्त मंत्री कैप्टन (अभिमन्यु) : अध्यक्ष महोदय, हुड्डा साहब के मुंह से सच्चाई सामने आ गई है और हम इनकी बात का अनुमोदन करते हैं।

श्री विक्रम सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, सच्चाई कभी छुप नहीं सकती। हुड्डा साहब ने स्वयं सच्ची बात कह दी है।

शिक्षा मंत्री (श्री राम बिलास शर्मा) : अध्यक्ष महोदय, हुड्डा साहब की जुबान पर सच्चाई सामने आ गई है।

श्री अध्यक्ष : मैं हुड्डा साहब को सच बात कहने के लिए बधाई देता हूं।

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा : अध्यक्ष महोदय, अभी शुरूआत है और प्रदेश का किसान रो रहा है। (विघ्न)

Shri Ram Bilas Sharma : Speaker Sir, we are grateful to Ch. Bhupinder Singh Hooda that he has confessed very gracefully.

Shri Bhupinder Singh Hooda : Speaker Sir, I always respect the verdict of the people. There is no doubt for it. परन्तु मैंने जो कहा है वह सच कहा है कि हरियाणा के लोगों के कुछ माड़े कर्म बाकी थे जो ये बन गये। किसान तो भुगतने लग रहे हैं और अभी शुरूआत है। आगे व्यापारी और इण्डस्ट्रिलिस्ट भी भुगत लेंगे।

16.00 बजे **श्री नगेन्द्र भड़ाना (एन०आई०टी० फरीदाबाद)** : अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे महामहिम राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर बोलने के लिए समय दिया इसके लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूं। मैं सदन को अपने एन०आई०टी० फरीदाबाद विधान सभा क्षेत्र की समस्याओं से अवगत करवाते हुए उनके निवारण के लिए सादर अनुरोध करना चाहूंगा। एन०आई०टी० 86, फरीदाबाद विधान सभा क्षेत्र एक मिनी हिन्दुस्तान का रूप है क्योंकि फरीदाबाद विधान सभा क्षेत्र के अंदर हिन्दुस्तान के प्रत्येक क्षेत्र से और प्रत्येक जिले से सम्बंध रखने वाले लोग रहते हैं। एन०आई०टी० 86, फरीदाबाद के अंदर चार बड़ी कालोनियां हैं डबवा कालोनी, झार कालोनी, पर्वतीय कालोनी और संजय कालोनी।

बैठक का समय बढ़ाना

श्री अध्यक्ष : यदि सहमति हो तो सदन की बैठक का समय एक घंटे के लिए बढ़ा दिया जाये।

आवाजें : ठीक है।

श्री अध्यक्ष : सदन का समय एक घंटे के लिए बढ़ाया जाता है।

राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर चर्चा तथा धन्यवाद प्रस्ताव पर मतदान (पुनरारम्भण)

श्री नगेन्द्र भड़ाना : अध्यक्ष महोदय, एन०आई०टी० क्षेत्र फरीदाबाद की 70 प्रतिशत आबादी इन चार कालोनियों में रहती है। इन चार बड़ी कालोनियों में जो पीने के पानी की मूलभूत आवश्यकता है उस पीने के पानी को भी लोग टैंकरों से खरीदकर पीते हैं। मैं यह कहना चाहता हूं कि इन चारों कालोनियों के निवासियों की मूलभूत आवश्यकता पीने के पानी की समस्या को शीघ्रातिशीघ्र दूर किया जाये। इसके साथ-साथ मैं सदन को यह भी बताना चाहूंगा कि हमारी एन०आई०टी०, फरीदाबाद की कालोनियों में आबादी का घनत्व बहुत ही ज्यादा है। इन कालोनियों में 50 वर्ग गज और 100 वर्ग गज के मकानों में 10 से 15 लोग रहते हैं। इन कालोनियों में सीवरेज की पर्याप्त व्यवस्था नहीं है। इन कालोनियों में कई जगह तो सीवरेज लाईनें डाली ही नहीं गई हैं। कुछेक जगहें ऐसी भी हैं जहां पर सीवर तो डाले गये हैं लेकिन उनका साईज बहुत ही ज्यादा छोटा है जो कि आबादी के हिसाब से पर्याप्त नहीं है। इसके लिए मेरा सदन के माध्यम से सरकार से अनुरोध है कि मेरे पूरे एन०आई०टी० विधान सभा क्षेत्र में एक सुनियोजित तरीके से आबादी के घनत्व को ध्यान में रखते हुए बड़े साईज की सीवरेज लाईनें डाली जायें। पानी की निकासी की पर्याप्त व्यवस्था न होने के कारण हल्की सी बरसात होने पर भी लोगों के घरों और दुकानों में पानी भर जाता है। मेरी आपके माध्यम से सरकार से प्रार्थना है कि मेरे एन०आई०टी० विधान सभा क्षेत्र में लोगों को पीने के पानी की सुविधा मुहैया करवाने के साथ-साथ पानी की निकासी की भी समुचित व्यवस्था शीघ्रातिशीघ्र करवाई जाये ताकि वहां के निवासी अपना जीवन सुख-शांति व अच्छी प्रकार से व्यतीत कर सकें। मैं सदन के ध्यान में यह बात भी लाना चाहूंगा कि एन०आई०टी० विधान सभा क्षेत्र के अंदर इण्डिस्ट्रियल एरिया होने के कारण ज्यादातर मजदूर तबका रहता है लेकिन वहां पर किसी भी बड़े कालेज या स्कूल की व्यवस्था नहीं है। श्रमिक होने के कारण उनकी आमदनी भी बहुत ज्यादा कम है जिसके कारण वे अपने बच्चों को प्राईवेट स्कूलों में नहीं पढ़ा सकते हैं। मेरी आपके माध्यम से सरकार से यह भी प्रार्थना है कि एन०आई०टी० विधान सभा क्षेत्र के निवासियों विशेषकर श्रमिकों के बच्चों के लिए अच्छे सरकारी स्कूल और सरकारी कालेज का

[श्री नगेन्द्र भड़ाना]

निर्माण करवाया जाये ताकि वे भी विकास के पथ पर हम सभी के साथ अग्रसर हो सकें। इसी के साथ-साथ मैं यह भी अनुरोध करना चाहूंगा कि मेरे एन०आई०टी० विधान सभा क्षेत्र में चिकित्सा व्यवस्था के नाम पर कुछ भी नहीं है इस लिए मैं यह कहना चाहता हूं कि एन०आई०टी० विधान सभा क्षेत्र में एक अच्छे हस्पताल और डिस्पैंसरीज का निर्माण किया जाये ताकि वहां की गरीब जनता को पर्याप्त चिकित्सा सुविधा मुहैया हो सके और वे भी सरकार द्वारा प्रदान की जा रही विभिन्न सुविधाओं का लाभ उठा सकें। एक बात मैं सफाई के बारे कहना चाहूंगा। इन कालोनियों में सफाई व्यवस्था का बहुत ही बुरा हाल है। वहां पर न गलियों की सफाई होती है और न ही नालियों की सफाई होती है जिसके कारण नालियों के अंदर कीड़े पैदा हो गये हैं और वहां बहुत ज्यादा बदबू भी आती है। इसलिए मैं यह कहना चाहूंगा कि वहां पर सफाई व्यवस्था को चुस्त दुरूस्त किया जाये ताकि वहां पर किसी महामारी को फैलने से रोका जाये। इसके साथ-साथ मैं एक बात यह भी कहना चाहूंगा कि मेरे एन०आई०टी० विधान सभा क्षेत्र के अंदर जो गांव हैं वहां पर बिजली रात के समय दी जाती है। सर्दी का मौसम होने के कारण इससे किसानों को बहुत भारी परेशानी होती है। इसलिए मेरा आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध है कि मेरे एन०आई०टी० विधान सभा क्षेत्र के गांवों में रात के साथ-साथ दिन में बिजली की समुचित और पर्याप्त सप्लाई दी जाये ताकि लोगों को किसी प्रकार की कोई परेशानी न हो। इसी के साथ ही मैं माननीय अध्यक्ष महोदय का धन्यवाद करना चाहूंगा जो उन्होंने मुझे यहां पर महामहिम राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर बोलने के लिए समय दिया। मुझे आशा ही नहीं बल्कि पूरा विश्वास है कि जो मैंने अपने एन०आई०टी० विधान सभा क्षेत्र की समस्यायें रखी हैं सरकार के स्तर पर उनका जल्दी से जल्दी समुचित समाधान किया जायेगा। धन्यवाद।

श्रीमती गीता भुक्कल (झज्जर) : अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे महामहिम राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर बोलने का समय दिया उसके लिए मैं आपका धन्यवाद करती हूं। राज्यपाल महोदय ने अपने अभिभाषण के रूप में जो सरकार का विजन सामने रखा है मैं उसके बारे में कहना चाहती हूं कि इस अभिभाषण और भारतीय जनता पार्टी के घोषणा पत्र में भी एक अच्छा सा मैच होना चाहिए था। जिन लोक लुभावने वायदों के दम पर यह सरकार पूर्ण बहुमत के साथ सत्ता में आई है, मैं उम्मीद करती हूं कि यह सरकार उसी प्रकार जनता के विश्वास के अनुसार कार्य करके दिखाये और जनता से किये गये वायदों को पूरा करे। हमारी सरकार ने चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा जी के कार्यकाल में नई बुलंदियों को छुआ है और विकास के नये आयाम स्थापित किये हैं। हमने बहुत सारे काम किये हैं और बहुत से प्रोजेक्टों पर युद्ध स्तर पर काम चल रहा है। मैं श्री मनोहर लाल जी के नेतृत्व वाली भारतीय जनता पार्टी की सरकार से उम्मीद करती हूं कि उन प्रोजैक्टों को सही ढंग से पूरा करेगी। अभिभाषण में बैड गवर्नैंस की बात कही गई है। अभी तो आपकी सरकार शुरू ही हुई है। बैड गवर्नैंस कहना बहुत आसान है। गुड गवर्नैंस का फैसला तो जनता को सरकार की गवर्नैंस देख कर तय करना है कि यह गवर्नैंस अच्छी थी या बुरी थी। सरकार के कार्यों से ही पता चलता है कि किस प्रकार का काम हुआ है। मैं कहना चाहूंगी कि किसानों का, दलितों का, बुजुर्गों का, युवाओं का, महिलाओं का और व्यापारियों का यानि सभी को लेकर हमारी सरकार ने बहुत से अच्छे कार्य किये। आज हरियाणा में जो सरकार आई है वह धनाढ्य लोगों की पार्टी की सरकार मानी जाती है। मैं ऐसी आशा करती हूं कि जो स्कीमें गरीबों, दलितों, किसानों आदि के लिये चल रही थी उनको जारी रखने का कार्य हमारी सरकार करेगी और बंद नहीं किया जायेगा। शिक्षा के अधिकार के तहत केन्द्र सरकार ने जो मुफ्त शिक्षा का

अधिकार दिया है उसको हमने बहुत ही बेहतरीन ढंग से लागू किया है और उम्मीद करती हूं कि वर्तमान सरकार भी उसको जारी रखेगी। शिक्षा के अधिकार के तहत नो डिटैन्शन के लिए एक कमेटी बनी थी जिसमें मैंने बहुत से राज्यों की विजिट करने के बाद यह ऑब्जर्वेशन दी थी कि पास और फेल करने की प्रक्रिया जरूर अपनाई जानी चाहिए। आज मुझे इस बात की बहुत खुशी है कि मिनिस्ट्री ऑफ एच०आर०डी०एफ० ने उस सिफारिश पर काम किया है। हमने शिक्षा के अधिकार से भी ज्यादा बढ़ कर 19,72,000 बच्चों को स्टाइफंड/स्कॉलरशिप देने का काम किया है और मैं उम्मीद करती हूं कि हमारी वर्तमान सरकार भी इस प्रक्रिया को जारी रखेगी। अध्यक्ष महोदय, इसी प्रकार से बुढ़ापा पेंशन का जिक्र मैं करना चाहूंगी। भारतीय जनता पार्टी शासित राज्यों में बुढ़ापा पेंशन 150/-,200/-,250/- या कहीं पर 300/- है और ज्यादा और ज्यादा से ज्यादा 400/- रुपये है। हमारी कांग्रेस की सरकार ने बुढ़ापा 300/- रुपये से शुरू करके और बढ़ा कर 500/- और फिर 750/- रुपये तथा 1000/- रुपये तक करने का काम किया है। इसके अलावा कैबिनेट में फैसला हो चुका था कि 1 नवम्बर, 2014 से बुढ़ापा पेंशन, विकलांग पेंशन तथा विधवा पेंशन 1500/- रुपये प्रतिमाह की जायेगी। इसका जिक्र राज्यपाल महोदय के अभिभाषण में कहीं नहीं आया जबकि भारतीय जनता पार्टी के घोषणा पत्र में 2000/- रुपये वृद्धावस्था पेंशन देने का वादा किया गया था। आज हरियाणा के बुजुर्ग इस बात की बाट जोह रहे हैं कि उनको जो 1 नवम्बर, 2014 से 1500/- रुपये बुढ़ापा पेंशन मिलनी थी वह कब मिलेगी। (विघ्न)

श्री बलवन्त सिंह सढ़ौरा : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्या जो कि पूर्व मंत्री भी हैं, को कहना चाहता हूं कि इन्होंने भारतीय जनता पार्टी को धनाढ्य लोगों की सरकार कहा है, मैं इनको बताना चाहता हूं कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार 36 बिरादरी की सरकार है। दूसरी बात इन्होंने पेंशन के बारे में कही है। इन्होंने कहा है कि 1 नवम्बर, 2014 से हमने 1500/- रुपये प्रतिमाह देने का फैसला कर लिया था लेकिन मैं कहना चाहूंगा कि 1 नवम्बर तो आगे आना था उससे पहले चुनाव होना था तो फिर इन्होंने कैसे सोच लिया कि आगे इनकी सरकार आनी है? ये तो सपनों में सरकार बना रहे थे। (शोर एवं व्यवधान)

श्रीमती गीता भुक्कल : अध्यक्ष महोदय, सम्मानित सदस्य को शायद यह मालूम नहीं है कि 1 नवम्बर, 2014 से बुढ़ापा पेंशन बढ़ाने की बात कैबिनेट में एप्रूव हो चुकी थी। बलवन्त जी, आपने भी अपने घोषणा पत्र में बुढ़ापा पेंशन 2000/- रुपये करने की बात कही थी, अब तो आपकी सरकार बन चुकी है। अगर आप इसी महीने से बुढ़ापा पेंशन, विकलांग पेंशन और विधवा पेंशन बढ़ा देंगे तो हम आपका स्वागत करेंगे। हमारी जो मनरेगा स्कीम है आप उसको भी जारी रखिए। इसी प्रकार से हमारी सरकार ने जो 1 रुपये किलो, 2 रुपये किलो तथा 3 रुपये किलो के भाव से सस्ता अनाज देने की स्कीम चलाई है उसको भी आप जारी रखिए। अध्यक्ष महोदय, पूर्ण बहुमत के साथ सरकार आई है इसलिए मैं उम्मीद करती हूं कि शिक्षा के स्तर को भी आप और ऊंचाईयों तक लेकर जायेंगे। हमने शिक्षा में नये आयाम स्थापित किए। नये-नये स्कूल, मॉडल स्कूल और बहुत से किसान मॉडल स्कूल जिनको खास तौर से हमने बैकवर्ड क्षेत्र में बनाने की व्यवस्था की है। हमने स्कूलों में स्टूल, डैक्स देने की व्यवस्था, अच्छा भोजन देने की व्यवस्था तथा यूनिफॉर्म देने की व्यवस्था की। अध्यक्ष महोदय, हम सरकार से और माननीय मुख्यमंत्री जी तथा माननीय शिक्षा मंत्री जी से यह उम्मीद रखते हैं कि जो हमने हरियाणा को शिक्षा का एक हब बनाया है आप उसको आगे बढ़ाने का काम करेंगे। हमें यह चिन्ता होती है कि कहीं शिक्षा का स्तर नीचे गिरना न शुरू हो जाए। आज अति आवश्यक है कि शिक्षा के नाम पर हम बिल्कुल भी राजनीति करने का काम न करें। हमने गरीब लोगों को सौ-सौ वर्ग गज के प्लॉट देने का

[श्रीमती गीता भुक्कल]

काम किया। बहुत सी जगहों पर तकरीबन तीन लाख चौरासी हजार लोगों को हम सौ-सौ गज के प्लॉट दे चुके हैं और लाखों रजिस्ट्रियां हमारी बाकी हैं । हम नई सरकार से यह आशा और उम्मीद करते हैं कि वह इस स्कीम को चालू रखेगी। गरीबों को प्लॉट देने के साथ-साथ जो प्रिय दर्शनी आवास योजना के तहत हमने मकान देने का काम किया है उसमें भी सरकार पूरी तरह से मकान देने का काम करे ऐसी हम उम्मीद करते हैं। शौचालयों और स्वच्छता अभियान का बार-बार जिक्र हुआ है, हमें खुशी है कि स्वच्छता का काम होना चाहिए लेकिन स्वच्छता अभियान में या स्वच्छता के क्षेत्र में जो हमारे सफाई कर्मचारी हमारी सरकार के समय में लगे हुए हैं और जो और लगाए जाने हैं वे लगे भी रहें और उनको तनख्वाह भी आप लगातार देते रहें। ऐसा न हो कि सफाई कर्मचारियों की जगह दूसरे कर्मचारी सफाई के काम में लगे रहें और जिनका यह काम है वे अपने रास्ते से भटक जाएं। जिन मुद्दों को लेकर भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनी है हम चाहेंगे कि उस घोषणा पत्र के अनुसार सभी काम बहुत अच्छे ढंग से किए जाएं। अभी माननीय गवर्नर साहब के अभिभाषण में एक जिक्र यह था कि शिक्षा में सुधार किया जाएगा और महिलाओं के लिए सुधार किया जाएगा। हमारी सरकार के दौरान महिलाओं के लिए अलग स्कूल, अलग कॉलेज, यहां तक कि भगत मूल सिंह महिला विश्वविद्यालय बनाने का काम भी किया गया। मैडिकल कॉलेज लेडी हार्डिंग जो सन् 1914 में बना था उसके बाद हमने महिलाओं के लिए कॉलेज बनाने का कार्य किया। चार-चार नये मैडिकल कॉलेज देने का काम हमने किया। इससे पहले किसी भी सरकारों की न ऐसी सोच रही और न कभी हरियाणा में कोई मैडिकल कॉलेज दिया गया। हमारी सरकार ने जो चार नये मैडिकल कॉलेज बनाए हैं उसमें जब डॉक्टर्ज पास आउट हो जाएंगे तो मैं समझती हूं कि आने वाले समय में अस्पतालों में डॉक्टर्ज की कमी नहीं रहेगी। मैं उम्मीद करती हूं कि आप भी इस बारे में पूरा प्रयास करेंगे। हमने नुफ्त में दवाईयां देने की और सस्ते दर पर सर्जरी देने की जो पैकेज योजना शुरू की है, हम नई सरकार से उम्मीद करते हैं कि उस योजना को भी कॉन्टीन्यू करने का प्रयास किया जाएगा। अध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार की खेल नीति ऐसी रही जिसकी वजह से हरियाणा राज्य ने अपना तिरंगा झंडा दूसरे देशों में फहराया है। चाहे एशियन गेम्ज की बात हो, चाहे ओलम्पिक गेम्ज की बात हो, चाहे कॉमन वैल्थ गेम्ज की बात हो हमारे खिलाड़ियों ने अपने प्रदेश का नाम रोशन करने का काम किया। हमारी सरकार के समय की खेल नीति 'पदक लाओ और पद पाओ' के कारण बहुत से खिलाड़ियों को डी०एस०पी०, इंस्पैक्टर, या दूसरे विभागों में नौकरियां देने का काम हुआ और करोड़ों रुपये की राशि के साथ खिलाड़ियों को सम्मानित किया जाता रहा है। महामहिम राज्यपाल महोदय ने अपने अभिभाषण में अपनी सरकार का एक विजन डॉक्यूमैंट रखा है। हम उम्मीद करेंगे कि हमारे खिलाड़ियों को इसी तरह से सम्मानित किया जाता रहेगा और वे किसी राजनीति की भेंट न चढ़ जाएं। हमने स्कूलों में नई नर्सरी तैयार करने और स्पैट प्रतियोगिता ऑल इण्डिया कार्यक्रम चलाया है। स्टाइफंड और शकॉलरशिप जैसी योजनाएं हमारी इस समय कॉन्टीन्यू चल रही है ताकि कोई बच्चा पैसे की कमी से घर न रहे ऐसा हमने प्रयास किया था। हमारी सरकार ने यह भी प्रयास किया है कि जो बच्चा खेल में अच्छा है उनको स्कूल से ही शकॉलरशिप व स्टाइफंड और स्पैट नामक प्रतियोगिता से 1500 से 2000 रुपये देने का काम किया है। हमारी सरकार ने एस०सी० और बी०सी० कटेगरी के लोगों के लिए प्लॉट, मकान और शिक्षा से सम्बंधित बहुत सारी योजनाएं शुरू की हुई हैं। महिलाओं के कल्याण के लिए हैल्प लाईन नम्बर शुरू किया गया। वूमैन कमीशन का गठन किया गया । हमारी सरकार ने महिलाओं के लिए नये आयाम स्थापित करने का काम किया है। हम नई सरकार से भी यह आशा करते हैं कि वे इन कामों को आगे

बढ़ाने का काम करेंगे। सरकार ने अपने घोषणा पत्र में विशेष तौर से जो बात कही हैं उसमें जरूर इस बात का ध्यान रखा जाए कि जो योजनाएं हमने बहुत ही अच्छे ढ़ंग से हमारे राज्य में चलाई हैं उनको आप कॉन्टीन्यू रखें। अगर सरकार को लगता है कि बहुत ज्यादा योजनाएं हैं और फिजुल खर्ची समझ कर उनको बन्द करना चाह रहे हैं तो उसके बारे में जरूर सोचना पड़ेगा। लेकिन उसमें गरीब और दलित का हित जरूर देखना पड़ेगा। हमें पता चला है कि एस०सी० बच्चों को दिया जाने वाला स्टाइफंड शायद आगे नहीं दिया जाएगा, शायद गुजरात के पैटर्न पर 400 रुपये पेंशन दी जाएगी इसलिए हमें बड़ी चिन्ता हो रही है। अध्यक्ष महोदय, आंगवाड़ी हैल्पर्ज की बात करें तो हमारी कांग्रेस सरकार द्वारा महिलाओं को सशक्त करने के लिए 25000 से ज्यादा नई आंगवाड़ी वर्कर्ज लगाई गई थी। हमारी कांग्रेस सरकार ने ही समूचे भारतवर्ष के दूसरे प्रदेशों की अपेक्षा हरियाणा प्रदेश में आंगबाड़ी वर्कर्ज को 7500 रुपये, मिनी आंगबाड़ीज वर्कर्ज को 4000 रुपये तथा आंगनवाड़ी हैल्पर्ज को 3500 रुपये प्रति माह के हिसाब से सबसे ज्यादा मानदेय देने का काम किया था। कांग्रेस सरकार में दिया जाने वाला आंगवाड़ी वर्कर्ज का मानदेय भारतवर्ष के दूसरे प्रदेशों की अपेक्षा हरियाणा प्रदेश में सबसे ज्यादा था। अध्यक्ष महोदय, मैं आज अखबार में पढ़ रही थी कि वर्तमान सरकार द्वारा दिये गये संकेत से कि वह कांग्रेस सरकार के शासन काल में किये गये कार्यों पर रिव्यू करेगी, इस खबर से हमारी आंगनवाड़ी वर्कर्ज और हैल्पर्ज में एक डर का माहौल बना हुआ है कि कहीं भाजपा सरकार उनके मानदेय में कटौती न कर दे। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री महोदय तथा संबंधित मंत्री जी से केवल इतना निवेदन करना चाहूंगी कि महिलाओं के सशक्तिकरण के क्षेत्र में कांग्रेस सरकार के समय महिला एवं बाल विकास विभाग ने जो बहुत से महत्वपूर्ण कार्य करने शुरू किये थे उनको लगातार आगे बढ़ाया जाना अति आवश्यक है। हमारी कांग्रेस सरकार शिक्षा के क्षेत्र में बढ़ावा देने के लिए प्रदेश में नैशनल लॉ यूनिवर्सिटी, सैंट्रल यूनिवर्सिटी तथा डिफैंस यूनिवर्सिटी लेकर आई। इसके अतिरिक्त हमारी कांग्रेस सरकार के समय बहुत बड़ी संख्या में कालेजिज भी खोले गये थे। अध्यक्ष महोदय, हम वर्तमान भारतीय जनता पार्टी की सरकार से भी यह उम्मीद करते हैं कि जिस प्रकार हमारी कांग्रेस सरकार ने भिवानी जिले में चौधरी बंसी लाल जी के नाम से स्पोर्टस यूनिवर्सिटी, जींद जिले में बी०एड० के चौधरी रणबीर सिंह यूनिवर्सिटी तथा सोनीपत जिले में राजीव गांधी ऐजूकेशन सिटी बनाने का काम किया था उसी तरह से यह सरकार भी शिक्षा के क्षेत्र में विकास की बयार को लगातार आगे बढ़ाती जाये। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : मैडम, अब आप बैठिये, आपको बोलते हुए काफी लंबा समय हो चुका है। दूसरे सदस्यों को भी बोलने के लिए समय चाहिए होता है। अत : आप प्लीज बैठेये। (विघ्न)

श्रीमती गीता भुक्कल : अध्यक्ष महोदय, मैं केवल आधे मिनट में अपनी बात खत्म करते हुए केवल यह कहना चाहूंगी कि महामहिम राज्यपाल महोदय के अभिभाषण से मुझे ऐसी आशा और उम्मीद थी कि इसमें बहुत सी नई बातों का जिक्र होगा। किसी बात को कह देना आसान होता है लेकिन उसे वास्तविक रूप में करना बहुत मुश्किल होता है। राज्यपाल महोदय के अभिभाषण में लिखा हुआ है कि अकुशल वित्तीय प्रबंधन के कारण खजाने की दुर्दशा हुई है। भाजपा सरकार अभी नई-नई सत्ता में आई है तो इनको भी पता चल जायेगा कि सरकार कैसे चलती है यानि अकुशल/कुशल वित्तीय प्रबंधन की परिभाषा इनको कुछ समय बाद समझ में आ जायेगी? हम नई सरकार को अपनी शुभकामनाएं देते हैं कि वह अपने काम सफलतापूर्वक करें। अध्यक्ष महोदय, मैं एक बात और कहना चाहूंगी यद्यपि भाजपा सरकार फुल मैजोरिटी में आई है लेकिन बावजूद इसके भी विपक्ष का उनके प्रति नरम रवैया संदिग्ध

[श्रीमती गीता भुक्कल]
सा लगता है। यह पता नहीं चल पाता है कि विपक्ष के लोग राज्यपाल महोदय के अभिभाषण के पक्ष में खड़े हो रहे हैं या विपक्ष में । कहीं विपक्ष और सत्ता पक्ष की अंदर खाते आपस में कोई पैच-अप (समझौता) या कोई सैटिंग तो नहीं हो गई है? हम तो केवल इतना जानते हैं कि आज अगर जनता ने वर्डिक्ट (फैसला) देकर कांग्रेस को विपक्ष में बिठाया है तो विपक्ष में भी बैठकर हम मजबूती के साथ हरियाणा की जनता के हितों की लड़ाई लड़ेंगे। (विघ्न)

श्रीमती लतिका शर्मा : स्पीकर सर, आज जब प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की सरकार सत्तासीन है तो गीता बहन जी महिला सशक्तिकरण के बारे में बड़ी बड़ी बातें कर रही हैं। अब इनको महिला सुरक्षा की याद आ रही है लेकिन कहते हैं कि प्रत्यक्ष को प्रमाण की जरूरत नहीं होती । हरियाणा प्रदेश की महिलाएं भलीभांति सुरक्षित हैं। (शोर एवं व्यवधान) गुजरात और मध्य प्रदेश जैसे स्टेट हमारी महिलाओं के प्रति सुरक्षित माहौल के प्रत्यक्ष प्रमाण हैं। (शोर एवं व्यवधान) आप कैसे कह सकती हैं कि हरियाणा में महिलायें सुरक्षित नहीं हैं? (शोर एवं व्यवधान)

Smt. Geeta Bhukkal : Speaker Sir, I am on my legs. Latika Ji is neither the Parliamentary Affairs Minister nor Leader of the House. (interruption) She may be asked not to interrupt me.

श्रीमती लतिका शर्मा : स्पीकर सर, जब रोहतक जिले में अपना घर (बाल सुधार गृह) का मामला घटित हो रहा था तब तो बहन गीता जी ने कुछ भी नहीं कहा था? उस समय महिला सशक्तिकरण की क्या पोजीशन थी ? (शोर एवं व्यवधान) उस समय क्या आप महिलाओं के लिए खड़ी हुई थी ? (शोर एवं व्यवधान) तब आपने कोई जिम्मेवारी दिखाई थी ? (शोर एवं व्यवधान)

श्रीमती गीता भुक्कल : स्पीकर सर, मैं बहन लतिका जी को केवल यही कहना चाहूंगी कि कहने और करने में बहुत अंतर होता है। अब जनता जर्नादन ने इनकी पार्टी को सत्ता की जिम्मेवारी सौंपी है। अब इस सरकार को जनता द्वारा सौंपी गई जिम्मेवारी पर खरा उतरना पड़ेगा? (शोर एवं व्यवधान)

श्रीमती लतिका शर्मा : स्पीकर सर, सरकार हर हालात में अपनी जिम्मेवारी को निभायेगी लेकिन बहन गीता जी तथा इनकी पार्टी को आज जनता तथा प्रदेश की महिलाओं की इतनी ज्यादा चिंता कैसे हो गई है। (शोर एवं व्यवधान) जो आज बहन जी महिला सशक्तिकरण पर इतनी बड़ी-बड़ी बात कर रही है, जब रोहतक में अपना घर (बाल सुधार गृह) का मामला घटित हुआ था उस समय क्या महिला सशक्तिकरण पर इनके अलग से मापदंड थे ? आज गीता जी महिला सशक्तिकरण की बात हमें सिखायेगी ? (शोर एवं व्यवधान)

श्रीमती गीता भुक्कल : अध्यक्ष महोदय, मेरा आपसे अनुरोध है कि मुझे अपनी बात रखने दी जाये ? (शोर एवं व्यवधान)

श्रीमती लतिका शर्मा : स्पीकर सर, बहन गीता जी अब विषय से क्यों भटक रही हैं? यह महिलाओं की सुरक्षा के बारे में पूछने वाली कौन होती हैं? (शोर एवं व्यवधान)

श्रीमती गीता भुक्कल : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से लतिका जी से अनुरोध करती हूं कि वे कृपा करके बैठ जायें और मुझे अपनी बात पूरी करने दें। (शोर एवं व्यवधान) लतिका जी मुझे बार-बार बीच में इंट्रप्ट कर रही हैं जब कि मैंने तो केवल मात्र यही कहा है कि हम ये आशा और उम्मीद करते हैं कि हमारी कांग्रेस सरकार द्वारा जो जन कल्याण के लिए अनेक फैसले लिये गये हैं, भाजपा

सरकार उनमें से कम से कम महिलाओं और दलितों के लिए जो फैसले कांग्रेस सरकार द्वारा लिये गये हैं। उनको आगे बढ़ाने का कार्य करें। कितनी खुशी की बात है कि इस महान सदन के सदस्य के रूप में प्रदेश से 13 महिलाएं चुनकर आई हैं। यह हरियाणा प्रदेश के लिए एक ऐतिहासिक क्षण है। (शोर एवं व्यवधान) आज मैं महिला सशक्तिकरण की बात इसलिए कर रही हूं कि महामहिम राज्यपाल महोदय के अभिभाषण में मुझे कहीं भी ऐसा देखने या पढ़ने का नहीं मिला कि विशेषतौर से महिलाओं व लड़कियों को अच्छी शिक्षा देने के लिए भारतीय जनता पार्टी की सरकार कुछ करेगी जबकि हमारी सरकार ने अच्छी शिक्षा के लिए अनेक स्कूल्ज, कालेजिज तथा यूनिवर्सिटीज का निर्माण करवाया था। (विघ्न)

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री (श्री कृष्ण कुमार बेदी) : स्पीकर सर, आज मैं इस महान सदन में यह बताने से बिल्कुल भी गुरेज नहीं करना चाहता कि प्रदेश में सबसे ज्यादा शिडयूल्ड कास्ट एट्रोसिटी अगर किसी के राज में हुई है तो वह केवल बहन गीता भुक्कल जी की कांग्रेस पार्टी के शासन काल में ही हुई है। 11 thousand Scheduled Caste atrocities application are pending in the Scheduled Caste Commission and Centre Government. यह बर्डिंग मेरी नहीं हैं बल्कि यह बर्डींग शिडयूल्ड कास्ट कमीशन के वाईस चेयरमैन जिनका नाम राज कुमार वेरका है और जो अमृतसर से कांग्रेस के विधायक हैं, उनकी है । (शोर एवं व्यवधान) उनके कथानुसार in the Government of Shri Bhupinder Singh Hooda, in the leadership of Madam Geeta Bhukkal सबसे ज्यादा शिडयूल्ड कास्ट आफिसरज खुद्धे लाईन लगाये गये, सस्पैंड किये गये तथा ट्रमिनेट किये गये। (शेम शेम की आवाजें) इस बात की पुष्टि कांग्रेस के पूर्व राज्य सभा सांसद श्री ईश्वर सिंह जी, कांग्रेस की लीडर कुमारी शैलजा जी, पूर्व कांग्रेस विधायक श्री नरेश शेलवाल जी तथा श्री राजपाल भूखड़ी के कथनों से भलीभांती हो जाती है। अत: मैडम गीता भुक्कल जी को यह कदापि नहीं भूलना चाहिए कि सबसे ज्यादा शिडयूल्ड कास्ट एट्रोसिटीज अगर किसी के शासन काल में हुई है तो वह कांग्रेस का शासन काल है। (विघ्न) बड़े दु:ख की बात है कि सदन में कांग्रेस पक्ष की सरफ से हर बात पर शंका जाहिर की जा रही है और विडंबना की हद तो यहां जाकर पार हो जाती है कि मैडम गीता भुक्कल जी ने महामहिम राज्यपाल महोदय के अभिभाषण की हर बात पर शंका जाहिर की है। अध्यक्ष महोदय, मेरे कांग्रेस के साथियों को प्रदेश के लिए ज्यादा चिन्तित होने की जरूरत नहीं है। सच तो यह है कि हरियाणा प्रदेश की जनता जर्नादन ने आपकी (कांग्रेस पार्टी) चिंता करके आपको (कांग्रेस पार्टी) विपक्ष में बिठा दिया है। अब तक शिडयूल्ड कास्ट एट्रोसिटी की 1100 एप्लीकेशंज पैंडिंग पड़ी हुई हैं। अध्यक्ष महोदय, इनकी सरकार के समय में सबसे ज्यादा अत्याचार दलितों पर हुये हैं जैसे कि अपना घर पपनावा कांड, मिर्चपुर कांड, गोहाना कांड आदि। मैं आप लोगों को कौन-कौन से मुद्दे गिनाऊँ ? ये कौन सी कौन सी बात करते हैं? ये वूमैन सिक्योरिटी और शिडयूल्ड कास्ट सिक्योरिटी की बात करते हैं? इन्ही कारणों से आज हरियाणा प्रदेश की जनता ने इनको विपक्ष में बिठा दिया है। इसलिए इनको ऐसी बातें सदन में नहीं कहनी चाहिए। अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्या सदन को गुमराह करने की कोशिश कर रही हैं।

श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा : अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय सदस्यों से विनती करता हूं कि इनको जब आप बोलने का समय देंगे उस समय ये अपनी बात कह लें और हम बीच में टोका टिप्पणी नहीं करेंगे। इन्होंने हमारी सरकार का नाम लिया है। इस लिए मैं बताना चाहता हूं कि हमारी सरकार में ही सबसे पहले दलित व्यक्ति चीफ सैक्रेटरी बने हैं और आज भी दलित व्यक्ति चीफ सैक्रेटरी हैं (शोर एवं व्यवधान)

श्री कृष्ण कुमार बेदी : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्या से पूछना चाहता हूं कि क्यों ईश्वर सिंह ब्यान देता है कि दलितों के साथ भेदभाव किया है? ऐसे ब्यान पानीपत के अखबार में छपते हैं। नरेश सेलवाल भी ऐसे ही ब्यान दे रहे हैं। ऐसा कौन सा दलित लीडर है जो यह बात न कहता हो। (विघ्न)

श्रीमती गीता भुक्कल : अध्यक्ष महोदय, ...(शोर एवं व्यवधान)

श्री कृष्ण कुमार बेदी : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्या को बता देना चाहता हूं कि वाई० पूर्ण कुमार रोता मर गया । एक आई०पी०एस० अधिकारी रोता मर गया और वह भी शिडयूल कास्ट था। ये कौन-कौन से शिडयूल कास्ट की बात करते हैं? (शोर एवं व्यवधान)

श्रीमती गीता भुक्कल : अध्यक्ष महोदय, बेदी जी हमारे सम्मानित मंत्री हैं, मैं उनका सम्मान करती हूं। मौजूदा सरकार में इतने शिड्यूल कास्ट व्यक्ति जीतकर आये हैं। क्या उनका हक नहीं था कि एक भी कैबिनेट मंत्री बनाया जाता । सिर्फ एक स्टेट मिनिस्टर बना दिया गया। (शोर एवं व्यवधान)

श्री कृष्ण कुमार बेदी : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्या को बता देना चाहता हूं कि यह माननीय श्री मनोहर लाल खट्टर जी की सरकार है। यह इनकी राय से चलने वाली सरकार नहीं है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : ये माननीय मुख्यमंत्री जी का फैसला है इसमें किसी को कोई आपत्ति नहीं होनी चाहिए।

श्रीमती गीता भुक्कल : अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने का मौका दिया उसके लिए मैं आपका बहुत-बहुत धन्यवाद करती हूं और अपना भाषण समाप्त करने से पहले मैं एक ही बात कहना चाहती हूं कि हमारी सरकार ने चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा जी के नेतृत्व में पिछले 10 साल में पूरे हरियाणा प्रदेश में चहुंमुखी विकास करवाया है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : भुक्कल जी, मैं आपको यह भी बता देना चाहता हूं कि आपकी पार्टी की तरफ से मेरे पास कोई नाम नहीं आया है, यह तो मैंने खुद आपके बारे में चिन्ता की है।

श्रीमती गीता भुक्कल : अध्यक्ष महोदय, मैंने बोलने के लिए आप का ध्यान आकर्षित करवाया था कि मुझे भी बोलने का समय दिया जाये। आपने मुझे बोलने का मौका दिया उसके लिए मैं आपको बहुत-बहुत धन्यवाद देती हूं। चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा जी के कार्यकाल के दौरान पूरे साढ़े नौ साल तक कांग्रेस सरकार चली है। आज जनता उसको 10 दिन में ही याद करने लगी है और जनता सोचने भी लगी है कि गलती से यह जनादेश दे दिया है। मैं अपनी बात समाप्त करते हुये इतना ही कहना चाहती हूं कि गरीबों के लिए, दलितों के लिए, किसानों के लिए, मजदूरों के लिए, युवाओं के लिए, कर्मचारियों के लिए एवं बेरोजगारों के लिए हमारे समय में जो योजनाएं चली हैं उनको यह कहकर बंद न किया जाये कि खजाना खाली हो गया है। उन स्कीमों को बंद करने का काम न करें। मैं आशा और उम्मीद करती हूं कि उनका लगातार ऐसे ही चलने दिया जायेगा। आपने मुझे बोलने का समय दिया उसके लिए मैं आपको पुन : एक बार फिर धन्यवाद देती हूं।

श्री अभय सिंह यादव (नांगल चौधरी) : अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे माननीय महामहिम राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर बोलने का मौका दिया, उसके लिए मैं आपका हार्दिक धन्यवाद करता हूं। इस

अभिभाषण में कहा गया है कि "सबका साथ, सबका विकास" यह बात मुझे बहुत अच्छी लगी। अध्यक्ष महोदय, हरियाणा एक विकासशील राज्य है। हरियाणा प्रदेश में विकास कुछ ही इलाकों में हुये हैं। मेरा क्षेत्र नांगल चौधरी हरियाणा के नक्शे में दक्षिण भाग में सबसे नीचे टिप है वहां पर स्थित है, जो तीन तरफ से राजस्थान से घिरा हुआ है। कल मेरे भाई कर्ण सिंह दलाल बात कर रहे थे, हांसी-बुटाना नहर और एस०वाई०एल० नहर की, तो मैं बैठा-बैठा ही हंस रहा था. अध्यक्ष महोदय, मैं यह भी बताना चाहता हूं कि भाई कर्ण सिंह दलाल मेरे बहुत ही अच्छे मित्र हैं। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्य से यह कहना चाहता हूं कि अगर पिछले 8-9 सालों में ये इस बात को कह देते तो मुझे शायद नौकरी छोड़कर यहां नहीं आना पड़ता। मैं इसी उम्मीद में बैठा रहा कि कब माननीय सदस्य इसके बारे में चर्चा करेंगे, जब ये इतने सालों में कुछ नहीं बोले तो मुझे नौकरी छोड़कर आना पड़ा। तत्कालीन माननीय मुख्यमंत्री जी चले गये, मैं उनके सामने ही हांसी-बुटाना नहर के बारे में कुछ बातें कहना चाहता था । अध्यक्ष महोदय, बार-बार कहा जाता है कि दक्षिणी हरियाणा को पानी देने के लिए हांसी बुटाना नहर का निर्माण किया गया है। दक्षिणी हरियाणा का मतलब रोहतक तक नहीं है, दक्षिणा हरियाणा ता मतलब नांगल चौधरी भी है। हरियाणा का भूगोल देखने से पता चलता है कि अरावली पहाड़ियों का जो ढलान है वह रोहतक तक आता है। प्राकृतिक बहाव के कारण स्वाभाविक रूप से पानी रोहतक में आता है, लेकिन रोहतक से ही अरावली की पहाड़ियों की चढ़ाई शुरू हो जाती है। इस तरह से सारा महेन्द्रगढ़ जिला अरावली पहाड़ियों के चढ़ाव के ऊपर स्थित है। पानी की एक बूंद भी बिना लिफ्ट इरीगेशन के रोहतक और साल्हावास से आगे नहीं ले जाई जा सकती। अध्यक्ष महोदय, मैं अपनी पार्टी लाइन से हटकर एक बात सदन को बताना चाहता हूं कि मैं स्कूल में विद्यार्थी था जब लिफ्ट इरीगेशन शुरू हुई थी। मैं स्वर्गीय चौधरी बंसीलाल जी का आभारी हूं कि उन्होंने यह लिफ्ट इरीगेशन इस इलाके के लोगों को प्रदान किया। आज की तारीख में हमारा पूरा क्षेत्र डार्क जोन में है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सदन के नेता को और पूरे सदन को बताना चाहता हूं कि एक-दो जमींदार तो ऐसे हैं जिन्होंने अपनी दो चार एकड़ भूमि बेचकर इस उम्मीद से 3-3,4-4 हजार फीट की बोरिंग करवाई कि धरती के नीचे कहीं तो गरहराई में पानी मिलेगा, लेकिन धरती के नीचे पानी की एक बूंद भी नहीं है। राजस्थान की तरफ से हमारी दो नदियां निकलती है। नारनौल के पूर्व से कृष्णावती और पश्चिम से दोहान बरसाती नदियां बहती हैं। सन् 1977 से पहले इन नदियों में पानी रहता था। जिसके कारण पूरे इलाके को पानी मिल जाता था। हमारे इलाके में कुछ गांव तो ऐसे थे जिसमें बच्चे नहाने के लिए कुएं में छलांग लगा देते थे, नहाने के बाद कुएं के अंदर से लकड़ी के खुंटे (सीढ़ी) को पकड़ कर बाहर आ जाते थे। लेकिन आज उस इलाके में पानी की एक बूंद भी नहीं है। सन् 1977 के बाद उन नदियों में पानी की एक बूंद भी नहीं आई है। मेरी सूचना के मुताबिक बिना किसी पार्टी का नाम लिए मैं कहता हूं कि आज तक किसी भी राजनीतिक पार्टी ने राजस्थान सरकार से एक चिट्ठी लिखकर यह नहीं पूछा कि ये दोनों सांझे की नदियां होने के बावजूद भी इन नदियों को एक छोर से क्यों बंद किया गया है। उधर से राजस्थान ने नदियों में पानी देना बंद कर दिया और भूमिगत जल समाप्त हो गया इधर से सन् 1979-80 में लिफ्ट इरीगेशन सिस्टम शुरू हुआ था लेकिन मेरी सूचना के मुताबिक आज तक इस सिस्टम में कोई भी गेजर रिपेयर का काम भी कभी नहीं किया गया। आज हालत यह है कि केवल 20-25 परसैंट कैपेसिटी पर लिफ्ट इरिगेशन सिस्टम चल रहा है। अगर यह सदन हरियाणा का डाटा निकाल कर देखेगा तो सदन को पता चलेगा कि टोटल इरीगेटिड एरिया में से लिफ्ट इरीगेशन केवल 16 परसैंट एरिया में ही होती है। नहरें और खाले डिवैल्प न होने के कारण जमींदार इंजन लगाकर पानी निकालने की कोशिश करते हैं, लेकिन आखरी छोर पर पानी

[श्री अभय सिंह यादव]

नहीं पहुंचने के कारण जमींदार अपना इंजन उठा लेते हैं। मेरा हल्का नांगल-चौधरी ऐसा क्षेत्र है जहां टेल तक पानी नहीं पहुंच पाता क्योंकि यह क्षेत्र टेल एंड पर ही पड़ता है। हमारा तो दुर्भाग्य यह है कि जो विकास का काम होना होता है उसके लिए जो पैसा आता है वह पैसा भी जिले के आखिरी छोर पर होने के कारण वहां पर नहीं पहुंच पाता। (शोर एवं व्यवधान)

श्रीमती किरण चौधरी : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्य को बताना चाहूंगी कि जब हमारी सरकार थी उस समय नांगल चौधरी क्षेत्र के विकास के लिए 400 करोड़ रुपये का प्रोजेक्ट दिया गया था। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अभय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, मैं उसी बात पर आ रहा हूं। माननीय सदस्या, कृपया धैर्य रखें। मैं सिर्फ दो मिनट का समय और लूंगा। जहां तक लिफ्ट इरीगेशन सिस्टम की बात है इसके लिए मैं आपके माध्यम से सदन को एक अच्छा सुझाव देना चाहूंगा। इस बारे में मैंने माननीय मुख्यमंत्री जी से भी निवेदन किया है और माननीय सिंचाई मंत्री जी से भी निवेदन किया है। बरसात के समय में जब कभी अच्छी बरसात होती है तो पैडी बैल्ट में एक महीने का टाइम ऐसा होता है जब उस इलाके को पानी की जरूरत नहीं होती। जब अच्छी बरसात होती है तो रोहतक और झज्जर का जो एरिया है वहाँ खेतों में पानी भर जाता है। पानी के कारण बेरी और जहाजगढ़ के इलाके में पटेरा उग जाता है। वाटर लॉगिंग से खेत खराब हो जाते हैं। एक तरफ स्टेट की धरती वाटर लॉगिंग से खराब हो रही है तथा दूसरी तरफ हमारा इलाका पानी की कमी के कारण प्यासा मर रहा है। मैं तो यह कहता हूं कि लिफ्ट इरीगेशन सिस्टम को शतप्रतिशत कैपेसिटी पर लगाया जाए तो बरसात के समय में फालतू पानी को उठाकर हमारे इलाके की कृष्णावती और दोहान नदी के बैड में डाला जा सकता है। उन दोनों नदियों के समानान्तर एक नहर बनी हुई है। उस नहर को इन नदियों से जोड़ने के लिए बहुत कम पैसे की जरूरत है। 2-4 नाले बनाकर उन नदियों को उस नहर से जोड़ दिया जाए तो वह फालतू पानी उस नहर के माध्यम से हमारे क्षेत्र तक पहुंचाया जा सकता है और इसमें बहुत ज्यादा धन की भी जरूरत नहीं पड़ेगी। अगर बरसात के समय में बरसात का सारा पानी उठाकर उस नहर में डाल दिया जाए तो वह इलाका सब्ज हो सकता है। इसी प्रकार से मेरा एक निवेदन यह भी है कि राजस्थान सरकार से भी इस बारे में पत्र-व्यवहार किया जाए तथा जो पानी उन्होंने रोका है उसमें से हमारे हिस्से का पानी छोड़ा जाए ताकि हमारी नदियां रिचार्ज हो जाएं और अगर वे हमारी इस बात को नहीं मानते हैं तो भाखड़ा से उनका जो पानी हमारे क्षेत्र से हो कर गुजरता है उसमें से उतना हिस्सा हमारा काटकर हमारे इलाके को दे दिया जाए ताकि हमें जो उन नदियों का पानी नहीं मिलता वह भाखड़ा के पानी से मिल जाए। यह मेरा एक सुझाव है। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : यादव जी, आप वाईड-अप कीजिए।

श्री अभय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, जहां तक मैडम किरण चौधरी जी जो बात कह रही थी कि 400 करोड़ रुपये का प्रोजेक्ट हमारे हल्के को दिया गया था। मैं इनका आभारी हूं कि ये जब जन स्वास्थ्य मंत्री थी तो इन्होंने उस इलाके में बहुत बड़ा वाटर सप्लाई का प्रोजेक्ट दिया था। उस प्रोजैक्ट के लिए पाइप लाइन्स भी डाल दी गई हैं। सिर्फ वहीं बात है कि थाली सामने रखी हुई है लेकिन उसमें भोजन नहीं परोसा गया। पाइप लाइन्स अभी कुछ हिस्से में बिछाई गई हैं और कुछ हिस्से में नहीं बिछाई गई हैं। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध करना चाहूँगा कि यथाशीघ्र उस प्राजेक्ट को चालू करवाया जाये ताकि वहाँ के लोगों को पीने का पानी मिल सके। (विघ्न)

श्रीमती किरण चौधरी : अध्यक्ष महोदय, 13 इंटरमीडिएट ब्रूस्टिंग स्टेशन (आई.बी.एस.) तो शुरू हो गए हैं और जो तीन बकाया रह गए हैं उनको माननीय सदस्य शीघ्र कमीशन करवा लें तो वहाँ के लोगों को पीने का पानी जल्दी मिल सकता है। (विघ्न)

श्री अभय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, माननीय किरण चौधरी जी ने जो अच्छा काम किया है उसके लिए मैं उनका धन्यवाद करता हूँ और मैं प्रयास करूंगा कि यह प्रोजैक्ट जल्दी से जल्दी कमीशन हो जाए। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : अभय सिंह जी, आप वाईड-अप कीजिए।

श्री अभय सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, मैं बस एक मिनट का समय और लूंगा। अध्यक्ष महोदय, विकास अच्छी बात है। जिन इलाकों में समुचित विकास हो चुका है उसको मेनटेन रखा जाए क्योंकि उस पर भी स्टेट का पैसा खर्च हुआ है। मैं यह नहीं कहता कि उनको खराब कर दिया जाए। लेकिन जहां विकास नहीं हुआ है वहाँ पर भी विकास किया जाये। सरदार प्रताप सिंह कैरो जी के समय से ही महेन्द्रगढ़ जिला अति पिछड़ा हुआ है और मेरा जो नांगल चौधरी हल्का है वह महेन्द्रगढ़ जिले का भी अति पिछड़ा हुआ हल्का है। माननीय मुख्यमंत्री महोदय और सभी मंत्रीगण बैठे हैं, मेरा सरकार से अनुरोध है कि नांगल-चौधरी हल्के को एक विशेष पैकेज देकर उस क्षेत्र का विकास किया जाए। इन्हीं शब्दों के साथ मैं अपनी बात समाप्त करता हूँ तथा आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया उसके लिए आपका हार्दिक धन्यवाद करता हूँ। जय हिन्द।

श्री अध्यक्ष : अब माननीय मुख्यमंत्री जी जवाब देंगे। (शोर एवं व्यवधान)

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर चर्चा के लिए और समय दिया जाये। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : नहीं पहले ही 2 बार टाइम बढ़ाया जा चुका है। अब और समय नहीं बढ़ाया जा सकता। मैंने बहुत टाइम दे दिया। (शोर एवं व्यवधान)

स्वास्थ्य मंत्री (श्री अनिल विज) : अध्यक्ष महोदय, इनका सारा टाईम तो कुलदीप शर्मा जी खा गए। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : मैंने कई बार टाइम दे दिया। (विघ्न) नहीं, नहीं, मैंने बहुत टाइम दे दिया। अब माननीय मुख्यमंत्री जी राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर जवाब देंगे। (शोर एवं व्यवधान)

मुख्यमंत्री (श्री मनोहर लाल) : आदरणीय अध्यक्ष महोदय, सबसे पहले मैं महामहिम राज्यपाल महोदय का बहुत आभारी हूं जिन्होंने अपने अभिभाषण के द्वारा भाजपा सरकार के हरियाणा के नवनिर्माण के विजन का रोडमैप हमारे सामने रखा है। निश्चित रूप से हमारी सरकार को एक वर्डिक्ट मिला है। हरियाणा के मतदाताओं के द्वारा अपनी सूझ-बूझ से इस 13वीं विधानसभा के चुनाव में हमें एक स्पष्ट बहुमत दिया गया है। हरियाणा का निर्माण 1 नवम्बर, 1966 को हुआ है। पूर्व की 12 विधानसभाओं में विधानसभा के जो चुनाव रहे उस दौरान बहुत-सी हमारी सरकारें आईं, बहुत-से हमारे माननीय मुख्यमंत्रियों के द्वारा इस हरियाणा के निर्माण में और हरियाणा के विकास के लिए काम किए गए हैं। निश्चित रूप से सबने अपने-अपने तरीके से इस हरियाणा को आगे बढ़ाया है और हरियाणा के निमार्ण में अपना योगदान दिया है। सभी ने निश्चित रूप से सराहनीय कार्य किये हैं लेकिन मित्रो, आखिर निर्माण के कार्य से विकास की बातें तो ठीक हैं लेकिन हरियाणा की जनता और हरियाणा

[श्री मनोहर लाल]

के शासन-प्रशासन की व्यवस्था में जिस प्रकार के संस्कारों की बात, जिस प्रकार के निर्माण की बात, मनुष्य निर्माण की बात जिस प्रकार के समाज-निर्माण की बात होनी चाहिए, मुझे लगता है उसमें अभी बहुत कमियां ध्यान में आती हैं, बहुत विसंगतियां हैं, निश्चित रूप से हम सब मिल करके आज इस 13वीं विधानसभा के माध्यम से सबके सहयोग से उन सब बातों को ठीक करेंगे। मैं समझता हूं कि हम हरियाणा प्रदेश को सभी प्रान्तों में नयी ऊंचाईयों तक ले जा सकते हैं। इस सारे काम में हमारे देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने भी देश के निर्माण को अपना नया विजन दिया है। यहां भी भारतीय जनता पार्टी की सरकार को एक क्लीयरकट मैंडेट मिला है। केन्द्र की नीतियों के विजन का प्रभाव प्रदेश पर रहता है। उन सब विजन और नीतियों को लेकर अपने यहां समावेश करते हुए हम अपने सब कार्यों को आगे बढ़ाएंगे। हमारी जो सोच है उस सोच में जो मुख्य बात ध्यान में आती है वह यह है कि अभी तक जनता और सरकार में थोड़ा सा गैप नजर आता है। जनता कभी-कभी बाहर आकर ऐसा करने लगती है कि सरकार कोई अलग एजेन्सी है और हम कुछ अलग हैं। कभी-कभी सरकार को भी ऐसा लगता है कि हम रूलर हैं और हमें जनता पर शासन करने का अधिकार हमें मिला है और वे उन पर शासन करने लगते हैं। जब ऐसी सोच बन जाती है, तब दिक्कत आती है। जब जनता के मन में यह भाव जागृत होता है कि मेरी सरकार है जिसको कि यह कहना चाहिए कि सैंस ऑफ बिलौंगिंग है, वह बढ़ाने की आवश्यकता है। हम लोग कुछ गलत काम करें, कहीं सरकार के टैक्स को बचायें, बिजली के बिल न भरें तो इस तरह के अविश्वास की भावना उत्पन्न होती है और अच्छे लोग भी अपने आपको सरकार से दूर मानकर के इस प्रकार का व्यवहार करते हैं, यदि हम इस विचारधारा को बदल पाएं और हरियाणा के गौरव को बढ़ा पाएं तो बहुत अच्छी बात होगी। प्रदेश के लोगों के मन में एक भावना बनी है चाहे वह क्षेत्रवाद के आधार पर बनी हो या जातिवाद के आधार पर बनी हो, उस भावना को हमें दूर करना होगा। निश्चित रूप से मैं मानता हूं कि हमारा हरियाणा एक ऐसा प्रदेश है, प्रदेश एक है लेकिन उसमें एकता का कहीं न कहीं अभाव दिखता है वह कहीं न कहीं से प्रकट भी होता है और कभी न कभी किसी आंदोलन के रूप में सामने आता है। कभी उत्तरी और दक्षिणी हरियाणा की बात सामने आती है तो कभी जातिगत संबोधन के रूप में सामने आते हैं। पूरे हरियाणा की जनता ये समझे कि हरियाणावी सब एक हैं। यह भाव सभी लोग जागृत करेंगे तो हम हरियाणा के गौरव को बढ़ा पाएंगे और सब लोग मिलकर काम करेंगे और देश के अन्य प्रान्तों की तुलना में हम हरियाणा प्रदेश को आगे ले जा पाएंगे। आज हम कहीं भी सर्वे करते हैं तो बहुत सी कमियां और विसंगतियां ध्यान में आती हैं। प्रतियोगिता प्रान्तों के बीच में हो, प्रतियोगिता आपस में न हो। प्रतियोगी स्वभाव के माध्यम से प्रतियोगिता हो यह अच्छी बात है लेकिन उत्तर या दक्षिण में प्रतियोगिता न हो। यदि उत्तर या दक्षिण में प्रतियोगिता हो तो कठिनाइयां सामने आती हैं। सब मिलकर आगे बढ़ें ऐसा हर हरियाणावी का भाव हो। लेकिन अभी ऐसा भाव हमें दिखता नहीं है। हमारे यहां ऐसी भावना लोगों में आए इसके लिए हम नीतियां बनाएंगे। हमारी सरकार की कुछ कार्य योजना है। जो हमारा विजन डॉक्यूमैंट आया है जिसको राज्यपाल महोदय ने प्रात :काल हम सबके बीच में रखा है उसमें निश्चित रूप से कुछ बातें सरकार की प्राथमिकताओं में हैं। हम शिक्षा से प्रारम्भ करें। तो समाज निर्माण और व्यक्ति के निर्माण में शिक्षा एक अहम पहलू है। शिक्षा में हमें जितने संस्कार चाहिएं, जो चरित्र निर्माण चाहिए, जो राष्ट्रीय विचार चाहिएं, वे आज ज्यादा नहीं दिखते हैं। हमारे कुछ माननीय सदस्यों ने इस बारे में अपनी चिंता भी प्रकट की है। जो राष्ट्रीय शिक्षा नीति है आखिरकार तो हमें उसको फौलो करना

है लेकिन प्रदेश की भौगोलिक परिस्थितियों के कारण कुछ बदलाव कर सकते हैं। वैसे हम राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुसार आगे बढ़ेंगे। हम चाहते हैं कि शिक्षण संस्थान ठीक वातावरण में बनाये जाएं। जैसे बात आई कि भवन निर्माण की कमी को पूरा करना, शौचालयों की कमी खासकर के महिलाओं और लड़कियों के शौचालय की बात आई, उनको पूरा करना है। प्रधान मंत्री जी ने संसदीय निधि को खर्च करने के लिए आह्वान भी किया है। जितने सांसद हैं वह सभी प्राथमिकता के आधार पर ग्रामीण क्षेत्रों में, विद्यालयों में और सामाजिक स्थानों पर शौचालयों का निमार्ण करवायें और इसको आगे लेकर चलें। पाठ्यक्रमों में कहीं न कहीं विसंगतियां हैं या कमियां हैं उन पर बैठकर विचार करेंगे और जो भी कोई कमी लगती हैं उनको पूरा करेंगे। हमें कहीं ऐसा लगता है कि आगे अगली पीढ़ी को कैसे अच्छे संस्कार मिलने चाहिएं और अगर संस्कारों में कहीं कमी लगती हैं तो उनके बारे में मिलकर विचार करेंगे। ऐसा हम मानकर चलते हैं। जहां तक खेलों की बात हैं, यह ठीक है कि खेलों में हरियाणा का स्थान देश भर में अच्छा हैं लेकिन दुनिया के देशों में जाकर हमारे जो खिलाड़ी मैडल लाते हैं और जो उपलब्धियां होती हैं उसमें हरियाणा का काफी योगदान है इस बात को नकारा नहीं जा सकता। जहां तक हमारी कैपेसिटी की बात है और जितनी संभावनाएं हैं उन संभावनाओं को अगर हम देखें तो हरियाणा का युवक खेलों में बहुत अच्छा है और उसका विचार करने का ढंग बहुत अच्छा है। उसका और ज्यादा विकास हो सकता है। दुनिया के देशों से हम अपने देश का मुकाबला करते हैं तो हम बहुत पीछे हैं। भले ही हम अपने देश में आगे हैं लेकिन दुनिया में हमारा देश बहुत पीछे है। इस देश को आगे बढ़ाने के कन्ट्रीब्यूशन में हरियाणा और आगे बढ़ जाए तो निश्चित रूप से देश के गौरव को और आगे बढ़ायेंगें। हम हरियाणा को स्पोर्ट्स का एक हब बनाने की योजना सोच रहे हैं। बच्चे को प्राथमिक शिक्षा से लेकर उसकी रूचि का ध्यान रखते हुए यदि उस बच्चे में खेलों की रूचि है तो उसको और आगे बढ़ाया जाए और हम अपने इस काम में योगदान कर पायेंगे ऐसा मुझे लगता है। विकास के नाते विकास की बात करने के लिए निश्चित रूप से हर बात का अपना एक महत्व होता है। आर्थिक प्रबन्धन की बात करें तो हमको लगता है कि कहीं न कहीं इसमें कमी रही है। अभी ठीक है कि आंकड़ों के आधार पर शायद हम इस बात को जस्टिफाई कर पायेंगे। हमारा कर्ज 82000 करोड़ रुपया है। यह पर कैपिटा के आधार पर उतना नहीं है जितना और प्रदेशों का है। ये सब आंकड़े बाजी हैं। आंकड़ेबाजी के आधार पर हमें अपना विषय नहीं रखना चाहिए। इसको और बढ़िया कैसे कर सकते हैं। हमें यह देखना है। अगर 82000 करोड़ रुपये की बजाय इस कर्ज को हम थोड़ा और कम करते तो हमें और ज्यादा शाबाशी मिलती। अगर और ज्यादा कर्ज बढ़ जायेगा तो हमारे आर्थिक प्रबन्धन पर और सवालिया निशान लग जायेंगे। उस आर्थिक प्रबन्धन के आधार पर हमारा आर्थिक प्रबन्धन कितना आता है और कितना जाता है और कितनी कहां पर कमी है और उस आंकड़ों के खेल में भी कई बार ऐसा लगता है कि आंकड़े कुछ और बोलते हैं और धरातल पर कुछ और है। निश्चित रूप से इन आंकड़ो की चिन्ता हम सब को है और हमारी सरकार को भी है। आंकड़ों के बारे में हम आपस में एक दूसरे के खिलाफ काफी कुछ बोल सकते हैं क्योंकि पार्टियों का अपना एक आचार विचार रहता है और राजनीति रहती है। उस राजनीति को करने की बजाए अगर जनता को यह सही पता लगे कि आखिर हम आर्थिक स्थिति में कहां खड़े हैं। तो ज्यादा अच्छा है। सरकार बदली है तो निश्चित रूप से इस आर्थिक स्थिति पर प्रश्न उठेंगे कि आखिर आर्थिक स्थिति क्या है। जनता को यह पता लगना चाहिए कि सही चीज क्या है और गलत चीज क्या है। जनता के सामने सही बात लाने के लिए हम आर्थिक स्थिति के बारे में एक व्हाईट पेपर लायेंगे और व्हाईट पेपर लाने के बाद दूध का दूध और पानी का पानी होगा और यह पता

[श्री मनोहर लाल]

लगेगा कि आर्थिक स्थिति में हम कहां खड़े हैं। इस बारे में निश्चित रूप से जनता को सच्चाई का पता लगेगा और उसमें किसी को कुछ कहने की जरूरत नहीं पड़ेगी। जब सारे आंकड़े सामने आयेंगे तब पता चल जाएगा कि कहां से पैसा आता है और कहां पैसा जाता है, कहां पर पैसा रूकता है और कहां पर भ्रष्टाचार होता है। इस बारे में बहुत से उदाहरण दिए जा सकते हैं लेकिन मैं बिना कन्फर्मेशन के सदन में इस प्रकार की कोई बात नहीं कह सकता। ताकि कल को फिर कोई नई बात न आ जाए। यही है कि लीकेज बहुत है। उस लीकेज को रोकने के लिए हम सबको चिन्ता होनी चाहिए। यह लीकेज कौन करता है, कहां पर लीकेज होती हैं किस लैवल पर होती हैं, इसका कुप्रबन्धन इसी बात से ध्यान में आता है कि बिजली विभाग से जो जानकारी मिली है उससे मालूम हुआ है कि बिजली की लीकेज 16 से 20 प्रतिशत तक की ट्रान्समिशन लोस के माध्यम से हो रही है। यह तो ठीक है कि भौगोलिक स्थिति के कारण लम्बी-लम्बी तारें ये कैसी तारे हैं किस क्वालिटी की हैं इस सब के होने के कारण 16 से 20 प्रतिशत तक की लीकेज हो रही है। लेकिन जो बिलों की रिसीट्स हैं और जो रिकवरी है वह केवल मात्र 30 से 32 प्रतिशत हो और 65 से 68 प्रतिशत रिकवरी ही न हो वह पैसा कहां चला गया अगर पैंडिंग पड़ा है तो क्यों पड़ा है, लोगों के मन में रोष क्यों है या नीचे ही नीचे कोई सांठगांठ तो नहीं हैं। आखिर प्रबन्ध में कोई गड़बड़ तो नहीं है क्योंकि बिजली का जो सामान हम बेचते हैं। यह अलग बात है कि वैल्फेयर स्टेट होने के नाते किसी को थोड़ा कम रेट पर देंगे और किसी को ज्यादा रेट पर देंगे लेकिन आखिर में तो बिजली हमको खरीदनी ही पड़ती है उसका हमें भुगतान भी करना होता है। अगर उतनी राशि हम बिल रिसीट्स से प्राप्त नहीं करेंगें तो हमारा डैफिसिट बढ़ता चला जाएगा और फिर सब्सिडी देनी पड़ेगी और यदि सब्सिडी नहीं देंगे तो ऊपर से लाल झंडी हो जाएगी कि आपको आगे बिजली नहीं मिलेगी। ऐसे कुप्रबन्धन का अच्छा प्रबन्धन कैसे हो इस पर हम जरूर विचार करेंगे और निश्चित रूप से हम जनता के सामने यह बात लाएंगे। जहां तक धान की कीमत की बात है यह ठीक है कि धान की कीमत कम हुई है लेकिन धान की कीमत कम होने के कारण क्या रहे। ऐसा नहीं है कि पिछली सरकार को इसकी चिंता नहीं रही होगी, उनको भी चिंता रही होगी। इसकी चिंता हम भी कर रहे हैं लेकिन उसमें कहां मिस मैनेजमैंट है और कहां गड़बड़ है और इसमें क्या मानसिकता रही है इसका आंकलन हम नहीं लगा सकते। मुझे दैनिक ट्रिब्यून के 21 सितम्बर, 2014 के समाचार पत्र की कटिंग मिली है जो चंडीगढ़ से छपा है इसके पहले दो वाक्यों के बारे में मैं बताना चाहूंगा। इन वाक्यों को पढ़कर लगता है कि चावल का निर्यात बन्द हो गया। निर्यात कम हो रहा है यह बात तो ठीक है लेकिन यदि यह मैसेज चला जाए कि निर्यात बंद हो गया है तो इसका निश्चित रूप से मंडी पर प्रभाव पड़ेगा क्योंकि खरीदने वाला उसको उसी ढंग से खरीदेगा। बेचने वाले की और खरीदने वाले की जिस प्रकार की धारणा बनती है वैसे ही उसका मानस बनता है। बेचने वाला समझता है कि जो भाव मिल रहा है ठीक है बेच दो क्योंकि हो सकता है कि कल को यह भाव भी न मिले तो क्या करूंगा और उसको बेचना ही पड़ता है। उसकी स्थिति ऐसी नहीं होती कि वह उसको होल्ड कर ले और न ही वह उसको मंडी में रख सकता है क्योंकि उसको पैसे की जरूरत होती है। खरीदने वाला सोचता है कि शायद इसमें रेट का हेर फेर हो जाए, इसका स्टाक कर लूं, जल्दी खरीद लूं और मजबूरी का फायदा उठा लूं। इस समाचार पत्र की दो लाइनें मैं पढ़कर बताता हूं इसमें लिखा है कि मुख्यमंत्री जी का प्रधानमंत्री जी को पत्र गया है जिसके हवाले से लिखा गया है कि-

"ईरान सहित कई दूसरे खाड़ी देशों में धावल का निर्यात नहीं होना" इसमें शब्द लिखा है नहीं होना।

"हरियाणा में चुनावी मुद्दा बन गया है।"

अगला वाक्य लिखा गया है-

"मुख्यमंत्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा ने चावल निर्यात पर रोक का मसला उठाते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखा है"

चावल निर्यात जैसे रूक गया हो ऐसा इस पंक्ति में हवाला दिया गया है।

श्री अनिल विज स्वास्थ्य मंत्री : अभी हुड्डा साहब ने सदन में बताया कि अगर कोई व्यक्ति यह सिद्ध कर दे कि मैंने ऐसा ब्यान दिया है तो मैं तुरन्त त्याग पत्र दे दूंगा। वह ब्यान मुख्यमंत्री जी के हाथ में है। (विघ्न) वे यह बात कहकर गए हैं। (विघ्न)

Shri Kuldeep Sharma: It is not a statement made by the then Chief Minister.

श्री अनिल विज: अध्यक्ष महोदय, हाउस की कार्यवाही निकाल कर देख लिया जाए उन्होंने यह बात कही है। क्योंकि यह बात रिकार्ड में है। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : अनिल विज जी, आप बैठें क्योंकि सदन के नेता बोल रहे हैं।

Shri Kuldeep Sharma: Chief Minister is giving a well-meaning speech. I do not know why he is interrupting him.

श्री मनोहर लाल : अध्यक्ष महोदय, मैं दोनों बातों को ध्यान में रखते हुए अपनी बात कह रहा हूं। अखबार में जो पहले लिखा गया है बाद में उसको थोड़ा ठीक करके लिखा है कि निर्यात में कमी आई है लेकिन जो इम्प्रेशन बना है कि निर्यात बंद हो गया है उसका लाभ किसी न किसी ने तो उठाया ही होगा। (विघ्न)

श्री कुलदीप शर्मा : यह उनका ब्यान तो नहीं है।

श्री मनोहर लाल : जब कोई बात समाचार पत्र में छपती है तो उसका संदेश पब्लिक में तो जाता ही है। (विघ्न)

श्री कुलदीप शर्मा : अध्यक्ष महोदय, मैं तत्कालीन मुख्यमंत्री द्वारा लिखा गया वह लैटर मुख्यमंत्री महोदय के संज्ञान में लाना चाहता हूं क्योंकि वे उसका हवाला दे रहे हैं।

श्री अध्यक्ष : कुलदीप शर्मा जी, आप यह पेपर हाउस की टेबल पर रख दें।

Shri Kuldeep Sharma : I have to bring this letter on record. The Hon'ble Chief Minister may go through this letter. I am laying on the Table of the House.

श्री अध्यक्ष : सदन के नेता ने यह कहा है कि इस प्रकार के ब्यान से किसी को हानि हो सकती है।

Shri Kuldeep Sharma : One of the Hon'ble Ministers has stated that this was the statement made by the then Hon'ble Chief Minister, Shri Bhupinder Singh Hooda. As a matter of fact, it is reporting by a newspaper. There was no statement made by Mr. Hooda. So, this may be corrected. I just want to put it on record.

श्री अभय सिंह चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर है। बात यह नहीं थी कि उस समय के मुख्यमंत्री जी ने क्या लैटर लिखा बल्कि इस इशू पर चर्चा हो रही थी कि धान के रेट कम हो रहे हैं। इस बारे में किसने क्या कहा और इसके क्या कारण रहे हैं ? इस मैटर पर कृषि मंत्री जी द्वारा खड़े होकर यह बात कही गई कि चौधरी भूपेन्द्र सिंह हुड्डा जी, आपने यह ब्यान दिया था कि धान के निर्यात पर खाड़ी देशों में रोक लग गई। जब इन्होंने यह कहा तो हुड्डा साहब सैस में आ गये और कहने लगे अगर मैंने ऐसी बात कहीं कही है तो मैं विधान सभा की सदस्यता से एक मिनट में त्यागपत्र दे दूंगा। अब जब इस बात को हुड्डा साहब रिकार्ड पर ले आये तो उनको अपनी इस बात को ध्यान में रखकर अपनी सदस्यता से त्यागपत्र दे देना चाहिए, देर नहीं करनी चाहिए। (हंसी)

Shri Kuldeep Sharma : Speaker Sir, this news has been published in English Newspaper.

कृषि मंत्री (श्री ओम प्रकाश धनखड़) : मान्यवर प्रदेश में एक वातावरण बड़ी चतुराई से बनाया गया कि "अस्वत्थामा नरो हतो व कुंजरो"। यह वातावरण पहली बार नहीं बनाया गया बल्कि जब भी धान की खरीद का समय होता है हर बार बनाया जाता है। 3-4 साल पहले वातावरण बनाया गया कि भारत के चावल में आर्सेनिक है और अमेरिका की फूड एंड ड्रग एजैंसी का नाम कोड किया गया, जिसके द्वारा दुनिया के सभी देशों के चावल के नमूने लिये गये थे। उस एजैंसी ने पाया कि दुनिया के सब देशों के चावल में आर्सेनिक है जोकि ओरगनिक और इनओरगनिक दोनों प्रकार के चावलों में पाया गया था। लेकिन उसकी मात्रा इतनी कम थी जिससे खाने वाले को कोई नुकसान नहीं होगा। फिर भी भारत के समाचार पत्रों में भारत को नेम करके यह खबर छापी गई और उस समय 1121 धान 1700 रुपये प्रति क्विंटल बिका तथा तब सरकार भी कांग्रेस पार्टी की ही थी। इसी तरह से उसके अगले साल एक माहौल बनाया गया कि भारत के चावल में पैस्टीसाईड्ज की मात्रा ज्यादा है इसलिए अमेरिका ने आयात करने से मना कर दिया। उस साल अमेरिका में भारत का 2.50 लाख टन चावल निर्यात हुआ और मात्र 3000 टन चावल में पैस्टीसाईड की मात्रा ज्यादा बताकर रोका गया। इस बात पर जब मैंने जिन लोगों का वह चावल था उनसे बात की तो उन्होंने कहा कि चिंता न करें यह बहुत मामूली है और कई बार रैड कार्ड दिखाकर अमेरिका ऐसा करता है। लेकिन इस कारण से भी हमारे यहां के किसानों को चावल का रेट कम मिला। इसी तरह से इस बार फिर से यहां "अस्वत्थामा नरो हतो व कुंजरो" की शब्दावली का इस्तेमाल करके यह वातावरण बनाया गया कि निर्यात रोक दिया गया है। मैं कहना चाहूंगा कि मेरी पूरी पार्टी, मेरी पार्टी के प्रधान मंत्री, अध्यक्ष और कृषि मंत्री को मैंने उसी दिन झज्जर में बुलाया और ब्यान दिलवाया। लेकिन जिस तरह का वातावरण बनाया गया उससे प्रदेश के किसानों को नुकसान हुआ है तथा धान के रेट कम मिले हैं। हमने इस वातावरण को जब तोड़ा है और मण्डियों में जाकर बात की है तो किसानों को 500 से 600 रुपये प्रति क्विन्टल धान के भाव में लाभ हुआ है। जिन लोगों ने इस तरह का वातावरण बनाया इससे किसानों को नुकसान हुआ है इस बात को सभी लोगों को स्वीकार करना चाहिए।

श्री मनोहर लाल : अध्यक्ष महोदय, कृषि मंत्री जी ने जो जानकारी दी है मैं इसी बात को थोड़ा आगे और बढ़ाना चाह रहा हूं कि एक वातावरण बना कि धान का निर्यात बंद हो गया। जनता नहीं जानती कि मुख्यमंत्री जी ने पत्र क्या लिखा था क्योंकि पत्र कभी पब्लिश नहीं होता है। पत्र का जो अंश और सारांश होता है वह अखबारों में आता है और जनता यह मानती है कि जो समाचार पत्रों में आया शायद वही बात सही होगी। क्योंकि यह अपने आप में मीडिया के प्रति विश्वास की बात है। उस समय

इस तरह का पत्र नहीं लिखना चाहिए था। ऐसी खबर समाचार पत्रों में आ गई थी कि मुख्यमंत्री जी ने पत्र लिखा है निर्यात कम हो रहा है या बंद हो गया है जिसके कारण मण्डियों में अपने आप ही निरुत्साह पैदा हो गया। इसकी चिंता अगर करनी थी कि ईराक में धान का निर्यात नहीं हो रहा और रेट कम हो रहे हैं तो सरकार को इसकी छानबीन करके आंतरिक रिपोर्ट बनाई जा सकती थी। इस तरह से खुल्ला पत्र लिखने का मतलब यही होता है कि कहीं न कहीं रेट डाऊन करने की मंशा लगती है वरना मुख्यमंत्री महोदय को अगले ही दिन स्पष्टीकरण देना चाहिए था कि निर्यात बंद नहीं हुआ है। यदि बंद होने की बात लिखी है तो यह गलत बात है। उस समय इनका 21, 22, 23 या 24 सितम्बर को किसी समाचार पत्र में स्पष्टीकरण दिया गया होता तो इस तरह का वातावरण नहीं बनता और हम भी मान लेते कि उनकी रेट कम करने की इंटैंशन नहीं थी। मैं अभी यह बात तो नहीं कह सकता कि पिछली सरकार का धान का रेट कम करवाने में कोई इंट्रस्ट था क्योंकि यह बात तो निश्चित रूप से गहन छानबीन के बाद ही सामने आ पायेगी। हमारे कृषि मंत्री जी ने कहा है कि इस निर्यात को बढ़ाने के लिए तत्कालीन राज्य सरकार के स्तर पर प्रयत्न किये जाने चाहिएं थे। हमारे कृषि मंत्री ने करनाल और पानीपत दो मण्डियों का दौरा किया और उन्होंने वहां जाकर यह कहा कि कोई निर्यात कम नहीं होगा। सरकार द्वारा निर्यात कम होने के कारणों को निश्चित रूप से दूर किया जायेगा। मैंने स्वयं श्री सीता रमण जी, माननीय वाणिज्य मंत्री, भारत सरकार से बात की है कि हमारे यहां से जो जीरी का निर्यात कम होने की बातें आ रही हैं उनको वे कृपा करके ठीक करायें और इसके साथ ही यह भी पता लगाया जाये कि ऐसा क्यों हो रहा है। इस पर उन्होंने मुझे आश्वासन दिया कि हम ईरान सरकार से इस बारे में बात करेंगे। इस प्रकार बात करने के बाद कि निर्यात कम नहीं होगा एक ही दिन में धान का रेट 500 रुपये बढ़ जाता है। यह बहुत अच्छी बात है। दो दिन पहले मण्डियों में धान का रेट 3000 रुपये था जो कि आज 3500 रुपये हो गया है। विपक्ष के सभी माननीय सदस्य इसकी जानकारी मण्डियों से प्राप्त कर सकते हैं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : मैं सभी माननीय सदस्यगण से यह कहना चाहूंगा कि उन्होंने अपनी सारी की सारी बातें कह ली हैं अब जब सदन के नेता बोल रहे हैं तो उन्हें उनको ध्यानपूर्वक सुनना चाहिए। (शोर एवं व्यवधान)

श्री कर्ण सिंह दलाल : स्पीकर सर, मेरा प्वायंट ऑफ ऑर्डर है। माननीय मुख्यमंत्री जी ने जिस अखबार का जिक्र किया है वह एक अलग बात है। हमारे पास चिट्ठी है अगर आप इजाजत दें तो हम उसे सदन की मेज पर रखना चाहते हैं। आप उसको भी छोड़िए। किसान को उसकी उपज का सही मूल्य दिलवाना भारत सरकार और हरियाणा सरकार दोनों का कर्त्तव्य है। भारत सरकार की इस बारे में कोई निर्धारित पॉलिसी होनी चाहिए जिसके तहत किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य मिले। इस बारे में जब हमारे तत्कालीन मुख्यमंत्री जी ने माननीय प्रधानमंत्री को चिट्ठी लिखी थी, मैं यह जानना चाहता हूं कि उस समय केन्द्र सरकार ने धान के भावों को बढ़ाने के लिए क्या प्रयास किये। यहां तक कि भावों को बढ़ाने के बारे में प्रधानमंत्री या केन्द्रीय कृषि मंत्री का कोई ब्यान तक नहीं आया है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री जी से यह पूछना चाहता हूं कि जब सारी की सारी बातें इनके ईल्म में हैं और खुद मानते हैं कि इन्होंने भारत के वाणिज्य मंत्री से इस बारे में खुद बात की है तो क्यों ये कुछ नहीं कर रहे। इतना होने के बावजूद भी इन्होंने इन हालातों को क्यों ठीक नहीं किया और आज जो किसानों का धान मण्डियों में पिट रहा है और किसानों की जो लुटाई हो रही है उससे किसानों को क्यों नहीं बचाया गया।

श्री मनोहर लाल : अध्यक्ष महोदय, सरकारें बदलती रहती हैं। हमें यह भी मानकर चलना चाहिए कि Government is always in continuation. पूर्ववर्ती हरियाणा सरकार का कोई निर्णय हो और वह आज निरस्त हो जाये ऐसी बात नहीं है। सरकार ने किस मंशा से वह निर्णय किया होगा और उसके पीछे सरकार चलाने वालों की भूमिका क्या रही होगी इसका अवश्य ध्यान रखा जाता है। इन सब बातों को अगर हम ध्यान में रखते हैं कि किस समय पर कौन सी बात कहनी चाहिए तो समय के हिसाब से निश्चित रूप से उसका उपयोग होता है कि इसका लाभ किसको होने वाला है। जहां तक धान के मूल्य के सम्बन्ध में बनी वर्तमान परिस्थिति का प्रश्न है इस बारे में मेरा यह कहना है कि जो लोग आज कम भाव पर धान खरीदकर इस मंशा से उसका स्टॉक कर रहे हैं कि जब किसान का सारे का सारा धान सस्ते मूल्य पर बिक जायेगा तो उसके बाद वे अपने धान के स्टॉक को ऊँचे दामों पर बेचने के लिए बाहर निकालेंगे तो मैं यह समझता हूं कि इस तरह की मंशा किसी भी दृष्टि से उचित नहीं है क्योंकि यह देश, समाज और किसान किसी के भी हित में नहीं है। हमें इसकी जरूर चिंता करनी चाहिए कि आखिरकार इस प्रकार का वातावरण क्यों निर्मित किया जाता है। यह सरकार बदलने वाली थी इसलिए यह सब क्यों किया गया इसके ऊपर शंका हो सकती है। जब इनकी अपनी सरकार थी उस समय इस प्रकार की अफवाहें फैलाकर किसान की धान का रेट कम करना और फिर बाद में जब किसान का माल खत्म हो जाना उसके बाद रेट का जम्प करना इस प्रकार के हमारे पास बहुत से उदाहरण हैं। कुल मिलाकर मेरा यह कहना है कि हम सबको मिलकर इन समस्याओं का हल ढूंढना हैं और आगे कम से कम किसी वर्ग विशेष के हितों के साथ इस प्रकार का कोई खिलवाड़ न हो इस बात की हमें चिंता करनी चाहिए।

श्री कर्ण सिंह दलाल : स्पीकर सर, इस धान को अडाणी द्वारा खरीदा जा रहा है इस लिए किसानों को इस बात का डर सता रहा है कि कहीं अडाणी जी को फायदा पहुंचाने के लिए तो किसानों की लुटाई नहीं हो रही है क्योंकि पूरा देश जानता है कि वो भारत सरकार के कितना नज़दीक हैं। (शोर एवं व्यवधान)

बैठक का समय बढ़ाना

श्री अध्यक्ष : यदि हाउस की सहमति हो तो सदन का समय आधे घंटे के लिए और बढ़ा दिया जाये ?

आवाजें : ठीक है।

श्री अध्यक्ष : सदन का समय आधे घंटे के लिए और बढ़ाया जाता है।

राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर चर्चा तथा धन्यवाद प्रस्ताव पर मतदान (पुनरारम्भण)

वित्त मंत्री (कैप्टन अभिमन्यु) : अध्यक्ष महोदय, जब सदन के नेता बोल रहे हों अगर उस समय कोई बहुत जरूरी हस्तक्षेप हो और प्वायंट ऑफ ऑर्डर का कोई जैन्युन एक्सप्लेनेशन हो तब आप जरूर इजाजत दीजिए अन्यथा इस प्रकार के अनावश्यक हस्तक्षेप पूरे सदन की गरिमा के वातावरण को खराब कर रहे हैं। कृपया करके आप इसकी चिंता कीजिए। (शोर एवं व्यवधान) कुछ लोग आदतन ऐसा कर रहे हैं जो कि किसी भी प्रकार से ठीक नहीं है।

17.00 बजे **श्री कर्ण सिंह दलाल** : अध्यक्ष महोदय, बोलना हमारा हक है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : बोलना आपका हक है इसीलिए आपको बोलने के लिए 45 मिनट का समय दिया गया है लेकिन जब सदन के नेता बोल रहे हों तो आपको नहीं खड़ा होना चाहिए। (शोर एवं व्यवधान)

मुख्यमंत्री (श्री मनोहर लाल) : अध्यक्ष महोदय, श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा ने कुल एक विषय उठाया था कि सदन के वातावरण में गम्भीरता न बने इसलिए कभी-कभी हास्य-विनोद भी होना चाहिए। उन्होंने दो उदाहरण भी दिये थे और कहा था कि उससे गम्भीरता कम होती है। मुझे अच्छा लगा कि ऐसे सुझावों पर तो सबको बोलना चाहिए आखिर दिनभर का यह काम होता है। उनकी बात ठीक है मान लो हम सुबह 10 बजे से शाम 7-8 बजे तक काम करते हैं तो उससे गम्भीरता आना लाजिमी है। एक प्राध्यापक की भी दिन में 2-3 लैक्चर देने की ड्यूटी होती है क्योंकि उसके बाद वह एग्जॉस्ट हो सकता है। इतने बड़े कार्यक्रम में बोलते रहना और सुनते रहना उसमें कहीं न कहीं हास्य-विनोद होना चाहिए। यह बात हास्य-विनोद तक तो ठीक है लेकिन जब बात उससे बढ़ जाती है तो गलत हो जाता है। जब श्री कुलदीप शर्मा जी पूर्व स्पीकर ने अपने विषय को शुरू किया तो मुझे बहुत चिंता हो रही थी। एक होता है व्यंग्य, व्यंग्य करने में कोई आपत्ति नहीं होती और हंसी-मजाक में बात निकल जाती है। बात अगर व्यंग्य तक सीमित रहे तो ठीक है लेकिन व्यंग्य जब सीमा तोड़ कर उपहास में बदल जाता है तो एक-दूसरे पर आरोप और छींटाकसी शुरू हो जाती है। एक ने एक बात कही तो दूसरा डबल कहता है। हमारे हरियाणा में एक कहावत है कि लस्सी और लड़ाई का क्या बढ़ाना। हालाँकि यह लड़ाई नहीं है लेकिन उपहास में जब वाद-विवाद बनता है तो विधान सभा की जो गरिमा है वह भंग होती है। उसमें हमारा समय भी बहुत बर्बाद होता है तथा हमारी राजकीय हानि भी होती है। हमारे इस सदन की कार्यवाही को सब लोग देख रहे हैं और जिन लोगों ने हमें चुन कर भेजा है वे हमें देखते हैं तो वे सोचते हैं कि जिन लोगों को चुन कर भेजा है उनका यह व्यवहार है। व्यंग्य तक तो बात ठीक है, हास्य-विनोद तक तो ठीक है लेकिन किसी का उपहास नहीं उड़ाना चाहिए। हमारे पास समय बहुत कम हैं। मैंने स्वयं आगे बढ़ कर कहा कि हमारी सीटिंग बढ़ाई जानी चाहिए लेकिन आज मुझे अहसास हुआ कि हमारे सत्र छोटे क्यों हो जाते थे लगता है कि एक-दूसरे के खिलाफ ऐसा हो गया और उस वातावरण को ठीक करने के लिए और कुछ नहीं तो सत्र ही छोटे कर दो। उससे बच निकलने के लिए सत्र छोटा करके जल्दी से कार्य का निपटारा करके बाहर निकल जाते। हमारे पास 54 ऐसे विभाग हैं जो विभिन्न मंत्रालयों को अलॉट किये गये हैं। उसके अलावा मैंने एक लिस्ट देखी है जिसमें हमारे कुछ छोटे-छोटे ऐसे विभाग हैं जिनको हमने इग्नोर कर रखा है। इन सभी विभागों को 54 की बजाय 80 विभागों में बांट कर भी हम अपने प्रदेश का काम अच्छे तरीके से चला सकते हैं। मंत्रालयों के 54 विभाग हैं और अगर हम हर विभाग को एक-एक घंटे का समय दें तो भी 54 घंटे लगते हैं। यह काम हम रोजाना 6-7 घंटे काम करके भी कर सकते हैं। इसके लिए जरूरी नहीं है कि हम सुबह 10 बजे से लेकर रात 10 बजे तक काम करें। इसमें थोड़ा-थोड़ा समय लगा कर भी हम इसको कर सकते हैं। इसके अलावा हमारे पास विधायी कार्य हैं, हमारे विधान सभा क्षेत्र के काम हैं तथा लोगों से मिलने-जुलने के काम भी हैं। सत्रों की संख्या बढ़ सकती है और हमें एक रचनात्मक चर्चा करनी चाहिए। यह काम सरकार की तरफ से भी और विपक्ष की तरफ से भी रचनात्मक होना चाहिए। सरकार का काम है यह बताना कि हम यह काम करेंगे, यह हम कर रहे हैं और ये हमारी उपलब्धियाँ हैं। उसमें जो कमियाँ हैं वे प्रतिपक्ष के लोगों को बताना चाहिए कि इसमें ये कमियाँ हैं इनको ठीक कीजिए। उन

[श्री मनोहर लाल]

कमियों को ठीक करने के सुझाव भी दिये जा सकते हैं। मैं तो कहता हूँ कि भाइयों की शिकायत भी करो लेकिन साथ में सुझाव भी लेकर आओ कि उस काम को कैसे ठीक करना है। सुझाव को मानना तो सरकार का काम है। अगर सुझाव ठीक होगा तो निश्चित रूप से माना जायेगा। कहीं से भी कोई अच्छा सुझाव आता है और हम उसका उपयोग करते हैं तो उसको उसका राजनीतिक तौर पर कहीं पर इस्तेमाल करना है तो करें लेकिन हमारे पास जो अच्छा सुझाव आयेगा तो हम मानेंगे। हमारे पास किसी भी कोने से किसी भी विधायक से आयेगा या हमारे जो पूर्व में राज करने वाले मंत्रियों या मुख्यमंत्रियों की ओर से आयेगा या जनता में से भी किसी कोने से आयेगा तो मैं यह विश्वास दिलाता हूँ कि हम निश्चित रुप से उसको मानेंगे, हम उसको रद्दी की टोकरी में नहीं डालेंगे। इसी प्रकार से बिजली की बात की गई है। हमारे एक माननीय सदस्य ने कहा कि हमने बिजली के 4 प्लांट लगाये हैं, लगाये हैं ठीक है लेकिन आज बिजली की स्थिति क्या है? उन्होंने कहा कि हमारे पास 5 हजार मेगावाट बिजली की क्षमता है। हमारे यहां 20 ऐसे प्लांट हैं जो बिजली पैदा करते हैं। हरियाणा में बिजली स्थापित करने के जो प्लांट्स लगे हैं उनमें से चलने वालों की संख्या तो केवल सात-आठ या नौ ही हैं और ग्यारह-बारह प्लांटस खराब पड़े हैं। अब ये प्लांट खराब होने की स्थिति क्यों आई, हमारे यहां क्या प्रोबलम है, इनका पता लगाना सरकार का काम है। हमारा प्लांट खराब है, हमारी मशीनरी खराब है, हमारे यहां मशीनरी रिपेयर नहीं हो रही, हमारे यहां कोयला की सप्लाई नहीं हो रही इन समस्याओं को दूर करना भी सरकार का काम है। अगर बीस के बीस प्लांट चलते हैं तब पांच हजार मेगावाट बिजली प्रतिदिन पैदा होती है। जबकि हमारे हरियाणा में अगर हम 24 घण्टे बिजली दें तो भी हमें पांच हजार मेगावट बिजली की जरूरत नहीं है। अगर चार हजार मेगावट बिजली हम प्रतिदिन पैदा करते हैं तो उससे हरियाणा 24 घण्टे बिजली दे सकता है। उसके बाद एक हजार मेगावट बिजली सरप्लस हो सकती है। आज हमारे यहां प्रतिदिन बिजली का उत्पादन 1500 मेगावाट है। हम जो बिजली आपूर्ति करते हैं वह महंगे रेट पर खरीद कर करते हैं इसको भी हमें ठीक करना होगा, क्योंकि उपभोक्ता प्रबंधन का एक हिस्सा है। हम इसको ठीक करेंगे और हम एक ऐसा वातावरण बनाएंगे कि हरियाणा को 24 घण्टे बिजली मिल सके तथा जनता यह समझे कि हमारी अपनी सरकार है और हमारी अपनी बिजली है जिससे उनका मन बिजली का दाम देने का बने । लोग बिजली के दाम क्यों नहीं दे रहे हैं ? इसके लिए हम सबको, पूरे सदन को, सभी विधायकों को अपने-अपने क्षेत्र में जाकर ऐसा वातावरण बनाना होगा जिससे लोग ये समझें कि उनकी अपनी सरकार है। ऐसा वातावरण नहीं बनाना है कि बिजली न दो तो हड़ताल करो। उससे क्या होगा अल्टीमेटली लोस होगा और वह लोस अपना है, किसान के उत्पादन का है और उत्पादन से हमारी आर्थिक स्थिति का भी लोस है। हमें ऐसा वातावरण बनाना है कि हमारे किसान की स्थिति अच्छी बने इसके लिए हमें आपस में सहयोग करना चाहिए, ऐसा मेरा मानना है। मित्रो, यहां सदन में बुढ़ापा पैंशन की बात कही गई अब ये ठीक है कि चुनाव में पार्टियां घोषणाएं करती हैं। चुनाव में घोषणा करते समय हमने घोषणा की है कि हम बुढ़ापा पेंशन 2000 रुपये प्रति मास कर देंगे। कुछ दलों ने हम से पहले एक हजार रुपये से बढ़ाकर 1500 रुपये की घोषणा भी की। लेकिन हम अपनी बात पर सहमत हैं हम पेंशन 2000 रुपये देंगे लेकिन हमने कोई डेट घोषित नहीं की थी। हुड्डा साहब ने जो डेट घोषित की पता नहीं इनको क्या ख्वाब आया कि उनकी सरकार आ रही है, इसलिए डेट घोषणाएं करने का कोई अर्थ नहीं है। हम पेंशन 2000 रुपये करेंगे लेकिन इसमें कुछ अनियमितताएं हैं उन सब अनियमित्ताओं की तरफ भी हमारा ध्यान

है। मैं एक जिले को ही लेता हूं जैसे मुझे करनाल जिले की बुढ़ापा पेंशन की ऑडिट रिपोर्ट मिली है। एक अकेले करनाल जिले में साढ़े चार करोड़ रुपये का कहीं न कहीं घोटाला पाया गया है जो साल भर का पचास करोड़ रुपया बनता है। बाकि और जिलों का ऑडिट भी किया जाए तो एवरेज बेस पर लमसम चार सौ-पांच सौ करोड़ रुपये की गड़बड़ है। ऑडिट करने के बाद बारह हजार लोग तो ऐसे पाए गये जिनके वहां फार्म ही नहीं हैं और यहां से उनके नाम की पेंशन विदड्रॉ की जा रही है अब ये पता नहीं कि वह बुढ़ापा पेंशन किसके पास जा रही है। (विघ्न) ऐसा सरकार की ऑडिट रिपोर्ट कह रही है मैं नहीं कह रहा हूं। हमें मिनिस्ट्री ऑफ सोशल वैल्फेयर के माध्यम से पता चला है कि और भी बहुत सारे ऐसे केसिज हैं कि जो पात्र हैं उनको तो ऑर्डनरी बुढ़ापा पेंशन मिलती नहीं है क्योंकि उनकी तो पेंशन बनाई गई और से काटी गई ये कारण कुछ भी हो सकते हैं। हम पात्रता सूची दोबारा से बनवाएंगे और पात्रों को पेंशन मिलती है या नहीं मिलती उसके लिए भी हमने एक योजना लागू की है जनधन योजना। इसके तहत सभी परिवारों को बैंकों में अपना अकाउंट खोलने के लिए कहा गया है। देश भर में और हमारे प्रदेश में भी बहुत से लोगों ने बैंकों में अपना अकाउंट खुलवा लिया है। जिनके पहले से बैंक अकाउंट खुले हुए हैं हम उनकी पेंशन को उनके बैंक अकाउंट के माध्यम से भेजेंगे अगर उसमें कहीं गड़बड़ होती है तो उसको हम हर स्टेज पर चैक करेंगे। आखिर बैंक अकाउंट तो फर्जी नहीं होगा अगर बैंक अकाउंट फर्जी होगा तो इसकी जिम्मेवारी बैंक पर होगी और अगर उसमें से किसी पेंशन लेने वाले ओल्ड ऐज व्यक्ति की मृत्यु होने पर उसका नाम काटने की बात आएगी तो इसमें सरकार तो अपना काम करेगी ही और उसमें बैंक भी हमारी सहायता करेंगे। उसके बैंक बैलेंस का भुगतान उनके परिवारों को कैसे होगा इसका हम एक मकैनिज्म बनाने जा रहे हैं। पांच साल में बुढ़ापा पेंशन हम 2000 रुपये जरूर करेंगे, यह सरकार का काम है लेकिन कैसे करेंगे इसको हम हमारा आर्थिक प्रबंधन का वाईट पेपर आने के बाद बताएंगे। वाईट पेपर आने के बाद से हमें अपने आर्थिक प्रबंधन का पता चल जाएगा। पूरे पांच साल के अन्दर हम पेंशन 2000 रुपये जरूर करेंगे, चाहे इसे फेजिज में करें या आज करें या कल करें ये हमारा वायदा है लेकिन हमने डेट फिक्स नहीं की। हुड्डा साहब ने तो डेट फिक्स की थी। हां, यह जरूर कहता हूं कि जो पैंशन आज है उससे कम नहीं होगी। हम पेंशन 2000 रुपये कैसे करेंगे इस विषय को हम सदन के सामने रखेंगे।

श्री अभय सिंह चौटाला : स्पीकर सर, मैं माननीय मुख्यमंत्री महोदय से निवेदन करना चाहता हूँ कि यदि वे वृद्धावस्था पेंशन 2000 रुपये प्रति माह करने के लिए कोई डेट फिक्स कर दें या फिर छह महीने या साल की कोई समयावधि निश्चित कर दें तो मैं समझता हूँ कि ज्यादा अच्छा रहेगा। जब आपने अपने मैनिफैस्टो में वृद्धावस्था पेंशन को प्रति माह 2000 रुपये करने की बात कही थी तो लोगों की आपसे एक उम्मीद बंधी थी। अत: उसको पूरा करने के लिए एक समयावधि निश्चित कर देना ज्यादा उचित होगा।

श्री मनोहर लाल: स्पीकर सर, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्य को बताना चाहूँगा कि बहुत शीघ्र इस दिशा में आवश्यक कदम उठाये जायेंगे। जहां तक आपने साल-छह महीने की समयावधि की बात की है तो मैं समझता हूँ कि इतना ज्यादा समय इस काम के लिए नहीं लगेगा। जल्द से जल्द इस पर कार्यवाही की जायेगी। (शोर एवं व्यवधान)

श्री कर्ण सिंह दलाल : स्पीकर सर, पेंशन बढ़ोत्तरी के इस काम में जितनी देरी होगी उतना ही हमारे बुजुर्गों को इससे नुकसान भी होगा। (विघ्न)

कैप्टन अभिमन्यु: स्पीकर सर, मैं आपके माध्यम से माननीय दलाल साहब को बताना चाहता हूँ कि इस बारे में उन्हें ज्यादा चिंता करने की जरूरत नहीं है। सरकार इस मामले में पूरी तरह से सचेत है।

श्री कर्ण सिंह दलाल : स्पीकर सर, इस महंगाई की मार से गरीब व्यक्ति मरता जा रहा है। यदि सरकार की मेहरबानी हो जाती है तो वृद्धावस्था पेंशन की 2000 रुपये की राशि से आम गरीब व्यक्ति का काम चल सकता है। यदि इस वृद्धावस्था पेंशन को लागू करने में एक महीना लग जाता है तो इससे हमारे बुजर्गों को निश्चित रूप से बहुत ज्यादा नुकसान होगा। (शोर एवं व्यवधान)

श्री मनोहर लाल: स्पीकर सर, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्य को बताना चाहता हूँ कि हमारी सरकार बुजुर्गों के प्रति बहुत ही संवेदनशील हैं। हम अपने बुजुर्गों का सम्मान करते हैं। हमारे बुजुर्गों ने परिश्रम और मेहनत के साथ समाज में रहकर काम किया है और उसी की बदौलत हरियाणा का निर्माण हुआ है। बुजुर्ग हमारे समाज का सम्मानित भाग हैं। बुजुर्गों को लाभ पहुंचाने के लिए जितना शीघ्रतिशीघ्र संभव हो सकता है हम उनको फायदा पहुचायेंगे। सुव्यवस्थायें होंगी और जो हमारी अगली मीटिंग होगी उसमें आर्थिक प्रबंधन के सभी विषय आयेंगे और वर्तमान में जो 1000 रुपये की वृद्धावस्था पेंशन वितरित की जा रही है। उसको अवश्य बढ़ाया जायेगा, कितना बढ़ायेंगे यह बैठकर निर्णय लिया जायेगा। (विघ्न)

श्री अभय सिंह चौटाला : स्पीकर सर, माननीय मुख्यमंत्री जी यदि वृद्धावस्था पेंशन को पांच साल के अन्दर हर वर्ष 200-200 रुपये करके बढ़ायेंगे तो आने वाले समय में यह 2000 रुपये स्वत: ही हो जायेगी। यह ज्यादा ठीक रहेगा।

श्री मनोहर लाल : स्पीकर सर, मैंने माननीय सदस्य का सुजेशन नोट कर लिया है। पांच साल के अन्दर तो इस कार्य को हर हालत में पूरा किया जायेगा। आपका जो सुझाव है उसे अवश्य ध्यान में रखा जायेगा। (शोर एवं विघ्न)

श्री कर्ण सिंह दलाल : स्पीकर सर, पांच साल का तो बहुत ज्यादा समय होता है।

श्री मनोहर लाल: स्पीकर सर, मैं माननीय सदस्य को बताना चाहता हूँ कि सदन में जो सुझाव दिया गया है हम उसको अवश्य ध्यान में रखेंगे। आप इस कार्य को सरकार पर छोड़ दीजिये। (शोर एवं व्यवधान) जो सुझाव है इस पर सरकार पूरा विचार करेगी। अब मैं समझता हूँ कि प्रोसिडिंग को आगे बढ़ाया जाये। महिला कल्याण एक बड़ा ही गंभीर चिंता का विषय है। महिला कल्याण के लिए अनेक योजनाएं बनाई गई हैं। महिला कल्याण के लिए केन्द्र की भी अनेक योजना हैं। वर्तमान में प्रदेश में जो सबसे बड़ी चिंता का विषय है वह हरियाणा की जैंडर रेशों में लगातार गिरावट होना। हरियाणा प्रदेश की जैंडर रेशों में गिरावट की पूरे देश भर में चर्चा होती है। हम जब कभी बाहर जाते हैं तो सबसे पहले हमसे यही प्रश्न किया जाता है कि आपके हरियाणा में जैंडर रेशो में महिलाएं/लड़कियां कम हो गई हैं। सर्वे के मुताबिक 1000 पुरुषों के पीछे 859 महिलायें हैं। (विघ्न)

श्री कुलदीप शर्मा : स्पीकर सर, सदन में वृद्धावस्था पेंशन पर डिबेट हो रही थी अत: मैं आपके माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री महोदय से अनुरोध करूंगा कि वे कब तक वृद्धावस्था पेंशन को 2000 रुपये प्रति माह कर देंगे इस बारे में कोई निश्चित ध्यान दें। यह नहीं की पांचवें साल में आप 2000 रुपये की राशि पेंशन के रूप में देंगे। आपके इलैक्शन मैनिफैस्टो में दिया गया था कि जब भाजपा सरकार आयेगी तो वृद्धावस्था 2000 रूपये कर दी जायेगी। आपकी सरकार आ चुकी है। चूंकि आपकी सरकार सत्ता में है अत: 2000 रुपये वृद्धावस्था पेंशन इसी महीने से हो जानी चाहिए।

मनोहर लाल: स्पीकर सर, यह सच है कि हमारी सरकार सत्ता में आ गई है अत: हम वृद्धावस्था पेंशन को पांच साल की अवधि में कभी भी कर सकते हैं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री कर्ण सिंह दलाल : स्पीकर सर, यह ठीक नहीं है। इस तरह के कार्य को हरियाणा की जनता के साथ ज्यादती ही माना जायेगा। (शोर एवं व्यवधान)

श्री कुलदीप शर्मा : स्पीकर सर, जब सरकार सत्ता में आ चुकी है तो हरियाणा के बुजुर्ग उसी दिन से जिस दिन भाजपा सरकार सत्ता में आई थी 2000 रुपये की पेंशन की राशि के हकदार हैं। इस तरह के ब्यान को हरियाणा की जनता के साथ धोखा माना जायेगा। (विघ्न)

मनोहर लाल: स्पीकर सर, मैं आपके माध्यम से माननीय साथी को बताना चाहूंगा कि हरियाणा की जनता के साथ ज्यादती करने की कोई मंशा सरकार की नहीं है। (शोर एवं व्यवधान)

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री (श्री कृष्ण कुमार बेदी) : स्पीकर सर, जो 1000 रुपये की वृद्धावस्था पेंशन कांग्रेस सरकार ने लोगों की शुरू की थी उसमें तो कोई रोक नहीं है। वह तो बराबर चलती रहेगी। इस पैंशन को बंद तो नहीं किया जा रहा है रही बात बढ़ोतरी की वह तो निश्चित रूप से की ही जायेगी। (शोर एवं व्यवधान)

श्री कुलदीप शर्मा : स्पीकर सर, जब इलैक्शन मैनिफैस्टो में बकायदा कहा गया था कि सरकार के सत्ता में आते ही वृद्धावस्था पेंशन 2000 रुपये प्रति मास कर दी जायेगी तो अब सरकार इसे तुरंत प्रभाव से लागू करने में क्यों हिचक रही है? (शोर एवं व्यवधान)

मनोहर लाल: स्पीकर सर, मैं माननीय सदस्य को बता देना चाहूंगा कि जिस समय यह बात इलैक्शन मैनिफेस्टो में दर्ज की गई थी उस समय तक हमको यह नहीं पता था कि कांग्रेस सरकार हमारे लिए कौन से गढ्ढे खोद कर गई है? हम पहले उन गढ्ढों को देखेंगे उसके बाद ही कोई फैसला लेंगे। (इस समय सदन में हंसी के फव्वारे फूट पड़े) स्पीकर सर, हम पहले कांग्रेस द्वारा खोदे गये खड्डों की जांच करेंगे। (शोर एवं व्यवधान)

श्री कुलदीप शर्मा : स्पीकर सर, वृद्धावस्था पेंशन पर अब सरकार बचती नजर आ रही है। सरकार सत्ता में आ चुकी है अत : निर्णय लेने में कदापि कोताही नहीं बरती जानी चाहिए। (विघ्न)

कैप्टन अभिमन्यु: स्पीकर सर, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा कि निर्वाचित सरकार का कार्यकाल पांच वर्ष का होता है और जो घोषणा पत्र/संकल्प पत्र है उसे पांच साल में पूरा करके जनता के बीच में जाने का प्रावधान है। (शोर एवं व्यवधान) शर्मा जी, आपकी कांग्रेस सरकार सत्ता से बाहर हो चुकी है। हमें अपना काम करने दीजिये। कहीं पर भी सरकार की मंशा पर संदेह नहीं किया जा सकता। (शोर एवं व्यवधान) स्पीकर सर, मैं समझता हूं कि लीडर ऑफ द हाउस को अपनी बात पूरी कर लेनी दी जानी चाहिए। (शोर एवं व्यवधान)

श्री कर्ण सिंह दलाल : स्पीकर सर, कम से कम कोई तिथि तो बता ही दी जानी चाहिए कि सरकार फलां दिन से वृद्धावस्था पेंशन 2000 रुपये करने जा रही है ? क्या सरकार को इसे लागू करने में कोई दिक्कत नजर आ रही है ?

श्री मनोहर लाल: स्पीकर सर, मैं माननीय साथी को बताना चाहता हूं कि सब कुछ ठीक है और विचार करके इसको अमलीजामा पहना दिया जायेगा। सरकार को इस काम में कोई दिक्कत नहीं है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री कर्ण सिंह दलाल : स्पीकर सर, मेरा माननीय मुख्यमंत्री जी से पुन : अनुरोध है कि इसके लिए कोई समय सीमा तो निश्चित कर ही दीजिये। (शोर एवं व्यवधान)

श्री रघुवीर सिंह कादियान : स्पीकर सर, जिस तरह से आप लोग सरकार के सत्ता में आने की इंतजार कर रहे थे उसी प्रकार से प्रदेश के बुजुर्ग भी अपनी पेंशन बढ़ने का इंतजार कर रहे थे। (विघ्न)

श्री कर्ण सिंह दलाल : स्पीकर सर, सरकार यदि वृद्धावस्था पेंशन के लिए कोई समय सीमा निश्चित कर देती है तो हमें कोई ऐतराज नहीं होगा। आखिर यह हरियाणा के गरीब बुजुर्गों का मसला है। उनका गुजारा किस प्रकार से होता है आप शायद उससे भलीभांति परिचित नहीं हैं ?

श्री मूलचंद शर्मा : स्पीकर सर, दलाल साहब की कांग्रेस सरकार के समय भी कई चीजों के लिए समयावधि निश्चित की गई थी उस समय इन्होंने क्या किया था ? (शोर एवं व्यवधान)

श्री कर्ण सिंह दलाल : स्पीकर सर, माननीय मुख्यमंत्री जी वृद्धावस्था पेंशन बढ़ोतरी के लिए यदि कोई भी समय सीमा तय कर देते हैं तो वह अच्छी बात होगी। (शोर एवं व्यवधान) हमें माननीय मुख्यमंत्री जी के कहे गये शब्दों पर बिल्कुल तसल्ली है। (शोर एवं व्यवधान) मुख्यमंत्री जी बड़ी अच्छी बातें सदन में कर रहे हैं। हम मुख्यमंत्री जी की नीयत पर शक नहीं कर रहे हैं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री मनोहर लाल: स्पीकर सर, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्य को बता देना चाहता हूं कि मैंने कभी भी यह नहीं कहा कि वृद्धावस्था का पैसा अंडर ऐज लोगों के पास जा रहा है बल्कि मैंने कहा था कि गलत नामों से वृद्धावस्था पेंशन का पैसा जा रहा है।

श्री रघुवीर सिंह कादियान : अध्यक्ष महोदय, मेरी आपके माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री महोदय से एक ही गुजारिश है कि कहीं न कहीं आपकी गवर्नेंस पर प्रश्न चिंह लग रहा है। आप अगर इस फ्रेजिज को एक महीने के अंदर गुड मैनेजमैंट के साथ जांच करवा लें तो उसके बाद यह आसानी से पता चल जायेगा कि कितने लोग गलत वृद्धावस्था पेंशन ले रहे हैं और कितने लोग सही वृद्धावस्था पेंशन ले रहे हैं। इस प्रकार से पूरे हरियाणा प्रदेश के वृद्ध, विधवा और विकलांग व्यक्तियों के नाम आपके पास आ जायेंगे। (शोर एवं व्यवधान)

कैप्टन अभिमन्यु: अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्य को बताना चाहता हूं कि अभी सरकार ने स्वच्छ हरियाणा की शुरूआत की है (शोर एवं व्यवधान)

श्री रघुवीर सिंह कादियान: अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से यह पूछना चाहता हूं कि वृद्धावस्था पेंशन को बढ़ाकर शुरू करने में कितना टाईम लगेगा। (शोर एवं व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, आज लाखों बूढ़ी आंखें विधान सभा का सत्र टी०वी० के माध्यम से देख रही है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : प्लीज आप सब बैठ जाईये।

श्री रघुवीर सिंह कादियान : अध्यक्ष महोदय, अगर आज आपने वृद्धावस्था पेंशन को बढ़ाकर लागू करने का सॉलिड फैसला नहीं लिया तो बहुत बड़ा सम्मानित वर्ग डिमॉलाईज हो जायेगा। (शोर एवं व्यवधान)

श्री कुलदीप शर्मा : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से पूछना चाहता हूं कि वृद्धावस्था पैंशन 2000 रुपये प्रति महीना कब तक लागू हो जायेगी ? (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : कुलदीप जी, बैठ जाईये। प्लीज आप सब लोग बैठ जाईये।

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय.....(शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : कुलदीप जी, आप सभी ने तो बिना मतलब के ही वाकआउट करने की पूरी तैयारी कर ली है। आप सबको बोलने के लिए पूरा टाईम दिया गया था। (शोर एवं व्यवधान)

श्री कुलदीप शर्मा : अध्यक्ष महोदय.....(शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : कुलदीप जी, प्लीज आप बैठ जाईये।

वित्त मंत्री (कैप्टन अभिमन्यु): अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा कि ये भूल गये हैं कि इन्होंने अपने शासन काल में 24 घंटे बिजली देने का वायदा किया था, परन्तु इनके कार्यकाल में वह वायदा पूरा नहीं किया गया। इनको इस प्रकार से सदन की कार्यवाही में बाधा डालने का कोई हक नहीं है। ये सदन के नेता के सम्बोधन में हस्तक्षेप कर रहे हैं। हमारी पार्टी की तरफ से कभी भी इनके नेता के सम्बोधन में हस्तक्षेप नहीं किया गया। (शोर एवं व्यवधान)

डॉ० रघुवीर सिंह कादियान : अध्यक्ष महोदय.....(शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : रघुवीर जी, प्लीज आप बैठ जाईये। (विघ्न)

मुख्यमंत्री (श्री मनोहर लाल) : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्यों को बता देना चाहता हूँ कि एक राजनीति होती है और दूसरा राजनीति से ऊपर उठकर अपने प्रदेश के हित की बात करना होता है। प्रदेश के हित की बात करने के लिए आप सभी माननीय सदस्यों को थोड़ा धैर्य रखना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्यों को बताना चाहता हूं कि दिनांक 26-10-2014 से लेकर 4-11-2014 तक सरकार बने मात्र 8 दिन ही हुये हैं। 10 दिन भी पूरे नहीं हुये हैं। आप हमारी 8 दिन की अकाउन्टेबिलिटी पूछ रहे हो और हम आप से 10 सालों की अकाउन्टेबिलिटी भी न पूछें। **(इस समय मेजें थपथपाई गई)** (शोर एवं व्यवधान) मैंने आपको दो बातें बताई है, पहली बात हमने कोई तिथि निश्चित नहीं की थी कि घोषणाओं को कब लागू करेंगे, दूसरी बात आपने हमारे सामने आर्थिक गडढ़ा खड़ा कर दिया है। इसलिए हम इस आर्थिक गडढ़े को तो पहले देख लें कि यह कितना गहरा है और कितना नहीं है। उसके बाद आर्थिक प्रबंधन की बात शीघ्र करेंगे। अध्यक्ष महोदय, मैं सभी माननीय सदस्यों को विश्वास दिलाता हूं कि हमारी सरकार आर्थिक प्रबंधन को शीघ्र अतिशीघ्र करने की कोशिश करेगी। **(इस समय मेजें थपथपाई गई)**

श्री बलकौर सिंह: अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री से पूछना चाहता हूँ कि वृद्धावस्था पेंशन को 2000/- रुपये करने का काम कब करेंगे। (शोर एवं व्यवधान)

श्री मनोहर लाल: अध्यक्ष महोदय, मैंने अभी माननीय सदस्यों को यह बताया है कि हम पांच साल के अन्दर अन्दर वृद्धावस्था पेंशन लागू कर देंगे, इसको विवाद का विषय न बनाया जाये।

शिक्षा मंत्री (श्री रामबिलास शर्मा): अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय सदस्यों को बताना चाहता हूँ कि हम वृद्धावस्था पैंशन शीघ्र अतिशीघ्र लागू करेंगे।

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, मुझे माननीय मुख्यमंत्री जी पर विश्वास है और मैंने बहुत से मुख्यमंत्री देखें हैं। मैं माननीय मुख्यमंत्री जी का तहेदिल से अभिनन्दन करता हूँ कि जिस तरह से वे हाउस में व्यवहार कर रहे हैं, सारे सदन को अच्छा लग रहा है। मैं एक ही बात कहना चाहता हूँ कि पिछली सरकार ने वृद्धावस्था पैंशन 1 नवम्बर, 2014 से शुरू करने का कैबिनेट में फैसला लिया था। मैं यह चाहता हूँ कि जब भी आप वृद्धावस्था पैंशन की बढ़ोतरी लागू करें तो 1 नवम्बर, 2014 से ही लागू करें।

सामाजिक एवं अधिकारिता मंत्री (श्रीमती कविता जैन): अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्य को बताना चाहती हूं कि 1 नवम्बर, 2014 को वृद्धावस्था पेंशन बढ़ाने का फैसला कांग्रेस सरकार ने कैबिनेट में लिया था और अभी भी यह फैसला फाईनैंस डिपार्टमैंट के पास लम्बित है। मैं यह बात क्लीयर कर देना चाहती हूँ कि अभी भी उसकी स्वीकृति नहीं मिली है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष: प्लीज, आप सब बैठ जाईये। सदन के नेता को बोलने दीजिए।

डॉ० रघुवीर सिंह कादियान: अध्यक्ष महोदय, किसी भी पार्टी का घोषणा पत्र इस बात का सूचक होता है कि जैसे ही उस पार्टी की सरकार सत्ता में आएगी वैसे ही वह पार्टी अपने घोषणा पत्र को इम्पलीमैंट करेगी। अध्यक्ष महोदय, घोषणा पत्र में टाइम लिमिट नहीं होता है। मेरी सदन के नेता से गुजारिश है कि जिस विश्वास और भरोसे पर जो जनमत भारतीय जनता पार्टी प्राप्त को हुआ है उसी के आधार पर हरियाणा प्रदेश के समाज के सम्मानित वर्ग के लोगों को दो हजार रुपये बुढ़ापा पेंशन मिलनी चाहिए। (शोर एवं व्यवधान)

स्वास्थ्य मंत्री (श्री अनिल विज) : अध्यक्ष महोदय, सदन के नेता बोलने के लिए खड़े हैं और कादियान जी बोले ही जा रहे हैं। (शोर एवं व्यवधान)

डॉ रघुवीर सिंह कादियान : अध्यक्ष महोदय, मैं तो आपकी अनुमति से ही सदन में बोल रहा हूँ। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : कादियान जी, आप हाउस के स्पीकर भी रह चुके हैं कृपा करके आप अपनी सीट पर बैठ जाइये।

श्री अनिल विज : स्पीकर सर, लीडर ऑफ दी हाउस खड़े हैं और कादियान जी बोले ही जा रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, मुझे पता नहीं कादियान जी कौन सी किताब पढ़ते हैं जिस में यह लिखा होता है कि चाहे लीडर ऑफ दी हाउस खड़े हों फिर भी बोलते ही रहना चाहिए। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : कादियान जी, कृपा करके आप अपनी सीट पर बैठ जाइये।

डॉ० रघुवीर सिंह कादियान : समाज के सम्मानित वर्ग के मान सम्मान के लिए बुढ़ापा पैंशन को बढ़ाया जाना चाहिए। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : कादियान जी, कृपा करके आप बैठ जाइये। आपके द्वारा बोले गये एक शब्द से ही पता चल गया है कि आप सदन में क्या कहने जा रहे हो। कादियान जी, कांग्रेस पार्टी के सदस्यों को मीडिया गैलरी से मीडिया देख रही है कि कांग्रेस पार्टी के सदस्य बिना किसी मुद्दे के वाक आउट कर रहे हैं। कल न्यूज पेपर में यह मुद्दा छपेगा कि कांग्रेस पार्टी के सदस्यों ने बिना किसी मुद्दे के सदन से वाक आउट कर दिया। (शोर एवं व्यवधान)

श्री रामविलास शर्मा : अध्यक्ष महोदय, यह कांग्रेस पार्टी के सदस्य बिना किसी मुद्दे के भाग रहे हैं। कुलदीप शर्मा जी ने 58 मिनट माननीय राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर अपने विचार व्यक्त किये। अध्यक्ष महोदय, भगवान करे कि कांग्रेस पार्टी सदन से परमानैंट वाक आउट हो जाये। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : कादियान जी, कांग्रेस पार्टी के सदस्य बिना किसी मुद्दे के वाक आउट कर रहे हैं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री रामविलास शर्मा : अध्यक्ष महोदय, सदन में बोलने के लिए कांग्रेस पार्टी के सदस्यों के पास कोई मुद्दा ही नहीं है। कुलदीप शर्मा जी अपने 58 मिनट के माननीय राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर एक भी वाक्य सही ढंग से नहीं बोल पाए हैं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : कादियान जी और कुलदीप शर्मा जी, आप दोनों ही हाउस के स्पीकर रह चुके हैं, कृपा करके आप अपनी-अपनी सीट पर बैठ जायें। (शोर एवं व्यवधान)

श्री रामविलास शर्मा : अध्यक्ष महोदय, कांग्रेस पार्टी के सदस्य मुद्दा तो बताएं कि किस कारण वाक आउट कर रहे हैं।

डॉ रघुवीर सिंह कादियान : ****

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री (श्री कृष्ण कुमार) : अध्यक्ष महोदय, अगर कांग्रेस पार्टी इस बात को साबित कर दें कि उन्होंने सत्ता हासिल करने के लिए पहले ही दिन अपनी पार्टी के घोषणा पत्र को लागू कर दिया था तो हम सत्ता पक्ष के सदस्य, कांग्रेस पार्टी के सदस्यों का सदन से वाक आउट करना जायज मान लेंगे। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : कादियान जी जो बोल रहे हैं वह रिकार्ड न किया जाए।

श्री रामविलास शर्मा : कादियान जी, आपकी पार्टी के सदस्य किसलिए सदन से वॉक आउट कर रहे हैं। कृपा करके सभी सम्मानित सदस्य अपनी-अपनी सीटों पर बैठ जायें। (शोर एवं व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, जब माननीय मुख्यमंत्री जी सदन में अपना भाषण दे रहे थे उस समय कांग्रेस के सदस्यों को नींद आ रही थी जबकि वे सभी इतने वरिष्ठ सदस्य हैं। मैं बीस साल तक इस महान सदन का सदस्य रह चुका हूं, मैं सरकार में भी रहा हूं और विपक्ष में भी रहा हूं। आज हमारे माननीय मुख्यमंत्री ने अपनी मेडन स्पीच में यह कहा कि मैंने पिछले 10-15 साल की सदन की कार्यवाही देखी है जिससे मुझे पता चला है कि हरियाणा के सदन की सिटिंग्स सारे देश में सबसे कम हुई हैं। (विघ्न) हमारे मुख्यमंत्री जी ने कितनी गजब की बात कही है। माननीय आज उन्होंने बहुत अच्छी बात कही है। (शोर एवं व्यवधान)

डॉ० रघुवीर सिंह कादियान: अध्यक्ष महोदय, आप मेरी बात तो सुन लीजिए। (शोर एवं व्यवधान) शर्मा जी, आप उस समय कहा पर थे जब आपने अपने घोषणा पत्र में बुढ़ापा पेंशन को 2000 रुपये प्रति महीना देने की बात कही थी। (शोर एवं व्यवधान)

श्री रामविलास शर्मा: अध्यक्ष महोदय, मैं डॉक्टर साहब को बताना चाहता हूं कि बूढ़ों की चिंता उन से ज्यादा हमें है। (शोर एवं व्यवधान)

डॉ० रघुवीर सिंह कादियान: अध्यक्ष महोदय, शर्मा जी ने जो बात कही है, ये उसका जवाब तो सुन ले। (शोर एवं व्यवधान)

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

श्रीमती किरण चौधरी : अध्यक्ष महोदय, जो बात माननीय मुख्यमंत्री जी ने कही है हम उसका स्वागत करते हैं।....(शोर एवं व्यवधान)

श्री आनन्द सिंह दांगी (महम) : अध्यक्ष महोदय, एक महिला की बात तो सुन ली जाए।

श्री रामबिलास शर्मा : अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय सदस्य श्री दांगी जी को बताना चाहता हूं कि ये महिला तो अपनी हिम्मत पर बैठी है वरना कांग्रेस पार्टी की सरकार के समय तो सरकार ने इस महिला का डिपार्टमैंट ही खोस लिया था। (विघ्न) सारी बात मत उघड़वाओ। मैं एक बात विपक्ष के माननीय सदस्यों से कहना चाहता हूं कि आज मुख्यमंत्री जी एक नई परम्परा शुरू कर रहे हैं। एक नई रिवायत शुरू कर रहे हैं। उन्होंने अपनी पहल पर आर्थिक स्थिति पर श्वेत-पत्र लाने की बात कही है। आज तक हमने कई मुख्यमंत्री देखे हैं, सरकारें भी देखी है, किसी में इतना दम नहीं था कि जो ऐसी बात कहे सके। आज माननीय डॉ० रघुवीर सिंह जी और माननीय कुलदीप शर्मा जी ने बुढ़ापा पैंशन की बात कही है। उन्होंने कहा कि पैंशन बढ़ाने की पोलिसी को शीघ्रातिशीघ्र लागू करो। मान्यवर, शीघ्रातिशीघ्र का मतलब होता है कोई महीना नहीं या दो महीना नहीं बल्कि अभी से लागू करें।

श्री मनोहर लाल: अध्यक्ष महोदय, इस बारे में मैं बताता हूँ। देखिए, मैंने आर्थिक प्रबंधन की बात कही है और आर्थिक प्रबंधन से ही ये चीजें बाहर निकलती है। सरकार द्वारा घोषणाएं कुछ भी की जा सकती हैं। घोषणाएं सबको अच्छी लगती हैं। आखिर आप लोगों ने भी कुछ सोचकर पैंशन की राशि को 1500 रुपये तक बढ़ाने की बात अपने घोषणा पत्र में की थी। हमने भी कुछ सोचकर अपने घोषणा पत्र में 2000 रुपये तक पेंशन की राशि बढ़ाने की बात कही थी। चूंकि आप तो उस समय सरकार में थे और सारी स्थिति से अवगत थे। हम तो अनुमान से सारे काम कर रहे थे, सरकार में नहीं थे। सुनिये, अब सुनिए, कुल 5 साल के कार्यकाल में आपके 1500 रुपये प्रति माह के हिसाब से एक साल के 18000 रुपये बुढ़ापा पेंशन के बनते हैं। इस हिसाब से एक साल का 18000 रुपये और 5 साल की पैंशन 90000 रुपये बनती है। हम 5 साल के अन्दर 90000 रुपये जरूर देंगे चाहे किसी भी प्रकार से देंगे। कादियान साहब, अगली बात यह है कि आर्थिक प्रबंधन बजट से जुड़ा होता है। हमारा अगला सत्र बजट सत्र होगा। बजट सत्र से पहले हम आर्थिक प्रबंधन के बारे में व्हाइट पेपर भी लाएंगे और बजट सत्र से पहले इसके लिए पूरी योजना आपको दे देंगे कि हम यह सब कैसे करेंगे। अध्यक्ष महोदय, महिला कल्याण की बात मैं पूरी जिम्मेदारी से कह सकता हूं।(शोर एवं व्यवधान) दो बातें मैंने निश्चित बता दीं, काउंट करके बता दी, उसके बाद भी कोई बात रह गई है क्या?

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय,मैं आपके माध्यम से मुख्यमंत्री जी को बताना चाहूंगा कि मुझे भी इस सदन के सदस्य के तौर पर 20-25 साल का तजुर्बा है। मैं कहना चाहूंगा कि मुख्यमंत्री जी, जिसने भी आपको इस बारे में सलाह दी है उसका आपकी छवि को धूमिल करने का इरादा है।

मुख्यमंत्री (श्री मनोहर लाल) : यदि आप मेरे ऊपर शंका करेंगे तो यह ठीक नहीं है। आप मेरी टीम पर शंका करें, यह ठीक नहीं। (शोर एवं व्यवधान) दो बातें इतनी स्पष्ट रूप से बताने के बाद भी यदि आपको ध्यान में नहीं आ रहा है तो यह उचित नहीं है। जहां तक मेरे सलाहकारों की बात है मेरे सलाहकार सौ हो सकते हैं, हजार हो सकते हैं। मेरी सलाहकार हरियाणा प्रदेश की 2.5 करोड़ जनता है। मैं उनकी सलाह मानता हूं। मेरी सलाह की चिंता मत करें। मुझे सामूहिकता के आधार पर काम करना आता है।

(इस समय मेजें थपथपाई गईं।)

डॉ० रघुवीर सिंह कादियान: आपकी सलाहकार 2.5 करोड़ जनता है उसमें 13 लाख बूढ़ों को भी आप मिला लो।

बैठक का समय बढ़ाना

श्री अध्यक्ष : यदि हाउस की सहमति हो तो हाउस का समय 30 मिनट के लिए बढ़ा दिया जाए।

आवाजें : जी हां।

श्री अध्यक्ष : सदन का समय आधे घंटे के लिए बढ़ाया जाता है।

राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा तथा धन्यवाद प्रस्ताव पर मतदान (पुनरारम्भण)

मुख्यमंत्री (श्री मनोहर लाल): कादियान जी, यदि आप एक विषय को खत्म करेंगे। तभी हम आगे बढ़ पाएंगे और सदन की कार्यवाही को आगे बढ़ा पाएंगे।

वाक आउट

डॉ० रघुवीर सिंह कादियान: मुख्यमंत्री जी, जैसा आपने कहा कि बजट से पहले हम एक आर्थिक पत्र तैयार करेंगे और हम उसी हिसाब से अपनी घोषणा करेंगे। आर्थिक पत्र आ गया उसके फौरन बाद पैंशन की डेट घोषित करने में क्या दिक्कत है ?

वित्त मंत्री (कैप्टन अभिमन्यु): वह हमारी जिम्मेदारी है। (शोर एवं व्यवधान)

डॉ० रघुवीर सिंह कादियान: आज 13-14 लाख बूढ़े आपकी ओर देख रहे हैं। यह बड़ा ही गंभीर मसला है। जो समाज अपने बुर्जुगों की कद्र नहीं करते वे समाज नष्ट हो जाते हैं। जहां हमें बूढ़ों से संस्कार मिलते हैं और उनके संस्कारों पर ही यह समाज खड़ा है। मैं आपके माध्यम से सदन के नेता से रिक्वैस्ट करूंगा कि आप इस बारे में डेट तो बता दें। (शोर एवं व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, मैंने बिल्कुल सही बात कहनी है।

श्री अध्यक्ष : कादियान साहब, आप अपनी सीट पर बैठ जाएं। कादियान साहब, आप तो ठीक बात ही करेंगे लेकिन आपकी बात के चक्कर में सदन का सारा सिस्टम बिगड़ गया है। आप बैठ जाएं। माननीय सदस्यगण, मेरी सभी सदस्यों से प्रार्थना है कि आप लोग अपनी अपनी सीटों पर बैठ जाएं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री मनोहर लाल: महिला कल्याण के बारे में सारे सदन की चिंता से मैं सहमत हूं और मैं मानता हूं कि यह एक महत्वपूर्ण विषय है। महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण की और सम्मान की जहां तक बात है। (शोर एवं व्यवधान)

डॉ० रघुवीर सिंह कादियान: अध्यक्ष महोदय, अगर डेट नहीं दी जाती है तो हम इसके विरोध में सदन से वाकआउट करते हैं।

श्री मनोहर लाल: अध्यक्ष महोदय, मैं कांग्रेस पार्टी के सदस्यों से एक बात पूछना चाहता हूं कि पिछले चुनाव में आपने जो घोषणाएं की थी क्या उनको पहले ही सत्र में पूरा करने का वायदा किया था। (शोर एवं व्यवधान) निश्चित रूप से इस बारे में घोषणा कल के सत्र में की जा सकती है। (विघ्न)

डॉ० रघुवीर सिंह कादियान: अध्यक्ष महोदय, हरियाणा प्रदेश के 13 लाख बुजूर्ग सरकार की तरफ आंखें फाड़ फाड़ कर देख रहे हैं। कि सरकार उनके लिए कोई घोषणा करेगी। अध्यक्ष महोदय, आप हमारी बात नहीं सुन रहे हैं इसलिए हम सदन से वाक आऊट करते हैं।

(इस समय सदन में उपस्थित कांग्रेस पार्टी के सभी माननीय सदस्य वृद्धावस्था पेंशन 1000 रुपये से 2000 रुपये तक संशोधन करने की तिथि निश्चित न करने के विरुद्ध जैसा कि वर्तमान सरकार के घोषणा पत्र में उल्लिखित किया गया है, विरोध के रूप में सदन से वाक आउट कर गए।)

राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर चर्चा तथा धन्यवाद प्रस्ताव पर मतदान (पुनरारम्भण)

मुख्यमंत्री (श्री मनोहर लाल) : अध्यक्ष महोदय, मैं यह कह रहा था कि महिलाओं की हमें बहुत चिन्ता हो रही है कि जब हरियाणा का नाम जेण्डर रेशो के लिए गिना जाता है तो उसके लिए बहुत ही चिन्ता होता है हमारे सामाजिक परिप्रेक्ष्य में बेटे का जन्म हो तो निश्चित रूप से परिवार के अन्दर एक अलग प्रकार का माहौल होता है और बेटी का जन्म हो तो परिवार में उसका वातावरण दूसरा होता है। बेटा बेटी में समानता हो बल्कि मैं तो यहां तक कहूंगा कि बेटी का जन्म हो तो अच्छा माहौल होना चाहिए। बेटी के संस्कार अच्छे होंगे तो समाज की रचना में हम आगे बढ़ेंगे और समाज की रचना भी अच्छी होती है। बेटी आगे बढ़कर कैं जब मां बनती है तो परिवार के अन्दर बच्चों को संस्कारित करने की भूमिका जितनी मां की होगी वैसे ही बच्चे संस्कारित होते हैं। बेटियों, माताओं और बहनों का संस्कार अगर अच्छा हो तो इसके लिए सामाजिक वातावरण बदलने की आवश्यकता है। आवश्यकता तब पूरी होती है जब हम बेटी के जन्म होने के बाद परिवार में खुशी मनाएं। बच्चे के जन्म से पहले चूंकि आजकल बहुत से प्रयोग होने लग गये हैं लोग उन प्रयोगों की ओर न बढ़े तो निश्चित रूप से हम उन परिवारों की सहायता करने की योजना बनायेंगे जिन परिवारों में बेटी पैदा होगी। बेटियों की शिक्षा, बेटियों का पालन पोषण, बेटियों का रोजगार और बेटियों की शादी के लिए सरकार जरूर योजनाएं बनाएगी। बेटियों के जन्म पर जो परिवार अपनी जिम्मेवारी पूरा करने में सक्षम नहीं हैं तो उनकी जिम्मेवारियों को पूरा करने में सरकार अपना पूरा सहयोग करेगी। इस काम में भी आर्थिक प्रबन्धन का विषय आता है। हम ऐसी कोई योजना बनायेंगे कि जब बेटी का जन्म होगा तो कुछ राशि बेटी के बैंक अकाउंट में डाल दी जाए। हम अपने कांग्रेस के मित्रों का सदन में वापस आने पर स्वागत करते हैं।

डॉ० रघुवीर सिंह कादियान: अध्यक्ष महोदय, हरियाणा प्रदेश के 13 लाख बुजुर्ग सरकार की तरफ आंखें फाड़ फाड़ कर बाट जोह देख रहे हैं कि कब सरकार उनके लिए कोई घोषणा करेगी।

श्री अध्यक्ष : कादियान साहब, आप बैठ जाईये।

श्री मनोहर लाल: अध्यक्ष महोदय, कल हमारे एक मित्र ने सही कहा था कि आप नये सदस्यों की चिन्ता मत करें वह बहुत अच्छा योगदान करेंगे। अगर चिन्ता है तो आज मुझे अपने पुराने सदस्यों की चिन्ता हो रही हैं। (विघ्न) मैं इस बात के लिए उनका धन्यवाद करता हूं।

डॉ० रघुवीर सिंह कादियान: अध्यक्ष महोदय, जो बाग का माली होता है वह बगिया में पानी भी देता है और अगर हैज की ओवरग्रोथ हो जाये तो उसकी कटिंग भी करता है।

श्री मनोहर लाल: अध्यक्ष महोदय, मैं इस बात के लिए डाक्टर साहब का धन्यवाद करता हूं। कुल मिलाकर हमारे यहां बेटी को समाज में और परिवार में जो स्थान मिलना चाहिए वह अभी नहीं मिला है। मैं यह बता रहा था कि खासकर जो गरीब परिवार हैं या बी०पी०एल० परिवार हैं उनको बेटी का जन्म बोझ न लगे कि बेटी हुई है इसके लिए हम जन्म से ही उनके लिए आर्थिक प्रबन्धन की बात करेंगे। जब बेटी का जन्म हो तो उसका अकाउंट खोलकर कुछ पैसा पेटी के अकाउंट में और कुछ पैसा उसके परिवार के लिए देंगे। बेटियों के लिए मुफ्त शिक्षा की व्यवस्था हम करेंगे। इसके साथ ही बेटियों का रोजगार प्राथमिकता पर हो इसके लिए हम प्रयास करेंगे ताकि आगे चलकर बेटी शादी के बाद जब अपने परिवार में जाए तो वह रोजगार सहित जाए ताकि वह अपनी शादीशुदा जिंदगी अच्छे से बसर कर सके। नियमित रूप से बेटियों को हर महीने जो पैसे मिलेंगे उससे वह राशि ब्याज समेत कम से कम इतनी जरूर बन जाए कि उसमें से उनकी शादी हो जाए और उनके परिवार पर उसकी शादी का बोझ न पड़े, इसकी घोषणा निश्चित रूप से हम अगले बजट में करेंगे। मैं एक बार फिर कहना चाहूंगा कि समाज में अच्छी बातें लाने का विचार हमारे मन में है।

श्री आनन्द सिंह दांगी : मुख्यमंत्री जी, इस प्रकार की तो बहुत सी योजनाएं पहले से ही चल रही हैं जैसे लाडली योजना और विवाह शगुन योजना आदि।

श्री मनोहर लाल: अध्यक्ष महोदय, यह ठीक है कि कई योजनाएं पहले से चल रही हैं लेकिन उसके बाद भी समाज में भ्रूण हत्या जैसी बातें होती हैं। इसलिए उनको रोकने के लिए और खासकर जैण्डर रेशो को ठीक करने के लिए हम बहुत चिन्तित हैं। इस प्रकार के कामों के लिए हरियाणा प्रदेश पूरे देश में बदनाम है। 1000 के पीछे 859 हमारी महिलाएं और बेटियां हैं जोकि समाज कि रचना में बहुत चिंता का विषय है इसलिए इस बारे में हम निश्चित रूप से योजना बनाकर अगले सत्र में रखेंगें।

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, कृषि मंत्री जी ने तो हरियाणा के लड़कों की शादी कराने के लिए बिहार से समझौता किया है। (विघ्न)

मुख्यमंत्री (श्री मनोहर लाल) : अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय सदस्यों से कहना चाहूंगा कि वे शब्दों पर न जाकर भावना पर जाएं। भावना अच्छी होनी चाहिए। भावना कुल मिलाकर यह है कि इस प्रकार की स्थिति यहां पैदा न हो। इस विषय को गलत ढंग से पेश कर दिया गया है जो नहीं होना चाहिए था। एक बात आस पास के प्रान्तों से तुलना करने की आती है, कभी तो गुजरात से की जाती है और कभी पंजाब का नाम ले लिया जाता है। यह तो मैंने भी कहा है कि सब प्रांतों की तुलना में हमारा प्रांत आगे बढ़े ऐसी हमारी अच्छा है। हमारा प्रांत आगे बढ़ेगा और निश्चित रूप से आगे बढ़ेगा लेकिन जिस क्षेत्र में हमारा प्रांत आगे बढ़ रहा है वहां तो मुझे चिंता नहीं है लेकिन जिन बातों में हमारा प्रांत आगे नहीं बढ़ रहा, उसका उल्लेख मैं अवश्य करना चाहूंगा। इस समय तक मैंने दो बातों का उल्लेख कर दिया है। अध्यक्ष महोदय, एक तो मैंने हाउस की सिटिंग बढ़ाने का उल्लेख किया और दूसरा बुढ़ापा पैंशन का जिक्र किया कि यह सर्वे करने के बाद दी जाएगी, इसको कोई नाकार नहीं सकता। मैंने जैण्डर रेशो का भी जिक्र किया जिसको भी कोई नाकार नहीं सकता। ऐसी ही बहुत सी और बातें हैं जिनको हमें दूसरे प्रांतों के अनुसार देखना होगा। आर्थिक प्रबंधन में भी हम दूसरे प्रांतों से तुलना करते

[श्री मनोहर लाल]

हैं कि उनके बराबर सब कुछ होगा परंतु इस बारे में मैं कहना चाहूंगा कि हमें कई प्रकार की तुलनाएं करनी पड़ती हैं। पंजाब के बराबर हमारा वेतनमान हो इसकी सब घोषणाएं हो चुकी हैं लेकिन उस वेतनमान के साथ और कई बाते जुड़ी हुई हैं। लेकिन उस वेतनमान के साथ और कई बातें जुड़ी हुई हैं। पंजाब के अंदर बहुत सी ऐसी सुविधाएं नहीं दी जा रही हैं जो हमारे यहां दी जा रही हैं। अध्यक्ष महोदय, पंजाब में नौकरियों की योग्यता कुछ और है और हमारे यहां कुछ और है। पंजाब की परिस्थितियां अलग हैं और हमारे यहां अलग हैं। पंजाब का एक विषय मैं आप सबको और बताना चाहता हूं क्यों जो सरकार पंजाब में चल रही है मुझे भी उनके साथ बैठने का मौका मिला है। वहां के आर्थिक प्रबंधन में गड़बड़ यह है कि वहां के कर्मचारियों को छः छः महीने तक वेतन नहीं मिलता है। हम भी अगर असंतोष का वातावरण बनाएं कि घोषणाएं कुछ भी करें और बाद में कुछ न मिलें तो फिर लोग सरकार की तरफ टकटकी लगाकर देखते रहेंगे। कम से कम ऐसा वातावरण हम हरियाणा प्रदेश में नहीं होने देना चाहते। हम वे योजनाएं बनाएं जिसमें हम सक्षम हों और ठीक प्रकार से उसकी व्यवस्था का पालन कर सकें।

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, मुख्यमंत्री जी ने बहुत अच्छी बात कही है। मुख्यमंत्री जी, मेरा एक सुझाव है। आपकी नीयत पर कोई शक नहीं कर रहा। पंजाब के समान कर्मचारियों को वेतनमान देने का फैसला पिछली सरकार ने किया था और जिस तरह से आप भी कह रहे हैं। सरकार के लैवल पर आप जो करते हैं वह कीजिए क्योंकि यह आपका अधिकार है लेकिन अगर आप ठीक समझें तो क्या इस सदन के दलों के कुछ सदस्यों की एक कमेटी बनाने का विचार करेंगे जो उन सारी बातों की निगरानी कर सके।

श्री मनोहर लाल: अध्यक्ष महोदय, हम पूरे सदन का सहयोग चाहते हैं। जिन जिन बातों पर हमें सभी दलों के सदस्यों के सुझाव की आवश्यकता होगी हम उस पर जरूर विचार करेंगे। (विघ्न)

श्री कर्ण सिंह दलाल: अध्यक्ष महोदय, क्या इस बारे में कोई कमेटी बनाई जाएगी।

श्री मनोहर लाल: दलाल जी, आपने बहुत अच्छा सुझाव दिया है और हमने इसे नोट कर लिया है हम जरूर इस पर विचार करेंगे। (विघ्न) सदन में इतना ही होता है। अंत में एक विषय मैं ऐसा बोलना चाहूंगा कि जिसके बारे में हमारे पूर्व स्पीकर महोदय ने अपने अभिभाषण में अपनी बातचीत के प्रारम्भ में कही, हमें सुनकर बहुत कष्ट हुआ। वे कह रहे थे कि सारा एजेंडा नागपुर से पास होकर आता है, सब कामों के लिए दिल्ली जाते हैं और आर०एस०एस० का एजैंडा लागू हो रहा है। अध्यक्ष महोदय मैं सदन में सबसे पहले यह बताना चाहता हूं कि मेरा सामाजिक जीवन 1980 में प्रारम्भ हुआ। और राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के प्रचारक के नाते शुरु हुआ। 1980 से मैं इस समाज के साथ जुड़ा हुआ हूँ। समाज का काम करना और समाज के प्रति मन में जो श्रद्धा भाव है, उस भाव को ध्यान में रखते हुए 1980 के बाद आज तक मैंने कोई व्यक्तिगत काम नहीं किया है। अध्यक्ष महोदय, मेरा पूरा जीवन समाज के लिए है। यह केवल संघ के कारण है, आर०एस०एस० के कारण है और किसी स्कूल या संस्था का इसमें कोई योगदान नहीं है। मैं दो दिन पहले अपने साथियों को मजाक में कह रहा था कि 34 साल के बाद पहला महीना आयेगा जब मेरी भी सैलरी आयेगी, क्योंकि मुख्यमंत्री बनने पर मुझे सैलरी मिलेगी। अध्यक्ष महोदय, जब मैं दसवीं कक्षा में पढ़ता था तब मैंने एक कोटेशन पढी थी जो कि आज भी मुझे याद है। (विघ्न)

श्री कुलदीप शर्मा : क्या आप आर०एस०एस० के सारे एजैंडे लागू करेंगे ?

श्री मनोहर लाल: प्लीज, जो बात मैं बता रहा हूं कि सुन लीजिए। अभी मैंने विषय खत्म नहीं किया है। मेरा विषय खत्म होने दें उसके बाद आप बोल लेना। मैंने दसवीं कक्षा में एक वाक्य पढ़ा था कि "Make yourself necessary to the world, the world will give you the bread." यानि आप अपनी उपयोगिता समाज के लिए बनाइये, समाज आपकी चिंता करेगा और मेरी चिंता इस समाज ने की है। मेरी चिंता किसी को करने की आवश्यकता नहीं है। (इस समय मेजें थपथपाई गईं।) अध्यक्ष महोदय, मैंने घर परिवार 1980 में छोड़ दिया था और संस्कार केवल राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ से लिये। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ जीवन में बहुत त्याग और समर्पण सिखाता है। जो लोग संघ की शाखाओं में गये हैं इस बात को केवल वही जानते हैं। मुझे इस बात का गर्व है कि मैं 1977 में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ का एशोसिएट बना और 1980 में प्रचारक बना। उस प्रचारक जीवन के बाद समाज के जिन प्रबुद्ध नागरिकों ने, राजनैतिक क्षेत्र के लोगों ने यह कहा कि हरियाणा प्रदेश का मुख्यमंत्री किराको बना दिया, यह क्या जानता होगा और क्या करेगा यह बात सही है कि निश्चित रूप से मैं इसके लिए नया हूं और इस पब्लिक लाईफ के लिए भी नया हूं लेकिन मेरे जो संस्कार हैं वे इस समाज के लिए अलग नहीं हैं। मैं और समाज अभिन्न हैं। मैं इस समाज के लिए हूँ और हरियाणा प्रदेश की 2.50 करोड़ जनता मेरा घर है और इस परिवार के लिए मैंने काम करने का संकल्प लिया है तथा मुझे लगता है आप इसमें मेरा सहयोग करेंगे। (इस समय मेजें थप-थपाई गईं।) अध्यक्ष महोदय, यह संघ एक संस्था है। जहां तक संघ के एजैंडे की बात है, संघ का मनुष्य निर्माण के अलावा कोई एजैंडा नहीं है। मनुष्य निर्माण के माध्यम से जो कमियां किसी मनुष्य में पाई जाती हैं, किसी वजह से गलत व्यसन हो गये हैं उनको किस प्रकार से ठीक करना है यही सब संघ सिखाता है। इसी तरह से मनुष्य का संस्कार कैसा हो, मनुष्य में देशभक्ति की भावना है या नहीं है, कोई मनुष्य देश के विपरित तो नहीं सोचता है और कहीं केवल व्यक्तिगत स्वार्थों में तो नहीं फंसा रहता है, कहीं लोकहित भी इंसान के मन में है या नहीं है, इस तरफ ध्यान दिया जाता है जनहित व्यक्तिगत हित से ऊपर है और संघ में इन्हीं बातों की तरफ ध्यान दिया जाता है। जनहित और व्यक्तिगत हित यदि कहीं टकरायेंगे तो हम निश्चित रूप से जनहित की चिंता करेंगे, व्यक्तिगत हित की चिंता नहीं करेंगे। यहा संघ के संस्कार हैं। (इस समय मेजें थप-थपाई गईं।) इस संस्कारों को ध्यान में रखते हुए मुझे यहां यह सब नहीं कहना चाहिए था क्योंकि यह मेरे एजैंडा में नहीं था लेकिन विपक्ष के साथियों ने यह विषय उठा दिया इसलिए मुझे अपने उत्तर में यह सब बातें क्लीयर करनी पड़ी। जहां तक मेरी और अनिल विज जी की बात हुई और मुझे ध्यान नहीं आ रहा कि सामने कोई अखबार रिपोर्टर या कुलदीप शर्मा जी वहां थे और यदि थे तो यह बात सच हो सकती है। यदि कोई अखबार वाला या कुलदीप शर्मा जी वहां उपस्थित नहीं थे तो अखबार वाले क्या लिखेंगे और आप क्या बोलेंगे इस पर थोड़ा ध्यान देना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, इसके अतिरिक्त जहां तक हमारी पार्टी की बात और दिल्ली आने जाने की बात है इस बारे में मैं बताना चाहूंगा कि मैं एक राष्ट्रीय पार्टी का सदस्य हूं। भारतीय जनता पार्टी एक राष्ट्रीय पार्टी है, प्रादेशिक पार्टी नहीं है और कांग्रेस पार्टी भी राष्ट्रीय पार्टी है। कांग्रेस के मित्रों से मुझे कोई गिला-शिकवा नहीं है यदि वे दस जनपथ से कोई सलाहमशिवरा करते हैं। राष्ट्रीय पार्टी होने के नाते इन्हें वहां सलाह करनी भी चाहिए। आखिरकार राष्ट्रीय पार्टियां होती किस लिए हैं। (विघ्न) आप इन बातों को छोड़िये। जब आपने कहा तब इन्होंने कहा था। आपने कहा तब उत्तर में कहा गया था और मुझे इस समय दोनों की बातें ध्यान में नहीं आ रही। इसमें मैं केवल यही कहना चाहता हूँ कि राष्ट्रीय पार्टी का अर्थ यही

[श्री मनोहर लाल]
होता है कि हम प्रदेशों में कोई योजना बनायें तो अपनी राष्ट्रीय पार्टी से विचारविमर्श करें। हमारा प्रादेशिक एजैंडा भी राष्ट्रीय पार्टियों के एजैंडा से ही प्रेरित होता है। यदि कोई प्रादेशिक पार्टी होगी जिसका राष्ट्रीय स्तर पर कोई अस्तित्व नहीं है तो वह प्रदेश में अपनी रचना बनायेगी। राष्ट्रीय पार्टी होने के नाते निर्णय हम स्वयं करते हैं लेकिन दिशा लेने के लिए हमारे राष्ट्रीय नेताओं से विचारविमर्श करते हैं। मैं स्पष्ट तौर पर यह कहना चाहता हूँ कि निर्णय हम अपने आप करते हैं और जहां तक दिशानिर्देश लेने की बात है दिशानिर्देश लेने का काम सब करते हैं और इसमें मुझे कोई आपत्ति दिखाई नहीं देती है। मुझे किसकी सलाह से चलना है और किसकी सलाह से नहीं चलना है यह आंतरिक मामला है। हमारे यहां आंतरिक लोकतंत्र है और उस आंतरिक लोकतंत्र की व्यवस्था पर मुझे गर्व है। मित्रो, आप सब लोगों ने मेरी बात को ठीक ढंग से सुना। अगर कोई छोटा-मोटा व्यवधान हुआ भी है तो उसकी चिंता करने की कोई आवश्यकता नहीं है क्योंकि लोकतांत्रिक व्यवस्था में यह सब होता है। आप सब लोगों ने सदन की कार्यवाही को सुचारू रूप से चलाने में अपना पूरा सहयोग दिया इसके लिए भी मैं आपका धन्यवाद करना चाहता हूं।

श्री अभय सिंह चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मैंने आज सुबह महामहिम राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर चर्चा करते हुए इस बात का विशेष रूप से उल्लेख किया था कि इस प्रदेश में पिछले 10 वर्षों के दौरान किस ढंग से भ्रष्टाचार पनपा है। मैंने सुबह इस बात पर चर्चा की थी और मैंने आपसे यह भी आग्रह किया था कि आप जब धन्यवाद प्रस्ताव पेश करें तो इस विषय पर थड़ जरूर बतायें कि आप इस बारे में क्या करने जा रहे हैं।

श्री मनोहर लाल: अध्यक्ष महोदय, नेता प्रतिपक्ष ने एक विषय उठाया है इसलिए मैं समझता हूं कि उसका उत्तर दिया ही जाना चाहिए। इस बारे में मैं यह बताना चाहूंगा कि भ्रष्टाचार हमारी चिंता का सबसे बड़ा इश्यू है। हमने जो वायदे प्रदेश की जनता से किये हैं उसमें एक वायदा यह भी है कि हम प्रदेश में भ्रष्टाचार मुक्त सरकार लाएंगे। यहां पर पहला वायदा तो मैं यह करता हूं कि हमारी सरकार के जो भी क्रियाकलाप होंगे उनमें भ्रष्टाचार के लिए कोई स्थान नहीं होगा। दूसरी बात यह है कि इस बारे में अब तक क्या हुआ। (शोर एवं व्यवधान) मैं सभी माननीय सदस्यों को यह कहना चाहता हूं कि वे विषयों को सही संदर्भ में लें क्योंकि हमारा यह सत्र महामहिम राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के साथ समापन की ओर है। मैं यह कहना चाहता हूं कि कहीं पर भी कोई बात विपक्ष के साथियों को और जनता को इसके विपरीत ध्यान में आती है तो मैं उस बात का स्वागत करूंगा। हमें उसकी सूचना मिलनी चाहिए क्योंकि मैं समझता हूं कि सूचना निश्चित रूप से आगे की कार्यवाही का आधार बनती है। किसी बात की कोई गारण्टी नहीं होती कि मैंने कह दिया तो आगे इस तरह का कुछ होगा नहीं। अगर कहीं पर कुछ होता है तो उसकी सूचना तो होनी ही चाहिए। सूचना पर आगे की कार्यवाही की जायेगी यह इस बात का दूसरा हिस्सा है। अभी तक जो कुछ हुआ है मैं कहना चाहता हूँ कि निश्चित रूप से आगे की कार्यवाही सूचनाओं के आधार पर ही होगी। सूचनाएं हमको मिलेंगी तो हम उनके ऊपर कार्यवाही करेंगे। जैसे नेता प्रतिपक्ष ने यहां बताया कि उन्होंने महामहिम राज्यपाल महोदय को कोई ज्ञापन दिया हुआ है और आगे भी वे कुछ देने वाले हैं। मैं यह कहता हूं कि उन सबके ऊपर कार्यवाही होगी। कार्यवाही की प्रक्रिया हम बाद में तय करेंगे। अध्यक्ष महोदय, इन शब्दों के साथ मैं अनुरोध करता हूं कि महामहिम राज्यपाल महोदय के अभिभाषण को सर्वसम्मति से पारित किया जाये। अध्यक्ष महोदय इसके साथ मैं आपका भी आभार व्यक्त करता हूं कि आपने मुझे अपने विचार यहां पर रखने का अवसर प्रदान किया।

श्री अध्यक्ष : प्रश्न है कि राज्यपाल महोदय को एक समावेदन निम्नलिखित शब्दों में पेश किया जाये--

"कि राज्यपाल महोदय को एक समावेदन निम्नलिखित शब्दों में पेश किया जाये :--

कि सत्र में इकट्ठे हुए हरियाणा विधान सभा के सदस्य राज्यपाल महोदय के अत्यन्त कृतज्ञ हैं जो उन्होंने आज 4 नवम्बर, 2014 को प्रात : 10.30 बजे इस सदन में देने की कृपा की है।"

(प्रस्ताव सर्वसम्मति से पास हुआ)

वर्ष 2014-2015 के लिए अनुपूरक अनुमान (पहली किस्त) प्रस्तुत करना

श्री अध्यक्ष: अब वित्त मंत्री वर्ष 2014-15 के लिए अनुपूरक अनुमान (पहली किस्त) पेश करेंगे।

वित्त मंत्री (कैप्टन अभिमन्यु) : आदरणीय अध्यक्ष महोदय, मैं 2014-15 के लिए अनुपूरक अनुमान (पहली किस्त) प्रस्तुत करता हूँ :--

---

वर्ष 2014-2015 के लिए अनुपूरक अनुमानों की मांगों (पहली किस्त) पर चर्चा तथा मतदान

श्री अध्यक्ष: माननीय सदस्यगण, अब वर्ष 2014-15 के अनुपूरक अनुमान (प्रथम किस्त) पर चर्चा तथा मतदान होगा। पिछली प्रथा के अनुसार और सदन का समय बचाने के लिए आर्डर पेपर पर रखी सभी डिमांड्ज (संख्या 3 से 5, 7 से 9, 11, 13, 15, 18, 20, 22, 23, 25, 27, 30, 32 से 34, 36, 38, 40 तथा 42 से 44) एक साथ पढ़ी गई और पेश की गई समझी जायें। माननीय सदस्यगण किसी भी डिमांड पर चर्चा कर सकते हैं लेकिन बोलने से पहले वे अपनी डिमांड का नम्बर बता दें जिस पर वे बोलना चाहते हैं।

कि एक अनुपूरक धनराशि जो राजस्व खर्च के लिए ₹ 7,43,34,000 से अधिक न हो, **मांग सं० 3- सामान्य प्रशासन** के संबंध में 31 मार्च, 2015 को समाप्त होने वाले वर्ष के भुगतान के क्रम में आने वाले खर्चों को चुकाने के लिए राज्यपाल को अनुदान की जाए।

कि एक अनुपूरक धनराशि जो राजस्व खर्च के लिए ₹ 7,54,00,000 से अधिक न हो, **मांग सं० 4-राजस्व** के संबंध में 31 मार्च, 2015 को समाप्त होने वाले वर्ष के भुगतान के क्रम में आने वाले खर्चों को चुकाने के लिए राज्यपाल को अनुदान की जाए।

कि एक अनुपूरक धनराशि जो राजस्व खर्च के लिए ₹ 1,05,50,000 से अधिक न हो, **मांग सं० 5-आबकारी एवं कारधान** के संबंध में 31 मार्च, 2015 को समाप्त होने वाले वर्ष के भुगतान के क्रम में आने वाले खर्चों को चुकाने के लिए राज्यपाल को अनुदान की जाए।

कि एक अनुपूरक धनराशि जो राजस्व खर्च के लिए ₹ 35,98,000 से अधिक न हो, **मांग सं० 7-आयोजन तथा सांख्यिकी** के संबंध में 31 मार्च, 2015 को समाप्त होने वाले वर्ष के भुगतान के क्रम में आने वाले खर्चों को चुकाने के लिए राज्यपाल को अनुदान की जाए।

कि एक अनुपूरक धनराशि जो पूंजीगत खर्च के लिए ₹ 186,42,00,000 से अधिक न हो, **मांग सं० 8-भवन तथा सड़कें** के संबंध में 31 मार्च, 2015 को समाप्त होने वाले वर्ष के भुगतान के क्रम में आने वाले खर्चों को चुकाने के लिए राज्यपाल को अनुदान की जाए।

कि एक अनुपूरक धनराशि जो राजस्व खर्च के लिए ₹ 100,00,00,000 से अधिक न हो, **मांग सं० 9-शिक्षा** के संबंध में 31 मार्च, 2015 को समाप्त होने वाले वर्ष के भुगतान के क्रम में आने वाले खर्चों को चुकाने के लिए राज्यपाल को अनुदान की जाए।

कि एक अनुपूरक धनराशि जो राजस्व खर्च के लिए ₹ 9,00,00,000 से अधिक न हो, **मांग सं० 11-खेलकूद तथा युवा कल्याण** के संबंध में 31 मार्च, 2015 को समाप्त होने वाले वर्ष के भुगतान के क्रम में आने वाले खर्चों को चुकाने के लिए राज्यपाल को अनुदान की जाए।

कि एक अनुपूरक धनराशि जो राजस्व खर्च के लिए ₹ 50,00,00,000 तथा पूंजीगत खर्च के लिए ₹ 40,00,00,000 से अधिक न हो, **मांग सं०13-स्वास्थ्य** के संबंध में 31 मार्च, 2015 को समाप्त होने वाले वर्ष के भुगतान के क्रम में आने वाले खर्चों को चुकाने के लिए राज्यपाल को अनुदान की जाए।

कि एक अनुपूरक धनराशि जो राजस्व खर्च के लिए ₹ 50,00,00,000 से अधिक न हो, मांग सं० 15-**स्थानीय शासन** के संबंध में 31 मार्च, 2015 को समाप्त होने वाले वर्ष के भुगतान के क्रम में आने वाले खर्चों को चुकाने के लिए राज्यपाल को अनुदान की जाए।

कि एक अनुपूरक धनराशि जो पूंजीगत खर्च के लिए ₹ 40,38,78,000 से अधिक न हो, **मांग सं०18-औद्योगिकप्रशिक्षण** के संबंध में 31 मार्च, 2015 को समाप्त होने वाले वर्ष के भुगतान के क्रम में आने वाले खर्चों को चुकाने के लिए राज्यपाल को अनुदान की जाए।

कि एक अनुपूरक धनराशि जो राजस्व खर्च के लिए ₹ 249,20,00,000 से अधिक न हो, **मांग सं० 20-सामाजिक सुरक्षा तथा कल्याण** के संबंध में 31 मार्च, 2015 को समाप्त होने वाले वर्ष के भुगतान के क्रम में आने वाले खर्चों को चुकाने के लिए राज्यपाल को अनुदान की जाए।

कि एक अनुपूरक धनराशि जो राजस्व खर्च के लिए ₹ 4,10,80,000 से अधिक न हो, **मांग सं० 22-भूतपूर्व सैनिकों का कल्याण** के संबंध में 31 मार्च, 2015 को समाप्त होने वाले वर्ष के भुगतान के क्रम में आने वाले खर्चों को चुकाने के लिए राज्यपाल को अनुदान की जाए।

कि एक अनुपूरक धनराशि जो राजस्व खर्च के लिए ₹ 1000 से अधिक न हो, **मांग सं० 23-खाद्य एवं पूर्ति** के संबंध में 31 मार्च, 2015 को समाप्त होने वाले वर्ष के भुगतान के क्रम में आने वाले खर्चों को चुकाने के लिए राज्यपाल को अनुदान की जाए।

कि एक अनुपूरक धनराशि जो राजस्व खर्च के लिए ₹ 31,42,53,000 से अधिक न हो, **मांग सं० 25-उद्योग** के संबंध में 31 मार्च, 2015 को समाप्त होने वाले वर्ष के भुगतान के क्रम में आने वाले खर्चों को चुकाने के लिए राज्यपाल को अनुदान की जाए।

कि एक अनुपूरक धनराशि जो राजस्व खर्च के लिए ₹ 21,59,80,000 से अधिक न हो, **मांग सं० 27-कृषि** के संबंध में 31 मार्च, 2015 को समाप्त होने वाले वर्ष के भुगतान के क्रम में आने वाले खर्चों को चुकाने के लिए राज्यपाल को अनुदान की जाए।

कि एक अनुपूरक धनराशि जो राजस्व खर्च के लिए ₹ 7,50,23,000 से अधिक न हो, **मांग सं० 30-वन तथा वन्य प्राणी** के संबंध में 31 मार्च, 2015 को समाप्त होने वाले वर्ष के भुगतान के क्रम में आने वाले खर्चों को चुकाने के लिए राज्यपाल को अनुदान की जाए।

कि एक अनुपूरक धनराशि जो राजस्व खर्च के लिए ₹ 55,86,78,000 से अधिक न हो,

मतदान

मांग सं० 32-ग्रामीण तथा सामुदायिक विकास के संबंध में 31 मार्च, 2015 को समाप्त होने वाले वर्ष के भुगतान के क्रम में आने वाले खर्चों को चुकाने के लिए राज्यपाल को अनुदान की जाए।

कि एक अनुपूरक धनराशि जो राजस्व खर्च के लिए ₹ 9,30,00,000 से अधिक न हो, **मांग सं० 33-सहकारिता** के संबंध में 31 मार्च, 2015 को समाप्त होने वाले वर्ष के भुगतान के क्रम में आने वाले खर्चों को चुकाने के लिए राज्यपाल को अनुदान की जाए।

कि एक अनुपूरक धनराशि जो राजस्व खर्च के लिए ₹ 30,20,00,000 से अधिक न हो, **मांग सं० 34-परिवहन** के संबंध में 31 मार्च, 2015 को समाप्त होने वाले वर्ष के भुगतान के क्रम में आने वाले खर्चों को चुकाने के लिए राज्यपाल को अनुदान की जाए।

कि एक अनुपूरक धनराशि जो राजस्व खर्च के लिए ₹ 5,10,00,000 और पूंजीगत खर्च के लिए ₹ 15,00,00,000 से अधिक न हो, **मांग सं0 36-गृह** के संबंध में 31 मार्च, 2015 को समाप्त होने वाले वर्ष के भुगतान के क्रम में आने वाले खर्चों को चुकाने के लिए राज्यपाल को अनुदान की जाए।

कि एक अनुपूरक धनराशि जो राजस्व खर्च के लिए ₹ 19,96,00,000 और पूंजीगत खर्च के लिए ₹ 24,56,58,000 से अधिक न हो, **मांग सं0 38-लोक स्वास्थ्य तथा जल पूर्ति** के संबंध में 31 मार्च, 2015 को समाप्त होने वाले वर्ष के भुगतान के क्रम में आने वाले खर्चों को चुकाने के लिए राज्यपाल को अनुदान की जाए।

कि एक अनुपूरक धनराशि जो राजस्व खर्च के लिए ₹ 843,22,00,000 से अधिक न हो, **मांग सं० 40-ऊर्जा तथा विद्युत** के संबंध में 31 मार्च, 2015 को समाप्त होने वाले वर्ष के भुगतान के क्रम में आने वाले खर्चों को चुकाने के लिए राज्यपाल को अनुदान की जाए।

कि एक अनुपूरक धनराशि जो राजस्व खर्च के लिए ₹ 118,28,28,000 से अधिक न हो, **मांग सं० 42-न्याय प्रशासन** के संबंध में 31 मार्च, 2015 को समाप्त होने वाले वर्ष के भुगतान के क्रम में आने वाले खर्चों को चुकाने के लिए राज्यपाल को अनुदान की जाए।

कि एक अनुपूरक धनराशि जो राजस्व खर्च के लिए ₹10,70,00,000 से अधिक न हो, **मांग सं० 43-कारागार** के संबंध में 31 मार्च, 2015 को समाप्त होने वाले वर्ष के भुगतान के क्रम में आने वाले खर्चों को चुकाने के लिए राज्यपाल को अनुदान की जाए।

कि एक अनुपूरक धनराशि जो राजस्व खर्च के लिए ₹ 1,50,00,000से अधिक न हो, **मांग सं० 44-मुद्रण एवं लेखन सामग्री** के संबंध में 31 मार्च, 2015 को समाप्त होने वाले वर्ष के भुगतान के क्रम में आने वाले खर्चों को चुकाने के लिए राज्यपाल को अनुदान की जाए।

(कोई स्दस्य बोलने के लिए नहीं उठा।)

श्री अध्यक्ष : अब डिमांड्स मतदान के लिए सदन में रखी जाएंगी।

मांग संख्या 3 से 5

श्री अध्यक्ष : प्रश्न है --

कि एक अनुपूरक धनराशि जो राजस्व खर्च के लिए ₹ 7,43,34,000से अधिक न हो, **मांग सं० 3-सामान्य प्रशासन** के संबंध में 31 मार्च, 2015 को समाप्त होने वाले वर्ष के भुगतान के क्रम में आने वाले खर्चों को चुकाने के लिए राज्यपाल को अनुदान की जाए।

कि एक अनुपूरक धनराशि जो राजस्व खर्च के लिए ₹ 7,54,00,000 से अधिक न हो, **मांग सं० 4-राजस्व** के संबंध में 31 मार्च, 2015 को समाप्त होने वाले वर्ष के भुगतान के क्रम में आने वाले खर्चों को चुकाने के लिए राज्यपाल को अनुदान की जाए।

कि एक अनुपूरक धनराशि जो राजस्व खर्च के लिए ₹ 1,05,50,000 से अधिक न हो, **मांगसं० 5-आबकारी एवं कराधान** के संबंध में 31 मार्च, 2015 को समाप्त होने वाले वर्ष के भुगतान के क्रम में आने वाले खर्चों को चुकाने के लिए राज्यपाल को अनुदान की जाए।

(प्रस्ताव पास हुआ)

मांग संख्या 7 से 9

श्री अध्यक्ष : प्रश्न है --

कि एक अनुपूरक धनराशि जो राजस्व खर्च के लिए ₹ 35,98,000 से अधिक न हो, **मांग सं० 7-आयोजन तथा सांख्यिकी** के संबंध में 31 मार्च, 2015 को समाप्त होने वाले वर्ष के भुगतान के क्रम में आने वाले खर्चों को चुकाने के लिए राज्यपाल को अनुदान की जाए।

कि एक अनुपूरक धनराशि जो राजस्व खर्च के लिए ₹ 186,42,00,000 से अधिक न हो, **मांग सं० 8-भवन तथा सड़कें** के संबंध में 31 मार्च, 2015 को समाप्त होने वाले वर्ष के भुगतान के क्रम में आने वाले खर्चों को चुकाने के लिए राज्यपाल को अनुदान की जाए।

कि एक अनुपूरक धनराशि जो राजस्व खर्च के लिए ₹ 100,00,00,000 से अधिक न हो, **मांग सं० 9-शिक्षा** के संबंध में 31 मार्च, 2015 को समाप्त होने वाले वर्ष के भुगतान के क्रम में आने वाले खर्चों को चुकाने के लिए राज्यपाल को अनुदान की जाए।

(प्रस्ताव पास हुआ।)

मांग संख्या 11

श्री अध्यक्ष : प्रश्न है --

कि एक अनुपूरक धनराशि जो राजस्व खर्च के लिए ₹ 9,00,00,000 से अधिक न हो, **मांग सं० 11-खेलकूद तथा युवा कल्याण** के संबंध में 31 मार्च, 2015 को समाप्त होने वाले वर्ष के भुगतान के क्रम में आने वाले खर्चों को चुकाने के लिए राज्यपाल को अनुदान की जाए।

(प्रस्ताव पास हुआ।)

मांग संख्या 13

श्री अध्यक्ष : प्रश्न है --

कि एक अनुपूरक धनराशि जो राजस्व खर्च के लिए ₹ 50,00,00,000 तथा पूंजीगत खर्च के लिए ₹ 40,00,00,000 से अधिक न हो, **मांग सं० 13 स्वास्थ्य** के संबंध में 31 मार्च, 2015 को समाप्त होने वाले वर्ष के भुगतान के क्रम में आने वाले खर्चों को चुकाने के लिए राज्यपाल को अनुदान की जाए।

(प्रस्ताव पास हुआ।)

मांग संख्या 15

श्री अध्यक्ष : प्रश्न है --

कि एक अनुपूरक धनराशि जो राजस्व खर्च के लिए ₹ 50,00,00,000से अधिक न हो, **मांग सं० 15-स्थानीय शासन** के संबंध में 31 मार्च, 2015 को समाप्त होने वाले वर्ष के भुगतान के क्रम में आने वाले खर्चों को चुकाने के लिए राज्यपाल को अनुदान की जाए।

(प्रस्ताव पास हुआ।)

मांग संख्या 18

श्री अध्यक्ष : प्रश्न है --

कि एक अनुपूरक धनराशि जो राजस्व खर्च के लिए ₹ 40,38,78,000 से अधिक न हो, **मांग सं० 18-औद्योगिक प्रशिक्षण** के संबंध में 31 मार्च, 2015 को समाप्त होने वाले वर्ष के भुगतान के क्रम में आने वाले खर्चों को चुकाने के लिए राज्यपाल को अनुदान की जाए।

(प्रस्ताव पास हुआ।)

मांग संख्या 20

श्री अध्यक्ष : प्रश्न है --

कि एक अनुपूरक धनराशि जो राजस्व खर्च के लिए ₹ 249,20,00,000 से अधिक न हो, **मांग सं० 20-सामाजिक सुरक्षा तथा कल्याण** के संबंध में 31 मार्च, 2015 को समाप्त होने वाले वर्ष के भुगतान के क्रम में आने वाले खर्चों को चुकाने के लिए राज्यपाल को अनुदान की जाए।

(प्रस्ताव पास हुआ।)

मांग संख्या 22

श्री अध्यक्ष : प्रश्न है --

कि एक अनुपूरक धनराशि जो राजस्व खर्च के लिए ₹ 4,10,80,000 से अधिक न हो, **मांग सं० 22-भूतपूर्व सैनिकों का कल्याण** के संबंध में 31 मार्च, 2015 को समाप्त होने वाले वर्ष के भुगतान के क्रम में आने वाले खर्चों को चुकाने के लिए राज्यपाल को अनुदान की जाए।

(प्रस्ताव पास हुआ।)

मांग संख्या 23

श्री अध्यक्ष : प्रश्न है --

कि एक अनुपूरक धनराशि जो राजस्व खर्च के लिए ₹ 1000से अधिक न हो, **मांग सं० 23-खाद्य एवं पूर्ति** के संबंध में 31 मार्च, 2015 को समाप्त होने वाले वर्ष के भुगतान के क्रम में आने वाले खर्चों को चुकाने के लिए राज्यपाल को अनुदान की जाए।

(प्रस्ताव पास हुआ।)

मांग संख्या 25

श्री अध्यक्ष : प्रश्न है --

कि एक अनुपूरक धनराशि जो राजस्व खर्च के लिए ₹ 31,42,53,000 से अधिक न हो, **मांग सं० 25-उद्योग** के संबंध में 31 मार्च, 2015 को समाप्त होने वाले वर्ष के भुगतान के क्रम में आने वाले खर्चों को चुकाने के लिए राज्यपाल

(प्रस्ताव पास हुआ।)

मांग संख्या 27

श्री अध्यक्ष : प्रश्न है --

कि एक अनुपूरक धनराशि जो राजस्व खर्च के लिए ₹ 21,59,80,000 से अधिक न हो, **मांग सं० 27-कृषि** के संबंध में 31 मार्च, 2015 को समाप्त होने वाले वर्ष के भुगतान के क्रम में आने वाले खर्चों को चुकाने के लिए राज्यपाल को अनुदान की जाए।

(प्रस्ताव पास हुआ।)

मांग संख्या 30

श्री अध्यक्ष : प्रश्न है --

कि एक अनुपूरक धनराशि जो राजस्व खर्च के लिए ₹ 7,50,23,000 से अधिक न हो, **मांग सं० 30-वन तथा वन्य प्राणी** के संबंध में 31 मार्च, 2015 को समाप्त होने वाले वर्ष के भुगतान के क्रम में आने वाले खर्चों को चुकाने के लिए राज्यपाल को अनुदान की जाए।

(प्रस्ताव पास हुआ।)

मांग संख्या 32 से 34

श्री अध्यक्ष : प्रश्न है --

कि एक अनुपूरक धनराशि जो राजस्व खर्च के लिए ₹ 55,86,78,000 से अधिक न हो, **मांग सं० 32-ग्रामीण तथा सामुदायिक विकास** के संबंध में 31 मार्च, 2015 को समाप्त होने वाले वर्ष के भुगतान के क्रम में आने वाले खर्चों को चुकाने के लिए राज्यपाल को अनुदान की जाए।

कि एक अनुपूरक धनराशि जो राजस्व खर्च के लिए ₹ 9,30,00,000 से अधिक न हो, **मांग सं० 33-सहकारिता** के संबंध में 31 मार्च, 2015 को समाप्त होने वाले वर्ष के भुगतान के क्रम में आने वाले खर्चों को चुकाने के लिए राज्यपाल को अनुदान की जाए।

कि एक अनुपूरक धनराशि जो राजस्व खर्च के लिए ₹ 30,20,00,000 से अधिक न हो, **मांग सं० 34-परिवहन** के संबंध में 31 मार्च, 2015 को समाप्त होने वाले वर्ष के भुगतान के क्रम में आने वाले खर्चों को चुकाने के लिए राज्यपाल को अनुदान की जाए।

(प्रस्ताव पास हुआ।)

मांग संख्या 36

श्री अध्यक्ष : प्रश्न है --

कि एक अनुपूरक धनराशि जो राजस्व खर्च के लिए ₹ 5,10,00,000 और पूंजीगत खर्च के लिए ₹ 15,00,00,000 से अधिक न हो, **मांग सं० 36-गृह** के संबंध में 31 मार्च, 2015 को समाप्त होने वाले वर्ष के भुगतान के क्रम में आने वाले खर्चों को चुकाने के लिए राज्यपाल को अनुदान की जाए।

(प्रस्ताव पास हुआ।)

मांग संख्या 38

श्री अध्यक्ष : प्रश्न है --

कि एक अनुपूरक धनराशि जो राजस्व खर्च के लिए ₹ 19,96,00,000 और पूंजीगत खर्च के लिए ₹ 24,56,58,000 से अधिक न हो, **मांग सं० 38-लोक स्वास्थ्य तथा जल पूर्ति** के संबंध में

मतदान

31 मार्च, 2015 को समाप्त होने वाले वर्ष के भुगतान के क्रम में आने वाले खर्चों को चुकाने के लिए राज्यपाल को अनुदान की जाए।

(प्रस्ताव पास हुआ।)

मांग संख्या 40

श्री अध्यक्ष : प्रश्न है --

कि एक अनुपूरक धनराशि जो राजस्व खर्च के लिए ₹ 843,22,00,000 से अधिक न हो, **मांग सं० 40-ऊर्जा तथा विद्युत** के संबंध में 31 मार्च, 2015 को समाप्त होने वाले वर्ष के भुगतान के क्रम में आने वाले खर्चों को चुकाने के लिए राज्यपाल को अनुदान की जाए।

(प्रस्ताव पास हुआ।)

मांग संख्या 42 से 44

श्री अध्यक्ष : प्रश्न है --

कि एक अनुपूरक धनराशि जो राजस्व खर्च के लिए ₹ 118,28,28,000 से अधिक न हो, **मांग सं० 42-न्याय प्रशासन** के संबंध में 31 मार्च, 2015 को समाप्त होने वाले वर्ष के भुगतान के क्रम में आने वाले खर्चों को चुकाने के लिए राज्यपाल को अनुदान की जाए।

कि एक अनुपूरक धनराशि जो राजस्व खर्च के लिए ₹ 10,70,00,000से अधिक न हो, **मांग सं० 43-कारागार** के संबंध में 31 मार्च, 2015 को समाप्त होने वाले वर्ष के भुगतान के क्रम में आने वाले खर्चों को चुकाने के लिए राज्यपाल को अनुदान की जाए।

कि एक अनुपूरक धनराशि जो राजस्व खर्च के लिए ₹ 1,50,00,000 से अधिक न हो, **मांग सं० 44-मुद्रण एवं लेखन सामग्री** के संबंध में 31 मार्च, 2015 को समाप्त होने वाले वर्ष के भुगतान के क्रम में आने वाले खर्चों को चुकाने के लिए राज्यपाल को अनुदान की जाए।

(प्रस्ताव पास हुआ।)

श्री अध्यक्ष : आनरेबल मैम्बर्ज, अब यह सदन दिनांक 6 नवम्बर, 2014, प्रात : 10 :00 बजे तक स्थगित किया जाता है।

***17 :56 बजे** (तत्पश्चात सदन की बैठक बुधवार 5 नवम्बर, 2014, प्रात : 10 :00 बजे तक * स्थगित हुई।)

52994—H.V.S.—H.G.P., Chd.

Haryana Vidhan Sabha Secretariat Chandigarh LIBRARY